

जैमिनीय साम प्रकृति गान्म्

Version 1.0 1st November 2025

Contents

आग्नेयपाठः

प्रथम खण्डः

॥गौतमस्यपर्कः ॥

ओग्राइ ।आया हीवाइ ।तायाइतायाइ ।

त त श थच्च चाश टा टिश

गृणानोहव्यादा ।तायाइतायाइ ।

चाश चि टा टिश

नाइहोता ।सात्साइबा औहोवा ।

किच टट खा शि

हीषि ॥१ ॥

खश

॥कश्यपस्यबर्हीषीयम् ॥

अग्नआयाहीवी ।तायाइगृणानोहव्यदाता

तू षु टी

याइ ।नीहोतासत्सीबर्हाइषी ।बर्हाइ

त श चि टी ता टा

षा औहोवा ।बर्हीषी ॥२ ॥

खा शि च खा

॥गौतमस्यचैवपर्कः ॥

अग्नआयाहीवाइतायाइ ।गृणानोहव्यदाताये ।

तू ति श युपश

निहोतासात् ।साइबाक्रहाआइषो ।हाइ ॥३ ॥

स्विण ट ता पा छि शा

॥सौपर्णञ्च ॥

त्वमग्रेयज्ञानांत्वमग्राइ । यज्ञानांहोता

षू ति श

विश्वेषांहाइताः । देवाइभाइर्मा ।

षू टा ता क टि ता

नुषे । जनाओहोबा । होइला ॥४ ॥

ताच् क टा स्फु छ शा

॥वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥

अग्निन्दूताम् । वृणीमहाइहोतारांवी । शा

टि त षू टि त

वे दसाम् । अस्ययाज्ञाओओहोवा ।

चा चा टि त का तत

स्यासूकृतूमिलाभा । ओइला ॥५ ॥

चा टी खण प फ्ला

॥श्रौतर्षणित्रीणि ॥

अग्निवृत्रा ।णाइजाऔहोवा ।घा
 ती ट खा शि ख
 नात् ।द्रविणास्युर्वीप न्ययाओइसमि
 शा चशक कि टा
 द्वारशू ।क्रायाहुताइळाभा ।ओइळा ॥६ ॥
 डु त चा टी खण् प ल्ला
 अग्नीरौहोवाहाइवृत्राणी ।जङ्गा
 खा शि शु या
 नादौहोवाइ ।द्रविणास्यूः ।ओइवाइ
 त टा त श पि ण पी
 पन्याया ।सामाइद्वा रशूऔहोवा ।क्राया
 टि टीट्ख शि
 हूताः ॥७ ॥
 टि ख
 ओग्नीः ।वृत्राणीजङ्गनादौहोऔहो
 त त कि की खि
 वा ।द्रवीणास्युर्वीप न्ययाओहोऔ
 श चाक कि चाक
 होवा ।समिद्वारशुक्रयाऔहोऔहो
 खि श चि चिक खि
 बाहूतो हाइ ॥८ ॥
 ल्ला शा
 ॥औशनञ्च ॥

प्रेषंवाः ।अताइथीम् ।स्तुषे मित्रमिव
 ति टा ता चा
 प्रायाम् ।अग्नाइराथान्नावाहा इ ।दा
 डु त भीत टा खणश प
 आयाम् ।हाइ ॥९ ॥
 ल्ला शा

॥शैरीषेच ॥

प्रेषंवयोहाइ । अताइथीम् । स्तूषा
 ती त श टा ता ता
 इ मीत्रामीवप्रायाम् । औहोइ । अग्नेराथा
 श ता टा खण थ च श था टा
 न्नावे । दायाम् । हाइ ॥१० ॥
 प श ख श शा
 प्रेषंवोहाबु । आतिथाइस्तूषेमि
 ति त श षु
 त्रामीवप्रायाम् । अग्नाइरा थाऔहोवा ।
 दू त टीट्ख शि
 नावेदीयाम् ॥११ ॥
 टि ख
 ॥इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रम्भेदे ॥

त्वन्नोया । ग्रेमाहोभिः पाहाइवीश्वा ।
 ति च थ दु त
 स्याआराते रूताद्वाइषाः । मार्त्या
 च थिच् चाय य क थ
 स्याइल्लाभा । ओइल्ला ॥१२ ॥
 टि खण् प शा
 त्वांत्वन्नोअग्नेमहोभाइः । पाहिविश्वा
 षि तीत श क
 औहो । स्याऔहो । त)आराते रूता
 टी त टा किच् चा
 द्वाइषाः । मर्तो याऔहोवा । स्या ॥१३ ॥
 य य टाट्ख शि ख

॥साकमश्वस्यशौनःशेपेःसामनी द्वे ॥

एह्युषुब्रावाणाइताइ ।

फा खि शी

अग्नित्थेतरागाइराः । एभाइर्वाधा । सयाहा इ ।

षी टि चा टा चि टा खण् श

दोभो । हाइ ॥१४ ॥

प षु शा

एह्युषुब्रवौहोणाइताइ । अग्नित्थेतरागीराः । एभिर्वार्द्धा । सयाहा

षि ती ता श यूप श खि ण टा खण्

इ । दोभोहाइ ॥१५ ॥

श प षु शा

॥वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥

आतेवत्साः । मानोयमत्पारा माच्चित्साधा

ती च श चीथ टि

स्थात् । अग्नाइत्वाङ्का । मयोबागाइरो

त भी त पा षु षि

हाइ ॥१६ ॥

शा

आतेवत्सोमनोयमदय्याहाइ । पारामा

षी तू त श षि

च्छित्सधस्थादय्याहो इया । अग्नेत्वाङ्का

टू कच शा षी

मायाअव्याहो इया । गीरा इलाभा ।

टू कच शा का टा खण्

ओइला ॥१७ ॥

प शा

॥अग्नेश्वैश्वानरस्यार्षयम् ॥

त्वामग्नेपुष्कारादधी । आथर्वानाइरा

तु ति च चा

मान्धाता । मूर्धनोवाइश्वा । स्यावोबाधातो । हाइ ॥१८॥

टी ख ण ख प्लुख णा पा प्लु छा शा

॥सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥

अग्नेविवस्वदाभरोवाहाइ । अस्माभ्या

षी तू त श चा

मू तायाइमहाओवाहाओवाहाइ । दा

काच् चा टि टात टात श च

इवोहियाओवाहाओवाहाइ । साइ

या टा टात टात श ट

नाऔहोवा । दशे ॥१९॥

खा शि ताच्

ਦ੍ਰਿਤੀਧ ਖਣਡ:

॥ਅਗ੍ਰੇਸ਼ਸੰਵਰ्ग: ॥

ਨਮਸਤੌਹੋਸਾਇ | ਓਯਾਸਾਇਗੁਣਾਨਤਾਇ
 ਤਿ ਤ ਸ਼ ਕਿ ਟਿ ਖ
 ਦੇ | ਵਾਕਾਰਿ਷ਟਾਯਾ: | ਆਮਾਇਰਾ ਮਾਔਹੋ
 ਣਾ ਚ ਯ ਟਿ ਟੀਟ ਖ
 ਵਾ | ਤ੍ਰਮਦੰਧਾ ||੧||
 ਸਿ ਖੀ
 ||ਵੈਖਮਨਸਞ਼ ||

ਦੂਤਾਂਵੋਵਿਥਵੇਦਸਾਮ् | ਹਾਵਾਵਾਹਾਮ
 ਣ ਫ ਖ ਸ਼ੁ ਥ
 ਮਾਰਤਾਯਮ् | ਯਾਜਿ਷ਮ੃ਝਸੇਹਾਇ | ਗੀਰਾਔਹੋਬਾ | ਹੋਇਲਾ ||੨||
 ਟੁ ਖ ਣ ਚ ਟੁ ਤ ਸ਼ ਚ ਟਾ ਖ ਲੁ ਲ ਸ਼ਾ
 ||ਸ਼ਾਮਾਸ਼ੈ਷ੈਦ੍ਰੋ ||

ਉਪਤਵਾਜਾ | ਮਧੋਗੀਰਾ: | ਓਇਧਾਧੂਰਦਾ
 ਤੀ ਟ ਟ ਟ ਬੁ
 ਇਦਿਸਤੀਹਾਵਿ਷ਕਤਾ: | ਓਇਧਾਧੂ ਵਾਂਧੋ
 ਤੂ ਟ ਟ ਕ ਟਿਚਕ
 ਰਾਨੀ | ਕਧਾਸਥਾਇਰਾਨ् | ਅਥਾਗਾਵਾ: ||੩||
 ਟਾਤ ਖੀ ਤ੍ਰਾ ਥ ਟ ਖ
 ਉਪਤਵਾਜਾਮਾ | ਯੋਗੀਰਾ: | ਦਾਇਦਿਸਾ
 ਤੂ ਤਿ ਚ ਸ਼ ਕਾ
 ਤਾਇਹਾਵਿ਷ਕਾਰਤਾ: | ਵਾਧੋਰਨਾਹਾਇਕਾ
 ਟੀ ਖ ਣ ਤੀ
 ਯਾ | ਸਥਾਇਰਾਔਹੋਵਾਇਲਾ ||੪||
 ਤੀ ਟ ਖ ਸਿ

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ऊपात्वाग्नेदिवेदिवाइ ।दोषावास्ताद्वी
पि शु य य
यावाय म् ।नामोभारा न्ताएमासा इ ।
चा चा य टाच्च कट खण्श
ओइळा ॥५ ॥
प शा
॥अग्नेश्वराबोधीये ॥

जारा ।बोधाबोधाताद्वीविह्नाइ ।वी
ता य य चा चा श
शेवाइशेयज्ञोयाया औहोवा ।
का टि टा खा शि
स्तोमं रूद्रायदशीकाम् ॥६ ॥
का रु च
जराबोधोवा ।ताद्वीविह्नाइ ।वीशाइवा
ती त च चिश टी
इशे ।याज्ञीयायास्तोमांरूद्रायाद् ।शीकोइळा ॥७ ॥
ता थ श किच्च य प ण श खा शा
॥मारूतञ्च ॥

प्रातित्याञ्चारूपमध्वराम् ।
पि शु
गोपीथायाप्राहुयासाइ ।मारूतभीराग्नायागहा
था चिकखण श चाक टि च
औहोबाहोइळा ॥७ ॥
टा खफ्ल फ्ल शा

॥भार्गवेच ॥

आश्वाऔहोवा ।नात्वाऔहोवा ।

टा खा श टा खा श

वारवन्तंवन्दध्यै ।आग्नाऔहोवा ।

षी ति टा खा श

नमोभिस्सम्प्राजन्ताम् ।आध्वरा णामौहो

षि तु कि पा

बाहोइळा ॥८ ॥

झाँ शा

अश्वन्त्वावारवन्ताम् ।वन्दध्याअश्वन्मोभा

षी ती षि तु

इः ।सम्प्राज न्तामाध्वरा औहोवाइ हो

श क थाच चा खा खु

हाइ ।औहोयाौहोवा ।णाम् ॥९ ॥

ण श क ट ख षि ख

॥अग्नेश्वारवन्तीयम् ॥

अश्वन्त्वाबुहोहाइ ।वारावान्तंवन्द

तु त श खि श का

ध्योहाइ ।अग्नाइन्माऔहोवाइहोहाइ ।

प ण श पु खु ण श

उहुवाभीः ।सम्प्राजन्तामाध्वराौ

खि ण क था पी

होवाइहोहाइ ।उहुवाणामेहि

खु ण श पि

याहा ।होइळा ॥१० ॥

झी श झ शा

॥ौर्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥

और्वभृगुवदोहाइ । शोचिम् । आमा

चूत श ख श

वानावादाहुवाइहुवायोइ । अग्रा

टि क टा टा चीश टा

इंसामू सामूओद्रावासासाबु । बा ॥११ ॥

टिच चि चाक त श ख

और्वभृगुवच्छुचिमे शुचिम् । आमवाना

षु ति ता किच

वादाहुवाइहुवाइहुवाए । अग्राइं

टा ता टि टित

सामूसामूसामूए । द्रावाऔहो

टी त टा टात इ ख

वा । सासामे ॥१२ ॥

शि च ट ख

॥अत्रेश्वासङ्गम् ॥

अश्विमिन्धानोमनसौहो औहोवाहाइ ।

षि ते त श

धीयंसचेतमौहोहाहोवार्त्याः ।

टूट त टा ता

अग्राइमा इन्धाऔहोवा । वीवास्वाभीः ॥१३ ॥

टीद खा शि टि ख

॥प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥

आदिप्रत्लास्यरे तसाः । ज्योतिःपश्यन्ति वा

फी शा का षी

साराम् । पारोयातिध्यताइ । दिविहोइ

टि च टि चि श

होओहोओहोवाहाबु । बा ॥१४ ॥

कू का पा ष्ठ श ख

तृतीय खण्डः

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

अग्निंवोदृधान्ताम् ।आध्वराणां पूरु
तु त चा थच् का

तामौहोवाहाइ ।आच्छानासरे ।सा
य ट ट त श य ट ट क

होबास्वातोहाइ ॥१ ॥
प षु आ शा

अग्निंवाए ।वृधन्तामध्वराणांपुरुतमम
ति त षि क्षु

च्छाहोइनासरे ।साहास्वाताइ ।ईति ॥२ ॥
टीच् य ट त पि त्र श खश

अग्निंवोहाइ ।वृधान्ताम् ।आध्वराणां
ति त श ट त

पुरुतामाम् ।अच्छानसरोहाइ ।साहोहाइ ।स्वाताओहोबा ।होइला ॥३ ॥
यू प श स्वीण श क प च श क ट ा ख षु ल शा

॥अग्नेहरसीद्धे ॥

आग्नाउवोवा ।तिग्मे नाशोचाइषा

ता खा श थाच् क टी

उवोवा ।यंसाउवोवा ।वाइश्वान्या

खा श टा खा श

त्राइणाउवोवा ।अग्निर्नोवंसते

दू खा श टि किच्

रायीम् ॥४ ॥

चा

ओहायाग्नीः ।ताइग्मेनाशोचाइषा ।यं

ती ख श खि णा

साद्वाइश्वानीयात्राइणम् ।अग्निर्नो

टा ख श खि णा टि

वंसाताऔहोवा ।रायिम् ॥५ ॥

टाद् ख शि खश

॥इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥

अग्निस्तिग्मेनशोचिषाइहा ।यंसद्विश्वन्य

षी तू षी

त्रीणामिहा ।अग्निर्नोवंसताइहा ।

टि ता दू ता

राआयाइं ।हाइ ॥६ ॥

प छि शा

॥यामेद्वे ॥

अग्राइमृळामहंयासी ।आयआदाइवयु
 दु खिण टी
 न्जानम् ।ईयेथाबार्हिरासादाम् ॥७ ॥
 खी ण टी खित्र
 आग्रेमृळामाहंयासिओहा ओहा ।आया
 ण फ कि कि खाख श ण फ
 आदेवायुन्जनामोहा ओहा ।इयाईथा
 फि फिख खाश टी
 बर्हिरासा ।दाम् ॥८ ॥
 खा त्र
 ॥अग्रेराक्षोम्बेद्वे ॥

अग्रेराक्षणोअंहासः ।प्रातिस्मदे वारीषाताः ।तापाइष्ठाइरा ।जरोदाहा ।ओइळा ॥९ ॥
 खी श छि की टित टी ता टिखण प शा
 अग्रेयूङ्क्ष्वाहीयेतावा ।अश्वासोदे
 खी श छि ची
 वासाधावाः ।आरंवाहान्तीयाशावाः ।
 टित टितक टा खण
 ओइळा ॥१० ॥
 प शा
 ॥वैश्वम्बसञ्च ॥

नित्वाहोइनक्ष्या ।वाइस्पाताइद्यूम
 खि शि च विशक
 न्तन्धाइमाहे वायम् ।सुवोहाइ ।
 था चिकखण तात श
 रामग्राओबाहूतोहाइ ॥११ ॥
 चिप छि शा

॥अग्नेश्वार्षयम् ॥

अग्निमूर्धादीवः ककूत् । पातीः पार्तथी
 तु ति टा टा
 व्याअयाम् । आपांराइतांसीजिन्वाता
 चि टा टि क टा खण्
 इ । ओइळा ॥१२ ॥
 श प छा
 ॥सोमसामच ॥

इममूषू । त्वामास्माकाम् । सानिंहोइ
 ती टि टा टा
 गायाहोतृब्यांसाम् । आग्नेहोइ
 टी कथ टा टा टा
 देवाहो षुप्रावोचाः । ओइळा ॥१३ ॥
 टी कथ टि खण् प छा
 ॥गोपवनञ्च ॥

तन्त्वागोपा । वानोगाइराः । जना
 ती टा खण चा
 इष्टादग्नायाङ्गाइराः । सपौवाउवोवा
 दू खण खुश
 कौवाउवोवा । श्रुधीहवांहोइळा ॥१४ ॥
 खिण छीप शा

॥सूर्यसामनीद्वे ॥

परियोहोइवाजा ।पाताइःकावीः ।

पी ति चा या ट

अग्नीहृव्यान्नायःक्रमीत् ।दधाद्रा ल्ला

चा था टि टि टि

औहोवा ।निदाशूषे ॥१५ ॥

शि ता टाख्

उदुत्यमोहाइ ।जातावे दासम् ।दे.

ती त श कि ख ण क

वंवहन्तीकेतावाः ।दार्शोहाइ ।वाइ

कु ख ण पा ण श

शा यासूर्यामौहोवा ।होइला ॥१६ ॥

कि च क पि ष्ठा ष्ठ शा

॥कावञ्च ॥

कविमश्चीम् ।उपास्तूहाऔहोवा ।

ती टि ख ण शि

सत्याधर्माणमाध्वारे ।देवाममी ।वाचा

चा क चि चा ती

ताना म् ।ओइला ॥१७ ॥

टि खण् प ष्ठा

॥वसुरोचिष्ठसौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

शनोदेवीः । आभीष्टायाइशनोभुवाम् ।

ती टि ख शु

तूपीतायाइशयोरभीः । श्रावान्तूना

टि ख शु टिं ख

औहोवा । ऊपा ॥१८

शि ख श

हुवाहोइशनोदेवीरभिष्टयाइ ।

ता प शु डि श

हुवाहोइशनोभुवान्तूपीतायाइ ।

ता प शु डी श

हुवाहोइशयोरभीक्षवन्तुनाः ।

ता प शु डि श

हुवाहोयाऔहोवा । ऊपा ॥१९ ॥

ता ट ख शि ख श

॥गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

कस्यानूनाम्पारीणासी ।धीयोजिन्वा
टी खि ण टी

सीसात्पाताइ ।गोषातायास्याता
खि ण श च चा टाट ख

औहोवा ।उप्पीराः ॥२० ॥
शि खा श

ओहोवाइहुवाइहुवाए ।कस्यनू
क था टि चित

नाम्पारीणासी ।ओहोवाइहुवाइहुवा
खी चा फा क था टि चि

ए ।धीयोजिन्वासीसात्पातीम् ।ओ
त खी चा फा क

होवाइहुवाइहुवाए ।गोषाता
था टि चित ष

यस्यतागाइराः ॥२१ ॥
खू शत्र

चतुर्थ खण्डः

॥भारद्वाजस्यौपहवौद्धौ ॥

यज्ञायज्ञा । वोग्रयाईगीरागिरा हा
 ती त ता टि खा श्ल
 हाइचादक्षासाइ । प्रप्रा वायममृत
 त चा खाण श टाच्क की
 न्जातावे दासाम् । प्रीयाम्मित्रान्नाशंसिषा
 यि टा चा किकि
 मे । हियाओहोओहोइला ॥१ ॥

की खु ला
 यज्ञायज्ञा । होइवोग्रायाए हिया ।
 ती त ता काख णा
 गीरा गीराचादक्षासाइ । प्रप्रा वा
 काच्च टाच चा श थाच्च
 यामामृतन्जातावे दासम् । प्रीय म्मित्रान्ना
 चाक दुखण चा कि
 शंसिषामे हियाओहो । इला ॥२ ॥

की खा ला

॥श्रुष्टीगवम् ॥

याज्ञायाज्ञावोअग्रायाइ । गाइरागाइ
 टी टी श
 राचादक्षासाइ । प्रप्रावाया मामृतन्जा
 दु टी श टीच्क कि
 तावे दासम् । प्रायाम्माइत्रान्नाशांसा
 टाखण चय चीय ट
 इषा म् । ओइला ॥३ ॥

खाण प ला

॥अग्नेश्वरज्ञायज्ञीयम् ॥

यज्ञायज्ञावोअग्नायाइ ।गाइरागीरा

णा णा फ स्वाण श

चादाक्षासाइ ।प्रप्रा वायममृतन्जाता

दू पा शा टाच्चक पू

वा ।हिम्माइ ।दासाम् ।प्रायम्मित्रान्नाशां

श चा श तत कू

सिषाबु ।बा ॥४ ॥

का श ख

॥कार्तवेशञ्च ॥

पाहिनोआग्नाएकया ।पाह्युतचिताइयाया ।पाहीगीर्भिस्तिसृभीरूर्जांपाता

खी प्ली च ची या टि चुक य ट

इ ।पाहीचातौहोवा ।स्त्रभिर्वासा

श का कात त टि खण्

बु ।ओइळा ॥५ ॥

श प प्ला

॥नार्मेधञ्च ॥

पाहीनोअग्नएकयाे ।पाहाउताद्वि

षि तु त क टि

ताइयाया ।पाहाइगाइर्भीः ।ताइसृभी

पी श टा खा णा

रूर्जाम्पाताओहोओहोवा ।पाही

कु टि खीण प

हाइ ।चातासृभाओहोओहोवा ।

चाश क टि खीण

वासावेहियाहा ।होइळा ॥६ ॥

प शु प्ल शा

॥महाकार्तवेशश्च ॥

पाहिनोअग्रएकयापाद्यूतद्वीतीया

फू ताप स्लीड

या ।पाहिगीर्भीषी)स्तिसृभिरुज्जाम्पाताइ ।

श खू ण श

पाहाइ ।चाताहाओवा ।सृभिर्व

चाश ख शी

सो ।ऊपा ॥७ ॥

ती ट ख

॥भारद्वाजस्यपृश्चीद्वे ॥

बृहत्भीरग्नेरर्च्चिभीर्हाबु ।शुक्राइणा

पि शृ

देवाशोचिषाभाराद्वाजेहोवाहाइ ।

कु ची काय ट टात श

समीधानोयावीष्टियाहोवाहाइ ।

चा था च य ट टात श

रेवात्पावाहोवाहाइ ।कादीदिहीइळा

चाय ट टात श कि टि

भा ।ओइळा ॥८ ॥

खण् प शा

बृहत्भीरग्नेरर्च्चिभीरे ।शुक्राइणा

षु ति त

देवाशोचिषाभाराद्वाजेओवा ।

कु चीक च य ट का

समीधानोयावीष्टियाओवा ।रेवात्पावाओ

चा था च य ट का चाय ट

वा ।कादीदिहीइळाभा ।ओइळा ॥९ ॥

का कि टि खण् प श्ला

॥उरोराङ्गिरसस्यसाम ॥

त्वय्याग्रेस्वाहुताहाबु ॥प्रियासा

पा शृ

सन्तुसूरायोयन्तारोयाई माधावा

ची का चा का य प फ

नोजनानाम् ।ऊर्वान्दयाहा न्तागोना

फी तात च य टा तच्क का

मीळाभा ।ओइळा ॥१० ॥

टा खण् प शा

॥गौतमस्यपौरुषुद्वेषुरुमुद्रस्यवा झीरसस्य देवानांवा ॥

अग्नेजरितर्विस्पतिरौहोवाएहिया

षु तू

हाबु ।तपानोदेवारक्षसा ।

त श का टाच चि

अप्रोषाइवान् ।गार्हपाताइर्मा

काय टा टी

हं यासी ।दीवास्पायौवाउवोवा ।हा

किखण चा का खिङ्ग त

हाइ ।दुरोणयूः ।होइल्ला ॥११ ॥

त श ष्टी ष्ट शा

अग्नेजरितार्विस्पतीस्तापानोदेव

फू ता प

रक्षसाः ।तापानोदेवरक्षसाअप्रोषी

शु षु दू

वान् ।गृहपताइर्माहंयासी ।ओहा

त चा ची कखण ख प्ल

हाहाइ ।दीवस्पायूः ।ओहाहाहाइ ।

त त श चि ट ख प्ल त त श

दुरोणायूः ।ओहाहाहा इ

टाच्क च ख प्ल खण्श

ओइल्ला ॥१२ ॥

प शा

॥मण्डोर्जामदश्यस्यसामनीद्वे ॥

अग्रेवीवाहाबु ।स्वादूषासा

ती त श क टात

श्वाइत्रांहाइराधोहाअमार्तायम् ।आ

टि त टि त टाखण च

दाशुषे जातावेदो वाहातूवाम् ।

य टा चा थाच कायट

अद्याहोइदाइव म् ।ऊषार्बु धा

टु ता क टादख

औहोवा ।हुवे वासूः ॥१३ ॥

शि ता टाख

अग्रेविवस्वदुषासाः ।चित्रंगधो

षी तित की

अमात्त्यामादाशुषे ।जातावेदो

का काय टा चा थाच

वाहातूवाम् ।अद्यादाइव म् ।ऊषार्बू

कायट टि ता क टाद

धाौहोवा ।विदावासूः ॥१४ ॥

ख शि ता टाख

॥भारद्वाजस्यगाधम् ॥

त्वन्नाश्वित्रऊत्या ।वासोराधां

पा शी चाकच

सिचोदाया ।आस्यारायाइ ।त्वामा

कायट का खण श च

ग्रे राथाइरासीवीदागाधम् ।तुचो

काच का याट काखण ता

हाइ ।तूनाओहोबा ।होइळा ॥१५ ॥

त श क टाखफ्ल फ्ल शा

॥गौतमेद्वे ॥

हाबुत्वमित्सप्रथायसिहाबु ।अग्ने

षी तू श

न्राताक्रुताःकवाइर्हाहाइ ।त्वांवि

विक का पा ष्टाड श च

प्रासस्सामीधानदीदीवाहाहाइ ।आवीवा

का चा का पी ष्टु ड श

साहाहा न्तीवोबाधासो हाहाइ ॥१६ ॥

पी ष्टु तच्क प ष्टु ष्टा शा

त्वन्त्वामे इत्साप्राथायासो

ति की चा का

यासी ।अग्ने न्राताक्रुताःचा)कावाइःकावीः ।

खण चाक च का खण

त्वांविप्रासस्सामीधानादीदीवोदाइवाः ।

च का कीच किख णा

आविवासाहा न्तीवेधासाः ।ओइळा ॥१७ ॥

किट तच्क टा खण प शा

॥अग्नेरायुः ॥

आनोअग्ने वयोवृथमेरायाइ म् ।पा वा

षी तु खा श तच्क

काशांसायाम् ।रास्वाचनउपामातेपू

का य ट त चा ची था

रूस्पृहाम् ।सूनाइताइसूहाइ ।या

या टा टू त श

शास्तारामौहोबा ।होइळा ॥१८ ॥

चाक पा ष्टा ष्टु शा

॥अग्नेहरसीद्धे ॥

योवीस्वादायातेवासु ।होता
खी शी टा
मन्द्रो जनानाम् ।माधोर्नापा
टच् चाश टा या
त्राप्रथमान्यस्मै ।प्रास्तोमाया न्तू
चू टा टचक

बोबाग्नायो ।हाइ ॥१९ ॥

प फ़ फ़ा शा

योविश्वादयतेवसुहाबु ।होताम
षु ति श टा

न्द्रो जनानामोवाओवा ।माधोर्नापा
टच् चीक का टा टा

त्राप्रथमान्यस्माओवाओवा ।प्रास्तोमा
चू का का टा

या न्तूबोबाग्नायो ।हाइ ॥२० ॥

टचक प फ़ फ़ा शा

॥दैर्घश्रवसेद्वे ॥

योविश्वादयतेवस्वोहाओहाए ।

षू तु त

होतामन्द्रोजनानामोहाओहाए ।

टा कि टा त ट खा

मधोर्नपा ।त्राप्राथमान्नायास्माओ

खा ता का काच का ट

हाओहाए ।प्रास्तोमाया न्तुवोवोबाग्नायो ।हाइ ॥२१ ॥

त ट खा खा ताच्चक प प ष्ठ ष्ठ शा

योविश्वादयतेवसूए ।होता

तु त चा

मन्द्रोजनाम्माधोर्नापौवा ।

ची क च तित्

त्राप्रथमान्यस्मैप्रास्तोमायौवा ।

चू क त तित्

त्वग्नायाइळाभा ।ओइळा ॥२२ ॥

चा टि खण् प शा

पञ्चम स्वण्डः

॥अग्रेराग्रेयेद्वे ॥

एनावोअग्निन्नाओमसा |ऊर्जोनपातामा

तु ति की या

हुवे |प्रायन्वेतिष्ठामारतिंसूआध्वारां |विश्वाचा)स्यादू |तामामृतामिळाभा |ओइला ॥१ ॥

य टि य चि मि य ट च चाक टा स्वण् प शा

एनावोअग्निन्नामसाहाबु |ऊर्जोन

षु तूतश

पातामाहुवेहाबु |प्रायन्वेतिष्ठा

की या टात श चि टा

मारतिंसूआध्वारांहाबु |विश्वास्या

चि ट भित श चाय

दूहाबु |तामामृतामिळाभास्या) |ओइला ॥२ ॥

टत श च चाक टा प शा

॥गौतमस्यमनार्थे ॥

एनावोअग्निमेनमसा ।ऊर्जोनपा
 तू ति क टिच्
 तामाहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारति
 चा काटत चि का टाच्
 सूआध्वाराम् ।विश्वाका)स्यादू ।तामामृता
 काय ट य ट च चाक
 मिलाभा ।ओइळा ॥३ ॥
 टा खण् प शा

एनावोअग्निमसउर्जोनपोवा ।ता
 षू तू त
 माहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारातीं ।
 चा काटत चि काटत
 स्वाध्वारंविश्वस्यादू ।तामामृतामिलाभा ।
 थ टु त च चाक टा खण्
 ओइळा ॥४ ॥
 प शा
 ॥दैवोराजञ्च ॥

शेषेवनाइषुमातृषू ।सान्त्वामार्ता
 फी कु का काच्
 साइन्धाताइ ।आतन्द्रो हव्यंवहासाइ
 क टा त श किच् चा का
 हावीष्कार्ता: ।आदिदे वाइ ।षूराजाजा
 टी ख ण किच श टि टि
 सा इ ।ओइळा ॥५ ॥
 खण् श प शा

॥गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥

अदर्शिगातुवितमाए ।यास्मिन्वरातान्या
 षी तुत की टाच्
 दधुरूपोषूजाहाहाइ ।तामार्या
 किय टाततश चाक
 स्यावार्धनामग्राइन्नक्षाहाहान्तुनो
 चाकाकाटित
 गीराइळाभा ।ओइळा. ॥६ ॥
 ची टिखण प शा
 ॥बाह्यदुत्थेद्वे ॥

अग्निरुक्थाइ ।पुरोहाइताः ।ग्रावा
 ती श खि ण क
 णोबर्हीराध्वराइ ।ऋचायामिमरुतो
 काच खि णश षी
 ब्रह्माणास्पाताइ ।दाइवं आवो वा
 चुय टाश टि टाच्क
 रोबाणायाम् ।हाइ ॥७ ॥
 पङ्ग ङ्गा शा
 अग्निरुक्थाबुहोहोहाइ ।पुरौवाउ
 तूततश
 वोवाहितः ।ग्रावाणोबर्हीरौवाउ
 खु शि क कि
 वोवाध्वराइ ।ऋचौहोयामिमरुतो
 खि षी टात षु
 ब्रह्माणास्पाताइ ।दाइवं आवो वा
 यि टाश टि टाच्क
 रोबाणायाम् ।हाइ ॥८ ॥
 पङ्ग ङ्गा शा

॥पौरुमीदश्च ॥

अग्निमीळिष्वाऔहोवा । अवसे गाधाभी
 फि खा ण फ श कि चि
 इशीराशोचाइषाम् । अग्निंरायाइपुरुमा
 थ क टा ता ष टि
 इढा । श्रूतन्नरो अग्निस्सूदीतायाइच्छार्दी ।
 ता टू त पी त्र
 दक्षाया ॥९ ॥
 ता टख
 ॥कार्णश्रवसम् ॥

शुधीश्रूधिश्रुत्कर्णवन्हिभाइः । दे
 ता प श्रु क
 वैराग्ये सायावाभीः । आसीदतुबर्हिषि
 कि टि त क षू
 मित्रोअर्यामा । प्रातर्यावा । भाइरा
 टी त क टा त ट खा
 औहोवा । एध्वराया ॥१० ॥
 शि त ताख
 ॥दैवोदासश्च ॥

प्रदैवोदासोअग्नीः । देवइन्द्रो
 ष तू क कि
 नामज्मानाम् । आनूमा तारं पृथिवीं
 ची टिच्क च टि
 विवावृताइ । तस्थौनाका । स्याशर्मणि
 ची श भि त का
 इळाभा । ओइळा ॥११ ॥
 टि खण प शा

॥सौकृतवञ्च ॥

अधज्माओंवा ।आधावादाइवा: ।बृहतो
तु च काय टा
रोचानादाधि ।आयोहोओहोवा ।
चु य टा कि तात
वार्धस्वातन्वागाइराममा ।आजातासौ
चि था च य टा की
होओहोवा ।हाहाउवा ।कृतोपृष्णा ॥१२ ॥

ति त फ ति खी

॥काण्वेद्वे ॥

कायमानोवनातृवाम् । यन्मातृराजाग
 फी की क टा कि
 न्नापाः । नतत्तयाग्नाइ । प्रमृषेहाइ ।
 खण तीत श टित श
 नीवार्तानम् । यद्वाइसान् । इहा भू
 टा खण टि ता काच्चक
 वाऔहोबा । होइला ॥१३ ॥

टा खण फु शा
 एकाया । मानोवनातूवामोइतू
 ति का काखण खी
 वासुहुवाहाइ । औहोइयन्मातृराजा
 शू ट त टी
 ग न्नापाआपाउहुवाहाइ । औहो
 किख फु ख शू ट तच
 इनातत्तयाग्नाइप्रमृषाइनीवार्ताना
 का टि टी टी खफु
 आन्तानासुहुवाहाइ । औहो इयद्वरे
 खा शू ट तच की
 सन्निहाभूवाआभू वाउहुवाहाइ ।
 टि खफु खा शू
 औहोया औहोवा । ऊपा ॥१४ ॥

ट त टख शि ख श

॥मानवेद्वे ॥

नित्वामग्राइ । मनुर्दीधाइ । ज्योतिर्जना
 ती श स्विण श की
 याशाश्वाताइ । दीदाइथाकण्वाक्रतजातऊ
 चय टाश क की टी टा
 क्षाइताः । यन्नामास्यान्ताइकृ औहो
 ख णा टित टद् खा
 वा । षायाः ॥१५ ॥
 शि ख प्ल
 होवाइनित्वामग्रेमनुर्दधेहोवाइ ।
 षू तू त श
 ज्योतिर्जनायशस्वतेदाइदेथाकण्वाक्रत
 षु चू कि
 जाओतऊक्षाइताः । यन्नामास्यान्ताइकृ
 टि टिख णा चित टद् ख
 औहोवा । षायाः ॥१६ ॥
 शि ख प्ल

षष्ठ खण्डः

॥अग्नेशद्विणम् ॥

देवो वोद्रविणोदाः । पूर्णांविव
 ण फ ख शी क
 ष्ट्वा सीचमूद्वासिन्चा । ध्वामुपावापृ
 टीच् क यि टा टी
 णाध्वामादीद्वोदे । वाओहताइङ्लाभा ।
 का चा य टा चा टी खण
 ओइङ्ला ॥१ ॥
 प ष्टा
 ॥बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥

प्रैतूब्राह्मणास्पातीः । प्रादाइ
 खि ष्टी
 व्ये तूसूनृताअच्छावाइर म् । नर्यप
 टीच् क कि टा ख ण तिच्
 न्तीराधासाम् । देवायाज्ञम् । नाया औहो
 चाय ट टा खण ट ख
 वा । तूनाः ॥२ ॥
 शि खश

॥वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥

ऊर्ध्वऊषुणाऊतायाइ ।तिष्ठादेवो

कु पा ण श

नसःविताऊर्ध्वोवाजा ।स्यासानिता

षू डु त च क का

या

च

दान्जीभीः ।वाघात्मीर्वीभायामाहा इ ।

य टा कट क च टि खण् श

ओइळा ॥३ ॥

प छा

॥विस्पर्धञ्च ॥

प्रयोरायाइनिनीषताइ ।मर्त्तोयस्ते

फी तु श की

वासोदाशात्सावीरान्धा ।तायग्रेउकथाशं

कु टात कु

सीनं त्मानासाहा ।स्थापोषाइणा म् ।

था टि त टि खण्

ओइळा ॥४ ॥

प शा

॥ऐतवृधञ्च ॥

प्रवाः ।यम्भंपुरूणाम् ।वीशान्देवाय

ता टी त क टा

ताइनाम् ।अग्निंसूक्तेभिर्वचोभिर्वृणी

टि ता षी की

माहाइ ।यांसामाइदान्याइ न्धताइ

टि ता श टा टि का

लाभा ।ओइळा ॥५ ॥

टी खण् प छा

॥मनसश्वदोहः ॥

अयमग्निस्मुवीर्यस्यहाबु ।आइशे हीसौभ

षी तु श किच्

स्याहोवाहाइ ।रायई शेस्वाप

चु टा त श कि

त्यास्यागोमाताहोवाहाइ ।ई शे

की क य टा टा त श क

हाइवृ होवाहाइ ।त्राहाथानामि

टा ता टा त श चाथ

लाभा ।ओइला ॥६ ॥

टा खण् प छा

॥समन्तानित्रिणिअग्नेरेकमिन्द्राग्न्योर्वप्रजापतेर्वावरुणस्यद्वे ॥

त्वमग्नेर्गृहपताइः । त्वंहोतानो

षि ती श क कि

अध्वराइत्वाम्पोता । वाइश्वावाराप्रचाइ
टू त कु

ताओहोवाहाइ । यक्षाइयासीहो

भी क फ छ ण श टी त

वाहाइ । चावाराया म् । ओइळा ॥७ ॥

टा त श टी खण् प छा

त्वमाग्नेर्गृहपताइः । त्वंहोता

खा शु क का

नोअध्वरे त्वाम्पोताओहोओहौ

की प फा फा

होवाहाइ । वाइश्वावाराप्रचाइता

फा त त श कु पी

ओहोओहोवाहाइ । यक्षाइयासा

फा फ त त श यी प

ओहोओहोवाहाइ । । चावाराया म् ।

फा फ त त श टि खण्

ओइळा ॥८ ॥

प छा

त्वमग्नेर्गृहापतीः । त्वंहोतानोअध्वा

तु ता खा श खि

राइ । त्वाम्पोताविश्वावारा । प्राचेता

ण श खा श खि ण कि थ्

यक्षाइयाटीट्)साओहोवा ।

ख श

चावारीयाम् ॥९ ॥

टि ख

॥वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥

सखायस्त्वाबुहोहोहाइ । ववृमाहा
तू त त श स्विण

इ । देवमर्क्षताहासऊतायाइ । अपान्न
श क टि त टाखण श चा

पातम् । सुभगौवाहाइ । सूदं सासम् ।
खाश तीत श काखण

सुप्रातूर्क्षतीम् । आनेहासाम् । ओइळा ॥११ ॥

टि त टि खण प झा

सप्तम स्वण्डः

॥४४॥

आजुहोता । हविषामर्जया ध्वांवा ।
 ती दूचय ट
 निहोतार झृहापातिन्दधा इध्वांवा
 षी दूचचय प
 इळास्पाताइ नामसाराताहा ओव्याम् ।
 खा ता श चि टि टा
 सापरीयातायाजत म्पास्त्योबा ।
 की कीप ष्टा
 ओनाम् । हाइ ॥१॥

॥ऋतुसामनीच ॥

ओइचित्रइच्छाइशोस्तरुणास्यावाक्षा
 षा यू पि कि
 थाः । ओइनयोमातारावनुवाइतीधाता
 फ यू पि कि
 वे । ओअनुधायादजीजनादधाचीदा ।
 फ यु पी चाक फ
 ओइववक्षसाद्योमाहीद्यूत्यान्चारान् ।
 ष यू य खि त्र
 दुत्यन्चरन्माही । ॥२ ॥

टुख
 चित्राए । एएच्छिशोस्तरूणस्य
 ता त तप
 वक्षथक्षथोहीहीयाहाबु । एए
 षे तू त श तप
 नयोमातरावन्वेतिधातवेतवेहीहीया
 षे तू
 हाबु । एएअनूधायदजीजनदधाचिदा
 त श तप षे
 चिदाहीहीयाहाबु । एएववक्षस्सद्यो
 तू त श तप
 महिद्युत्यन्चरन्चरन्हीहीहीयाहाउवा ।
 षे तू ति
 एऋतू ॥३ ॥
 त टाख

॥यामञ्च ॥

ओहा हाहाइ ईदन्तआइकांपाराऊत
 ख शष्ठत त श टू कि
 ए कम् ।तृतीयेनज्योतीषासंवीशास्वा ।
 खा श डु चा खि श
 संवेशनास्तान्वेचारुरे धि ।ओहा हा
 क टी का खा श ख शष्ठत
 हाइ ।प्रियोदेवानांपरमाइजानाइ ।
 त श टु पि खि श
 त्राइ ॥४ ॥
 त श
 ॥अग्नेश्वाग्नेयम् ॥

इमस्तोमामर्हते जा ।तावे दसे
 खि श खि ण का चा
 होये ।रथामीवा ।सम्माहे मा ।मानीष
 टा खि श खि ण का
 याहोये भद्राहीनःप्रमातीरा ।स्या
 चा टा खि श खि ण
 संसदीहोये अग्नाइसारव्याइ ।माराइ
 का चा टा खि ण श
 षामा ।वाय न्तवावहोइळा ॥५ ॥
 खि ण का टा ख शा

॥अग्रेवैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

मूर्धाहोहाइ । नन्दाइवाः । आरताइम्पृ
ति त श खा णा

थीव्यावैश्वानरमृतआजातामाग्रीम् ।
दूक थष कू टा त

काविंसम्भ्राजमातिथाइ न्जनानाम् । आ
षी कु टत क
सन्नापात्रन्जनयान्तादाइ वाः ॥६ ॥

टी पि खाश त्र
होवाइमूर्धाहोहाइ । नन्दाइवो
तू त श का टा

आरातिंपृथीव्याः । इहोइहाइ
कि खाष्ट का काट
यावैश्वानरमृतआजातमाग्रीम् । इहोइ
थाष कू खाश का

हाइयाकाविंसम्भ्राजमातिथिन्जनानाम् ।
काट था की कि खाश
इहोइहाइयाआसन्नापात्रं जानाय
का काटक थ की कि
न्तदे वाः । इहोइहार्द्याओहोवा
खाष्ट का काट खा शि
ई ॥७ ॥

ख

॥४८॥

वित्वदोहाइ । आपोनपर्वतास्यापा

ति त श कु टा

ष्टात् । उत्थेभीरग्नेजनायन्तादाइवाः ।

ता शु की ट ता

तन्त्वागीर स्सुष्टुतयोवाजयान्ती । आजिन्नगा

शी कु टा त क

इर्ववाहोजाइग्यूरा औहोवा ।

टू त टिट्ख शि

अथाः ॥८॥

टाख

हायायाइदीवोहाइवित्वात् । आपोना

फ खु शी का

पार्वातस्यपारिष्ठात् । हायायाइदि

का खी शा फ

वोहाइउक्थाइ । भीरग्नेजानाय न्तदे

खु शु टि कि खा

वाः । हायायाइदीवोहाइतन्तवा । गीरा

फु फ खु शी का

स्सुष्टुतयोवाजयान्ति । हायायाइदीवो

कु खाश फ खु

हायाजिम् । नागाइर्ववाहो । जाइग्यूरा

शि टू त टिट्ख

औहोवा । अथाः ॥९॥

शि टाख

॥वामदेव्यञ्च ॥

आवोराजा । नमध्वारस्यरूप्रम् । होता
 ती खूश क
 राम् । सत्ययजंरोदसीयोः । अग्निंपूरा
 च ष खूफ चा चा
 तनइत्नोराचीक्तात् । हिरण्यरूपामव
 खूश चा टि
 साइकार्ण् । ध्वाम् ॥१० ॥
 पि खि त्र

॥१८॥ यज्ञोतिषेच ॥

इन्धाओहा बुहा बुहा बु । राजासम

ता प णा शु

योंनमोभीयोभीयोभीः । यस्याओहा

षु तू ता प ण

बुहा बुहा बु । प्रतीकमाहुतद्वृता

शु षै

इनाइनाइना । नरा ओहा बुहा बुहा

तू ता प ण

बुहव्येभीरिदतेसबाधाबाधाबाधाः ।

शु षु तू

अग्रा ओहा बुहा बुहा उवा । अग्रामूष

ता प ण तू चा

सामशोउवा । ची ॥११ ॥

टि का ता ख

हा बुहो वा हा बुहो वा हा बुहो

की की

वा । इन्धेराजासमर्योनामोभीयोभी

की षी चिककटा

योभीः । यस्यप्रतिकमाहुतद्वृताइ

टा शु कूक

नाआइनाआइना । नरोहव्येभीरिदते

टा टि टि शु चि

साबाधाबाधाबाधाः । हा बुहो

ककटटा

वा हा बुहो वा हा बुहो वा । अग्निरा

की की की

ग्रामूषसामशोउवा । ची ॥१२ ॥

ची टि का ता ख

॥यामेद्वे ॥

प्राकेतुनाबृहतायातीयग्राइ होइ
 की की षी
 होवाहोइ ।आरोदसाइ ।वृषा
 कीच श था चा श
 भोरो राविताइ होइहोवाहोइ ।दी
 की षी टीच श क
 वश्चिदान्तादूपामासुदानाद्वोइहोवाहोइ ।
 की कि षि कीच श
 अपासुपास्थेकि)माहीषोवावर्धहोइ
 चा कि षु
 होइहोवा हाउवा ।देदिवा म् ॥१३ ॥
 कीच य टा त टाख
 हाहायौहोवाइप्राके ।तुनाबृह
 षु खाण का
 तायातियाग्निः ।हाहायौहोवाआरो ।
 खूँझ षु खण
 दसाइवृषभोरेवीति ।हाहायौ
 चा खूश
 होवाइदीवाः ।चिदान्तादूपामासुदानाट् ।हाहायौहोवाआपाम् ।उपास्थे
 षु खाण भि कि खाश षु खण भि
 माहीषोवावार्धा ।हाहायौहोवा
 कि खाश षु
 हाऔहोवा ।एदिवा म् ॥१४ ॥
 ख शि त टाख

॥प्रजापतेराशिमरायेद्वेरायराशिनिवा ॥

हाबुहाबुहावाग्नीम् । नरोनरोनरोदी

षी ती षी कि

धितिभीरराण्योः । हाबुहाबुहाबु

कि ताच षी

हास्तात् । च्युतान्चुतान्चुतान्जनायातप्रा

ति त षी कि की

शा म् । हाबुहाबुहाबुदूराइ ।

त स्त(च) षी ति त श

दशान्दशान्षी)दशान्दृहापतीमाथा

कि की त

व्यूम् । हाबुहाबुहाउवा ई । ॥१५ ॥

च षी ति ख

हाबुहाबुहावाग्नीम् । नरोदीधीतिभीररा

षी ति ति कि ता

ण्योण्योण्योः । हाबुहाबुहाबु

ट ट च षी

हास्तात् । च्यूतान्जनायातप्राशास्तंस्तं

ति त चाक कीत ट ट

स्तम् । हाबुहाबुहाबुदूराइ । दशान्

च षी ति त श

गृहापतीमाथाव्यूव्यूव्यूम् ।

की कीत ट ट च

हाबुहाबुहाउवाति) ई ॥१६ ॥

षी ख

ਅ਷ਟਮ ਖਣਡ:

॥੩੪੬॥

ਅਬੋਧਿਆ । ਗਾਇਸਸਮੀਧਾਜਨਾਨਾਮ् । ਪ੍ਰਤਾਇ
 ਤੀ ਕੁ ਭਾਤ
 ਧੇ ਨੂਮ् । ਇਵਾਯਾਤੀਮੂ਷ਾਸ਼ਯਹਾਈ ਵਾ ।
 ਮੀਤ ਕਾ ਚਾਕ ਥਾ ਮਿਤ
 ਪ੍ਰਵਧਾਮੁਜਿਹਾਨਾ:ਪ੍ਰਭਾਨਾਵਾ: । ਸ਼ਸ਼ਾ
 ਚੁ ਥਾ ਮਿਤ
 ਤੇ ਨਾਕਾਮਾਚਛਾਇਲਾਮਾ । ਓਇਲਾ ॥ ੧ ॥
 ਕਿ ਕਾ ਚ ਟਿ ਖਣ् ਪ ਸ਼ਾ
 ॥ਵਾਸੋਕੜ॥

ਪ੍ਰਮੂਰਜਧਨਤਾਮ् । ਮਾਹਾਂ ਵਿਬੋਧਾਮ् । ਮੂ
 ਤੁ ਣਾਫ ਖਾਸ ਕ
 ਰੈਰਮੂਰਮਪੁਰਾਨਦਰਮਾਣਾਮ् । ਨਾਥਾ ਨਤੜੀ
 ਷ੂ ਟਾਤ ਣਾਫ ਖਾ
 ਮਿ: । ਵਾਣਾ ਧਿਧਾਨਧਾ: । ਹਰਿਸਮਥੁਨਰਵਰਮਣਾ
 ਸ਼ ਣਾਫ ਖਾਫ ਷ੁ ਕਿ
 ਹਾਉਵਾ । ਧਨਾਚੰਚੀਮ् ॥੨ ॥
 ਸ਼ਿ ਤਾ ਖ
 ॥ਪੌਣੁੱਝ॥

ਸ਼ੁਕ੍ਰਨਤੇਅਨ੍ਯਦਯਜਤਨਤੇਅਨ੍ਯਾਤ । ਵਿਸੁਰੂਪੇ
 ਷ੁ ਤੁ ਷ੀ
 ਅਹਨੀਧੈਰੀਵਾਸੀ । ਵਿਸ਼ਾਹਿਮਾਧਾਅਵਸਾ
 ਕੀ ਟਾਤ ਷ੁ
 ਇਸਵਧਾਵਾਨ् । ਮਦਾਤੇਪੁ਷ਾਨੀਹਾ
 ਟੁਤ ਟਿ ਟਾ
 ਰਾਤੀਰਾਸ਼ਤੁ । ਤੀਰਾਸ਼ਤੁਹਾਬੁ । ਬਾ ॥੩ ॥
 ਕਿ ਖਾਸ ਸ਼ੀਂਸ ਸ਼

॥कौत्सञ्च ॥

इळामग्राइ ।पुरुदंसंसनीज्ञोः ।शश्वत्तमं
 ती श खू प्ल षी
 हवमानायसाधाः ।स्यानस्सूनुस्तनयो
 खू प्ल षी
 वीजावाग्राइसाताइ ।सूमा तिर्भु
 कू ख शु णाफ ख
 तुहाउवा ।स्माइ ॥४ ॥
 शी ख श
 ॥काशयपेद्वे ॥

प्रहोताजाताः ।माहान्नभोवाइनृषद्वा
 तु षू टि
 सी ।दा दपांविवर्ताइदध्योधा ।याइ
 त तच्चक पु टि त
 सूतेवयांसियन्ताउवा ।वासूनीवीधा
 षी कु ता कीच
 तोयाऔहोवा ।तनूपा ॥५ ॥
 टद्ख शि ताख
 प्रहोताजातउहुवाहाइ ।माहान्न
 पु ति त श य
 भोवाइनृषद्वासीददपांवीवार्ताइ ।ओ
 टा टु की टात श
 औहोइहा ।दाधाद्योधायाइसुते
 का त ता टा टा षी
 वयांसियन्तावासूनी ।ओओहोइहा ।
 कु टत का त ता
 वीधाताइतनू पाओहोवा ।हाविष्मा
 का टीटद्ख शि टि
 ते ॥६ ॥
 ख

॥घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

प्रसम्प्राजाम् ।आसुरस्यप्राशास्तम् ।पुंसः

ती खू श

कृष्टाइनामानुमादीयास्या ।इन्द्रस्येवा

टू कि खा श खी

प्रातावासःकृतानि ।वन्दद्वीरावन्दमाना

खू श चा था चा था

विवाष्टू औहोवा ।दीशआः ॥७ ॥

ट ख शि ख झा

अरण्योः ।निहितोजातवे दाः ।गर्भई

ति खी खाप्ल

वेत्सुभृतोगर्भिणाइभीः ।दीवेदीवई

षी फु खा झा षी

ढ्योजागृवात्भीः ।हावीष्मात्भीः ।मनुष्ये

कि टा त ख प्ल ख ण

भीरग्निरेहियाहा ।होइला ॥८ ॥

षु फु प्ल शा

॥भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥

अहावोअहावोअहा ।सानादग्राइ ।

षू ता कु

मृणासीयातूधानान् ।नत्वारक्षांसी

की खा श कु

पार्तनासुजीग्युः ।अनुदहासहमू

कि खा प्ल की

राङ्ग्यादाः ।अहावोअहावोअहा ।मा

की खा प्ल षू ता क

ताइहे त्यामुक्षतदाइवीया ।याः ॥९ ॥

कि पु खि त्र

नवम खण्डः

॥पाथेद्वे ॥

आग्नातवोवा |ओजीष्टामाभारातवो
 टा खा श चा टा खा

वा |द्युम्नमस्माभ्यमधिगोओइप्राना
 श क चि ती टी

उवोवा |रायेपानीयसे |ओइरात्सा
 खा श क कि ता

उवोवा |वाजा यापन्धाम् ॥१ ॥

खा श थाच्क टख

अग्नेहाबु |ओजीष्टामाभाराओहोवा |
 तात श यी टा खा श

द्युम्नमस्मभ्यामाध्रीगा औहोवा |प्रा
 यू टा खा श

नोरायेपानीयासाओहोवा |रात्सी
 यू टा खा श टा

वाजा यापोबान्धायां |हाइ ॥२ ॥

टाच्क प फ्ल ष्टा शा

॥बृहच्चाग्नेयम् ॥

यदिवीरोअनुष्यादय्याई या |अग्निमिन्धीतमौ
 षी खु खश चू

होहोवार्त्याः |आजुबाक्ताव्या
 ट त टा त टा टा

मानूषात् |शर्मभक्षाइतादाहाइवाओ
 टा खण क दू त ता प

बा |व्याम् ॥३ ॥

फ्ल ख

॥कौन्मुदम् ॥

त्वेषास्तेधूमऋणवतीहाबु । दिविसन्शू
 क पा शृ ची
 क्रआतातासूरोनहिहाबु । द्युता
 का य प शृ चा
 तूवाङ्गपापवाहाबु । कारोचासा
 य प शृ टि खण
 इ । ओइळा ॥४ ॥
 श प झा
 ॥बृहचैवाग्नेयम् ॥

त्वंहिक्षैतवद्यशाइयइय्याहाइ । अग्नाइमि
 षू तु तश
 त्रोनापात्यासाइ । ओओहोइया
 कु खा ण श का ख झा
 हाइ । त्वंविचार्षणेश्रावाः । ओओहोइयाहाइ
 ण श कु ख ण का ख झा ण श
 वासोआपुष्टाइन्नापूष्यासी । ओओ
 का प कु ख ण का
 होइयाहाहोइळा ॥५ ॥
 ख झि झ शा

॥कौन्मुदञ्चैव ॥

प्रातरग्राइः पूरुषीयाः । वीशास्तवे
 तू ति का टा
 ताअतिथाइः । वाइश्वेयास्मिन्नामार्ता
 ती श की टि ख
 याइ । हाव्यांहोइमर्ताहो साइन्धा
 ण श टा टी कथ टि
 ता इ । ओइला ॥६ ॥
 खण् श प ष्टा
 ॥अग्नेर्यद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥

यद्वाहिष्ठन्तदा । ग्रायाइ बृहदर्चावीभावा
 तू षि तु टा
 साबु । माहीषाइवात्वद्रयिस्त्वाद्वाजाः ।
 त श टा टि दू त
 ऊदीराता इ । ओइला ॥७ ॥
 टि खण् प षा
 यद्वाहिष्ठन्तदग्नयेयद्वाहिष्ठोवा । तादग्नया
 षु तू त
 इबृहदर्चावीभावासाबु ।
 षु टि तच्कच चाश
 महीषाइवात्वद्रयीस्त्वाद्वाजाः । ऊदीरा
 टि ता दू त टि
 ता इ । ओइला ॥८ ॥
 खण् प ष्टा

॥अग्नेश्विशोविशीयम् ॥

विशोविशोहिंवोअतिथाइम् । वा जय
 तू खि श तच का
 न्ताःपूरुषीयाम् । अग्निंवोदूरायाहि
 टा पश दि पाश
 म्माइ । वाचास्तूषेहाइ ।
 वा श तत्प णाश
 ओहोवाइशूषा । हिम्माइ । स्या
 का खिण चा श त
 मान्माभाषहियाहा । होइळा ॥९ ॥
 त ख छी श षु शा
 ॥प्रजापतेःकनीनिकेद्वे अत्रेवा ॥

बृहद्वयाः । हीभानावाइ । अर्चादेवाया
 ती दि त श
 ग्रायाइ । यम्मित्रन्नप्राशास्तायाइ ।
 द्रु त श यु टा श
 मर्तासोदा । धीरो बापूरोहाइ ॥१० ॥
 पि श खा षु ष्ठा शा
 बृहद्वयोहिभानवाए । अर्चादेवा या
 षी ती त चा थाच्क
 अग्रायाइ । यम्मित्र नप्राशास्ता
 टा त श कि काय टा
 इ । मार्क्कासोदधाइरे पुरा औहो
 श क था यी टा
 हा औहोवा । वाहाः ॥११ ॥
 खि शि त टख

॥श्रौतर्वणञ्च ॥

अगन्मवृत्राहन्तामम् । ज्याइष्टामाग्निमा

तीत पा श कि

नावम् । यास्माहोइश्चु

पी श टाच्क का

तर्वन्नाक्षाइबृहा द्वोयानीकयाआउवाए । ध्याते ॥१२ ॥

षी दूच्च च का ता भी ख श

॥कश्यपस्यसयोनिः ॥

जाताःपरे णाधाई हा माणाई हा

चा टाच्क टाकथ टि

योनिम् । योनिमिन्द्रा श्व गच्छथो

खाश कीकथ की

यस्तावृद्धिसाहाई हा भूवाई हा

टा टा क टाकथ टि

योनिम् । योनिमिन्द्रा श्व गच्छथाः ।

खाश कीकथ कि

पितायात्काश्यापाई हा स्याग्राई हायो

टि क टिकथ टि खा

निम् । योनिमिन्द्रा श्वगच्छथाश्रद्धामाता

श की कू थाच्

मानाई हा कावाई हायोनिम् ।

क टाकथ टि खाश

योनिमिन्द्रा श्वगच्छथाः ॥१३ ॥

की खी

दशम स्वण्डः

॥बाहस्पत्यञ्च ॥

सोमंराजानंवरुणाम् । अग्नीमन्वारभाम
 षी ती की
 हे । होवाहाइ । आदित्यंविष्णुंसूर्यं
 ची टा त श थ की का
 होवाहाइ । ब्रह्माणाञ्चाहोवाहाइ ।
 टा त श टि त टा त श
 बृहाउवा । स्पातिम् ॥१ ॥
 टा ता ख श
 ॥ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥

आरू हन्नारूहन्नारू हन् । इतए
 टाच्क टाक टाच्क
 ताऊदा रूहान् । दीवाःपृष्ठान्नि
 ची काच्चय ट चा
 यारूहान् । प्राभु र्जयो याथा
 कीय ट का काच्च का
 पाथा । उद्यामङ्गी रासोयायुः ।
 य ट चा काच्च का य ट
 आरू हन्नारूहन्नारू हाऔहोवाऊपा ॥२ ॥
 टाच्क टाक टाट्ख शिख श

॥आसीतेद्वे ॥

रायेअग्रेमाहाइ ।त्वादानायसमीधीमाही
तू श कू या त

आइलिष्वाहीमाहेवृषान् ।द्यावा
टि टाक च चा टा

होत्रा याप्रोबाथावाइ ।हाइ ॥३ ॥
ठाच्क प फु झाश शा

रायायाग्रेमहेत्वाहाबु ।दानायसमी
काप शू कु

धीमाहाइ ।आइलिष्वाहाइ ।
द्यात श टू त श

माहे वार्षान् ।द्यावाहोत्रायाप्रोबाथावाइ ।हाइ ॥४ ॥
काख ण भित क प फु झाश शा

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

दधन्वेवायदीमनू ।वोचत्वह्येतीवेरुतत्पा
फी की षी तु

रीविश्वा नीकाव्या ।नाइमीचक्राउवा ।
टिच्च चा श षि कू

मीवा ।भूवादौहोबाहोइला ॥५ ॥
ख श पि फ्ल शा
॥मानवञ्च ॥

त्ववमग्नेत्वमग्नाइ ।वासुंरिहारुद्रंआदीत्यं
तू श षी टि त च

ऊतायाजासूआ ।ध्वारन्जनामानुजा
का टित क चि टि

ताम् ।घृतपूषामिलाभा ।ओइला ॥६ ॥
त चि टि खण् प फ्ल

॥अगस्तस्यचराक्षोद्घम् ॥

प्रत्याग्ने होइहरसाहराए ।शृणा

फिलु खु छि

हिवाइश्वतः ।प्राती (यातूधानाचि) ।

टी खाणफळु खश ट

स्यरक्षसोबालाम् ।न्युञ्जाओबा ।रीयम् ॥७ ॥

चीट त त ता प फु खश

एकादश खण्डः

॥तौदेहे ॥

पुरुषात्वादाशिवंवोचाएदारीरग्राइ ।
 ता क पू शु

तोदसेयवशरणयाहोइ ।महाहोये
 क दू च श टा टा

स्योयाऔहोवा ॥ई ॥ १ ॥
 खा शि ख

पुरुषत्वादाशिवंवोचेत् ।आरीरा ग्राइ
 षी तु खि शा

तावास्वाइदा ।तोदसेयवशरणयाहोइ
 खि णा षी खीण श

माहाहोयेस्योयाऔहोवा ॥ई ॥ २ ॥
 ट त टा खा शि ख

॥दैर्घ्यतमसानित्रीणि ॥

पुरुत्वादाशिवंवोचेत् ।आराइरग्नाइ ।

षी ति त पी शा

तावास्वाइदा ।तोदास्याइवाशाराणा

खि णा खि शा खि

या ।माहास्या ।ए ॥३ ॥

ण खात्र तच्

पुरुत्वादाशिवंवोचेत् ।अरिरग्नाइतवा

खि शु षी टि

स्वाइदा ।तोदास्याइवा

ख ण ख प्ल ख शा

शाराणाया ।माहास्या । ॥४ ॥

खि ण खात्र

पुरुत्वादाशिवंवोचेद्भु ।हाबुहो

पि शृ क टा

हाउवोवा ।अरिरग्ने तवास्वीदा ।हा

खि ण की कि च क

बुहोहाउवोवा ।तोदस्येवशाराणाया

टा खि ण क का कि चा

।हाबुहोहाउवोवा ।ए माहास्या ॥५ ॥

क टा खि त्र तचक ट ख

॥३्यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥

प्रहोत्रेपू व्यंवचोग्नया । इभाराता
 ती डु चाकच
 बृहात् । वीपान्जोतीम् । षीबाइभ्रा ताख (वी
 चा टि त टीट)
 औहोवा । नवे धासे ॥६ ॥
 शि ताच्छट ख
 प्रहोत्राइपू वर्णयंवाचाः । आग्नये भारता
 खु ल्ली टिच काच्
 बृहात् । वीपान्जोतीषीबीभ्रताइ ।
 कट फू ता श
 नावे धासोहाइ ॥७ ॥
 प शख फू शा
 ॥प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥

अग्नेवाजास्यागोमातोवा । ईशानस्साहसो
 फी ची श कु
 याहोअस्मेदेहीजातावेदोमहा
 का का का चा था टा
 इश्रवाउवा । श्रोधियाएहिया । ओ
 टि ता च टाट खाण् प
 इळा ॥८ ॥
 शा
 अग्नेवाजस्यगोमतोहोवा । ईशान
 षी ती तत क
 स्साहसोयाहो । आस्मेदाइहीजाता
 कु ख श च य पि ष्ठा
 वेदो । माही । श्रावो । हाइ ॥९ ॥
 ता प श ख फू शा

॥प्रजापतेःसदोहविर्धानानित्रीणिसदःपूर्वहविर्धने उत्तरे ॥

अग्नेयजिष्ठोअध्वराए् ।देवान्देवायाता

षु ति त ची का

इयाजा ।हुवाहोवा ।होतामन्द्रो

या ट ता का चा थाच्

वीरा जासीहुवाहोवा ।आतिस्ताइधाः ।ओइला ॥१० ॥

काय ट ता का टि खाण प शा

आग्नाइयाई यायाजिष्ठोअध्वराइदेवान्दे

फा खा खश षु ती

वायतेहाबुहोवा ।याजाहोतामन्द्रो

टि की टा टा था

वीराजासी ।आतीया औहोवा ।स्तीधाः । ॥११ ॥

क पा श ट खा शि ख प्ल

अग्नियाओवा ।याजिष्ठोअध्वराइदेवान्दाइवा ।

तु षु टी ता

आयाते याजाहोताउवा ।मन्द्रो

चि टा पा शा थाच्

वीरा जासाऔहोवा ।आतिस्तीधाः ॥१२ ॥

काट ख शि थ टिख

॥त्वष्टुश्वातिथ्यम् ॥

जज्ञानस्सा ।समा तृभाइर्मेधामाशा

ती काच्चक कीख ण

सातस्तायाअयान्ध्रुव)वाः ।रयाइणाम्

चि ट टा ण टा ता

चिकाइता दाऔहोवा ।ऊपा ॥१३ ॥

टीट्ख शि ख श

॥अदितेश्वसाम् ॥

उतस्यानोदीवामातिः ।आदीतिरूतियागामात्साशान्ताता ।

खी श्ली कि चायट टि त

मायास्कराउवोवा ।अपास्त्रिधाः ।होइळा ॥१४ ॥

फा खीश श्ली पु शा

॥अगस्तस्यचराक्षोन्म् ॥

ईळाइष्वाहिप्रतिव्याम् ।याजस्वा

का पा शि कि

जातावे दसाम् ।चरिष्णुधूमामग्रभाइ ।ताशोओहोवा ।चीषम् ॥१५ ॥

कि टा खु ति श ट ख शि ख श

॥वाकर्जभञ्ज ॥

नतोवा ।स्यामा ।यायाचानारी

ता त ख श टी च

पुरीशीतमाआउवा ।र्तीयाः ।

कि ता टि ख पु

योअग्नयेददाशहव्यदोबा ।ताये ॥१६ ॥

षी पू पु ख श

॥बृहदाग्नेयञ्चसङ्कृतंवा ॥

अपत्यंबजिनंरिपुंस्तेनामग्नाइ ।दूराधा

षू खी ता श टि

यान्दिविष्ठमत्स्यासात्पताइ ।कार्दधी ।

ख पू ता श प श

सूगाम् ।हाइ ॥१७ ॥

ख पु शा

॥अगस्तस्यचैवराक्षोद्भम् ॥

हाबुश्रुष्ट्याग्नेनवस्यामेहाबु । स्तो
 षु तत श क
 मास्यवार्इरविस्पतायेषेहिहाबुहोवा
 कि पू शु
 नीमाईनास्तापसाराएषेहिहाबुहोवा ।
 का का पी शू
 क्षासाएषेहिहाबुहोवा ।
 प शु
 दहणहियाहा होइला ॥१८ ॥

पु श फ शा

द्वादश खण्डः

॥वसिष्ठस्यप्रमंहिषीयानिचत्वारि ॥

प्रमंहा इष्टायगायता ।ऋतान्ने बृहते
खि शू टिच्च कि

शुक्राशोचाइषाइ ।उपाऔहो
पा श त ता श पि श

स्तुतासोआ ।ग्रायोहाइ ॥१ ॥
पि श ख प्ल शा

प्रमंहिष्टायगा ।याताऋतान्ने बृहाता
तू च टि टच् काय

इशुक्राशोचाइषाइ ।ऊपा
टाक टा ता श चा

स्तुतौ हुवाएहोवा ।सावोबाग्नायो ।हाइ ॥२ ॥
टाच्क टा का कप प्ल शा शा

प्रमंहिष्टायगाइथ्याई या ।या
फु खा खश थ

ताऋतान्ने बृहते शुक्राशोहौहुवा
की टी टा ट टी

इचाइषाइ ।उपाहोइस्तुताहोसो
टी श का की कथ

अग्नाया इ ।ओइ ॥३ ॥
टा खण्ण श प शा

प्रमंहिष्टायगायतप्रमंहिष्टोवा ।यागा
शु तू त का

यताऋतान्ने ईबृहते शुक्राशोचा
टी ख णी फि त

इषाइ ।उपौहोवाहाइ ।स्तुतौ
ता श फा ता त श फा

होवाहाइ ।सओबाग्नायो ।हाइ ॥४ ॥
ता त श प्ल फ्ल शा

॥भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥

प्रासोहा आग्रे हाइ । तवा आउवा
 टा त टा त श ता टि
 तीभीः । सूवीरा भिस्तारा तीवाजक
 ख प्लु चाश चि चा का
 मार्भिर्यास्याहाइ । त्वं सारव्यमो बावाइथो । हाइ . ॥५ ॥
 चि ट त श पा प्लि प्लि शा
 ॥सौभराणित्रीणि ॥

तझू धर्या स्वर्णारोवा । देवासो
 णाफ् खा प्लु डश क चा
 देवामाराता इन्दधाहो इन्वाइराइ ।
 क टी टि टि ताश
 देवात्राहव्यमूहाहाइ । हाइषा
 थ दुत त श ट खा
 औहोवा । ऊक् ॥६ ॥
 शि ख
 तझू धर्या स्वर्णाराम् । देवासोदा
 तु त क का क
 इवामाराता इन्दधन्विराउवाइ । देवा
 चि टा शृ खश्लू
 त्राहाव्यमो बाहाहाइ षोहाइ ॥७ ॥
 त प प्लि प्लि शा
 तझू धर्या स्वौहो आर्णाराम् । देवा
 कु ति त टा
 सोदे । वामारता इन्दाधान्वा
 खण टी खा प्लु ख
 इराइ । हाहोहाइ । देवा
 शि खाण श टा
 त्राहा । व्यमूहा इ । षाइ ॥८ ॥
 खण खिणकप्लु श ख श

॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

मानाः । हणीथाआतिथिंवासुरा
ता का ट कि टाख

ग्रिः । पुरौ होवाहाइ । प्रशौ
श फा तात श फा
होवाहाइ । स्तओबाआइषोहाइ ॥९ ॥

ता त श ड्लि ड्लि शा
मानोहाबु । हार्णीथाआतिथिं ।

ता त श प णा ण फाष्ट
वासुरा ग्राइः । पूरोहाहोइ प्राशो

खिण श चा चाशक थ
हाहो स्तायेषाप्हियाहा । होइला ॥१० ॥

काथ पा छी श प्ल शा
॥दैवानीकञ्च ॥

भद्रोनोओहोअग्निराखी)हुताए । भा
फि प्ल ड्लि क

द्राराताइ । सुभगाभद्रोअध्वा
थाच श क टा टा खा

राः । भद्राऊता । प्राशास्तायो । हाइ . ॥११ ॥

ण टित प श ख प्ल शा
॥साधञ्च ॥

याजीष्टन्त्वावावृमहाइ । दे
णा फाख शी क

वन्देवत्राहोताराम् । आमार्क्त्यामास्ययाज्ञा
टू च चा क टी

स्यासुक्रातूम् । हाइ . ॥१२ ॥

प श ख प्ल शा

॥जमदग्नेश्वसंवर्गः ॥

तदग्नेद्युम्नामाभारो वा । यत्सासाहा
फी चीश टीत

सादानाइ । कञ्चिदत्राइणाम् ।
टात श थ टि ता

मन्यूञ्जनास्यदू होढायामेहियाहा । होइला ॥१३ ॥
का वा टाव्य प झी श फ शा

॥अगस्तयस्यचराक्षोम्पम् ॥

यद्वाऊविशपतिशिशितः । सुप्रीतोमानुषो
पि शु कि किच

वीशोवीथेदाग्नीः । प्रातिरक्षांसिसे धाताओहोबा । होइला ॥१४ ॥
चा टित कुचक टा खफ फ शा

॥अग्नेश्वश्रैष्ठ्यम् ॥

आयं अग्निश्वेष्ठातमोहो आय म् ।
चा चिक चा टच चा

वामधुमत्तमोहो आय म् । साहास्वासा
ट कुटच चा चा चा

तमोहो आय म् । अस्मिन्नास्तुसुवी ।
टा टच चा की काथ

र्यामौहो । ओइला ॥१५ ॥
टात प शा

॥आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥

आदित्यशू । क्राउदगात्पुरुरास्तात् ।

ती च खूश

ज्योतिःकृष्णान्वितमोबाधमानाः । आ

क कि खूफु क

भासमानाः । प्रादीशोनुसार्वाः ।

टी कि खा फु

भद्रस्यकार्तारूचयान्नायागात् ॥१६ ॥

की त पि खा त्र

तद्वपाठः

प्रथम खण्डः

॥मर्गीयवञ्च ॥

तद्वैहोवा ।गायासुताइ चा ।पुरुहू
 ती ता खिण कि
 तायासात्वानाइ ।शय्यदोअौ
 तच् काय टश की
 होइगावाइ ।नाशाओहोवा ।ए कीने ॥१ ॥
 खिण श टख शि तचट ख
 ॥रौद्रेद्वे ॥

तद्वोगाया ।सुताइसचापुरुहुताहा
 ती ता ति टा खाश्छ
 हाइयासत्वानाइ ।शंयत्वावे ।
 त चा खाणश क टा त
 नाशौहौ हूवोबाकाइनोहाइ ॥२ ॥
 टा टचकप झु छि शा
 तद्वोगाय सुतेसाचाए ।पुरुहू तायसत्वाने ।
 षी ती त कि कु
 पुरुहूतायासात्वानाइशंया
 चा थाचय टख फि
 त्वौवाउवोवा ।नाशाकाइनो ।हाइ . ॥३ ॥
 खीण प श ख झा शा

॥मार्गीयवञ्चैव ॥

तद्वैगायसुतेसाचाए । पूरुहु तायसत्व

षी ती त कि

नाइशंयत्वावे । ऐहायाएहि । नाशा

षू टि त चय ट ता

काइना औहोवा । ई ॥४ ॥

टिं खा शि ख

॥आश्वच्छ ॥

यस्तेनूनांशताकृताबु । इन्द्रद्युम्नीतामोमा

फी की शि षी टि

दा: । तेनूनाम्मादाइमाउवा । दे: ॥५ ॥

च क मित टि ता ख

॥ऐटेद्वे ॥

गावण्गावाः । उपावदावादाऔहोवा ।

तु ती ट ख शि

वाटे । महीयज्ञा । स्यरास्यारा

ख श खिण ताट ख

औहोवा । प्सुदाउभाकाण्ठाहिरा

शि ख श खिण त

हाइरा औहोवा । ण्याया ॥६ ॥

ट खा शि ख श

ओइगावाः । उपा वादावाटा

खिण ताच का टा

उवोवा । माहीयज्ञास्याराप्सुदाओ

ख श चा का ता टा

यू भा । कर्णाउवोवाहिरण्याया ॥७ ॥

ख श टा ख श का टाख

॥श्रौतकक्षेद्वे ॥

अरा मश्चायगायाता । श्रूताकक्षाराज्ञा

खा ष्टी ड श टी य

वाआर म् । हाहाइन्द्रास्याधा ।

काख ण त त पि श

होयेम्नोया औहोवा । ईति ॥८ ॥

क ट खा शि खश

अरमश्चायगायतअरमश्चोवा । यागाया

षु तू त काच

ताश्रूताकक्षाहाहा । आरा ज्ञावा

कि टा त त काख ण

इ । आरामिन्द्राटी)हाहास्याधाम्नाऔहोवा । होइळा ॥ ९ ॥

श त त क थ टा खङ्ग षु शा

॥तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवार्षः ॥

तामिन्द्रांवाजयामसि । माहे वृत्रा याहा

पि शु चा थाच् का

न्तावे । सावार्षावृ । षाभोवा

य ट चाय ट कप प

बाभूवात् । हाइ । ॥१० ॥

षु ष्टा शा

तामिन्द्रांवाजयामसिहाबु । माहे वृत्रा याहा

पि शु चा थाच् का

न्तावेहोवाहाइ । सावार्षावृ

य ट टात श चाय ट

होवाहाइ । षाभोभू वाऔहोवा ।

टात श टिद्ध ख शि

एदावासू ॥११ ॥

ता टाख्

॥अङ्गिरसान्निवेष्टौ इळा नांवासङ्घरौ ॥

तमिन्द्रं वाजयामसीए | महाहाइवृत्राया
षि तु त ता चिक

होवाह न्तवे ओवाई या ।

चकक टा काट्टत

ओमोवासहे वार्षा ओवाई या | ओमोवा
कु टा काट्टत

वृ षाभोया औहोवा | भूवात् ॥१२ ॥

की टा ख शि खश

औहोवाइहुवाहोइतमिन्द्रंवाजायामासी ।
तु की खा का फा

औहोवाइहुवाहोइमहे वृत्रायाह न्तावे ।
तु की चा का फा

औहोवाइहुवाहोइसवार्षावृ | षाभोभू
तु की खण टिट

वादिलाभाएहिला | होइला ॥ १३ ॥

त ला ली ल शा

॥शश्यातानित्रीणि ॥

हाबुत्वमिन्द्रा । बलादधिहाबुहाबु । सहा
 तु कु ता श का

साजाताओजासाहाबुहाबु । त्वांसान्वार्षान्हाबुहाबु । वृषाइदा साऔहोवा । वृधे ॥१४ ॥

था ट मि ति श च य टा ति श टीट ख शि ताच्
 त्वमिन्द्र बलादधीए । सहासाजाता
 षि ती त का था ट

ओजसाइयाहोइयाइयोवा ।
 मि का कि खाश

त्वांसान्वार्षान्हाइयाहोइयाइयोवा ।
 च य टा का कि खाश

वृषाइदा साऔहोवा । महे ॥१५ ॥

टीट ख शि ताच्
 त्वमिन्द्रंबलादधीसहसा । जाताओजासा
 षू तु का का ख

इहोइहा । त्वांसा न्वार्षानिहोइहा ।
 शी काच्चक ख शी

वृषाइदा साऔहोवा । ईहा ॥१६ ॥

टीट ख शि खश
 ॥इन्द्राण्यास्साम ॥

यज्ञइन्द्र मवर्धायात् । यत्भूमिंवायवा
 षि ति त दू

तर्यात् । चाक्राणाओ । पाश
 खण खङ्ग खण काच्

न्दीवीचक्रा णाओपाशाऔहोवा । दीवि ॥१७ ॥

क किच्र का ख शि खश

॥गोषूक्तम् ॥

यदिन्द्राहं यथौहोओहोवाहाइतुवाम् । ईशीया
 षी तु ती क
 वास्वायौहुवाइहुवाइकार्द्धत् । स्तो
 कि य य टि टि क
 तामेगोसाखौहुवाइहुवाइ । साया
 टि य टा टि श य
 द्वोयाओहोवा । अश्चिराहुताः ॥१८ ॥
 ट ख शि कि टाख
 ॥आश्वसूक्तञ्च ॥

आबुहौहोवाहायदिन्द्राहाम् । याथात्वामै
 ख श्रु टी
 हीएही । आइशीयावास्वाआइकइदै
 तिच्छ कि का दू
 हीएही । ओइस्तोतामाइगो साखा
 तिच्छ ट टि टिच्छ का
 सायाओहोवा । शुक्रआहुताः ॥१९ ॥
 ट ख शि कि टाख
 ॥गौरीवितम् ॥

पन्यम्पन्यमित्सोताराः । पन्यम्पन्यमित्सोता
 षी ति त यू प
 राः । आधावतमाद्यायासोमं वीरा
 श का खीश का टा
 यशूराया ॥२० ॥
 स्वित्र

॥गौराणित्रीणि ॥

इदंवसाबु ।सूतमन्धाः ।पीबासुपू
 ती श टि त चा का
 र्णामुदारामनाभयाईन् ।ररोबा
 टि ख खा ता श स्ना
 मातोहाइ ॥२१ ॥

ईदां वसोसूतमन्धाः ।पीबासुपू
 णाफ् खा शी टि त
 र्णामूदारम् ।आनाभायाईन् ।रराहाउवा ।माते ॥२२ ॥

इदंवसोसुतमन्धाए ।पीबासुपूर्णा
 पी ती त का काक
 मूदरौहोवा ।पीबासुपूर्णा
 क टात त चु
 मूदरौहोवा ।आनाभाईन् ।ररिमा
 थित त मि त चि
 ताओहोबा ।होइळा. ॥२३ ॥

टा खष्ट ष्ट शा

द्वितीय खण्डः

॥सौपर्णानि त्रीणि ॥

उत्थेद्योवा ।श्रूतामाघम् ।वृषाभन्नार्यापासम् ।आस्तारामे ।षाइ
ती त का खण दु खण ट टात

सूर्यांौ ।होबाहोइळा ॥१ ॥
कि टा खझु झु शा

उत्थेदभिश्रूतामाघाम् ।वृषाभ न्नर्या
षी त त चिकफझु

हिं ।पासम् ।आस्ताउवा ।रा
च प श स्ना शा क

माइषिसू ओबारायोहाइ ॥२ ॥
कीप षु स्ना शा

उत्थेदभिश्रूतामधमियइयाहाइ ।वृषा
षू तु त श

भ न्नर्या हाहाइ पासम् ।
चिकफझु त त श प श

आस्ताउवा ।रामाऔहोवा ।षिसूर्या ॥३ ॥
स्ना शा ट ख शि टिख
॥शाकलम् ॥

यद्यकाच्चवृत्रहान् ।ऊदगाआभीसूराया
फी की कु टात

सार्वान्तादिन्द्रतायेहिं ।वाशोहाइ . ॥४ ॥
की टि च खझु शा

॥आभरद्वसवेद्वेऽन्द्रकग्रेर्वा ॥

ययाहाबु । आनायादानायात्पारा
ता त श टि टि का

वाताः । सूनीतीतू सूनीतीतू वर्षां
खण टीचक टिच का

यादूम् । इन्द्रास्सानो इन्द्रास्सानो यू
खण टीचक टिचट

वाओहोवा । साखा ॥५ ॥
ख शि ख श

यआनयत्परावाताः । सूनीतिर्वशां
षि तीत यू

यादूम् । इन्द्रस्सनोयूवासाखा । इन्द्रो
पश यू पश खा

ग्रिः । इन्द्राओहोग्राइः ।
श क का खण श

आइन्द्रोग्रायाओहोवा । ईन्द्राः ॥६ ॥
किट ख शि ख फ

॥तान्वेद्वे ॥

मानइन्द्राभ्यादाइशाः । सूरोआतुष्वायामा
षि ती की टाख

तुवायूजा । वानाइमाता त । ओइळा ॥७ ॥
खा ता टी खण प शा

मानाइन्द्रा भ्यादिशः । सूरोआतु
ण फ खा शि खि शा

ष्वायामात् । त्वायुजावानौहोमातौ
खण कि टाथ का

हूवादौहोवा । एययूः ॥८ ॥
किख त टाख

॥रौहितकूलियेद्वे ॥

एन्द्रसा । नासिरयिं सजित्वानं सादासाहाम् ।

ति षी की टि त

वार्षीष्ठामू तयाआउवाए । भारा ॥९ ॥

टत का ता भी खश

एन्द्रसानसा । इंरायाइं सजित्वानं सादासाहाम् ।

तु टि कु टि त

वार्षीष्ठामू तायोबाभारोहाइ ॥१० ॥

द टच्चप फ़ ल्ला शा

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥

इन्द्रामिन्द्रं वायामाहामहाधानाइ । इन्द्रा

दू दू श

मिन्द्रं मर्भाइ हवाहवामाहाइ । यूजायु

दू ष दू श

जं वृत्राइ षुवाषुवज्जीणाम् । ओइळा ॥११ ॥

दू पण् प शा

इन्द्रं वायाम् । माहामहाधानाओ औहोइहा ।

ती दू का त ता

ईहीबालाउवोवा । ईहा । इन्द्रमर्भाइ ।

टी खाश खश शू

हवाहवामाहाओ औहोइहा । ईहीबाला

दू का त ता टी

उवोवा । ईहा । युजं वृत्राइ । षूवाषूवज्जीणां ओ औहोइहा । ईहीबालाउवोवा । ईहा ॥१२ ॥

खाश खश शू दू का त ता टी खाश खश

॥इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥

अपि बत्काद्रूवस्मुताम् । इन्द्राहो इसा
 तु ति मि का
 हाहो वास्त्रावं भे । तत्रादादीष्टापौ
 क कि य ट टि त क ट
 हौहुवार्ईयाम् । सीयामौहो बाहो इला. ॥ १४ ॥
 ट टा टत त पा छा छ शा
 ॥धृष्टो मारुतस्य सामनी द्वे ॥

वयमाइन्द्रा । त्वाया वा औहो वा ।

पि णा टादख शि
 आभिप्रनो नुमो वृषान् । विद्धाइ तु वा ।
 टि खी खा ति

स्याना औहो वा । वासो ॥ १५ ॥

टद ख शि ख श
 वयमिन्द्रा त्वाया वाः । आभिप्रनो नु
 ती छा श

मो वार्षान् । विद्धितू वा आओहा

पू प श खिद्धु खा ण
 इ । स्यानो बावा सोहाइ. ॥ १६ ॥
 श पि छा पू श

॥भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥

वयमौहोइन्द्रा ।त्वायावाः ।आभिप्रनोनुमोवा
तू ष्टश यूप

षान् ।विद्वितुवोहाइ ।स्यानोहाइ ।
श स्त्रीण श ष्टा शा

वासाऔहोवाहोइळा ॥ १७ ॥
क ट ख ष्ट ष्ट शा

वायामौहोवाहा ।इन्द्रत्वाऔहोवाहायावाः ।
ख शी खि शू

आभीप्रानो ।ओइनुमोवार्षान् ।वा
ट त ट त दु त ट

इद्धीतूवा ।स्यानोऔहोवा ।
ता ट त ट ख शि

वासो ॥१८ ॥
ख श

हाबुवयमिन्द्रात्वावायाः ।आभिप्रनोनुमो
तू ट या दू

वार्षान् ।विद्वाइतुवास्यानोवा सा
ट या टि टिख

औहोवा ।अस्माभ्यज्ञातुवित्तमाम् ॥१९ ॥
शि चा क त किख

॥ऐधमवाहानि त्रीणि ॥

आघायेआग्निमिन्धाताइ ।स्तृ

षु ता त श क

णन्तिबर्हिरानुषाग्येषामिन्द्रोयुवा ।

टि कु चि शा

इहाउवाउवोबासाखोहाइ ॥२० ॥

पु ल ला शा

आघायेइहा ।ग्रीमाइन्धाताउवोवा ।ई

तु डु खा श ख

हा ।स्तृणन्तीबर्हिरानुषाउवोवा ।

श कि त टी खा श

ईहा ।एषामाइन्द्राउवोवा ।

खश क टी खा श

ईहा ।यूवायुवासाखा ।ईहा. ॥२१ ॥

खश टि ख त्र खश

औहोआघायाए ।ग्रीमाइन्धाताऔहोवा

तु त डु खा श

स्तृणन्तीबर्हिरानुषाऔहोवा ।ए

कि थ टी खा श क

षामाइन्द्राौहोवा ।यूवासाखाउवाहाबु ।बा ॥२२ ॥

टी खा श का प स्त्री श श

॥अहे:पैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥

भिन्धियोहाइ ।वाइथा आपाद्वाइषा

ति त श कि च का टि

उवोवा ।पारा

खा श टा

उवोवा ।बाधोजहाइमार्द्धाउवोवा ।वासुस्पार्हन्तदाभरा. ॥२३ ॥

खा श षु टा खा श कि कि खा

तृतीय खण्डः

॥ऐषञ्च ॥

ईहेवाश्रुण्वएषाम् ।काशाहस्तेषुया
 पि शी यू
 द्वादान् ।नियामैश्वीत्रामृन्जताइ ।
 प श स्वी किक फ श
 नीयामैश्वाइत्रामान्जाताइ ।एहियाओौ
 पि टी ख ण श खि
 हो ।एहियौहोए हियौहोवा ।एहि. ॥१ ॥
 ता क की की खश
 ॥पौषञ्च ॥

इमाउत्वाविचक्षते सखायाः ।इन्द्रसोमाइ
 षी खी खा श भी
 ना ।होयेहोवा ।पुष्टावान्तो ।
 ता टाट त टित
 होयेहोवा ।याथोबापाशुम् ।हाइ ॥२ ॥
 टाक त क प षु ष्टा शा
 ॥मरुताञ्चसंवेशीयम् ॥

सामस्यामान्यावेवीशाः ।विश्वेनामान्ताकृष्टायाः ।सामुद्राये वासिन्धावाः ।ओइळा. ॥ ३ ॥

टी त चि टी त चि टीचक टा खण् प शा

॥हाविष्मतेद्वे ॥

देवानामिदाउवोवा ।आवाउवोवा

फि खीश टा खाश

माहात् ।तादावृणाइमाहाउवोवावायम् ।

ख श ष टा खाश ख श

वृष्णामस्माभ्यामाउवोवाताये ॥४ ॥

टू खाश ख श

हाबुदेवानामिदवोमहद्वाबु ।तादावार्णाइ

षु तूश का टा

माहेवायम् ।ऐ हायाएही

चाकखण टचय ट ता

वृष्णामास्मा ।भ्यामूता याऔहोवा ।हावीष्माते ॥५ ॥

मि त टिख शि टि ख

॥हाविष्कृतेद्वे ॥

देवानामिदवोहाबुमाहात् ।तादावृणाइ

षु ति त षु

माहाइवायाम् ।वृष्णांहोयास्मा ।

टी त टाच्य ट त

भ्यामूता याऔहोवा ।हाविष्कार्ते ॥६ ॥

टिख शि टि ख

देवानामिदवोमाहात् ।तादावृणी मा

षु त त कीचक

हाइवायाम् ।वृष्णामास्माभ्यामो

टि त मि तच्च क प

बातायोइ . ॥७ ॥

फ़ फ़ा शा

॥काक्षीवतञ्च ॥

सोमानांस्वरणम् । कृणूहिब्रह्मणस्पाताये
 खा शी षि की टा
 ओहाहाइ । कक्षाइवान्ताम् । यअौ
 ख पू त श भी त
 हो औहोबाशाइजोहाइ . ॥८ ॥
 तिच्छक खपू ष्ठि शा
 ॥उषसश्च साम ॥

बोधन्मनाः । इदास्तूनोवृत्रहा
 ती टा ट कि
 भूर्यासूतीः । श्रणोओहो । तुशा
 ट खण खा ता चा
 क्राआशिषामौहोबाहोइल्ला. ॥ ९ ॥
 क पी ष्ठा पू शा
 ॥भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥

अद्यनोदेवसवितरौहोवाइ । इहश्रुधाइ
 षु तु त श षु
 प्रजावात्सा । वीस्सौभगाम्पारादूष्वा ।
 टि त टा चाय टात
 होवाहाइ । मियंसुवा । दक्षाया ॥ १० ॥
 टात श पित्र ता टख
 अद्यानोदेवसवितः । प्रजावत्सावीसौ
 खा शू का की
 भगाम्पारादूष्वा । मियंसुवाउवाओ
 टि खाण कू टद
 वाओहोवा । अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम्. ॥ ११ ॥
 ख शि चित कख

॥भारद्वाजानित्रीणि ॥

कोवस्यवार्षभोयूवा ।तुविग्रीवो
 प फि शी चिक
 आनानतोब्रह्माकास्ताम् ।ऐ हाया
 क कि टि त टच्यट
 ऐही ।सपर्याता इ ।ओइळा ॥ १२ ॥

ता क टाखणश प शा
 कूवाकूवा ।स्यावृषभोयूवा ।ओहा
 ती चा टी ख पु

हाइ ।तुवीग्रीवो आनानताओहा
 त श क थाच टी ख पु

हाइ ।ब्रह्माकास्ताओहोवा ।सपर्याती
 त श टिख शि खी

ऐहीऐही ।क्रास्यवृषभोयूवाऐहीऐही ॥१३ ॥

तुविग्रीवोआनानताऐहीऐही ।ब्रह्माकस्तंसपर्याताऐही
 षु तु षु

ऐही ।आइहा औहोवा ।
 तु ट खा शि

आइही. ॥१४ ॥
 ख शा

॥शौक्तसामनीद्वे ॥

उपाह्नारा ईगिरा ईणाम् । स
चा का टिच्कच क
झमेचानादाई नाम् । धीयाविप्रो आ
थि टाकच टा टाच्
जायातायामायाआउवा । ऊपा ॥१५ ॥

का कि ता टि ख श
इदामीदं ईदामिदकमीदामीदम् । उपह्नारे गीरा इणां ईदामीदं ईदा
खिश चा खू श ची चा टा खिश चा
मिदकमीदामीदम् । संगमेचानादाई
खू श ची
नामृदामीदं ईदामिदकमीदामीदम् ।
टी खिश चा खू श
धियाविप्रो आजायाता । इदामीदं ईदामिदकमिदामाईदाम् । गो
टा काच् का का खिश चा खू त्र च
ष्पादे प्रट्. ॥१६ ॥
चाश
॥वार्षाहरेद्वे ॥

प्रसम्राजाम् । चर्षणाइनाम् । आइन्द्रामस्तोतानव्याङ्गाइभीः । नारान्ना
ती टा टि टि टा टा ख णा टा
र्षा हम्मोबाहाइष्ठाम् । हाइ ॥१७ ॥
टाच्कप श्ली शा
प्रसम्प्राजोहाइ । चर्षणीनाम् । आइन्द्रां
ती त श भि त
स्तोतानव्याङ्गाइभीः । नारमोह
टी त टा ख णा णि श
नृषाहमोह । मंहाइष्ठाहोहेल्ला ॥१८ ॥
णी श श्ली श्ल शा

॥कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥

प्रसम्माजञ्चक्ति ।षाणाइनाम् ।इन्द्रां
तु खा शा

स्तोतानव्यांगाइर्भीः ।नरनृषाह
भि त टा ख णा षी
मंहियाहाउवा ।षाम् ॥१९ ॥

फीझ शा ख
प्रसम्माजञ्चर्षणीनामिन्द्रंस्तोतानव्यं
षृ

गाइर्भीः ।इन्द्रंस्तोतानव्यज्ञाइर्भी
तु ता षी टि खा
नरनृषाहमांहिषाम् ।साह मैहा
शृ चा का

इहोयाऔहोवा ।मंहीषा म् ॥२० ॥

टा ख शि थ टा ख

चतुर्थ खण्डः

॥सौश्रवसेद्वे ॥

आपादुशी । प्रियन्धसास्सूदक्षास्या ।
ती ती टि त

प्रहोषीणाः । इन्दोराइन्द्राः । यावाशाइराः । ऐहियाइहिया औहोवा ।
का चा का ट ता टि ता क टा खि शि
ए ऊपा ॥१ ॥

तच्छख

अपादुशीप्रियान्धसाः । सूदक्षस्या
फा खी शा षी

प्रहोषीणाइन्दौहौहुवाइन्द्रो
की टि पा

यवाशाइराः । ऐहाएहिया
फीड् शा कट ट खा

औहोवा । एऊपा . ॥२ ॥
शि त टच्

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

इमाउत्वा । पुरोवसाबु । आभिप्र
ती टा टा श

नोनवूत्गाइराः । औहोइ । गावो
टू टि थ चश था

वात्सान्नाधे । नावो । हाइ . ॥३ ॥
टा प श खफु शा

॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

अत्राहागोरमन्वताउवाहाउवा

ता क ष दू टि

होइ । नामत्वष्टुरपीच्यामुवाहाउवाहो

च श पी दु टि च

इ । इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहाउवाहो या

श पी यी टि टद्ध

औहोवा । ऊपा ॥४ ॥

शि ख श

हावत्रा । हागोर मन्वताउवाहोइयाहोवाउ

ति क ष दु टि था

बोइ । नामत्वष्टुरपीच्यमियाउवाहोइयाहोवा

च श षु दु टि था

उवोइ । इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहोइयाहोवा

च श षु यी टि था

उवोया औहोवा । ऊपा. ॥५ ॥

ट ख शि ख श

॥४४७े द्वे ॥

यदिन्द्रोया ।नायादेंओंओवा ।रीतो
ती टचट खश
महीरापाओंओवा ।वृषावृषान्तमा
टूट खश टी खा
औहोवा ।तत्रापूषाभुवा ।त्साचा. ॥६ ॥
शि किच ता ट ख
यदिन्द्रोआनायद्रीताए ।माहीरापो माहीरा
षु तीत टीचक
पोवार्षान्तामाः ।तत्रापूषापूषा
टि काख ण टि टाट ख
औहोवा ।भुवात्साचा. ॥७ ॥
शि ता ट ख
॥८्यावाश्वेद्वे ॥

गौर्धयाए ।तिमरुतां श्रावस्यु
ति त तीचक
मर्तामघोनाम् ।युक्तावन्हाइ ।
टि खिश ची श
रथानामाऔहोवा ।ऊपा ॥८ ॥
काट ख शि खश
गौर्धयतिमरुतामे ।श्रावस्युर्मतामघोना मुहु
षी ति त टी टीच
वाहाइ ।युक्तावान्हीरुहुवाहा
टि त श चिथ टि त
इ ।रथानामौहोबाहोइला ॥. ॥९ ॥
श का पा झाझ शा

॥प्रजापतेस्मुतंरयिष्ठीयेद्वे ॥

उपानोहरिभीस्मूतोवा |याहिमदा

पि ष्टि डा श टी

नाम्पाताउपनोहाओबाराइभीः

टि ति प पु ख ष्टा

सूतामौहोबाहोइल्ला ॥ १० ॥

पि ष्टा पु शा

उपनोहाबुहोराइभीः |सूताम् ।

षि ती ता टत

याहिमदानाम्पाताउपानोहा ।

की टा खीण

राइभाओहोवा |सूतं राइष्टाः. ॥११ ॥

ट खा शि काच टाख्

॥आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥

इष्टाहोत्राआसृक्षाता |इन्द्रंवृधान्तो

ती च खा ण क टी

अध्वाराइ |अच्छावाभार्थमोजा

खा ण श स्वि श स्वि

सा |एऊदधिर्निधीः ॥१२ ॥

त्र तक टीख्

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

अहमिद्वाइपितुःपराइ । मेधामृतस्यजग्रहा
फी कुश क षृ

आहंसूर्याइवाहाहाइ ।
की पा षु इ श

जनिहोइहोओहोऔहोवाहाबु ।
कू का पा ष्णा

बा. ॥१३ ॥
श

॥वाजिदापर्यञ्च ॥

रेवतीर्णः । सधामादाइ । इन्द्रा
ती टा खण श टा

इसान्तू । तूविवाजाः । क्षुमान्तो
खण टि च टत ट

या । भिर्ममोबादाइमोहाइ . ॥१४ ॥
क क प ष्णी शा
॥सोमापौष्णञ्च ॥

सोमःपूषा । चाचाई ततूरया
ती षि की

वयोवा । वाइश्वासांसुक्षीतीनामया
खा श की टू

वयोवादाइवात्राराथीयोर्हा
खा श च या टा ष्वि

‘इताः । गावोअथाः ॥१५ ॥
त्रा था टाख

पञ्चम स्वण्डः

॥१८॥ वैतहव्यानि त्रीणि ॥

पान्तमावोअन्धसाः । इन्द्रामाभिप्रागाया
षी ति क का

ताहाहाइ । विश्वासाहं शाताक्रातुं
टु त त श कीच का ठ

हाहाइ । मंहाइष्टाञ्चाहाहाइ
त त श क टी त त श

र्षणाइनामौहोवा । उऊपा ॥१ ॥
य खा शि खा श

पान्तमाओअन्धसइहा । इन्द्रामभाइप्रगाय
षी तु थ कू

ताइहा । विश्वासाहंशाता क्रातुमिहा
य ता कि टिच य ता

मंहाइष्टाञ्चाइहा । र्षणा ईनामिहा ॥२ ॥
क चि टि टाच का टाच

पान्तामावोअन्धसाः । आइन्द्रामभाइप्र
णा फ ख शि षु

गायाता । विश्वासाहम्
ट ख ण ट ख ण

शाताक्रातुम् । मंहिष्टञ्च र्षणाइना
त पा श कीथ चा शत

मा औहोवा । ओकाः ॥३ ॥
टख शि त ख

॥शौक्तानित्रीणि ॥

प्रवाइन्द्रायामादानम् । प्रवाइन्द्रा
टी खिण टा

औहो । यामादानम् । हराअ

पि श खङ्ग खण टा

श्वाऔहो । यागायाता । सखा

पि श खङ्ग खण टा

यास्सोऔहो । मापोबावान्नोहाइ ॥४ ॥

पि श झाङ्ग झा शा

प्रवाइन्द्राऔहो । यामादानम् ।

टा पि श खङ्ग खण

हराआश्वाऔहो । यागायाता ।

टा पि श खङ्ग खण

सखायास्सोऔहो । मापोबावान्नो

टा पि श झाङ्ग झा

हाइ ॥५ ॥

शा

प्रावाई याईया । इन्द्रोई याईया

टित टत टित ट

यामादानम् । हाराईयाईया

खाङ्ग खण टत टत

आश्वोई याईयायागायाता । साखा

टित ट खाङ्ग खण

ई याईया । यास्सोई याईया ।

टित टत टित टत

मापोबावान्नो । हाइ ॥६ ॥

पा ङ्ग झा शा

॥गौरीवितानित्रीणि ॥

प्रवौहोवाइन्द्राओहोवा ।यामा
 का टा कि टा खँ
 दानम् ।हरौ होवाआश्वाओहोवा ।
 खण का का कि टा
 यागायाता ।सखौहोवायास्सोओ
 खँ खण का टा कि
 होवामापोबावान्नोहाइ ॥७ ॥

टा पाँ श्ला शा

प्रावाददाओहो ।इन्द्रोददाओहो ।
 चा टि त पु श

यामादानम् ।हारीददाओहो ।
 खँ खण चा टि त
 आश्वोददाओहो ।यागायाता ।स
 पु श खँ खण

खाददाओहो ।यास्सोददाओहो ।मापोबावान्नो ।हाइ ॥८ ॥

चा टि त पु श श्ला श्लाश शा

प्रवप्रवाः ।इन्द्राएन्द्रायामादानाम्
 ती ताक थ काय ट

हराइहरियथायागायाता ।साखा

ता दुच काय ट

यास्सो ।मापोबावान्नो ।हाइ . ॥९ ॥

भित श्ला श्लाँ शा

॥काण्वेद्वे ॥

वयंवायामूलत्वा । तादीदार्त्थाः ।

ती खश खि ण

इन्द्रत्वायन्तस्सखायाः । कण्वाऊ

षी खि छु ता प

कथेभिर्जरन्तेऽहियाहा । होइळा ॥ १० ॥

षु शि षु शा

वयमूलत्वातदिदार्त्थाःऽेहीहोइ ।

खि सु टि श

वायमुत्वातदिदर्त्थाइन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।

षु क्रु टि त

कण्वाः । उक्थाइभीर्जोबा । रन्ताया . ॥११ ॥

खण कीप षु ता टाख्

॥सौमित्रेद्वै दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षणिवा ॥

इन्द्रायमद्वनाइ ।

तू श

सूतामिन्द्रायमद्वने सूताम् ।
षी ची शा

पाराइष्टोभा न्तुनोगिराः । अर्कमा
च टि तिच चा शा टि

चृचान्तुकारावाः । ओइळा ॥ ॥१२ ॥
तच्क टाखण प शा

इन्द्रायमद्वनेहाबु । ओइसूताम् ।
तूत श टित

पारिष्टोभान्तुनोहाइगाराः । पारिष्टोभान्तुनो
कि टि त ती दू

हाइगाइराः । अर्कमाचृचाऔहोवा । ए
त टी टि ख शि त

न्तुकारावाः ॥१३ ॥
चा टाख

इन्द्रायमद्वनेसुतमिन्द्रायमोवा ।
षू तूत

द्वानाइसूताम् । पारिष्टोभाहाहा
त पिश किट त त

न्तुनोगाइराः । अर्कमाचृचाहाहा
टा ख णा भि त तच्

न्तुकारावाः । ओइळा ॥ ॥१४ ॥
क टाखण प ष्टा

॥वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसङ्गनानिवा ॥

अयन्तया ।

ती

द्रासोमोहोवाहोइ ।नीपू

टि काच श का

तोआधीबर्हाइषी ।आईहि

य च खा णा च था

मस्याद्रा वाओहोवा ।पिबा ॥१५ ॥

टिख शि ख श

अयन्तइन्द्रसोहोमाः ।नीपूतोआधीबर्हाइ

तूतत की टि

षी ।ऐहाइमास्या ।द्रावापाइबा

टा टा चि का टि

आइहिमास्याद्रवापाइबा ।पीबा. ॥१६ ॥

षि की टि ख श

अयन्तइन्द्रसोमोनाइपूतोआधी

फूतप णि ण्य

बर्हिषी ।नीपूतोआधीबर्हाइषी ।

णि की टि ता

ऐहाइमास्या ।द्यावापाइबाईहा ॥१७ ॥

क टी त का प त्रा ख श

॥ौदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥

सुरूपाकृत्तुमूतयाइ । सुदूधा
ता च चि चा श चि

मिवगोदुहयाआउवा । ऊपा । जुहूमा
टि ति टि खश टि

सी । द्यवीद्यवियाआउवा । उऊपा ॥१८ ॥

त चा ति टि खा श

सुरूहाहाइ । पकृत्तुमूतायाइ ।
ति त श टीच टा श

सुदुधामिवगोदुहाएहीएही । जुहौ
चि टि तूच टा

हुवाइमासी । द्यवीद्यवीएहीएही ॥१९ ॥

टीट चा चा तीच

सुरूपकृत्तुमूतायाइ । ओइ सुरूपकृ
तु पाण श षा

त्तुमूतायाइ । ओइ सुदुधामिवागोदू
यू टा श षा यू

हाइ । जुहू मसाइद्यविद्यावैही । जुहु
टा श का पा शू टा

मासी द्याविद्यवीआबुहोआबुहोवा ।
टाचक पि शृ

एद्यवी ॥२० ॥
त ताच

सुरूपकृ त्तुमूतायाइ । सुदुधामी
ती टा चा श कि ट

वागो दूहाइसुदुधामा । वागो दूहा
टाच ख कु श टाच का

इ । जुहूमासी । द्यावी । द्यावो
श टि त प श ख पु

हाइ ॥२१ ॥
शा

॥दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावाध्यश्चानि ॥

अभित्वावृष्टभासूताइ ।सुतंसृजा मी

षू ता श कीच्

पाइतायाइ ।तृम्पावाया ।

का या ट श का य ट

शुहाआउवाए मादम् ॥२२ ॥

ता भीख श

अभित्वावृष्टभासुतेभ्याहाबु ।

षू ति त श

त्वावृष्टभासूताइ ।सूतंसृजा

तच् का य ट श कीच्

मीपाइतायाइ ।तृंपाहोइविया

का या ट श का की

हो शुहीमादा म् ।ओइळा ॥२३ ॥

कथ् टि खण प छा

अभित्वावृष्टभासुतेसुतंसृजोवा ।मीपीता

षू तू त का ट

याइ ।सुतं सृजा मीपीतायाइ

त श का काच् क टा त श

तृम्पावाया औहोवा ।शुहीमादाम् ॥२४ ॥

टत टद्ध शि था ट ख

॥कौत्सेह्वे पाञ्चवाजेवा ॥

याइ न्द्राचमसेष्वाइया । सोमाश्वामूषु
था प शु का

ते सूतस्सोमश्वमू षुताइसूताः ।
कीचक कुचक टित

पाइबाहाइदास्योहाइ । त्वामीशा
टित टित श टि

इषा इ । ओइळा ॥ ॥ २५ ॥
खाण् श प शा

यइन्द्रचामासेष्वा । सोमश्वमूषुताइसुताः ।
तु ता थु पा श

सोमश्वमूषु । ताइसूताः । ओइपिबेदस्यो
तीत पिश ट खु

हाइ ।

ण श

त्वमाइशा इ । षाइ. ॥ २६ ॥
खीणफू श ख श

॥सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजेहवामहे
षी ती की चा काच्

साखायाई ।न्द्रामोबातायोहाइ ॥२७ ॥

टि त कप प्लि शा

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजेहवा

षी ति त की चा

महे होवाहाइ ।साखायाई ।हो

काच् टात श टि त

वाहाइ ।न्द्रामूतायाऔहोवा ।

टात श टि ख शि

उऊपा । ॥२८ ॥

खा श

योगेयोगेतवहाबुस्ताराम् ।वाजेवाजेहवा

षी तु त की टा

माहाए हूवाऔहोवा ।साखाया

कि कि त त थाच्क

इन्द्रमूतायाए ।हूवाऔहोवा ।सखा

कि कि कि त त का

ययाहुवाऔहोवा ।न्द्रमूतये ॥२९ ॥

टा कि त त का टाख

॥दैवातिथमैधातिथं वा ॥

आतू एतानिषीदाता ।इन्द्रामभाइप्रगा
 खा प्लीड श थ शु
 यतासाखा यस्तोमवाओहोमवाहा
 कीच् का पि श टाख
 साः ।हायार्इसाखायस्तोमवाओहो ।
 ण दुच् का पि श
 हिम्माहासो ।हाइ । ॥३० ॥
 टाखङ्ग शा

षष्ठ खण्डः

॥माधूच्छन्दसङ्गैञ्चसौपर्णवा घृतश्चुन्निधनंआज्जिरसानिवा ॥

इदामे । हनूओजासा । सूतं राधा

ति ता मि का का

नाम्पाताइ । पीबात्वस्यागीर्णाः ।

चय ट श यु पा

पीबातुवा । स्यागाओहोवा । वर्णाः ॥१ ॥

खा ता ट ख शि ख प्ल

इदंहाओहो । नूओजासा । सूतं

ति ता क खा ण का

राधानाओंपाताइ । पिबात्वस्या

का ट खा ण श पी

गाहाइ । वर्णाएहियाहाहो

प्ल ड श प छी श प्ल

इला ॥ २ ॥

शा

इदंहनूओजसा । सूतं राधाना

ती ति का काच

म्पातौहोवाहाइ । पीबात्वस्या

य ट ता त श चा

गाइवर्णौहोवाहाइ । पिबातुवौ

चि या ट ता त श टी

होवाहाइ । स्यागाइवा णाओहोवा । घृताशूताः ॥३ ॥

ता त श टीट ख शि ता टाख

॥प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्तातृदमनंवातृतीयम् ॥

महंइन्द्रः ।पूरश्वनोमाहीत्वामा ।
ती कीय ट य ट

स्तुवज्ञिणाइ ।दायूर्णप्राथी
क चिश य टय टक

नाशावाः ।ओइला ॥४ ॥
ट खण प ल्ला

महंहाइन्द्रः ।पूराश्वानाः ।महाइत्वा
तु त पा श ट खा

मा ।स्तुवौहौहाहोवाज्ञीणाइ ।द्यौन्नाप्रथी
ण ट खि शी ती

नाशावाः ।द्यौन्नाप्रा
ति खाण

थिनौहौहाहो
य खि

बाशावो ।हाइ ॥५ ॥
ल ल्ला शा

महंइन्द्रःपूराश्वनाः ।माहीत्वामा ।
फी की था टद त

स्तुवज्ञा इणाइ ।द्यौन्ना प्रा ।
च टाटद ता श क टटदत

थिनाशावाः ।ओइला. ॥६ ॥
क ट ट खण प ल्ला

॥गौरीवितेद्वे ॥

आतूनया । इन्द्रक्षुमान्ताम् । चाइत्रंराभंहा ।

ती ती त दु त

इसङ्गुभायामाहाहस्तोहाइ । दक्षा

कि टी खा ण श टाच्

इणाइना । महाहा स्ताओहोवा । दक्षिणेना ॥७ ॥

का चा टिट्ख शि कि टख

आतून इन्द्रक्षुमान्ताम् । चित्रंराभम्

षि ती त टाखण

संगृभायमाहाहास्ताओहोवादक्षिणेना ॥८ ॥

क पा शट त टट्ख शि खी

॥आपालवैणवेद्वे ॥

आतून इन्द्रक्षुमान्ताम् । चित्रंराभंसङ्गु

षि ती त दू

भायाचित्रंराभंसङ्गुओहोइभाया ।

कथष कु खिण

ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ । औहो

क पू टाचश क

वाहोबाणाइनोहाइ ॥९ ॥

काप झा झा शा

आतूनाइ न्द्राक्षुमान्तम् । चित्रंराभंस

णा णा फ खाश

ङुभायाचाइत्रंराभंसङ्गुई हाभाया ।

वे कूखफ खण

ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ । औहोवा

क पू टाचश क का

होबाणाइनोहाइ ॥१० ॥

प फ़ झि शा

॥धुरशस्येद्वे ॥

अभ्येआभी | प्रागोपातीज्जिराः | इन्द्रम

ती का था टा

च्चायाथाविदाइसूनूम् | ओइसत्योहाइ

यू पा ति पी ण श

स्यासाओहोवा | पातीमे ॥११ ॥

ट ख शि च ट ख

अभ्येआभी | प्रगोपतीज्जिराः | इन्द्रमर्च्चा

ती की टा टी

याथा | हिंहिंओईवीदाइसनुं

खण ट त प ण णि कि

सात्यास्यासात् | हिंहिंओबापाताइं | हाइ ॥१२ ॥

फा ता ट त प फ़ फ़ा श शा

॥महागौरीवितं तृतीयम् ॥

आभीप्रगोपतीज्जिराः | इन्द्रमर्च्चयथाविदाए | सूनुंसात्याओस्यासा

फा खा खा शा षी डु की प श फ

त्याताइं | सूनुंसात्याओस्यासोबा

शि की प फ़ा फ़

त्याताइं | हाइ . ॥१३ ॥

फ़ा श शा

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

कयानश्ची ।त्रायाभूवात् ।ऊताइ
ती त पाश क

सदावार्धस्साखा ।कयाशाचाइ ।
कु खा ण टि त श

ष्टायावातोहाइ ॥१४ ॥

प श ख षु शा

होवाइहोवाइकयानश्ची ।त्रायाभूवात् ।
षू ती त पाश

होवाइहोवाइऊतीस्सादा वृधास्साखा
षू चा काच् काप श

होवाइहोवाइकयाशाचाइ ।ष्टायावा
षू ता ता श टि

र्ताऔहोवा ।ऊपा. ॥१५ ॥
ख शि ख श

॥महावामदेव्यंतृतीयम् ॥

कायानश्चाइत्रायाभुवात् ।ऊती

ण फ फा खा शि का

स्सादावृधस्सखाऔहोहाइकयाशचाइ

का कु ता टि ता श

ष्टयौहोहिम्मावार्तो ।हाइ ॥१६ ॥

ति टा टख त्रश

कास्तवासत्योमादानाम् ।मंहिष्ठो

ण फ फा ख शा कि

मत्सद न्धसाौहोहाइद्वाचिदा

की कि ता टि ता

रुजौहोहिम्मा ।वासो ।हाइ ॥१७ ॥

ति टा टख त्रश

आभीषूणास्साखीनाम् ।अविता

ण फ फा ख शा कि

जराइतृ णामाौहोहाईशातांभवा ।सियौ

की कि ता टि ता

होहिम्मा ।तायो ।हाइ. ॥१८ ॥

ति टा टख त्रश

॥इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥

त्यमूवाः । सत्रासाहाम् । विश्वासुगीरिषू
 ति था या द्व
 आयाताम् । आच्यावा याऔहोवास्यूतये ॥१९ ॥

दि टिक्ख शिक टाख

त्यामूवस्सत्रासाहम्मोवा । विश्वासुगीरिष्वाया
 ख श्रु वि टी

ताम् । आच्यावाया । सियौहोवाहा
 च टित टा खाण

इ । तायो । हाइ . ॥२० ॥

श खफ्ल शा

॥माहावामदेव्यञ्ज ॥

सादा । सस्पताईमात्भूताउवोवा ।
 ता चि या टा खाश

प्रायाउवोवा । आइन्द्रास्याकामायाम्
 टा खाश कूख्त्र

सानिम्मेधामयासिषाम् ॥२१ ॥

चि टि खा

॥वैर्यश्वञ्ज ॥

हावाप्सूदाक्षाआप्सूदाक्षाः
 खीश खिण

एते पन्थाआथोदीवाःहावाप्सूदाक्षा
 का थाच टी खीश

आप्सूदाक्षाःएभिर्व्या श्वामाइराया ।
 खिण का थच द्व

हाउताश्रोषान् । तूनोभू वाऔहोवा । ई ति. ॥२२ ॥

खीण टिक्ख शि खश

॥गौतमस्यच भद्रम् ॥

भद्रंभाद्राम् ।नाआभाराइषामूर्जम् ।

ति त क टा ख शी

शाताक्राताबूयादिन्द्रामृढाया

टि ख शुट ख

औहोवा ।सीनः ॥२३ ॥

शि ख श

॥अश्विनोश्च साम ॥

अस्तिसोमोअयंसुतोअस्तेआस्ती ।

षू तू

सोमोअयंसुतःपिबन्त्यस्यामारुतोहाइ ।

षू फु खणश

उतस्वराजोअथाइनो ।हाइ . ॥२४ ॥

पु ष्टी शा

सप्तम खण्डः

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

ईङ्ग्ययन्तीः । अपास्यूवा: । आइन्द्रन्जा
 ती ता टा कीच
 तामू पासाताइ । वन्वानासाः ।

चाय टा श क टा त
 सूवीर्याआउवा । वृथे . ॥१ ॥
 कि शि ताच्

॥गोधासामच ॥

नकिदेवाः । ईनाइनीमासाइ मासीया
 ती दू श का ख

नक्यायो । पायापयामासाइ । मासी
 शि दू श का

यामन्दश्चुत्यम् । चाराचरामासाइ । मासीया ॥२ ॥
 ख शी दू श खा ण

॥सवितुश्चसाम ॥

दोषोआगात् । बृहद्दायद्युमत्तामा ।
 ती शी टि त

अथ वर्णस्तुहीयौहोइदेवाम् ।
 चा दु ख ति

सावोबातारं । हाइ . ॥३ ॥
 क प फ्ल छा शा

॥उषसश्वसाम ॥

एषोऽुषः । आपूर्वुच्छतीहो
ती का की
वाहाइ । प्रीयादाइवास्तुषाइवामा ।
टात श टि खा खा ति
श्वीनोबाबृहात् । हाइ .. ॥४ ॥
क प फ़ फ़ शा शा
॥त्वष्टुरातिथेद्वे ॥

इन्द्रोदधीचोअस्थभिरीयाईया । वृत्राण्य
षु दु टत मि
प्रतिष्कृतइयाईयाजघाननवतीर्नवइया
दु टत पी दू
ईयाओहोवाऊपा ॥५ ॥
टख शिख श
इन्द्रोदधाइचोअस्थाभीः । वृत्राण्यप्रा
ती खी ण की
तिष्कृताः । जघानानावती नूनावाओहोबा । होइला ॥६ ॥
चि टि त काच क टा खफ़ फ़ शा
॥सौमित्रञ्च ॥

इन्द्रेहिमाहाबु । स्तीयान्धासाः ।
ती त श पि श
वाइश्वेभिस्सोहामापर्वाभीः ।
चि था त क खाण
महं आभाओहोवा । इष्टरोजासा ॥७ ॥
टाट ख शि टि ख

॥इन्द्रस्यचमाया ॥

आतू औहोआतू औहो ।नाइन्द्रवृ
खा प्ला खा प्ला

त्राहा न्नस्माकामार्द्धमागाही ।माहा
दु कथ की टित टा
न्माही भीरोबाताइभोहाइ . ॥८ ॥

टाचक प्लु छि शा

॥वैश्वामित्रेच ॥

हाहाउवा ।ओजस्तदस्यतिद्विषे हा
फ ति षी कीख फ
हाउवाऊभेयत्सामवर्त्या त् ।हाहाउवा ।
ति षु किख फ ति
इन्द्राश्वर्मे वारोदासी ॥९ ॥

कीचक टा ख

ओजस्तदास्यतिद्विषाइ ।ऊभेयत्समवर्त्त
फी कीश षु

यादाइन्द्राश्वार्ममाओहोवा ।ए वारो
दूद ख शि तच
दासी. ॥१० ॥

टी ख

॥शौनशेपञ्च ॥

आयामूता इसामातसाइ ।कापोताइ
णा णाफ खा शी

वागार्भाधीम् ।वाचास्ताची ना
कुचय ट टा टाचक

ओबाहासो ।हाइ . ॥११ ॥

प्लु प्ला शा

॥प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥

वातआवातुभाइषजाम् ।शंभूमयो
तू ति क किच्
भूनोहदाइहाहाइ ।प्रानआयूं
का पा ष्टाङ श
षितारिषादौहोबाहोइळा. ॥ १२ ॥
पु श पि ष्टाङ शा

अष्टम खण्डः

॥सौमित्रञ्च ॥

यंरक्षन्तिप्रचेतसाः ।वारूणोमित्रो
 षी ती षु
 अर्यामा ।नाकाइस्सादा ।हिम्माइभ्या
 टा त टी त टीट्
 ताओौहोवा ।जानाः. ॥१ ॥
 ख शि ख प्ल
 ॥श्यावाश्वेद्वे ॥

गव्योषुणोयथापुरा ।अश्वयो
 षी ती कि
 तरथायावारीवस्यामहोमाहोनाओौहोवा ।ऊपा ॥२ ॥
 की का टु खा शि ख श
 गव्योषुणोयथापुराए ।अश्वयोतरथा
 षी तीत कि टि
 या वारीवास्यामहोमाहोनाओौहोवा ।
 कथ टा टूख शि
 ई ॥३ ॥
 ख
 ॥शैखण्डिनञ्च ॥

इमास्तया ।न्द्रापृश्योघृतन्तूहाबु
 ती कि टि त
 होहाहाइतयाशाइर म् ।एनामृ
 टा त टि ख ण खा
 तास्यापोबाप्यूषाइ ।हाइ . ॥४ ॥
 ता क प प्ल छाश शा

॥१८॥

अयाधियाचगव्ययाए । पुरुषनामन्पू
षु ति त कि खा

रुषूतौवा ।

ण का तत्

यत्सोमेसोमया । यत्सोमे

द्रु दि

सोमयोबाभूवो । हाइ ॥५ ॥

पि षु ष्णा शा

॥भारद्वाजज्ञ ॥

पावकानईया । सारास्वाती । वाजेभि
तु चाय ट चा

वा जीनाइवाती । यज्ञांवा ष्टू

थाच का या ट टिट्ख

औहोवा । धियावासूः ॥६ ॥

शि ता ट ख

॥अरुणस्यचवैददश्वेस्साम ॥

कइमुहुवाहाइ । ना हूषाइषूवा ।

तु त श तच का या ट

आइन्द्रं सोमास्यातार्पयात् । सनो
कि का यि ट टा

वसू नीयाभारात् । सनोवसूनि

टच का य ट टा का

याभराउवा । आगह्येहीतइमे ॥७ ॥

टा का ता षी टिख

॥सौभरञ्ज ॥

आयाहिसु ।षूमाहाइते षूमाहाइते ।

ती चाय टाच् काय टा

आइन्द्रा सोमं पिबाआइमां पिबाआइमां ।

चि था काय टाच् काय टा

एदम्बर्हाइस्सादोमामा ।ओइला ॥८ ॥

कि कि टा खण् प छा

॥पाष्ठौहेच ॥

महाइत्राइणम् ।आवारस्तुद्युक्षार्मा

खी णा टा की ख

इत्रा ।स्यार्यम्नादुरा धार्षम् ।वा

णा ट टा काखण क

रोबाणास्यो ।हाइ ॥९ ॥

प छु छा शा

महित्रीणामवरस्तुए ।द्युक्षर्मित्रस्यार्यम्णा

षी ती त षी कि

दुराधार्षम् ।वारौहोवाहिम्माणा

टि त की टा

स्योयाओहोवा ।हाओवाओवा . ॥१० ॥

टाख शि त टा टाख

॥साकमश्वन्धुरांवासाम ॥

त्वावातोहाबुहोओइ ।पुरोवसो
 कि किच श की
 हाबुहोओइ ।वायमिन्द्रा हाबुहो
 किच श की कि
 ओइ ।प्रणेतऋहाबुहोओइ ।
 च श की किच श
 स्मसिस्थातऋहाबुहोओइ ।हारीणांहाबुहोओइला ॥११ ॥

कु किच श कि किप शा

नवम खण्डः

॥यामञ्च ॥

उत्वामन्दन्तुसोहोमाः । कृणौहो
तू त त कि

ष्वारौहोधोअद्रिवाः । आवब्राह्मा ।
की चि कथ टात

द्विषाहोवाओहोइजाहाओहो
टाकथटयटादख

वा । एययूः . ॥१ ॥

शि त टाख्

॥आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥

गिर्वणः पहिनस्सुतज्जिर्वणः पा । हीनास्सुता म् । माधो
षु तू टीच् का

धर्मा भीराहोवाज्यासेहाउवा । इन्द्रत्वादा
का की टा ति टि त

तामाइद्या शाओहोवा ।
टीदख् शि

हारिश्रीः . ॥२ ॥

च टाख्

॥वैरूपञ्च ॥

सादा । वइन्द्रश्चकृषाता । उपोनुसा ।
ता खूश ती

सापर्यन्नदेवाः । क्रिताशशूरा । इन्द्राः ॥३ ॥
कुच णाफ ख श त्र

॥असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥

आत्वाविशत्विन्दावाः । सामुद्रमीवासिन्धावाः ।

तू त की की

सामूद्रमीवासिन्धावाः । नत्वामिन्द्रा

की क टा त षी

तिरिच्यते । नत्वामाइन्द्रातिरिच्याता इ । ओइळा. ॥४ ॥

की का ट ता टि खण् श प शा

॥यमस्याकौद्धौ ॥

इन्द्रमित्या । थीनोबृहादिन्द्रमर्के । भी

ती षी टि तच् क

रक्णिणाः । इन्द्रंवाणी । रानूष्टा

चि क टा त का

इळाभा । ओइळा ॥५ ॥

टी खण् प ष्ठा

इन्द्रा मित्याथिनोबृहात् । इन्द्रामर्का

फा खी शा क

इभीरक्णिणाः । आइन्द्रंवाणीर्हाहा ।

कु टि दु त त

आनूष्टाहोइळा ॥७ ॥

फा ष्ठि शा

॥सौमित्रेद्वे ॥

इन्द्रइषे ददातुनाए ।ऋभुक्षणामृभूं
 षी तीत की खाणफ़ू
 रायिम् ।वाजीददातू वोबाजाप्ला)
 टत चथ किप
 इनाम् ।हाइ ॥८ ॥
 प्ला शा

इन्द्रइषे ददातुनओहा ।ऋभुक्षणामृभुरा
 षी तूत च टि खि
 यीम् ।वाजीददातुवा ।वाजीददातुवो
 ण तूक टि पा
 वाजाइनाम् ।हाइ . ॥९ ॥
 प्लि शा
 ॥इन्द्रस्याभयम् ॥

इन्द्रोअङ्गामाहात्भायाम् ।आभीषाद
 ती टि त का चा
 पाच्युच्यावात्सहाइस्थिराः ।वीचो
 टि ख खा ति कप
 बार्षणाइ ।हर्षाइ . ॥१० ॥
 प्लि श शा

॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

इमाउत्वा । सूताइसूताइ नक्षन्ताइ
ती त षी टि

गीर्वाणोगाइराः । गावेवात्सा

खा पुख णा भितच्

नाधोबानावो । हाइ ॥११ ॥

क प ल्ला पु शा

इन्द्रानूपू । षाणावायाम् । सारव्या
ती टि त का

यसूवस्तायाइ । हुवे मावा जा

टी त श का टच्क

सोबातायो । हाइ . ॥१२ ॥

प ल्ला शा

॥इन्द्राण्यास्सामा ॥

नक्येनाकी । आइन्द्रत्वदुत्वरात्रा
ती च चूक

ज्यायोअस्ताइवृ । हिंहिंत्राहन् ।

था पा शा ट खाण

नक्येवय्याथा । हिंहिंतूवां । हाइ . ॥१३ ॥

टा पा प श ख पु शा

दशम स्वण्डः

॥श्यावाश्वन्न ॥

तरणिंवा: | जनानामम् | त्रादंवाजाहा ।

ती य त यी त

स्यागोमाताः | समानामूप्रशांसिषाः

काखण टि त ष्टी

होइळा ॥१ ॥

फ शा

॥वैरूपन्न ॥

असृग्रमाइन्द्रातेगिराः | प्रातीत्वामू
तु ति य या

दहासता | साजोषावृषभां ।

का शा य या काच्

पातिमोइळा ॥२ ॥

पि ष्टा

॥सौमित्रन्न ॥

सुनीथोघासमार्क्त्याः | यम्मरूतो
फी शा क टीच्

यम र्यामित्राः पान्त्यद्गुहाउवा

चा चा चि टि टिच्

हाउवा | आतिद्वीषाः ॥३ ॥

य या थ टिख

॥स्तौभञ्च ॥

ओहोवाओहोवाओहाइ ।यद्विलावी
 खुश प्लाश खी
 न्द्रायास्थीरा इ ओहोवाओहोवाओहा
 कि फाश खुश प्ला
 इ ।यत्पर्णने पारा भृतं ओहोवाओहोवा
 श खु का फा खुश
 ओहाइ वसुस्पाहा न्तादाभारा ।
 प्लाश खी का फ
 ओहोवाओहोवाओहाइ ।होइला ॥४ ॥

॥श्रौतञ्च ॥

श्रूताम् वोवृत्रहन्तमंप्रशद्धञ्चऋषाणा
 ता षू कु टा
 इनान् ।आशाइषाइरा ।धसे मा
 ता का टा ता काच्चक
 हा ओहोबा ।होइला ॥५ ॥
 टा खु प्ल फु शा
 ॥आभीशवञ्च ॥

अरन्तइन्द्रश्रवसेए ।गमाइ माशूर
 षू तित चाशथ
 त्वावतोहोवाहाइ ।आरांशाक्राहोवाहाइ ।पारेमाणा इ ।ओइला ॥६ ॥

कि टा टात श चाय ट टात श टि खण्श प ल्ला

॥ऐषच्छ ॥

धानावन्तङ्करा मिणम् । आपूपवन्तमू
 फा खी शा यू
 त्थीनाम् । इन्द्राप्राता ओहाइ ।
 प श खि शपूख ण श
 जुषोबास्वानो हाइ ॥७ ॥
 क्षि झा शा
 ॥इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥

अपाम्फेने ननमुचेः । शीरइ न्द्रोदवा
 षी ती चि टि
 कृतायाः । वाइश्वाया दाऔहोवा ।
 खण टीट्ख शि
 जयास्पार्धाः ॥८ ॥
 ता ट ख
 ॥सौमित्रे ॥

इमेतया । न्द्रासोमोहोवाहोइ ।
 ती टि काचश
 सूतासोये । चासोतूवाः । तेषां
 क टि का खण खफू
 हहाइ । मात्स्वप्रभू ओबावासोहाइ ॥९ ॥
 त त श कीप फू झा शा
 तुभ्यांहाबु । सूतासस्सोमास्तीर्णा
 त त श षु
 बाहीवीभा होइवासो । स्तोतृ
 टि त टाच्य टात पा
 आभ्याइन्द्रमृ औहोवा । डाया ॥१० ॥
 श ट खि शि ख श

एकादश खण्डः

॥कौत्सन्न ॥

आवइन्द्राम् । कृवीयथावाजयान्ताशशाता
 ती षी टि तच् चा
 क्रातुं । मंहिष्ठांसी । आयाउवा । दूभिः ॥१ ॥
 शा टि त य त खफ
 ॥ऐषन्न ॥

अतश्चिदिन्द्रनउपाए । आयाहिशातावा
 षू तात चाश
 जायाईषासहा । स्वावोबाजायो । हाइ ॥२ ॥
 टी ख खा ता क प फ़ फ़ा शा
 ॥उषसश्वसाम ॥

आबुन्दंवृ । त्राहाददाइजाताः । पाच्छद्विमा
 ती च कू क टि
 तारम् । काउग्राके । हाश्रुण्विराइळा
 खण टि त चा टी
 भा । ओइळा ॥३ ॥
 खण् प शा
 ॥बार्हदुकथन्न ॥

ब्रबदुकथंहावामहाइ । सप्राकारास्ता
 तु ति श य य
 मूतायाइ । साधाःकार्णवा न्ता
 का चाश य टाच्क
 मोबावासो । हाइ ॥४ ॥
 प फ़ फ़ा शा

॥वरुणसामच ॥

ऋजुनीतीनोवरुणइहा ।मित्रोनाथा
शु तु चा चा
तीविद्वांसाइहा ।अर्यामादाइवाइहा ।
टि ति था टा ती
साजोषाउवा ।ईहा ॥५ ॥
टि ता खश

॥उषसश्वैवसाम ॥

दूरा दीहेवयत्साताः ।आरुणाप्सूराशि
काप शु चाच
श्वाइतात् ।वीभानूंवी ।श्वाथा
टी ता टित चा
तनादिल्लाभा ।ओइळा ॥६ ॥
टी खण् प ल्ला
॥मित्रावरुणयोश्वसंयोजनम् ॥

आनोमित्रावरुणाऔहोवा ।घृतै
क्रु था टा ता
र्गव्यूतिमुक्षातामौहोवा ।माध्वाराजां
कु था टा था टा
सीसुओहोवा ।कृतूइळाभा ।ओइळा ॥७ ॥
क था टा का टा खण् प ल्ला
॥ऋतुसामच ॥

उदुत्येसूनावोगिराः ।काष्ठा यज्ञा
तु ति थाच् का
इषुवाल्नाता ।वाश्राआभी ।जू
टि खण् क टा त प
यातावो ।हाइ ॥८ ॥
श ख ल्ल शा

॥विष्णोश्वसाम ॥

इदामे ॥विष्णुर्विचाक्रामाइ ॥त्राइ
ति टा खिण श
धानिद धाइपादाम् ॥समूहो
चि काच याट टाय
ढामा ॥स्यापाओहोवा ॥एंसूले ॥९ ॥
ट त ट ख शि त ताच्

द्वादश खण्डः

॥कौत्सन्न ॥

अतीहिमा ।न्यूषावाइणां ।सूषूवां
ती ता टि चि

साहोउपैराया ।आस्यराताबु
टचक या टा कि

सूताओैहोवा ।पीबा ॥१ ॥
टिख शि खश

॥काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥

कदूप्राचेतासे ।महाइवाचो
चिक फ ता पा श

देवाहाबुवचोदेवा ।याशस्याताइतदाइधिया
शृ टि ख खि ति

स्यावोवार्धनां ।हाइ ॥२ ॥
क प फ्ल ष्टा शा

॥बार्हदुकथेद्वे ॥

उकथञ्चनोहाइ ।शस्यमानान्नागोरा इराचिकेता ।नागायात्रांगीयामा
ती त श षी टिच्च चा खाश टित क टा

नाओैहोवा ।ऊपा ॥३ ॥
ख शि खश

इन्द्रउकथाइ ।भ्यर्मन्दाइष्ठोवाजाना
ती शु क टी खि

आ ।वाजपातिर्हराइवान्सू ।
ण च चा टि खाण

तानां साखाओैहोबा ।होइळा ॥४ ॥
काच्च क टा खफ्ल फ्ल शा

॥ौर्ध्वसद्गनेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥

ब्राह्मणादी । न्द्रा धसाः पिबासोमामृतुं
 ती का की टा का
 रन्ू । तावे दूसाख्यामा । स्तार्ताहाइ ॥५ ॥
 चा का टा प श ख षु शा
 वयङ्गाते अपीस्मसाइ । स्तो
 फी शा का श क
 तारइन्द्रगिर्वणाउवउवाहोइ । तूवान्नो
 षु टी च श च य
 जीउवउवाहो न्वासोमा पाऔहोवा । एऊपा ॥६ ॥
 टा टी कथूश टाटख शि त टाख

॥कौत्सानिचत्वारि ॥

आयाही । ऊपानाससूतं होवाहाइ

ति च चा शा टात श

वाजेभिमाहृणीयथाहोवाहाइ माहं ईवायुवाहोवाहाइ

कि कि ता टात श चा टी टात श

जानाओहोवा । उऊपा ॥७ ॥

टद्ख शि खाश

ओहोइ । कादावसोस्तोत्रां

टच्चश का फा टा

हर्यताया । ओहोइ । यावाश्माशारूधादू वा: । ओहोइ ।

खिश टच्चश का फा खिण टच्चश

दीर्घ सूतं वातापीयाया । ई ॥८ ॥

का फा पा खात्र ख

कादा ओहोवावासोस्तोत्रांहर्यताया ।

खाक था टी खिश

अवा ओहोवाश्मशारूधादू वा: ।

खाक था का खिण

दीर्घा ओहोवासूतां । वातापीयाया ॥९ ॥

खाक था टा खा खात्र

ओहोवाइ कादावासोस्तोत्रां

च शि किफ टा

हर्यताया ओहोवाइ यावाश्माशारूधा

खिश च शि का फा

दू वा: ओहोवाइ । दीर्घ सूतं वातापीयाया । ए ॥१० ॥

खिण च शि का फा पा खात्र तच्च

॥अभिवादस्यचौदलस्यसाम ॥

एन्द्रपृक्षुकासुचीदे । नृम्णातनू
षी ति त चा काच्

षूधाहाइनाः । सात्राजिदू
काय टा च श चा

ग्रापापुंसियाउवा । ऊपा ॥११ ॥
टा कि ता ख श

॥सोमसामच ॥

अयमेनं सचतांहाबु । ओइसूतोमन्दिमिन्द्रायमान्दाइनाइ । चक्राइवा इधाौहोवा । नीचाक्राये ॥१२ ॥
षी ति त श टि ति कि टि ख णा श टीट खा शि टि ख

बृहतिपाठः

प्रथम खण्डः

॥इन्द्रस्याकौद्बौ ॥

अभित्वाशू ।रानोनूमाओनूमाः ।

ती टित टात

आदुग्धाइवाधाइनावाओइनावाः ।

कि चा टि ख टि त

आइशा नमस्यजगतास्सूवाद्रशामोद्द

किच् चू चा का टा

शाम् ।आइशाकि)नमिन्द्रातस्थूषाः ।ओस्थूषाओहोवा ।स्थुषास्थूषाः ॥१ ॥

त का चि क टाद्ख शि ता टाख्

आभित्वाशूरानोनूमाः ।आदुग्धाइवाधा

खी ष्टी चि काट

ईनावाः ।आइशानमस्यजगतास्सुवा

टा त कि चू टा

द्रशाम् ।ईशानामी ।द्रातास्थूषा

खण क टा त चा

इलाभा ।ओइला ॥२ ॥

टी खण् प ष्टा

॥भारद्वाजेद्वे ॥

त्वामिद्धी । हवामाहा आौ होवाहा उवा । ऊपा । सातौ वाजस्याकारा

ति टा चाच क शु खश चिक टा

वा आौ होवाहा उवा ऊपा । त्वां त्राइ

दाच क शु खश

षूइन्द्रासात्पातीमाऔ

इथ टट काच क

होवाहा उवा ऊपा । णरस्तवाङ्का

शु खश किकथ

ष्टासुवार्वाता आौ होवाहा उवा । उऊपा ॥३ ॥

टि काच क शु खश

त्वामिद्धिहवामहेसातौ वाजोवा । स्याका

षू तु त च य

रावाः । त्वां त्राइषूइन्द्रासात त्पातीन्नाराः

टा शु कीच य टा

तूवाङ्काष्टा । सूवर्वाताः । ओइळा ॥४ ॥

टि त टि खण प ला

॥सन्तद्वे ॥

अभिप्रवाः । सूराधासाम् । इन्द्रमर्चयाथावि
 ती टि त यू
 दाइयोजारितृभ्योमघवापूरोवासूः ।
 पा खि ता यू टा
 साहसाइणाओहोवा । वाशीक्षाती ॥५ ॥
 टि ख शि टि ख
 आभाइप्रवाससुराधासम् । इन्द्रमर्चया
 टु खि ण डु
 थाओहोवावीदे । योजरितृभ्योमाघ
 ख शि ख श कुच
 वापुरोवासूः । सहाश्रेणेवाशाइ
 टि ता टाख ताक का
 क्षाताओहोवा । सुभूतये ॥६ ॥
 टि ख शि का टाख
 ॥शैतन्त्रीयम् ॥

अभिप्रवस्सुराधसाओहोवा । आइन्द्रा
 फू खाण फङ
 मार्चयाथाविदाओहाइ । योज
 टी चि टाख ण श च
 री तृभ्योमाघावापुरोवासूः ।
 का चा पा श टाख ण
 साहसेणाइवाशा । हिम्माइक्षाताओहोवा । वासू ॥७ ॥
 फित पा श टीटु ख शि ख श

॥नाविकञ्च ॥

तंवएदास्माम् ।कृतीषाहांहोवाओओ
उ का चा का का
होइहावासोर्मन्दानमन्धसाओओ
त ता कीचू की का
होइहाआभीवत्सन्नस्वासरे षुधे नवा ।
त ता की टी चा टा
ओओहोइहा ।इन्द्रं ओओहोइहा ।गीर्भाइर्ननाओहोवा ।वामाहे ॥८ ॥
का त ता का का त ता खी शि टा ख
॥प्रजापतेश्वाभीवर्तः ॥

तंवोदास्मामृतीषाहोवा ।
णाफ ख प्लि डा
वासोर्मन्दानामान्धासा ।आभीवत्सा
कीचू क्यय ट की
ओनास्वासरे ।षुधाइनावा: ।
प फ फाषू चा याट
इन्द्रा झाइर्भिर्नवामा ।हाइ ॥९ ॥
काय टा ता खणफषू खश
॥भागञ्च ॥

तंवोदस्ममृतीषहाउवोवा ।वासोर्मन्दान
फू खीश की
मन्धासा ।आभीवत्सन्नस्वसराइषुधाइना
चा का षु यु प
वाः ।ओवाइ न्द्रझाइर्भी नवामाहाइ ।भगाया ॥१० ॥
श कि टा ताचू ताप त्रश ता टख

॥इन्द्रस्याभीर्वतः ॥

तंवोदस्मामृतीषहंवासोर्मन्दानमन्धासा ।

फू ताप मुड श

आभीवत्सन्नास्वासारे षूधाइनावाः ।

षी कीच का पा श

इन्द्रज्ञीर्भाइर्ननावा हिंहिंहिंहि ।

वी पा श ट त ट ख

नवानवोवामामो हाइ ॥११ ॥

झीझ प्ला शा

॥नौधसम् ॥

तंवोदस्मामृतीषाहाम् ।वासोर्मन्दानाम

प मुड श टी ट

न्धासा ।आभीवत्सन्नस्वसराइषूधे

पा श ट त षू याक

नावाः ।आइन्द्रा ।गाइर्भिर्ननावोओबा ।माहे ॥ १२ ॥

खण ट ता कीप झा ख श

॥लौशेद्वे ॥

ताराः भाइर्वांविदाआउवाटि)द्वासुम्

ता च का ता ख श

इन्द्रां साबाधऊतये बृहात्वृहा

टाच्च च कि टा चा ता

आउवा |गाय न्तास्सूतासोमेआध्वा

टा चाक कि चा

रे |हुवेभारा |न्नाकारिणामिला

चा टि त चा टी

भा |ओइला ॥१३ ॥

खण् प ष्ठा

ताराः |भाइर्वांविदाआउवा |द्वा

ता च शा ता टि ख

सुम् |इन्द्रा साबाधऊका)तये बृहा

श टाच्च चा टाच्च चा

ताया |न्तस्सूतासोमेआध्वराइ |हुवे

य ट टी त चिश

भारान्नाकारिणामिलाभा |ओइला ॥१४ ॥

टि त चा टी खण् प ष्ठा

॥धानाकेद्वे ॥

तरोभिर्विदद्वासूम् । इन्द्रामिन्द्रं
 षी ति त ता चा
 सबा धाउतायाइ । बृहा
 काच्चक च य ट श ता
 त्वृहत्गायन्तस्सूतसो मायाध्वाराइ ।
 तु काच्चच य टाश
 हूवाइ । हूवे भरन्नाकारिणामिलाभा ओइला ॥१५ ॥
 चाश चू टी खणप श्ला
 तरोभिर्विदाओद्वासूम् । इन्द्रंसबाधज
 षी तु ची टा
 तायाइ । बृहात्वृहाआउवा ।
 खणश चा ता टि
 गायन्तास्सूतासोमेआध्वारे हूवे
 चि चि चा चा का
 होइभारन्नाकारिणामिलाभा । ओइला ॥१६ ॥
 टि त चा टी खण् प श्ला

॥कालेयानित्रीणि ॥

तरोभिर्वीविदाद्वसूम् ।इन्द्रंसबाधाऊ
टा खी शा चीट

तायाओवा ओवा ।बृहत्गायन्तः
चाक ख शपुख ण षु

सूतसोमायाध्वाराओवा ओ
कि च य टा ख शपुख

वाहूवाइभरन्नाकाराइणम् ।ओवा ।ओइला ॥१७ ॥
ण चूक ख णा ख शपु ख शा

तारोभिर्वीविदाद्वसूम् ।इन्द्रं सबा
टी खा शा चा काच्

धाऊताया ।औहोवा औहोवा
काच ट ट त टा त त

बृहत्गायन्तस्सूतसोमायाध्वाराऔहो
षु चिक य टा ट त

वाओहोवा ।हूवाइभाराओ
टा त त चा या ट ट

होवाओहोवा ।नाकारिणामिळाभा ।ओइला ॥१८ ॥
त ट त त चा टी खण् प शा

तरोभाइवीदद्वसूम् ।इन्द्रंसबा
खु फ्ली क चि

धऊ तायाइबृहत्गायायान्तासूतासोमेआध्वाराइ ।हूवा
काच्चक प ष्ठि ताप णि फा त त श चा

इभरौवाओवा ।नकारिणां ।होइला ॥१९ ॥
कि ख ख ण फ्ली फ्ल शा

॥ऐषिरेद्वे ॥

तरणिरीत् । सिषासाती । वाजांपुरा

ती खिण कच चा

न्धियायुजा । आवाइ न्द्रम् । पुरुहू

ता टा टाख ण

तान्मे गाइराः । नाइमिन्ताष्टे । वासुद्रूवा म् ॥२० ॥

ची का टि टिख ण क टिख

ताराहाबु । णीरित्सीषासतीहायाइहा

तात श ची कु

याइ । वाजंपुर न्धीयायुजौ ।

तिश चा काच चायट

होवाहाइ । आवइन्द्रंपरुहूत न्नामाइ

तात श कु था का

गाइरौहोवाहाइ । नेमिन्ताष्टे वा

या टा तात श चा काच्

साऔहोवाहा औहोवा । द्रूवम् ॥२१ ॥

चा क खि शि खश

॥गौश्रङ्गेद्वे ॥

तरणिरित्सीषासतीवाजन्पुरन्धयायूजा ।

फू ता प स्त्री डश

वाजंपुर न्धयायूजावाइन्द्रां पुरुहूतन्ममे गाइराः । नेमाइन्ताष्टेवसूदू वामिला
षी टी खा फूहूत ता क टि त चि टि

भा ।ओइला ॥२२ ॥

खण् प श्ला

तरणिरित्सीषासतीवाजंपुरन्धयायूजा ।

फू ता प स्त्री डश

वाजंपुरन्धयायूजावइन्द्रां पुरुहूतन्ममाइगाइराहोवाउउवोइ इ । नेमिन्तष्टेवसाउवाओबा
षै टे कुत चीश चू काप फु

द्रूवां हाइ ॥२३ ॥

श्ला शा

॥प्रष्ठमेकम् ॥

पिबा सुतस्यरसिनाः । मत्स्वानइन्द्रगोमता ।

ताच् चू षि ड

होइया । आपिन्नोबोधिसधमाघेवृधा
क चा क षी कि टि

होइया । अस्मंआवा । न्तूताइधा याः । ओइला ॥२४ ॥

क चा टि त टीट्खण् प श्ला

॥शुक्लएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोहाबु । मत्स्वानइ
 तु त श ची
 न्द्रागोमातोहाउवोवा । आपिन्नोबो
 टि खीश कि
 धीसाधमाद्येवार्धेहाउवोवा । अस्मंआव
 की टा खीश ची
 न्तूतेधायोहाउवोवा । ई ॥२५ ॥
 टि खीश ख
 ॥जमदग्नेरभिवर्तएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोमत्स्वाहाबु । नाइन्द्रा
 षी तु त श टा
 गोमतोहाबु । आपिन्नोबो धी
 टि त श कि चक
 सधमाद्येवृधाहाइ । अस्मंअवाहान्तु
 टि टि त श चा चा
 तेहोयाऔहोवा । धियऊ ॥२६ ॥
 टि ट ख शि खि

॥कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥

तूवां हाएहिचेरवाइ । वीदाभागंवसूक्ताया
 णाफःख शू टू पा

उद्धावृष्ट्वमाघवान् । ऐहाइगाविष्टयाइ ।
 श्रु क टि चिश

ऊदिन्द्रोअश्वमाउवाओवाष्टयो । हाइ ॥२७ ॥
 षि कुप ष्ठि शा

त्वंह्येहीचेरावाइ । वीदाभागंवसूक्ताया
 तुतश यू पा

उद्धावृष्ट्वमाघवान् । आइहीओइगविष्टयाइ
 श्रु च चिश टीश

याइ । ऊदिन्द्रोआश्वमीओंओंओवाष्टयो । हाइ ॥२८ ॥
 टि चित चख प्ल ष्ठ शा

॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

नहिवाश्वारामन्चाना । हुवेहोवाइ ।
 ची ष्ठी टा काश

वसिष्ठःपराइमांसाताइ । अस्माकामद्यामरू
 षि यी टा श पु

तास्सूताइसाचा । वाइश्वेहोइपिबा
 टि खिण कि की

हो न्तूकामा इना औहोवा । जनित्रा म् ॥२९ ॥
 कथ टिद खा शि त टाख

नहिवाश्वारामन्द्वनावसिष्ठः । होइहोइपराइ
 षु खा कि षी

मांसाताइ । आस्माकामाद्यामारूतासुताइसाचा । वाइश्वेपीब न्तू
 यी पाश फा फा फा फा खिण कि टाच्क

कौहोमाइना औहोवा । जनित्रा म् ॥३० ॥
 ट त टद खा शि त टाख

॥मैथातिथम् ॥

माचिदन्यदोहाइ । विशांसाता ।

तु त श खि ण

साखायो होइमाओहो । राइषाउवा

टिच्य पि श कि का

ण्याताउवा । इन्द्रमित्स्तोतावृषणाओहो ।

का का षु पी श

साचाउवासूताउवामुहूरुत्थाओहो ।

का का का का पु श

चाशाओहोवाहोबांसातो । हाइ ॥३१ ॥

कि काख प्ला शा

द्वितीय खण्डः

॥वैखानसम् ॥

नकिष्ठाङ्गमर्मणानाशात् । यश्चकारा सदा वृधांसदावृधाम् । इन्द्रा
 खी प्ली खी काच्चकप प्ला ता क च
 न्नयाज्ञैर्विश्वागूर्क्तमृभ्वासान्तामृभ्वासाम् ।
 चा की का पा फा ता
 आधारिष्टन्धाष्णुमो जासाष्णुमोजसा । ओइळा ॥१ ॥
 तु काच्च पा प्ला खण् प प्ला
 ॥प्राकर्षम् ॥

नकिष्ठाङ्गमणानशद्वोइ । यश्चकारा सादावृ
 षु ति श खी
 धाम् । आइन्द्रान्नायाज्ञैर्विश्वागूर्क्तमाभ्वासाम् ।
 प्ली टि टा यु टा
 आधृ होष्टान्धर हाओवा । ष्णुमो जासा ॥२ ॥
 टाच्च खी शि ता ट ख
 ॥सात्यम् ॥

यान्निताइचीदाभीश्रीषाः । पुराजात्रू
 खु प्ली टा टा
 भ्याआतृदाहोवाहाइ । सन्धातासा
 ची टा त श टा टा
 न्धाइमाघवापुरोवासुहोवाहाइ । नाइष्काटि
 उ खि टि त श
 क्त्वीहुतम्पूनाहोहाौहोवा । ऊपा ॥३ ॥
 टा कि टा ख शि ख श

॥भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥

आत्वासहा ।स्वामाशाताम् ।युक्तारथे
ती चायट चा काच्

हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।हारयइ न्द्राका
ची कायट किच क्य

इशाइनाः ।वाहान्तूसो ।मापा
या टा कायट टख

औहोवा ।ताये ॥४ ॥
शि खश

औहोआत्वासहाए ।स्वामाशातांहाहाइ ।
षा तीत चायप प्लडश

युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो
का का कीच् कायप

हाहाइ हारयइ न्द्राकाइशाइनाः
प्लडश कीच् का या प

हाहाइ ।वाहान्तूसोहाहाइ ।
प्लडश चायप प्लडश

मापीतायाउहुवाहाबु ।बा ॥५ ॥
काप ष्टीप्लश श

आत्वासहस्रमाशतमा ।युक्तारथेहिरण्ययेब्रह्म
षू ति

यूजोहरयइ न्द्राकेहाशाइनाहाउवा ।वाह
षो चीटि टि ति

न्तुसोमपौहोहिम्मा ।तयाओबा ।ऊ ॥६ ॥
ची कात टा ताप प्लख

आत्वासहस्रमाशतामात्वासाहा ।स्वामाशतमा
फ खा शी टु

इहियोहाइ ।युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।आइहियोहाइ ।हारय
खिण श चा का कीच् कायट ट खिण श

इ न्द्राकाइशाइनाआइहियोहा
कीच् का या टा ट खिण

इ ।वाहान्तूसोआइहियोहाइ ।मापीताया इ ।ओइळा ॥७ ॥
श चायट ट खिण श टि खण्श प ष्टा

॥वाम्राणित्रीणि ॥

आमन्द्रैराइन्द्रहरिभाइः ।याहीमयू रारोमाभाइ मर्मात्वाकाइचीत् ।नीयेमू वी ।नापाशिनोतीधन्वे वातंआइ
ती तु श क किचकक पा श कि श खिश क चि टिच्कटट
हा औहोवा ।वायाः ॥८ ॥
खा शि खप्ल

आमन्द्रैरिन्द्रहरिभाइः ।याहीमयू रारोमभाइ मर्मात्वाकाइचीत् ।नीये मुर्वी
तू ता श क चिक षि टी ता का का
न्नापाशाइनाः ।आताइधान्वे ।वातंआइहा औहोवा ।वयोभीः ॥९ ॥
क टा ता टी तच्च कटट खा शि ता ख

आमन्द्रैरिन्द्रहारीभीः ।याहिमयू रा
तू ता क चिक
रोमभीराउवा ।मात्वाकेचिन्नियेमुर्विन्नापाशिनोउवा ।आतीधन्वेवतं आउवा ।ईहि ॥१० ॥
शु टाच्क कु दू टा चा ता टि खश
॥गौङ्गवम् ॥

त्वमाङ्गप्राशंसीषाः ।दाइवाशविष्टमार्क्तायम् ।नत्वादन्योमाघव न्नास्तिमार्धाइता ।आइन्द्रा बृवाऔहो ।मीतो
स्वि श्ली चि खुण ची चिट स्वि णा स्विश पा श क प
बावाच्यो हाइ ॥११ ॥

॥साध्रणि त्रीणि ॥

त्वमिन्द्रा । याशायसीऋजीषीशवा
ति ची का चि

सस्पताइ । त्वंत्रत्राणीहंस्या । प्रातीनाये
चि श ती ता कीच्

काईत्पूरुरानू । होक्ताश्वार्षणा
कि भ य टि टद्ध

औहोवा । धार्कृतिः ॥१२ ॥
शि ख पु

त्वमाइन्द्रा याशायसाइ । ऋजाइषीशवासा । स्पातिः । त्वंत्रत्राणी
खी प्ली श क कि ट खाणफ्ल ख श क कि

हंस्याप्रातिन्येकाई त । पुरुरानाउवोवा । क्ताश्वाउवोवार्षणाइधृतिः । होइला ॥१३ ॥
चा चा श चा भी खा श टा खा श पु पु शा

हाबुत्वमिन्द्रा । याशायासीहाबु ऋजीषीशा
तु खि शि खि शि

वासस्पातीर्हाबु । त्वंवृत्राणीहंस्याहाबुप्रातीनाये । काईत्पूरुर्हाबु
खि शि क का भी श खि ण पि पु ड श

आनुक्ताश्वार्हाबु । षाणाऔहोवा । धार्कृतिः ॥१४ ॥
पि पु ड श ट ख शि ख पु

॥विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥

हा बुत्वमिन्द्रायाशायसीहोइहोइहोये
 तु चा का पू
 हा बुहा बुहा बु । ऋजीषीशवासस्पाति
 शु का चि चि
 होइहोइहोये हा बुहा बुहा बु । त्वंवृत्राणि
 पू शु की
 हंस्याप्रातीन्येकाई तपुरुहोइहोइ
 चा चाश चा का
 होये हा बुहा बुहा बु । आनुक्तश्चर्षाणिधृतीहोइहोये हा बुहा बुहा उवा । स्वर्महाः ॥१५ ॥
 पू शु कूचक पू पु शा क टाख
 होत्वमिन्द्रा । याशायसीहोये हो ।
 ती चा का टाख
 ऋजीषीशवासस्पातिहोये हो । त्वं
 का चि चा ट टाख
 वृत्राणीहंस्याप्रातीन्येकाई त । पुरुहोये हो आनुक्तश्चर्षाणिधृतीहोये हो हा उवा । स्वर्मयाः ॥१६ ॥
 की चा चि चा का टाख षि दु टाख ति क टाख
 ॥यौक्तास्त्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥

इन्द्रमिदेवता । तायाइन्द्रप्रायातीयध्वाराइ ।
 तु कू टि तश
 आइन्द्रासमीकेवानीनोहावामाहाइ । आइन्द्राधानास्यसोवा । ताये ॥१७ ॥
 टि का ची टि तश टि पी पु ख श

॥आत्राणित्रीणि ॥

इमाउत्तवापुरोवसोगिरएगिरः ।वार्धन्तुया

षू तु त की

ममा ।पावकवर्णश्शुचयोवीपा ।हिंहिंश्चाइताः ।आभिस्तोमैरनू हूवाएहोवा ।षाताऔहोबा ।होइला ॥१८ ॥

टा तु पीश ट खा णा की टाच् काक टा क टा खफ़ फ़ शा

इमाउत्तवापुरोवसोहाबु ।गीरोवर्ध

षी तु श च का

न्तुयाममा ।इहाहाहोइहोवा ।पावाकवर्णश्शुचयोवीपश्चीतो ।

च य टा ता त च खा श थ की कि ची

आभिस्तोमैरिहाहाहोइहोवा ।आनू

की ता त च खा श

षा ताऔहोवा ।ऊपा ॥१९ ॥

टिट्ख शि ख श

इमाउत्तवापुरोवसाबुगाइरोवर्धन्तुयामामा ।पावाकवर्णश्शुचयो वीपश्चिताऔ

फू ता पा षू ड श थ की टिच् भू

हो ।आऔहो ।आभिस्तोमैरनू हूवा

त टा त ची टाच् का

एहोवा ।षाताऔहोबा ।होइला ॥२० ॥

ट का टि खफ़ फ़ शा

॥वासिष्ठानित्रीणि ॥

उदुत्येमा ।धूमक्तमागाइरास्तोमा ।साईरताए ।सात्राजाइतो ।धनासा
 ती क टि खी ण क भी खि शा खि
 या ।क्षीतोतयोवाजायान्ताः ।रथा
 ण क टि खि ण
 आइवा ॥२१ ॥
 खि त्रा

उदुत्येमाधुमाक्तमाः ।गीरस्तोमासयाईरा
 फी की दू य
 ताइ ।सत्राजितोधनासायाक्षितोतायो ।
 शा दू की या
 वाजयन्तोरथाआउवा ।ई वा ॥२२ ॥
 त्रु ति खश

हाउदुत्येमधूमाक्तमोहाइ ।गाइरस्तोमा
 त फू खा शा च टी
 सया इ ।राते ।सत्राजितोधना
 खाणफङ् श खश कू
 सायाक्षितोताया ।हावाजयन्तोरथाइवोहा
 की खा त फू खा
 इ ।वाजयन्तोरथा ई वा औहो
 शा की ताच्क टा ख
 बा ।होइला ॥२३ ॥
 फङ् फङ् शा

॥वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्थे ॥

This is the current swara position ।

याथागौरोअपाकृताम् ।तृष्णन्येतीयावेराइणाम्
पि शु की टि ता

आपित्वेनप्रपित्वेतु यामागाही ।कण्वे
क षि ची टि त टाच्

षूसूसाचाऔहोवा ।पीबा ॥२४ ॥
क टाद् ख शि खश

ओवायोवायाथा ।गौरोआ
खि शि थाच

पाकृतामोहाहाइ ।तृष्णन्तेती
का खाफ्ल त श ची

यावाइरिणामोहाहायापी
चा शा खाफ्ल खाण

त्वेनप्रपित्वेतूयामागहि ओहाहाइ ।
चूक च शाख फ्ल त श

कण्वे षूसूसाचाऔहोवा ।पिबा
टाच् २ क टाद् ख शि ता

ई ॥२५ ॥
टख

तृतीय खण्डः

॥हारायणानि त्रीणि ॥

शग्ध्यूषू । शाचाइपाता । ईन्द्रा ।
ति चीक ख श

विश्वा भीरुतीभाइर्भागम् । नहित्वायाशा
थाच की खाश ची

संवासूवाइद म् । आनूशूरा
चा काख शा टिट्ख

औहोवा । चरामसी ॥१ ॥
शि टा खा

शग्ध्यूषौहोशाचीपताइ
फी कीश

आइन्द्रंविश्वाभीरुतीभीर्भगान्नाही । त्वायाशासं
षु दूत चा का

वासूहाइवाइदाम् । आनूशूरचराउवाका)ओबामासो । हाइ ॥२ ॥
यत टी षु प ल षा शा

शग्ध्यूषुशाचीपताइशग्ध्यूषू । शाचाइपाता
फु खा शी डु

इहिमाहाइ । आइन्द्रंविश्वा भीरुतीभीराइहिमाहाइ । भागन्नहीत्वायाशासं
खिण श कुच का टि खिण श षी कीच्

वासूवीदामाइहिमाहाइ । आनूशू
का टि खिण श चाय

राइहिमाहाइ । चारामासा इ । ओइला ॥३ ॥
ट खिण श टि खण् श प शा

॥वाम्राणित्रीणि ॥

यायाहोइ न्द्रा ।भूच)जाआभारा ।

ता खा श का य ट

सुवाहार्वयासूरा इभायाः ।स्तोता

ता चि का याट टा

हा रामिन्मधवन्नस्यवार्धया ।याइचा

तच्चक चूय टा टि

हाइ ।त्वेवृक्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥४ ॥

त श चा टि खाण प शा

याइन्द्रभुजाआभारा: ।स्वर्व आसूरे

दूत त थाच्चट टा

भाया ।हाहोहाइ स्तोता रामाइन्माधव न्नास्यवार्धयाहाहोहा

ख श खाण श थाच् ची का टि ख श खाण

इयेचत्वाइवृहाहोहाइ ।

शक का ता खाण श

क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥५ ॥

टि खाण प शा

याइन्द्रभुजआभरउहुवाहाइ ।स्वर्व आ

षु तू त श थाच्चट

सुरे भ्याउहुवाहाइ स्तो

टाच टि त शक

तारमिन्मधवन्नस्यवार्धया उहुवाहाइ येचत्वाइवृ उहुवाहाइ ।क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥६ ॥

षु यि टाच टि त श च टा तच् टि त श च टा खाण प शा

॥वरुणसामानित्रीणि ॥

प्रमित्रायप्राहाबु । आर्यम्नाइसचा

तु त श ट चा टि

हो धियौहुवार्तावसाबु । वरौहो

कथ टा टि चा श टा कथ

धीयौहूवाइ वरूणेषान्दीयंवचाः । स्तोत्रां

टा वि कु चि टा

होइराजौहूवासूगायाताआउवा । ऊपा ॥७ ॥

टि टि टि खश

प्रमित्रायप्रौहोवा । अर्यम्णाबुहो औहोवा

तु त कुचक का

साचाथ्यमृतावासाबुहो औहोवावारूथ्येवरूणेषन्दीयंवचाबुहो औहोवा

की चा किचक का चूक कि किचक का

स्तोत्रंरा जाबुहो औहोवा । सूगायाताबु

क का किच क का

हो औहोवाः । ओइळा ॥८ ॥

किचक पाण प शा

प्रमित्रायप्रार्यम्नोवा ओवासाचाथ्यमृतावासाबु । वारूथाया । इवरूणे

षी ति ता त चा चा याट श ट त ट त कीच

छन्दायांहाइवचोआ । स्तोत्रंरा

क टा त टि त क का

जसुगायतस्तोत्राम् । राजसूगौहोओबायातो । हाइ ॥९ ॥

चि टि त कचकट त प फ शा

॥वषद्वारनिधनञ्च साकमध्यम् ॥

अभित्वापूर्वपीतये आभीत्वापूर्वपीतयाइ ।

षु फु खा ष्टी श

इन्द्रास्तोमै भिरायवोभीरा यावाओमोवा । समीचीनासात्रङ्गभावासमास्वरान् सामास्वारानोमोवा । रुद्रागृण न्तापूर्वया न्तापूर्वयामो

थीच् का चा कायट कि षी ची का टा चायट कि चा काच् का टाच् चायट

मोवाऔहोवा । ऊपा ॥१० ॥

काख शि ख श

॥बृहतश्चमारूपस्यसाम ॥

प्रवइन्द्रायब्रहतेप्रवाः । इन्द्रा याबृहाते

षु तु थाच् चायट

ओमोवा । मरूतोब्रह्मार्चाताओमो

कि ची कायट

वा । वृत्रंहनातीवृत्र हाओमोवा ।

कि टी चिट कि

शाताकातुर्वज्रे । णशाहाहा । तपार्वणा । होइला ॥११ ॥

कीख ण ता त त ष्टी ष्ट शा

॥संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥

सन्त्वाहिन्व न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा

चा थाच् का या टा टी का थाच्

यागायातायाता ।मरुतोवृ त्राहान्तामा

कायट टा ची कायट

न्तामाम् ।येनज्योतिरजनय चृतावार्धा

टा चि कुच् कायट

वार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गृवीम् ।सन्त्वाहिन्वन्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।

टा का थाच् कायट टा चा था टी टि खा शि

संश्रवसे ॥ १२ ॥

च खि

सन्त्वारिण न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा यागायातायाता ।मरुतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।येनज्योतिरजनय चृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गृवीम् ।सन्त्वा

कीच् का या टा टी का थाच् कायट टा ची कायट टा चि कुच् कायट टा का थाच् कायट टा

वीश्रवसे ॥ १३ ॥

च खि

सन्त्वाताताक्षुर्धाइताइभीस्ताइभिः ।बृहादिन्द्रा

का चा का या टा टि का थाच्

यागायातायाता ।मरुतोवृ त्राहान्तामा

कायट टा ची कायट

न्तामाम् ।येनज्योतिरजनय चृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गृवीम् ।सन्त्वाताताक्षुर्धाइता इभीस्ताइभाऔहोवा ।सत्याश्रवसे ॥ १४ ॥

टा चि कुच् कायट टा का थाच् कायट टा चा टख टि खा शि चा टिख

सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा यागायाता

कीच् का या टा टी का थाच् कायट

याता ।मरुतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।येनज्योतिरजनय चृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गृवीम् ।सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।

टा ची कायट टा चि कुच् कायट टा का थाच् कायट टा कीच् टी टि खा शि

श्रवसे ॥ १५ ॥

टिख

॥वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥

इन्द्राओहो ।क्रतु न्नाभारा ।

भि त चा काय ट

पिताओहो ।पुत्रे भीयोयथा ।शिक्षा

भि त थाच् काय ट

औहो ।णोअस्मिन्पुरुहूतायामानी ।

भि त कू काय ट

जीवाज्योताओहोवा ।अशीमही ॥१६ ॥

टि ख शि खी

इन्द्रक्रतु न्नाभरा ।पितापुत्रे भीयोयथाशाइक्षणोआ ।स्माइन्पुरुहूताया

फी की की षी टी त क कीच य

मानी ।ओहौहूवा ओहोवा ।

टा टट कितत

जीवाज्योयतीः ।अशीमाहाइ ।ओइळा ॥१७ ॥

टि त टि खण प ष्णा

इन्द्रक्रतुन्नाभराउवोवा ।पितापुत्रे

फू खीश खा

भीयोयथा ।हापितापुत्रेभियोयथा ।

चा ष्णा त चूकप

हाबुशाइक्षणोआस्माइ न्पुरुहूतयामानीहाबुजीवाज्योतीः ।आशोवामाहो ।हाइ ॥१८ ॥

शु का कि चा पा शु कप फ्लि शा

॥स्ववस आञ्जीकस्यसामनीद्वे ॥

मानइन्द्रा |परावार्णाश)त् |भावानस्साधमा
 ती पि यू
 दीयाः |त्वन्नऊतीस्त्वमिन्नआपीयाम्
 प श षी यु प श
 मानइन्द्रा परावृणाआउवा |ऊपा ॥१९ ॥
 की कित टि ख श
 मानइन्द्रापारावृणान्मानइन्द्रा |पारावा
 फू खा शी टि
 र्णात् |भावानस्सधामादायाः |त्वन्नऊती
 त कु ट त टी
 स्वामिन्नाआपियाम् |मानाइन्द्रापारावा
 टि चि ता ता टि
 र्णआत् |ओइळा ॥२० ॥
 खण प शा
 ॥काण्वम् ॥

वयज्ञात्वासुतावन्ताः |आपोनवृत्काबार्हिषाउवा |पावित्रस्याप्रसावाणाइ ।
 खि शु कु ट का ता ची चा चा श
 षूवृत्राहान् |पारीस्तोतारआसाता
 टि त ट त की प त्र
 इ |आर्ष ॥२१ ॥
 र च श

॥१७८मेद्वे ॥

औहोवाइवयद्वत्वासुतावन्तं औहोवा ।

षु तु त

औहोवायापोवृक्तबर्हिषः पवाइत्रास्या ।

षे पी श

प्रस्ववणेषुवात्राहान् । औहोवा ।

यू प श तात

औहोवाइपरिस्तोरआसते पराइस्तोता । रआसाताऔहोवा । होइला ॥२२ ॥

षो टी त का क टा खफ फ शा

वयद्वत्वोहाइसुतावन्तोवा । आपोनवृक्ताबार्हाइषाहोवाहाइ । पावित्रस्य

ती तु त कु च य टा टात श की

प्रस्ववणे षुवात्राहान् । होवाहाइ ।

कीच काय ट टात श

पराइस्तोताहोवाहाइ । रआसा

चा या ट टात श टिद्

ताओहोवा । दीशाः ॥२३ ॥

ख शि ख श

॥काण्वञ्चैव ॥

औहोहोहा आइहिवायाम् । घात्वा ।

तात तु त ख श

सुतावान्तो । आपोनावृक्ताबर्हि

खि शि खि ण क

षाए । हायाइहि । पावित्रास्या ।

किक खा शा खि श

प्रस्ववाणे । षूवृत्रहानैहायाइही ।

खि ण कि खि शा

पारीस्तोता । रआसाताइ । आभि ॥२४ ॥

खि ण खि ण श ख श

॥श्रुष्टिगवच्च ॥

ओहाइयदिन्द्रनाहुषीषू वा । ओजोनृमणाञ्चाकृष्टिषु । ऐहीआइहीहोवा उउवोइ । यद्वापञ्चाक्षितीनामैही
त षू तित टा टा क वि ट शीक थच चिश टा टा टा श टा
ऐहीआइहीहोवा उउवोइ । द्युम्रमाभ
ट शीक थच चिश

राएहीआइहीहोवा उउवोइ । सात्रावाइश्वा नीपौस्याएहीआइहीहो
कुट शीक थच चिश टा टिच का टि किक
वा उउवो याऔहोवा । ऊपा ॥२५ ॥

थच टिच ख शि ख श

चतुर्थ खण्डः

॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥

सत्यमित्थावृषाइदसाइ ।वृषजूतिनोर्विता
 तू ति श षु य
 वृषाह्युग्राशाण्विषाइपरा वाताइ
 चा चाय टा कि चा श
 वृषोआर्वा ।वाताइश्रूताः ।ओइळा ॥१ ॥
 टि त टीख प शा
 ॥द्वैगतेच ॥

यच्छक्रासीपारावाती ।याद्वर्वावा तीवा
 खी ष्टी टीच का
 त्राहान् ।अताओहोवा ।स्त्वागीर्भि
 य ट ताट त त टि
 द्युगदिन्द्राकेशीभीः ।सूतावंआआ
 कि या टा चाट ख
 औहोवा ।एविवासती ॥१ ॥
 शि त टा खा
 यच्छक्रासिपरावतियदोवा ।अर्वा वाताइ
 षी तू त थाच का
 वात्राहान्नतास्त्वगाइ ।भाइद्युग
 या पा खा ता श क
 दिन्द्राकेशीभीः ।सूतावं आओहोवा ।विवासती ॥२ ॥
 कि या टा टा टट ख शि टा खा

॥कार्तवेशञ्च ॥

आभीवोवीरमन्धसा । मदे षुगायागी
 षु ति काच्क टक
 रामाहावीचेतासम् । इन्द्रनामाश्रुत्यं
 टि काखण ती का
 शाकाइनामौहोवा ।
 टा खा शि
 वचो । ऊपा ॥३ ॥
 ता टख
 ॥इन्द्रस्यच शरणम् ॥

इन्द्रत्रिधातुशारणाम् । त्रीवरूथं स्वस्तया
 फी शी षी चि
 इछर्दिर्याच्छा । माघवत्भ्याश्वामहा
 टी त कीक टा
 आयावयादी । द्यूमे भ्याऔहो
 त क टा त का टा ख
 बा । होइला ॥४ ॥
 फु फु शा
 ॥श्रायन्तीयञ्च ॥

श्रायन्तईवसूओरायाम् । विश्वाइदिन्द्रा
 षू तात टा टि
 स्यभाक्षातावासूनिजातोजनिमा नीयो
 टा टा की कीच का
 जासा । प्रातीभागन्नादीधीमःप्राती ।
 य ट कि कि टि टि
 भागन्नादाहिम् । धिमाओबा । हे ॥५ ॥
 पि शा ता प फु ख

॥आक्षीलन्चबान्वंवा ॥

नसीमादेवायाहाहाइ ।पा

चि क फ षु त त श प

तत्पतोवा ।इषंहो ।इदीघर्वहोयोमा

शी टि भीच य

कृत्याः ।आइतग्वाची ।द्यायाइताशो

ट टी त का कि

यूयोउवा ।ऊपा ।जाताआइन्द्रो

की ख श टा टि

हारी यूयोजाजाताओहोवा ।

टाच्वक टा ट ख शि

उऊपा ॥६ ॥

खाश

॥शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥

आनएविशा ।सुहाओव्याम् ।आइन्द्रंसमात्सुभूषाताऊपा हाहाइ ।ब्रह्माणीसवनानीवृत्रहान्पारामाज्याः ।आर्चा
उ ट य ट कु कि ख शङ्क त श का ची चीक टा त टा
हाइ ।षामाऔहोबा ।होइला ॥७ ॥

त श क ट खङ्क फ श
आनोविश्वासुहाहाव्याम् ।इन्द्रंसमात्सु
भूषाताऊपब्राह्मा ।णीसवनानिवृत्रहान्

कि टि त ची ची

पारमाज्याः ।आर्चाहाइ ।षामा
क टा त टा त श क

औहोबाहोइला ॥८ ॥

ट खङ्क फ शा

आनोविश्वासुहाव्याम् ।इन्द्रंसमात्सुभूषाता
तु त षु चि

ऊपाब्राह्माणीसवनानिवृत्रहान्पारा
काय ट षु चि का

माज्याः ।ऋचिषामा ।ओइला ॥९ ॥

य ट टि खण् प शा

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

तवेदिन्द्रा वमंवसु ।त्वंपुष्यसिमाध्यामंसा
फी की कु

त्रावाइश्वा ।स्यापरामस्यराजसी
टी ख णा क षु का

नकिष्ट्वागो ।षूवृण्वाताइ ।हो
खिण ट य ट श

वाहोइहोवा हा बु ।बा ॥१० ॥

ट च टिच्कच्चश ख

॥गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥

क्वयथा । केदसाऔहोवा औहो औहो
 ति क टा कि कि
 होवा । पुरुत्राचाइद्धिते मना
 खश का का कि टा
 औहोवा औहो औहोवा आलार्षीयूधमा
 कि कि खश का कि
 खजक्रत् औहोवा औहो औहोवा । पुर
 शि कि कि खश का
 न्द्राप्रगायात्रा औहोवा औहो औहोवा
 की टा कि कि खश
 अगासाइषू औहोवा । प्सूशंसा: ॥११ ॥
 ता ट खा शि टा ख
 कूवाकूवा । ईयाथाकेदसाउवा औहो ।
 ती की शा टि त
 पुरुत्राचाइद्धिते मनाउवा औहो
 कि कि का टि त
 आलार्षीयूधमाखजकृतउवा औहो ।
 का कि शि टि त
 पुर न्द्राप्रगायात्राउवा औहो । अगा
 का की टा टि त ता
 साइषू औहोवा । प्सूशंसा: ॥१२ ॥
 ट खा शि ट ट ख
 क्वयथा । कूवाइदासी । पुरुत्राचीद्वीता
 ति पी ण ती चा
 इमानाः । आलार्षीयूधमाखजकद्वाउवा ।
 पाण कु टि ता
 पूरन्दारा । प्रगायात्रा अगासा
 पि ण का टाच्च काट
 इषू औहोवा । प्सू । ॥१३ ॥
 खा शि ख

॥वैरूपाणित्रीणि ॥

वयमेनाम् ।आइदाौहोवा ।हीयो

ती ट खा शि खश

अपीपेमे हावज्ञिणन्तास्माऊ आद्यसवना

चा था कू टा षी

इसूतांभारा ।आनूनांभू ।षाताश्रुताइ

यि टा क टा त का

लाभा ।ओइला ॥१४ ॥

टी खण् प शा

वयमेनाम् ।इदाहायाः ।आपौहोइपे

ती टा टा कु

मौहोइहावज्ञिणांतस्माऊ आद्यासवनाइसू

की चि था कि कु

तंभरा ।आनौहोनांभौहोषाताश्रुताआउ

शि क कि कि कि

वा ।ऊपा ॥१५ ॥

टि खश

वयमेनामिदाहीयाउवोवाइयाहाइ ।हुवेहोवा

फु खी शु की

यपिपेमेहावाज्ञीणां ।तस्माऊ आद्यसवनाइसूतांभा

यू टा षु यू

राइया ।आनूनांभू षाताश्रु

टाटत क थातच् काप

ताइ ।श्रावासाइ ॥१६ ॥

त्रश च ट खश

पञ्चम स्वण्डः

॥४८हन्मनञ्च ॥

योराजाचार्षाणाइनाम् । यातारथे भीरा
 खी ष्टी कीचु का
 ध्राइगूःध्राइगूः । वाइश्वासान्तारूता
 य टा टि टी टि
 तारूतापार्तानानाम् । ज्याइष्टायोवात्राहागार्णाइ । त्रहागृणाइ । होइला ॥१ ॥
 टि काखण टी किखण श ष्टी श ष्ट शा
 ॥प्राकर्षञ्च ॥

योराजाचक्रषाणाइनाम् । यातारथे भीराधा
 तु खा शा की टि
 इगूः । विश्वासान्तरूतापृतनानाम् । ज्याइ
 ता ष्टू टि त ट
 ष्टायोवृ त्रहाउवा । ओबागार्णो । हाइ । ॥२ ॥
 ता का की प ष्टि शा
 ॥इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥

यतआन्द्रा भायामहाइ । तातोनो
 खी ष्टी श कि
 अभायङ्कार्द्धी । माघवन्शग्धितवत न्नाऊता
 टि त षु कि टि
 याइ । विद्वाइषोवी । मार्धो
 त श टी त का
 जहिइलाभा । ओइला ॥३ ॥
 टी खण प शा

॥कावर्षेद्वे ॥

वास्तोष्पताइ धूवास्थूणाउवोवा ।
 ती श टी खा श
 अंसत्रं सोम्यानाम् । द्रप्सः पुरांभेक्ताशश्वता
 किचक टा षु टि
 इनामाइन्द्रा । मूनीनांआउवा । साखा ॥४ ॥
 खि णा कि टि ख श
 वास्तोष्पतेधूवास्थूणांसत्रं सोम्यानाम् ।
 फू त प ह्लि ड श
 द्रप्सः पुरांभेक्ताशश्वताइनाम् । आइन्द्राः ।
 षु टि ता ट ता
 मूनीना म् । साखा ॥५ ॥
 टा खणफ्लु ख श
 ॥सूर्यसामच ॥

बण्महं असिसूर्या । बालादित्यामाहं आ
 खि शी कीच काय
 साई । माहस्तेसातोमाहिमापा
 प ण णि फा फा श्ला
 नीष्टामा । मन्हादाइवा । माहो
 प त त टि ता क प
 बाआसो । हाइ ॥६ ॥
 फ्ल फ्ल शा

॥नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥

यदिन्द्रप्रागपात् ।ऊदान्यागवाहूयासेनृभाइः
तु का कु टा श

सिमा पूरुनृषूतोअस्यानवे ।आसी
टाच् चा थि टी टा

प्राशा द्वातोबार्वाशो ।हाइ ॥७ ॥
टाच्क प फ़ फ़ा शा

यदिन्द्रप्रागपागुदागे ।नायगवाहू यासाइनृभि
षी ती त कीच्क टी

र्हाबुहोहाइ ।सिमा पूरुनृषूतोअस्यानवे
खिण श टाच्क च थि टी

र्हाबुहोहाइ ।आसाइप्रा
खिण श

शार्हाबुहोहाइ ।द्वातू औहोवा ।
टुच् खिण श टट्ख शि

वार्वाशो ॥८ ॥
ख श

॥कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥

कस्तमिन्द्रा । तुवावासाबु । आमर्क्ष्योदधर्षताइ । श्रद्धाहाइते माघव
ती टा टा शी ची श था टि कि

न्पार्याइदाइवी । वाजीवाजांसीषासा
यी टा टा टा क टाद

ताओहोवा । उऊपा ॥९ ॥

ख शि खा श

कस्तमिन्द्रात्वावसाबूआमत्तर्योदधर्षताइ ।
फु ता पा शृ

श्रद्धाहाइते माघव न्पार्याइदाइवाउवोवा
था टि कि टू खा श

वाजीवाजां सीषासा ताओहोवा । उऊपा ॥१० ॥

था टाच्क टाद्ख शि खा श

॥अनूपेद्वे ॥

अश्वीअश्वीरथी सूरुपायूः । गो

ती काच् काय ट क

मय्यदिन्द्राते साखा श्वात्राभाजावयसा

कि या टा टा टा चि

सचाते सादा । चन्द्राइर्याती । साभाऊ

टि त भीत प श ख

पो । हाइ ॥११ ॥

फ शा

अश्वीरथी सुरुपायूः । गो मय्यदिन्द्राते सखा

तू त कि कि की

उवाहाउवाहोवा

टा टि कथ

इया । श्वात्राभाजावय

चा षी

सासचाते सदाउवाहाउवाहोवाइया । चन्द्रा इर्याती । साभाऊ पाइलाभा । ओइला ॥१२ ॥

कि कु टा टि कथ चा चा यात का टी खण् प षा

॥वैरूपञ्च ॥

यद्यावाइन्द्रते राताम् । रातं भूमीरुतास्यूः ।

पि शु की टि

नत्वावज्ञिन्साहस्रं सूर्याआनू । नाजातामा

षी कु टा टा टाच्

ष्टरोबादासो । हाइ ॥१३ ॥

कप फ षा शा

॥वाचश्वसाम ॥

इन्द्राग्रीयपादियामे । पूर्वागात्पद्वादाइ
 षी तीति टि चि
 भायाः । हित्वाशिरोजिह्वायारारापाश्चारात् ।
 या टि यू टा
 त्रिंशत्पदान्याक्रामाऔहोवा । उऊपा ॥१४ ॥
 क टुट्खि शि खाश
 ॥आक्षीलेद्वे ॥

इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधा । भिरूतिभिराश
 षी ती तुषी षी
 न्तामा । शन्तमाभीराभिष्ठभिरास्वापे ।
 टा तु कु टु त
 स्वाऔहो । पिभिरो इळा । ॥१५ ॥
 पा शि खि शा
 इन्द्रनेदीयएदिहाइमितमेधाभिरूतिभाइः ।
 षी तुषी षी ती श
 आशन्तमशन्तमाभाइराभीष्ठीभीरास्वापाइ ।
 क टुषी षी चु श
 स्वाहा । पिभिरो इळा ॥१६ ॥
 पा शि खि शा

षष्ठ खण्डः

॥गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥

इतऊतीवोओजारामौहोवाऔहो
 ती त दा दा त दा त
 वा ।प्रहेता रामप्राहीतामौहो
 त थिचक भि दा त
 वाौहोवा ।आशुञ्जेतारंहाइतारामौ
 दा त त किथ टी दा
 होवाौहोवा ।राथाईतममतूर्तान्तु ।
 त दा त त षि दू त
 ग्रीयावाधाौहोवा ।स्तुषे ॥१ ॥
 ता टद्य शि तच्
 इतऊतिवोआजाराम् ।प्रहे तारमप्राहिता
 षी ति त का षू
 मुहुवाहोआशुन्जेतारं हेतारमुहुवाहोइ ।
 टि का षी दू च श
 रथितमामतूर्क्तान्तु ।ग्रीयावा
 का दा खिण ता टद्
 धाौहोवा ।स्तोषाइ ॥२ ॥
 ख शि त ख श

॥आत्रेद्वे ॥

मोषुत्वावाघाता श्वाना । आरेअस्मि

ती पाणफद्धूख श क

निरीरमन्नाराक्ताद्वा । साधमादान्नायग

कचय टा टी कि

ह्याइहवासान् । ऊपाशूधीइळाभा ।

टु का का टा खण

ओइळा ॥३ ॥

प शा

मोषुत्वावाघाताचनाए । आरेअस्मिन्निरीरमन्

षु ती षी टी

होवाउउवाऊ । आराक्ताद्वा । साधमादांहोवाउउवाऊनायगा

कथ टिट चय टा टीकथ टिट खि

ही । आइहवासन्नाउवोवा । ऊपशू

ण कु खिण टि

धी । ओइळा ॥४ ॥

खण प शा

॥गौतमेद्वे ॥

सुनोतसोमपान्नाए । सोममिन्द्रा होवा
 तु त की ट
 हा यावज्ञाइणाइ । पचता
 तचक टा ता श किच
 पक्ताइरवसे कृणूध्वामीद्वाइ ।
 कूच काय ट त श
 पृणान्नाइत्पृहाइ । णाताइमा
 चाय टा त श टी
 याः । ओइळा ॥५ ॥
 खण् प शा
 सुनोतसोमपान्नाउवोवाइयाहाइ । सोममिन्द्राहुवेहुवेहोयावाज्ञिणाइ ।
 फू खि शु टी टी यि टा श
 पचतापक्ताइरवसे । कृणूध्वामीद्वाइ । पृणान्नाइत्पृहाइ । णाताइमा
 चि टू काय ट त श चाय टा त श टी
 याः । ओइळा ॥६ ॥
 खण् प शा
 ॥वामदेव्यञ्च ॥

यस्सत्राहाविचर्षणिरिद्रंतांहू माहेवयम् ।
 षी फू खा छी
 इन्द्रन्तंहू माहेवायाम् । साहस्रमन्योतुविनृ
 की टि त षु कि
 म्णासत्पाताइ । भावासामात्सूनो
 टि त श टि त चा
 वृधाइळाभा । ओइळा ॥७ ॥
 टी खण् प शा

॥अश्विनोश्वसाम ॥

शचीभिर्नाशशचीवसू ।दिवानक्तन्दिशस्यतम्मा)

की की षी डु

वांरातिरुपदसात् ।कादाचनास्माद्रातीःकदोवा ।चाना ॥८ ॥

क क चु क शी पी प्ल ख श

॥वसिष्ठस्य वज्ञाणि त्रीणि ॥

यदाकदा ।चामाऔहोवा ।दूषे ।

ती टदख शि खश

स्तोताजरे तमार्क्त्याआदीद्वन्दतवारूणां

की कि षी खी

विपागिरा ।धर्क्तारंवि ।व्राताऔहोवा ।नाम् ॥९ ॥

खा ता टा टदख शि ख

यदाकदाचमाहाबु ।दूषाइस्तोताजराइ ।तमार्क्त्याः ।आदीद्वन्दौहोहोहाहा

तु तश टा टि ताश चि दु टतत

इ ।तवारूणम् ।विपागिरा

श टा खण का का

धर्क्तारंवियौहोहाहाइ ।ब्रतानामिळा

कु टततश का टि

भा ।ओइळा ॥१० ॥

खण प शा

यादाकादाचामीदूषाइस्तोता ।जराइ ।तमार्क्तायाः ।आदीद्वन्दाईतवारू

णा णा फा खी ण ताश यि ट की टि ख

णम् ।वीपागिरौवाउवोवा ।धर्क्तारं

ण फा खुश कि

वियौवाउवोवा ।ब्रतानां ।होइळा ॥११ ॥

खुश ष्लि प्ल शा

॥सौब्रवेद्वे ॥

पाहीगाया ।न्धासामादाइ ।आइन्द्रायमे
 ती टि त श कुच
 धीयाताइथाइ ।यस्सम्मिश्योहर्योर्योहाइ
 क ट त श टी
 राण्यायाः ।इन्द्रोवाञ्जि ।हीरो
 यू ट भितच क प
 बाण्यायोहाइ ॥ १२ ॥
 मु ष्ठा शा

पाह्येपाही ।गायान्धासामादाइ ।
 ती था ता ट त श

इन्द्रायमे धीयाताइथाइ ।यस्सम्मि
 कीचक टा ता श
 श्योहर्योर्योहाइराण्यायाः ।आइन्द्रोवाञ्जी
 टी यू ट भी तच
 ही ।रोबाण्यायो ।हाइ ॥ १३ ॥
 क प मु ष्ठा शा
 ॥वैर्यश्वम् ॥

उभयंश्रुणवच्चनाए ।आइन्द्रो अर्वा गी
 षु तित टिच ताच्क
 दंवचाहोवाहाइ ।सत्राच्यामा
 कि टा त श टा चाक
 घवसोमापाहाइतायाइ ।धीयाशविष्टया
 दु खिण श दु
 होइ ।गमादौहोबा ।होइळा ॥ १४ ॥
 च श पि मु ष्ठा मु शा

॥इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥

महेचनोवा |त्वाद्राख्वा)इवाः |पारा

ती त णा चा

शुल्कायादाइयासाइ |नासाह

काच् का या प श प्ला

सायानायूतायावाग्राइवोनाशा

ता की काय पा प्ल

ताया |शाता |माधोहाइ ॥१५ ॥

ता प श ख प्ल शा

महेचनात्वाआद्रीवाः |पारा शुल्काया

खी छी चा था

दाइयासाइ |नासहस्रायानायूतायावा

का या ट श की यू

ज्रीवाः |नाशाताया |शातामाधाऔहोवा |माहोवीशे ॥१६ ॥

ट टि त टि ख शि टीच्

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

वस्यंइन्द्रासिमेहाबुपितः |उताप्रातुः ।

षु ती खि प्ल

आभुन्जातौवाउवोवा |माताचामौ

की खि श कि

वाउवोवा |छद्यथास्सामावासौवाउवो

खि श कु कि खि

वावासूत्वानौवाउवोवा |यारो

श कि खि श क प

बाधासो |हाइ ॥१८ ॥

प्ल प्ल शा

सप्तम खण्डः

॥सौभरञ्ज ॥

इमाइमइन्द्रायसुन्वाइराइ सोमासोदध्या

खा पूड़ शि षु

शिरा स्तं । आमदाय वज्रहस्तपीतायाइ ।

का ख षी पूड़ शा

हराइहोभ्याइयाओइहीओकाया

य टु कि टादख

औहोवा । ऊपा ॥१ ॥

शि ख श

॥गात्समदञ्ज ॥

इमइन्द्रा मदायताइ । सोमाश्चिकित्रविथिनोमा

फी की श षु

यी)धोःपापानाउपानोगिराः । शार्णू

ट य ट शु य टच्

रास्वास्तोत्रा । यागिर्वाणाः । औ

क ट ा त टि खण् प

इळा ॥२ ॥

शा

॥वाचश्चसाम ॥

आत्वाद्यासाबर्दुधाम् । हूवेगायत्रवेपसम् ।

ती ति कि कु

आइन्द्रान्धनू । सूदूधामानियामाइष म्

टी त चि टि ख णा

ऊरुधारा । मारङ्गार्क्तां । ओइळा ॥३ ॥

टि त टि खण् प शा

॥बार्हदुकथञ्च ॥

नत्वाबृहन्तोअद्रियाः ।वारन्तइ न्द्रावीळावाः ।

तु ति की टि त

याच्छिक्षासिस्तुवताइमा वाते वासू ।

च य टा दु च च चा

नाकिष्टादा ।मीनाताइता इ ।

टि त टि खाणश

ओळा ॥४ ॥

प शा

॥नैपातिथञ्च ॥

कईवेदा ।सूताइसाचा ।पिबन्तःकद्वायो

ती चा या ट यू

दाधूः ।आयंयःपुरोविभिनक्तायोजासा ।

य बु यु य टा

मन्दानाशशी ।प्रायाओहोवा ।

क टा त ट ख शि

न्धासा ॥५ ॥

ख श

॥तौरश्वसञ्च ॥

यादिन्द्राशासोव्रताम् ।च्यावयासादसास्पा

पि शी ची का

रौवा ।अस्माकामौवा ।अंशुर्माघव न्पूरुस्पहौवा ।वासाव्यायौकी)वा ।

का तत् की तत् चि का की तत् तत्

धीबोबार्हयो ।हाइ . ॥६ ॥

क प छ प्ल शा

॥त्वष्टार्याश्वसाम ॥

त्वष्टानोदैव्यं वचाः । पर्जन्यो ब्रं ह्याण
 खा शु की
 स्पातीः । पुतैर्भात्रभिरादीति चूपातूनाः ।
 इति षी की इति
 दुष्टारान्त्रात्) । माणं वाचाः । ओइळा ॥७ ॥
 इ चिखण् प शा
 ॥ अदितेश्वसाम ॥

कदाचनास्तारीरसाइ । नाइन्द्रं साश्चा
 तु ति श खी श
 साइदाशूषाइ । उपोपेच्छुमधवन्भूयाइद्वो
 खीण श षी कु टा
 इनू ताइ । दानन्दाइवा । स्याप्रोवा
 खा शा खि णा पाषु
 च्यातो । हाइ ॥८ ॥
 प्ला शा
 ॥ आजीक्तश्च ॥

आइहीआइहीहोइ । युंक्ष्वाहिवृ त्राहन्ता
 इ इ च श खी की
 मा । हारीइन्द्रा पारा वाताअर्वाची
 फ कीच् काय प खा
 नाः । माघवन्सोमापाइतायाउग्रारिष्वा ।
 ता कि यी प चा ता
 भीरोबागाहोहाइ । ॥९ ॥
 प प्ला प्ला शा

॥माधुच्छन्दसञ्च ॥

त्वामीदा होइहियोनराए ।
 च क फालू खी शि
 आपाइप्यन्वाग्राइन्भूर्णयाः । साइन्द्र
 षी की खण कथ
 स्तोमवाहासा । इहाश्रूधाऔहोवा
 टी च क टि काफ
 हाइ । ऊपास्वासाऔहोवाहाइ ।
 ण श टी काफ ण श
 रामागाहा इ । ओइला ॥११ ॥
 टि खण् श प शा

अष्टम खण्डः

॥उषसश्वसाम ॥

प्राताई हाईहावोदर्शीयायतीयायती ।उच्छाई हाईहान्तीदूहीतादी
 टिच्यट का था टि टि टिच्यट का थ
 वाआदीवाः ।आपाई हाईहामाहित्रणु
 टी टि टिच्यट
 तेचाक्षुषातमाआतमाः ।ज्योताई
 चूच टी टि काटच
 हाईहाकृणोतीसूनारीओनारी ।
 यटच का टी पिण
 ओइळा ॥१ ॥
 प शा
 ॥अश्विनोश्वसाम ॥

इमाउवान्दिविष्टयाएही ।उस्वाहवन्तेअश्वि
 षी खु स्ला षु
 नाएही ।अयंवामह्यवसेशचीवसूएही
 खि स्ला षु खु स्ला
 विशंविशंहीगच्छथाएही ।होइळा ॥२ ॥
 षी खी स्ला ष्ल शा
 ॥अश्विनोश्वसंयोजनम् ॥

कुष्ठःकोवामश्वीना ।तापानोदे वामर्त्तया ।
 षी ति की टी
 होवाहा ।इद्वतावामाअश्वायाहोवा
 काख खि ता टि का
 हा ।इक्षपामाणाः ।अंशूनाहोवाहा
 ख खि ता टि काख
 इत्थामुवादुवान्यथाौहोवा ।ऊपा ॥३ ॥
 खा ता टा खा शि ख श

॥अश्विनोश्वैवसाम ॥

अयामयंवाम्मधू मात्कामाः । सूतस्सोमो
 खा श्ली डा श टी
 दिविष्टिषु । ओहाओहातामाश्विनाषी)
 का टा ट ख ता
 पिबतन्तीरोअन्द्यामोहाओहाधतारा
 क्ल ट ख ता चाय
 त्नाओहाओहा । नीदाशूषाओहोवा ।
 ट ट ख ता टिद्ख शि
 ऊपा ॥४ ॥
 ख श
 ॥सोमसामच ॥

आत्वासोमा । स्यागादा याओहोवा । सदा
 ती टिद्ख शि टा
 याच्च नाहञ्ज्याभूर्णाउवोवा । मृग
 का कि टा खा श का
 न्नसवने षुचुक्रूर्धं कर्ईशाना । न्नायाचिषादि
 ची कीच् टि त चा
 लाभा । ओइला ॥५ ॥
 टी खण् प शा
 ॥आजामायवञ्च ॥

आध्वर्योऽद्रावयातुवाम् । सोमामिन्द्राः
 फु की चा था
 पीबासाती । ऊपोनूनंयुयुजे
 काय ट चिक किच्
 वृषाणाहारी । आचाजागा । मावृ
 काय टा क टा त चा
 त्राहाओहोवा । होइला ॥६ ॥
 क टा ख षु ष्ट शा

॥समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥

आभीषतस्तदाहाबु ।भाराइन्द्राज्यायःकानी

तू त श कु

यासाः ।पूरो वसुर्हिंमधवन्बभूवाइथा ।

टि त का कू टि ता

भाराइभारे ।चाहाव्याइल्लाभा ।ओइला ॥७ ॥

टी त चा टि खण् प शा

॥वैरूपेच ॥

यादिन्द्रायावतस्त्वाम् ।एतावदहमीशीयास्तोतारा

पि क षी दू

मीत् ।दाधिषे रादावासाबु ।नापा

त किञ्चक टात श

पात्वा ।यारौ वाउवो बांसाइषो

टि त का खिण् षि

हाइ ॥८ ॥

शा

यादिन्द्रायावतास्त्वम् ।आइतावाद

फि खि श टि टा

हमीशीयाओवा ।स्तोतारामीत्दधिषे

का था का टा टा चि

रदावासाओवा ।नापापात्वाया

का का का टा टाच्चक

रोबांसाइषो ।हाइ ॥९ ॥

प फु षि शा

॥१८६॥

त्वमिन्द्रो हाइप्रतूर्तिष्वोवा । आभिविश्वा
 ति तु त कीच्
 आसाइस्पार्धः । आशस्तिहाजनिता
 का या ट षी किच्
 वृत्रातूरासाइ । तूवान्तूर्या । तारुष्याताऔहोवा । होइला ॥१० ॥
 का य टा श चा य ट चाक टा खळ छ शा
 ॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥

प्रयोरिरक्षओजसाए । दीवास्सदो भ्यस्पारि
 षु ति त टीच्
 नत्वाविव्याऔहोवा । चाराजाऔहोवा ।
 षु कि का की का
 इन्द्रापार्थिवामतिवाइश्वाम् । वावाक्षिथाइ
 कु टि ता का
 लाभा । ओइला ॥११ ॥
 टी खण् प शा

असाविपाठः

प्रथम खण्डः

॥प्राकर्षन् ॥

असौहोवाहावीदे । वाङ्गोऋजीक
 ता ता खा श की
 मान्धाः । नियौहोवाहास्मीनि ।
 खा छ ता ता खा श
 द्रोजानूषे मुवोचा । बोधौहोवाहामा
 की खा श ता ता खा
 सि । त्वाहारीयाश्चयाज्ञैः । बोधौहोवा
 श की खा छ ता ता
 हनास्तो । मामन्धासामादाइ । षू ॥१ ॥
 खा श की ख खा श त्र
 ॥ वसिष्ठस्यचनिन्हवम् ॥

आइहिआइहिएहियाउवोवाहाइ ।
 टि टि खु प्ल त श
 असाविदेवङ्गोऋजी कामन्धोअन्धोअन्धाउवोवाहाइ । न्यस्मिन्निन्द्रो जनुषे मूवोचावोचावोचाउवोवा
 चू काच्क टा टा टा खप्ल त श ची किच्क टी टा टा खा छ
 हाइ । बोधामसित्वाहरिया श्वायाज्ञैः याज्ञैर्यज्ञाउवोवाहाइ । बोधानस्तोमा
 त श चु किच्क टा टा टा खा श त श चु
 मन्धासा मादाइषूदाइषूदेष्वाउवो
 किच्क टि टि टा खा
 वाहाइ । आइहिआइहिएहियाउवो
 श त श टि टि खु
 वाहाओहोवा । ई ॥२ ॥
 प्ल ख शि ख

॥गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥

योनीः | तआइन्द्रासादानायकारीतामा ।

ता टी कि खा शि

नुभाइःपूरूहूताप्रयाहीआसाः | यथानोआवीतावृधाश्चिदादाः | वसूनिमीमदाश्चासो | माइः ॥३ ॥

कू खि शि भि कि खा शि भी पा खा त्र श

योनिष्टआइन्द्रसदनाइहोवा | आकाराइतमानृभिर्होवा | पूरूहूताप्रयाहीहोवा ।

च खि शु का ख शु का ख खि शि

आसोयथानोविताहोवा | वार्धश्चाइत्ददोवसूहोवा | नाइमामादश्चसोमैर्होवा ।

का खा शु क खा शु भु खा शि

होइला ॥४ ॥

शु शा

॥औरुक्षयेद्वे ॥

अदर्दरूत् | समसृजो वीखानित्वामर्णा

ती कीच्छक का टि

वान् | बल्बधानं आराम्णाः | माहान्तामि

त चा था भि टि त

न्द्रपर्वतं वीयाद्वासृजाद्वाराः | अवयद्

कीक का टि त

दा नावान्हा | ओइला ॥५ ॥

कुच्छक ट खण् प शा

अदर्दरूत्समसृजाः | वीखानित्वमर्णवान्बल्बधानं

तु शु कु

आराम्णाः | माहान्तमिन्द्रपर्वतं वियाद्वाः ।

टात ष की टात

सृजाद्वारा | अवयददा नावोयाऔहो

टि त कुच्छक ट ख

वा | हान् ॥६ ॥

शि ख

॥पाथद्वे ॥

सुष्वाणासाः । इन्द्रास्तुमसीत्वा । सनिष्यन्तश्चिक्तू
 ती खु श षु
 न्विनृम्णावाजम् । आनोभरात्वोवा ।
 खु श ख श खीण
 सुवितय्यस्यकोनातानात्मना । सद्यामातूवो । ताः ॥७ ॥
 षु तू खि खा त्र
 ओहोहोइसूष्वा । णासाइन्द्रास्तुमसी
 त त खिण का खु
 त्वा । ओहोहोइसानी । ष्यन्ताश्ची
 श त त खिण भि
 तूवीनृम्णावाजम् । ओहोहोआनो ।
 खु श त त खा ण
 भरा सुवितय्यस्यकोना । ओहोहोइता
 का खु श त त खि
 ना । त्मनासद्यामातूवो ॥८ ॥
 ण का पि खा । ताः(त्र

॥सौमित्रेद्वे ॥

जगृह्नातेदक्षिणमोहाओहाए । इन्द्रहास्ताम् ।

ते त टि त

वसूयवोवासूपाताइवसूनांओहाए

का यि पा शु त त त

विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनांओहाए ।

यु पा शीत त त

अस्माभ्यञ्चाइत्रांवार्षणंरायिन्दाओहाए । रायाइन्दाउवा । ऊपा ।

दू चा काफ श त त त दू ता ख श

औहोओहोवाहाउवा । ई ॥९ ॥

क का पा शि ख

जग्रह्नातेदक्षिणमौहोओहोवाहाइ । इन्द्रहास्तम् । वसूयवोवासूपाताइवसू

षु तु त श खि श का यि पा

नौवाउवोवाहाइ । विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनौवाउवोवाहाइ । अस्मभ्यञ्चाइत्रांवार्षणंरायिंदौवाउवोवाहा

शु खि फु त श यु पा शी खि श त श दू चाक फा खी फु ख

औहोवा । ई ॥ १० ॥

शि ख

॥वात्सप्राणित्रीणि ॥

होये होये होये । जगृह्नाते दक्षिणामि न्द्राहास्तांहास्तांहास्ताम् । वसूयवोवसुप

ट ट ट थी कीच क ट ट ट थी

ते वासूनांसूनांसूनाम् । विद्वाहित्वा गोपतिंशू रागोनांगोनांगोनाम् । अस्मभ्यञ्चित्रंत्रषणं रायाइ

कीचक ट ट ट कीच कीचक ट ट ट कि कूचक

न्दाआइन्दाआइन्दाः । होये होये होयावा

टि टि टि ट ट टख

औहोवा । ई ॥ ११ ॥

शि ख

हाबुहाबुहाबु । ओहोहोवा ओहोहोवा ओहोहोवा । जगृह्नाताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्रहस्तन्द्रहस्तम् । वसू

तु श की की की कि किचक ख शे का

यवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् । विद्वाहित्वागो पातींशूरगोनांरगोनांरगोनाम् । अस्मभ्यन्चाइत्रांवार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाःहाबुहाबुहाबु । ओहोहोवा ओहोहोवा । अं

टिचक ख शो कुचक ख शे दूच चाख शे तु श की की

आबुहोआबुहोआबुहो । वा औहो औ

षू ति ट ट

होवा । जग्रह्नाताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्र

त त कि किचक ख

हस्तन्द्रहस्तम् । वसूयवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् । विद्वाहित्वागो पातींशूरगोनांरगोनांरगोनाम् । अस्मभ्यन्चाइत्रावार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाः

शै का किचक ख शो कुचक ख शै दू काख शै

आबुहोआबुहोआबुहो । वा औहो औहो वा औहोवा । ई ॥ १३ ॥

षू ति ट ट टख शि ख

॥वैदन्वतञ्च ॥

इन्द्रन्नारोनेमाधाइता । हावन्ताइयत्पा
 स्वि श खि ण टि
 रा यायूनाजान्ताइ । थियास्ताशूरोना
 स्वी श खि ण श टि खि
 षा । ताश्रावासा: । चाकामाइयागोमाति
 श खि ण टि खी श
 व्रजाइभाजा । तूवन्नाउवा । एऊपा ॥१४ ॥
 खी ण टि ता त टाख्
 ॥सौपर्णञ्च ॥

वयोहाहाबु । सूपर्णाउपसेदूराइन्द्रं ।
 ति त श षि चु का
 प्रियमेधाक्रुषायोनाधामानाः ।
 षी किक टा त
 आपध्वान्तमूर्ण्हिपू धीचाक्षुः । मू
 षी की टा त च
 मुग्धियोहोआस्मान्निधये वाबा । दर्धान् ॥१५ ॥
 टि त टा पि खा त्र

॥यामञ्च ॥

आयामयायमौहोवाऊ । नाकेसुपर्णा

की टा था ट षु

मुपयात्पतन्तंपत न्तमौहोवाऊ ।

कु कि टा था ट

आयामयायमौहोवाऊ । हृदावेनन्तो

की टा था ट षु

अभ्याचाक्षतत्वाक्षतत्वौहोवाऊआयामयायमौहोवाऊ । हिरण्यपक्षंवरूणास्य

कि टि टि था ट की टा था ट षु

दूतंस्यदूतमौहोवाऊआयामयायमौ

कु कि टा था ट की टा

होवाऊ । यामस्ययोनौशकुनांभुर एयुंभुर

था ट षु कु कि

एयुमौहोवाऊ । आयामयायमौहोवा

टा था ट की टा था

ऊ । वा हाउवा । एदिवमे दिवमे दि

ट टच्य टा त कि कि

वा म् ॥१६ ॥

टाख्

॥ऋतुसामनिच ॥

ब्रह्माब्राह्मा । जज्ञानं प्राथामं पुरास्तात् ।

टि त चि कि मि

वीसाइवाइसी । मतस्सुरूचोवे नआवात् ।

टि ता की था मि

साबूसाबू । धन्याउपामाआस्यवाइष्टः ।

टि त चिकट भी

सातास्साताः । चयोनीमासाताश्ववाइवाः

टि त चु कि पाण्

ओइळा ॥१७ ॥

प ष्ठा

हुवे हाइहुवे हाइहेषाया । ब्रह्मजज्ञा

यात टि त टि त की

नांप्राथामं पुरा स्तात् । वीसीमतास्सुरूचो

ट कि खाश की

वे नआवात् । साबुधन्याउपमाआस्य

की खाश कु कि

वाइष्टः । सातश्योनीमासातश्वी

खा ष्ठा कु का खि

वाः । हुवे हाइहुवे हाइहेषाया

ष्ठ यात टि त टि ख

औहोवा । एऋतममृतमेऋतममृतमे

शि त कु कु

ऋतममृताम् ॥१८ ॥

दुख

॥इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥

आपूर्व्याबुहोहोहाइ ।पूरूतमानियास्मै ।

तु त त श खू श

माहेवीरायातावासाइतुरा या ।विरप्शीना

टु कि खि श खी

इवज्ञिणेशान्तमानि ।वाचांस्यास्माइस्थावीरा

खु खा श टी की

यताक्षुः ।स्थविरायतक्षुस्थविरा याता

खा फ्ल षु खि खा

क्षुः ।स्थावीरा याताक्षुः ॥१९ ॥

त्र कि क खा

द्वितीय खण्डः

॥इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥

आवाद्राप्सोअंशूमातीम् ।आताष्टादीयानाःकाष्णोदाशाभीः ।साहा

खि श स्वि ण का ख खि श स्वि ण का

साइरा वार्क्तामीन्द्राशशाचीया ।धामान्तामापास्त्रीहीतिनृमाणाः ।

ख शा खा श स्वि ण का ख खि श स्वि ण

अधाद्राओहोवा ।आधद्राः ॥१ ॥

टा ख शि च टा ख

अवद्रप्साए ।अंशुमतिष्ठादीयानाः ।कार्षणोदाशाभीसाहास्याये ।आवक्तामीन्द्राशशाच्याधामन्ताम् ।अपास्त्रीहीती नृमणा

ती त की टि चि चा कि टी ची क कट कुच्क पा

अधाद्राः ।होइला ॥२ ॥

ष्टि ष्ट शा

॥सौरश्मेद्वे ॥

अवद्रप्सोअंशुमतीमौहोओहो ।

षी चीट ख ता

आतीष्टादौहोओहो ।इयानःकृष्णाओ

का टाख ता चुट

होओहो ।दाशाभीस्साहसैरौहोओ

ख ता की थाट ख

हो ।आवाक्तामिन्द्रा ओहोओहो ।

ता चि चाट ख ता

शाच्याधामन्तामौहोओहो ।अपास्त्रिहीतिनौ

चुट ख ता चुट

होओहो ।नृमाणाओहोवा ।आ

ख ता टाट ख शि च

धद्राः ॥३ ॥

टाख

अवद्रप्सोअंशुमतीमेओहोवा ।आता

षी तु खात्र प

इष्टात् ।इयानाःकृष्णोदाशाभीस्साहसै

त्रा चि चा चि चि

रावाक्तामाइन्द्रोशाचीयाधमा

कच का टा कि खा

न्तमपास्त्रिहीतिनृमाणाओवा ।अधद्राः ॥४ ॥

षू शु तिच्

॥बृहतोमारूपस्यसामनीद्वे ॥

हा ओ हा ओ हा हा इ । वृत्रस्य

क टच् क च त तच् श

त्वाश्वासथादीषमाणः । विश्वेदेवाआजाहुर्येसखायाः । मारूल्त्विराइन्द्रा
की की खाप्तु टी का खी प्तु द्व

साखीय न्तेस्तु । आथेमावाइष्वाः । पार्क्तना

कि ख श द्व कि

जयासि । हा ओ हा ओ हा

खा श क टच् क ट त

हा औ हो वा । ओ ओ हो औ हो ॥५ ॥

ख शि का टच् क ख

होये हाया येहया औ हो वा हा

टाच् का ट चि क फ त

इ । वृत्रस्य त्वाश्वासथादीषमाणः । विश्वेदे

श ची की खाप्तु

वा आजाहुर्येसखायाः । मारूल्त्विराइन्द्रा

टि की खाप्तु द्व

साखीय न्तेस्तु । आथेमावाइष्वाः पार्क्तनाज

कि ख श द्व कि

यासि । होये हाया येहया औ हो वा हा औ हो ॥६ ॥

खा श टाच् का ट चि क फ ख शि का ख

॥सोमसामनीद्वे ॥

वीधूम् । दद्रादद्राणां सामानाइबहू नांयुवा ।

ता दु कि खि शि

नंसानंसान्तापालीतोजगारादेवा । स्यपास्यपा

दु कि खा शि

श्याकावीय म्महीत्वाद्या । ममाममारासह्यास्सामा । ना ॥७ ॥

दु कि खा शा दु पा खा त्र

आआहाहाइ वीधुन्दद्राणां सामाना

त ख प्ल त शक टी कि

इबहू नाम् । यूवानंसान्तापालीतोजगा

खिश दु कि खा

रा । देवस्यपाश्याकावीय म्महीत्वा

श क टी कि खा श

आआहाहात) । अद्याममारासहीयास्सा

त ख प्ल दु पि

मा । ना ॥८ ॥

खा त्र

॥इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥

औहोइत्वम् । हत्यास्सप्तभ्योजायमानाः ।

ती चा कि किख

औहोअशा । त्रभ्योअभावशशत्रूरिन्द्रा ।

ती का का की ख

औहोइगूढे । द्यावाप्रथिवीअन्वविन्दाः ।

तु कु किख

औहोइविभू । मत्भ्रयोभुवनेभ्योरणन्धाः ॥९ ॥

तु का की काख

तोहाइहत्यौवाउवोवा । सप्तभ्योजाय

त शी खिण कि

मानाउवाओवाअशोहाइ ।

कि कि पा शाड़श

त्रभ्यौवाउवोवा । अभाव इशत्रूरिन्द्राउवाओ

खुण कि कि कि

वागूढे हाइ । द्यौवाउवोवा । पृथि

पा शाड़श खुण

वीअन्वविन्दाउवाओवाविभूहा

कि कि कि पा शाड़

इ । मत्भ्यौवाउवोवा । भुवने भ्याउवा

श खुण कि कि

ओवारणान्धाः । होष्ट)इला ॥१० ॥

पा ष्ठि शा

॥भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

मेलीम् । नत्वा वज्रिणं भृष्टीमान्ताम् । पूरु
 ता कू ट त ता चा
 धास्मानं वृषभं स्थीरा प्सुनूम् । कारो ष्यर्य
 क कु ट त ता चा
 स्तरुषी दूवास्यूः । आइन्द्र न्युक्षं वृत्राहा
 दु ट त कि दु

णा औहोवा । गृणीषे ॥११ ॥

ख शि का टख

मेलिन्नत्वावाऔहो । ज्ञाइणं भृष्टाइमौ

खु ता की की

वान्तं पुरु औहो । धस्मानं वृषभं स्थाइरौ वाप्सुनुम् । कारो औहो
 त ख खा ता कू कित ख श खा ता

ष्यर्यस्तरुषाइ दूवास्यूः । इन्द्रा औहो
 षू का ख प्ल खा ता

न्युक्षं वृत्राहा णा औहोवा । गृणीषे ॥१२ ॥

दुख शि खि

॥वसिष्ठस्यां कुशौद्धौ ॥

प्रवाः । माहे माहेवृधे भाराधूवाम् ।

ता काक चि भित

प्राचातसाइप्रासू मातीम् । कृणूध्वामीहा
षी किखण चि

वाइशाः । पूर्वीः । प्रचाराचा । र्षा

खि णा टत भित

णाइप्राऔहोबा । होइला ॥१३ ॥

का टि खफु फु शा

हाप्रवोमहाइमाहे । वृधा इभरा ध्वम्

ख खु श णाफ खिश

हाप्राचेतसाइप्रासू । माता इङ्गुणु

ख खु श णाफ खि

ध्वम् । हाविशः पूर्वाइप्राचा । राचा र्षा

श ख खु श णाफ

णाइप्राः । हाबुहौहोवाहाउवा । ई. ॥१४ ॥

खा ला ख फु शा ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

शुनंहुवे मधवानमिन्द्राम् । अस्मिन्भरे नृतमंवा
षी तू षी की

जसातौ । श्रण्वन्तमुग्रमूतये सामात्सू ।

टा त षु कि टा त

ग्नन्तांवार्तरा । होवाहाइ । नीस

भि त टा त श का

न्जीतन्धनानी । होवाहा इ । ओइला ॥१५ ॥

कीत टा खण्श प शा

॥वासिष्ठञ्च ॥

दीवयाहोवा औहोवा । ऊदुब्रह्मणी
 कि काट त कथ् दू
 ऐरातश्रवास्या । इन्द्रंसमार्येमाहाया
 खुश क टी कि
 वसीष्ठ । आयोर्विश्वानीश्रावासातता
 खाश क टी कि खा
 ना । दीवयाहोवा औहोवा ।
 श कि काट त कथ्
 ऊपश्रोतामाइवतोवाचां । साइ ॥ १६ ॥
 दु पि खा त्रश
 ॥पुरीषञ्चार्थर्वणम् ॥

चक्रंयदस्यप्सूआनिनिष्क्ताम् ।
 षू तु
 ऊतोतदस्मैमध्वीचच्छाद्यात् । पृथिव्यामतिषीतं
 षु टी त षी कि
 यादूधाः । पायोगोषू । आदधाओषा
 टात टित टिच
 धीषूइळाभा । ओइळा ॥ १७ ॥
 था टि खण् प शा

तृतीय खण्डः

॥आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥

त्यमूषु वाजिनान्देवजू तम् । सहो
खि खि खि खा श का

वान न्तारुतारंथानाम् । अरिष्टनाइर्मीं
था कि खि श खी शा
पृतनाजमाशूम् । स्वस्तयाइताक्ष्मिहा
खि खा श कु खि
हूवाइ । माम् ॥१ ॥

इयइयाहाइत्यमूषुवाजिनान्देवजू तम् ।
ती षु खि खि खा श

ईयाईयाआहाइ । सहोवान
फा फाष्ट त श का था
न्तारुतारंथानाम् । इयइयाआरिष्टनाइ
कि खि श ती क

मिंपार्तानाजमाशूम् । ईयाईयाआ
डु कि खा श फा फाष्ट

हाइ । स्वस्तयाइताक्ष्मिहा हूवाइ । मा. ॥२ ॥

त श कु खि खा श त्र

॥इन्द्रस्यचत्रातम् ॥

त्रातारमिन्द्र मवितारामीन्द्राम् । हावेहवेसू
क षी कि टा त षु

हावंशुरामीन्द्राम् । हूवाइनुशकंपुरुहू
कि टा त षु कि

तामीन्द्राम् । ईदं हावाइ माघवावाइतूवा
टा त था चाश पी खि
हृ । न्द्राः ॥३ ॥

श त्र

॥वाक्त्रतुरम् ॥

यजामहोवा । आइन्द्रंवाज्रादक्षाइणाम् ।

तीत की टि ता

हारीणां रथ्याविव्रतानाम् । प्राशमाश्रूभिर्दोधूवादूर्ध्वाधाभूवात् । वीसा
किचु चा टित का टु किखण चा

इनाभिर्भयमानोवाइराधासो । हाइ ॥४ ॥

कि भी प शाख प्ल शा

॥द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥

सात्राहणाऔहोवा । दाधृष्टीतूमूर्मीन्दरा

फा खा ण फ़्ल टि टी

उवोवा । माहामपारंवृषाभं सूवज्ञा

खाश क कि की टि

हन्तायोवृ । त्रंसनितोतावाजाम् ।

टा खण पी खात्र

दाता माघानिमाघवा सूरा धाः ॥५ ॥

थाच्क कि टाच्क काटख

सात्राहणन्दाधृषीइन्तूमूर्मीन्दरम् । मा

फा फि फा खी श क

हामपारं वृषाभं सूवज्ञाहन्तायोयो ।

कि क चि टि खिण

त्रंसनितोतावाजाम् । दाता माघानिमा

पी खात्र थाच्क कि

घवा सूरा धाः ॥६ ॥

टाच्क काटख

॥आत्रम् ॥

योनोवनुष्यन्नभिदातिमार्क्षताः । ऊगणावामन्यमानास्तुरोवा । क्षीधीयूधाशवसावातामाइन्द्राम् । आभाइष्यामावृषमाणास्तुवो

शु खु प्ल षी टूत षी की टा ता भी त भित टा

ताः । ओइळा ॥७ ॥

खण प प्ला

॥गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥

हाबुयंवृत्रेषु । क्षितयस्पर्धमानः । धामाना
तू खू फु कि

ईयाइ याहाबुयंयुक्तेषु । तुरयन्तोहवा
ट टाख शू खू

न्ताइ । हावान्ताईयाइ याहाबुयंशूरसाः ।
शा कि ट टाख शु

तौयमपामुपाज्मान् । ऊपाज्मानीयाई या
खू श कि ट टाख

हाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः ।
शू कु खा फु

साइन्द्रोईयाई याहाउवा । ई ॥८ ॥

कि ट टाख फु शा ख

यय्यया । हाबुयंवृत्रेषूक्षितयस्पर्धमानाः ।
ति तू खू फु

धामानायै यय्यैयय्यया । यय्ययाहाबुयंयुक्तेषु ।
कि टा चि ति तू

तुरयन्तोहवान्ताइ । हावन्तायै । यय्यैयय्यया ।
खू शा कि टा चि

यय्ययाहाबुयंशूरसाः । तौयमपामुपाज्मान् ।
ति तू खू श

उपाज्मान्यैयय्यैयय्यया । यय्यया
कि टा चि ति

हाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः ।
तू कु खा फु

साइन्द्रोयै यय्यैयय्ययाहाउवा । ई ॥९ ॥

कि टा ति ति ख

॥वैश्वामित्रम् ॥

इन्द्राहाबु ।हा हो इ पर्वता बृहतारथा
ता त श क षु दू

इनाउवाऊपा ।वामीर्हाबु ।
का ता ख श ता त श

हा हो इ ष आवहतं सुवाइरा उवा ।ऊ
क षि दू का ता ख

पा ।वीतांहाबु ।हा हो इ हव्यान्यध्वारे षुदा
श ता त श क षि दू

इवाउवा ।ऊपा ।वर्धे हाबु ।हा
का ता ख श ता त श क

हो थांगीर्भि रिल्लायामदान्ता हाउवा ।ऊ ऊपा. ॥१० ॥

षि दू ती खा श

॥सावित्राणिषद्वैयमेधानिवा ॥

हाहाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् ।

तथा दू कि खापु दू का स्विश
योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥११ ॥

असावासाविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः ।

ताकथा दू कि खापु आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् । ॥१२ ॥

कूवाकूवाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइ

वाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१३ ॥

दू कि खापु दू पि खात्र
अयामायामिथा)न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः ।

ताकथा दू कि खापु आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१४ ॥

अविदादविदविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१५ ॥

ईहाई हान्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू ध्रात् ।

टाखण दू कि खापु दू का स्विश
योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१६ ॥

॥कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥

आत्वासखायसख्यायववृत्युः । तीरः पुरुचिदर्नवाजगम्याबुहो औहोवा । पीतुन्नापातमादधीतवाइधाबुहो औहोवा । अस्मिन्क्षये
 शु तू षी दू चिक का षी दू चीक का षी
 प्रतरान्दीदियानाबुहो औहोवा । औहो
 दू चिक का क
 वा । ईहा.. ॥१७ ॥
 का टख
 ॥वामदेव्यम् ॥

कोअद्ययुंकेधुरिगात्रतस्याए । शिमीवतोभामी
 शु तू त षी
 नोदुहणायून् । आसन्नेषामप्सुवाहोमा
 कि टात षी की
 योभून् । याएषांभृत्यामृणाधात्साजाइ
 टात षु कि टा
 वाउवा । ऊपा ॥१८ ॥
 का ता खश

चतुर्थ खण्डः

॥४३॥

गाया ओन्तित्वा ओगाया त्राइणः ।

ता च ता प ष्ठा त ता

अर्चा ओन्तिया ओकर्मा कर्मा इणः ।

ता च ता प ष्ठा त ता

ब्रह्मा ओणस्त्वा ओशताक्राता

ता च ता प ष्ठा त ता

ब्रु । उद्ग्राओंशमा ओवया इमिरा

श ता च ता प ष्ठा ष्ठि

इ होइल्ला ॥१ ॥

श ष्ठा शा

गाया न्तित्वो हाइ गाया त्रीणः । अर्चन्त्यर्कमा

ती खुण यु

कर्णिणः । अर्चन्तीयो हार्कमार्किणः ।

प श खी श खि ण

ब्रह्माणस्त्वा शताक्राताबु । ब्रह्माणस्तो हाइ

यू प शा खी शा

शताक्राताबु । उद्गंशमीवया इमीरे । उद्ग

खि ण श यू पा श

शमो हाइ । वया इमा इ । राइ ॥२ ॥

खी ण श खीणफू श ख श

॥उद्दंशीयन्तृतीयम् ॥

गायान्तित्वागायात्रिण्या | अर्चन्त्यर्कमर्कइणाः ।

षी तु दू ता

ब्रह्माणस्त्वाहोइ । शाताक्राताबु ।

टी च श टि त श

उद्वशमीवयाइमीरे । उद्वशामी । वयाउ

यू पा श खि ण टा

वा । उप्माइरो । हाइ ॥३ ॥

ता टा खा न श

॥शैखण्डिनीत्रीणि ॥

इन्द्रविश्वः । अवीवृधान् । सामुद्राव्या
ती ता चा कि

चा साङ्गिराः । राथीतमाहाउवा रा
टच् चि का ता टिच्

थाइनाम् । वाजानांसात्पातीं
चा शा च टा त का

पतिमिळाभा । ओइळा ॥४ ॥
टी खण् प शा

होइन्द्रंविश्वः । अवीवृधान्सामू द्राव्या
तु का थि टच्य ट

चसंगिराः । राथीतामांराथाइ
का चा य टच्य टच् का

नाम् । वाजानांसात्पातींपा
चा य च य टच् काट

ती म् । ओइळा ॥५ ॥
खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्समूद्राव्या । चासाङ्गीराः ।
षू खुण क पा श

राथी तामाऊहोवाऊराथा
काथक ट ट था टच् चा

इनाम् । वाजानांसाऊहोवाऊ
शा च था ट ट था ट

त्पातींपाती म् । ओइळा ॥६ ॥
काट खण् प शा

॥आष्टादश्टेष्टे ॥

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्याहाइ ।सामूद्राव्यांचा

षू ती त श चाय टच क

साङ्गाइरा अय्याहाइ ।राथाइतामांराथाइ

क य ट ट ट त श च य टच

नामय्याहाइ ।वाजानांसातपाताइम्पाती

की ट ट श च य टच क ट ट

मय्याहा इ ।ओइळाह ॥७ ॥

ट खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्यादौहोवा ।समुद्रव्याचसंगाइरा अय्यादौहोवा ।रथीतमांराथाइ

षू खू त्र कू टि ट ट त त चीक क

नांअय्यादौहोवा ।वाजानांसातपर्तीपातीमय्यदौहो

ट ट ट त त च थ कि ट टि ट

वाः ।ओइळा ॥८ ॥

खण् प शा

॥महावैश्वामित्रेद्वे ॥

हयाइहयाओहाओहाहयाइहयाओहा
 खु फा फा खु फा
 ओहाहयाइहयाओहाओहा ।इन्द्रंविश्वा ।
 फा खु फा फा ती
 अवीवार्धन् ।समुद्रव्याचसङ्गाइराः ।
 चा टा ती चा टि
 रथीतमांरथाइनाम् ।वाजानांसात्पार्तीं
 ती का टा ती चा
 पातीम् ।हयाइहयाओहाओहाहयाइहया
 टा खु फा फा खु
 ओहाओहाहयाइहयाओहाओहा ।होइ
 फा फा खु फा फा
 लाह होइला होइला ॥९ ॥
 कि फिद्धख शा
 हायाये हायाये हयाहा आ ।इन्द्रंवि
 टिच्क टा तातप
 श्वा अवीवृधानन् ।सामुद्रव्याचसङ्गि
 कीचु फा ता प षुफ
 राः ।राथीतामरथी नाम् ।वाजानांसात्पा
 ता प षुफ्त प
 तीं पताइ ।हायाये हायाये हया
 षुफ ता श टिच्क टा ता
 हा आ ।होइला होइला होइला ॥१० ॥
 तप कि फिद्धख शा

॥गृत्समदस्यर्वीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥

इममाइन्द्रा । सूतांपा इबा औहोवा ।

पि णा टिद् खा शि

ज्येष्ठामात्यम्मदं शुक्रास्यत्वाभी

टी कि ता था क

याक्षाराऔहोवा । धाराक्रुतस्यसादा

टाट् ख शि कट डु

ने ॥११ ॥

ख

इममी न्द्रसुतांपिबा । ज्येष्ठाममा

णिफ् खि शा कि

त्यम्मदं । शुक्राउवोवा । स्यत्वा

टि खीश का

भ्यक्षरन्धाराउवोवा । क्रुताउवोवा । स्यसाद्

षु खाश खीश

नाइ । होइळा ॥१२ ॥

खीश फु शा

इममिन्द्रा सुतम्पीबा । ज्येष्ठामामर्क्त्या

फी णि फ च का का

माम्मादामौहौहुवा औहोवा ।

य टाटट कि तत

शुक्रास्यत्वाभायाक्षारानौहौहुवा औ

ची कय टटट कि

होवा । धाराक्रुताऔहौहुवा औ

तत था टाटट कि

होवा । स्यासादाना इ । ओइळा ॥१३ ॥

तत टि खण्श प शा

इममिन्द्रसुतांपिबज्येष्ठाम् । आमर्क्ताया

पि शृ च काय

म्मादाम् । शुक्रासियात्वाभियाक्षार न् । धा

टा की टि खण

राउवोवा । आर्क्ताउवोवा ।

॥वसिष्ठस्यर्वकानिचत्वारिन्द्रस्यवाप्रियाणि आकूपाराणिवा ॥

यदिन्द्रो हाइ । चीत्रामाईहना

ति त श च चाट पा

अस्तित्वादा होइ । तामद्राइवोरा

फीझूत श चि टा प

धस्तन्नोवीदा होइ । वासाउभयाहस्ति

णि फाझूत श डु

याउवा । भारो हाइ ॥१५ ॥

कि ता झा शा

यदिन्द्रचित्रमौहोवाइहाना । अस्तित्वादातमा

षू ता खि श षी

उवाआउवाद्राइवाः राधस्तन्नोविदाउवा

की किख झा षी की

आउवाद्वासो । उभयाहस्तयाउवाआउवा

कि ख श षू का कि

भारो । हाइ ॥१६ ॥

झा झु श

यादिन्द्रोचित्रामाईहाना अस्ताइत्वादाकि)

पि झा खिण टा

तामद्राइवोराधस्तन्नोवीदद्वसाबु । ऊभा

चुथ टि च चि श चा

याहास्तायाभारो । हाइ ॥१७ ॥

टा प श ख झ शा

यदिन्द्रचित्रमाई हनास्ति । त्वादातमद्रिवोराध

षू फा खाश षू

स्तान्नो । वीवीदद्वसाबु । ऊभायाहा

टू त टा चि श चा टा

स्तायाभारा । ओइळा ॥१८ ॥

टा ट खण् प शा

॥तिरश्वेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥

श्रुधीहावांहावान्तीरश्व्याः । इन्द्रया

का टा टा चि क टा

स्त्वसपाहार्यातीया । सुवीर्यस्यगोमतो

त टा त टा त षी

रायास्पूर्द्धी । महंयसिया । ओइळा ॥१९ ॥

की टा त टा खिण् प शा

श्रुधीहावान्तीरश्व्याः । इन्द्रायस्त्वासपर्याताएटा)

ख ष्ठि क कू

सुवीर्यास्यागो । माताःरायास्पूर्द्धीहाहा

खी ण टा टी त त

इ । महंयसी । होइळा ॥२० ॥

श ष्ठी ष्ट शा

॥वैश्वामित्रम् ॥

असाविसोमइन्द्राते शवाइष्टाधृ । ष्णावागाहि । आत्वापृणाहात्कुवीन्द्रायम् ।

चू फा खीश त पा श टी त टा खण

राजस्सूर्योवाउवोवा । नराशिमभीः ।

की खिश ष्ठी

होइळा ॥२१ ॥

ष्ट शा

॥काण्वेद्वे ॥

एन्द्रयाहीहरीभाइः ।उपाकण्वास्यासूष्टु तिम् ।देवाअमूष्या

खि श स्त्री श त ता च खाण ता ता

शासाताः ।दाइव यथाआउवा ।

का ख ण कि ता टि

दाइवावासो ।हाइ ॥२२ ॥

ख शाख प्ल शा

एन्द्रयाहीहरिभीरुहुवाहाइ ।ऊपाकण्वा

षी तूत श का

स्यासुष्टुतिमुहुवाहाइ ।देवाअमूष्या

कि दूत श कि

शासाताः ।दाइवय्ययाउवा ।दी

का ख ण कु श ख

वा ।वसोहा ।होइला ॥२३ ॥

रा डिप्ल शा

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

आत्वागाइरोराथीरीवा ।अस्तुस्सुते षुगिर्वा

खु स्त्री चीक य

णा ।ओवा ओवा ।अभित्वा सा

टा ख शप्ल ख ण किच्

मानूषाताओवा ओवा

काय टा ख शप्ल ख ण

गावोवात्सन्नाधोबानावो ।हाइ ॥२४ ॥

भि तच् क प प्ल ष्टा शा

॥इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा ।शुद्धंशुद्धे नासाम्ना ।

तू त की टात

शुद्धैरुक्थैर्वावृद्धवांसाम् ।शुद्धैराशी ।

कु टात टित

र्वान्ममाऔहोवा ।तू ॥२५ ॥

च खा शि ख

एतोन्विन्द्रंस्तवामा ।शुद्धंशुद्धे नासाओ

तू त कीच क

म्ना ।शुद्धाइरूक्थाइर्वावृद्धवांसम् ।

टा भीत चा खाण

शुद्धैराशी ।र्वान्ममामातूइळाभा ।ओइळा ॥२६ ॥

टित च चा टि खण् प शा

॥गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥

योरयिंवोरयाहाबु ।तामाः ।

कू त श ख झ

योद्युम्नैद्युम्नवाक्तमासोमसुतस्सायाहोइन्द्रता

षि कु टू टी

इ ।आस्तिस्वधापाताइहोये ।मदोइळा ॥२७ ॥

श टू टि खा झा

योरयिंवोरयिन्तमोहाइ ।योद्युम्नैद्युम्नवाक्तमोहाइ ।सोमसुतस्सइन्द्रतोहाइ ।

फू खा शा फू खा शा

अस्तिस्वधापातेमदोहा ।होइळा ॥२८ ॥

चीक फ खा फू शा

पञ्चम स्वरणः

॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥

प्रत्यस्मैपीबाहाबु ।ओइषाताइइ ।

तु त श ति त श

वाइश्वानी वाइदूषे हाइभारा ।आ

कि चक् टीत ता त

रा झमायाजाहा ।गमायायपाश्चा

ठाच् का टात था टिट्

हाओहोवा ।घ्वनेनरा: ॥१ ॥

ख शि टा खा

प्रत्यस्मैपीपीषताइ ।वाइश्वा नीवाइदूषे

ती ति श किचक टि

भारा ।आरा झमायजग्मायायपश्चाइघ्वना

य टाचक षु टू

होइ ।नाराओहोबा ।होइळा ॥२ ॥

च श टि ख पु फु शा

॥नानदन्तृतीयम् ॥

प्रत्यस्मैपीपीषताइवाइश्वानिविदुषेभा

फु ता पा प्लुड

रा ।अरझमायाजग्मयोहायापाश्चाहाः ।घ्वा

श फु खा डु क

नोबानारो ।हाइ . ॥३ ॥

प फु फ्ला शा

॥शाकपूतञ्च ॥

आनोवयोवयशशायाम् ।माहान्तञ्ज्ञराइष्टाम् ।

षी ति त खु शा

माहान्तंपूर्वनाइष्टाम् ।उग्रंवाचोअपावा ।धीः ॥४ ॥

खु णा टि खी त्र

॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥

आत्वारथंयथौहोवा । तायाइसूम्ना ।

षी ति त का खा ण

यावर्क्तयामसीतुविकूर्मी मार्क्ती । षहां

षू दु टच्चख ण का

माइन्द्रं शावी । षासात्पार्ती । ओइळा ॥५ ॥

कि खण टि खण प शा

आत्वारथंयथोताया आत्वारथाम् । याथोताया

फू खा शी टी

औहोवा । ई हा । सुम्नायावा

खा श ख श चिक

क्तायामसीयौ होयौहोवा । ई हा

कुच्चय ट ख श ख श

तुविकुर्मीमृताइषहमौ होयौहोवा ।

ची क कुच्चय ट ख श

इन्द्रंशावीष्टासात्पतिमौ होयौहोवा ।

ची कुच्चय ट ख श

ई हा ॥६ ॥

ख श

॥मधुश्वन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥

सपूर्वोमहोनामे | वेनाः क्रातूभाइरानाजे
तूत चिक डु

हाहा औ हो वा आइही | यस्याद्वारा
त ट त ट ता का था

मानूः पीता हाहा औ हो वा आइही | दा
टी त ट त ट ता

इवाइषूहाहा औ हो वा आइही | धीया
डुत ट त ट ता का

आना जा औ हो वा | मधु श्यूताः ॥७ ॥
टाटख शि ता टाख

॥उषसश्वसाम ॥

यदीवहन्त्याशवोयद्येयादी | ओइवहन्तायाशावाः ।

षू तु यू ट

ओइभ्राजमानारथाइषूवा | ओइपिबन्तोमदीराम्मा
षू येट षु यी

धू | ओइतत्रश्रावांसिक्राउवा ओबाणवातोप्ला
ट षू कीप प्ल

हाइ ॥८ ॥

शा

॥गौतमम् ॥

त्यमुवोअप्राहाणम् | गृणीषेशवासस्पाताइमिन्द्रावाइश्वा | साहं होये | नारमोइ | शचाइष्टांवी | श्वाहोबादासां | हाइ ॥९ ॥

षि खीण का कि टुख णा का पा ति श पी ण टा खङ्ग प्ला शा

॥अग्नेश्वदधिक्रम् ॥

ओहाइदधिक्रविणोअकार्षमोहाइ ।

त षू तू तश

ओहाइजिष्णोरथस्यवाजिनाओहाइ ।

त षी दू चाश

सुरा भीनोमुखाकारात् ।प्रणा होआ

का का टि त टाच्य

यूंहोषीताराइषा त् ।ओइळा ॥१० ॥

टय टि खाण् प शा

॥मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैधातिथंवा ॥

पूरांभिन्दुर्युवाकविः ।आमीतौजाआजा

फा खी शा की

याता ।आइन्द्रोविश्वास्याकर्मणाः ।

टि त दु काख ण

धर्त्तावाज्ञौवाउवोवा ।पुरुष्टुताः ।

की खिश प्लिश

होइळा ॥११ ॥

षु शा

षष्ठ स्तुतिः

॥वामदेव्यञ्च ॥

प्रप्रवस्त्रुभमिषमोहा ए । वन्दद्वीरा
 शु तू त का थाच्
 या आइन्दवा । ओहा ओहा ए ।
 का टि ट ट ट ट
 धीयावो मेधसाताये ओहा ओहा ए ।
 यू प शट त ट त ट
 पुरान्धीया । वीवो बासातो । हाइ । ॥१ ॥
 मि त क प फ़ ल्ला शा
 ॥काश्यपञ्च ॥

कश्यपस्यस्वर्विदाए । या आहुस्सायूजा
 षी ति त ची का
 वाइतीयायोर्विद्धा । मापी ब्रताइ ।
 य पा फा फा फा ता श
 यज्ञान्धीरो । नीचाया याऔहोवा । ऊपा ॥२ ॥
 मि त टिर्ख शि ख श

॥अग्रेवैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

विश्वानरा ।स्यवास्पातीम् ।आनानतस्या
ती य टा कु

शावासाः ।एवैश्वर्चर्षणा इनाम् ।
च य ट क च टीच् चा

ऊतीहूवाइरथानाम् ।हाइ ॥३ ॥
का का पि ष्ठ शा

विश्वानरस्यवौहोस्पातिम् ।आनानता
खा पूड श टी

हा ।स्याशावासाः ।एवैश्वर्चर्षणा
त का ख ण क च पी

इनाम् ।ऊतीहूवाइरथानाम् ।हाइ ॥४ ॥
त्रा का का पि ष्ठ शा

॥शाकपूतेद्वे ॥

सधायस्ताए । दिवोनाराए । धियमार्क्ताए
 टी त टीत टीत
 स्याशाम्राताए । ऊताइसाबृए । हातोदीवा
 टी त टुत टी
 ए । द्विषोआंहाए । नातारातिइळाभा ।
 त टीत चि टि खण्
 ओइळा ॥५ ॥

प ष्ठा
 सधायस्ताइ । दीवोनरोधियोमार्क्तास्या
 ती श का की टा
 शम्राताः । ऊतीसाबृहातोदीवाः ।
 का चा था टा का चा
 द्विषोआंहो । नातारातिइळाभा । ओ
 का टा चि टि खण् प
 इळा ॥६ ॥
 ष्ठा
 ॥प्रैय्यमेधञ्च ॥

अर्चतप्रार्चतानाराः ।

षू ख पु
 प्रियमेधासोआर्चाता । अर्चन्तुपू त्राका
 खी चा फा खी चा
 ऊता । पूरमिद्वाषुवार्चा । ताः ॥७ ॥
 क फ क टि खि त्र

॥बार्हदुकथम् ॥

उकथमिन्द्रा ।याशंसायाम् ।वार्धनं
ती दि त कि
पुरुषिष्ठाइधाइ ।शक्रोयथा ।सूते
टी ता श मि त का
षूनाः ।रारणात्सा ।खीया
खण क टा त का
इषूचा ।ओइळा ॥८ ॥
टा खण प शा
॥वरुणान्याश्वसाम ॥

विभोष्टइन्द्रगाधासाः ।विभवीरातिशशतोकृतो
षि ति त टी कु
शताक्रताबु ।आथानोविश्वर्चर्षणे
टा चा श का चू
श्वचार्षाणाइ ।द्युम्न्सूदत्रमंहयत्रमांहा ।या ॥९ ॥
टा चा श कु खु त्र
॥उषसश्वसाम ॥

वयश्वाइक्तेपत्रिणाः ।द्विपाश्वतूष्पदर्जू
खि गू षि कि
नायेउषःप्रारान् ।ऋतुं रनूदिवोआन्ते ।
पा शी का की टा
भायास्पारो ।हाइ ॥१० ॥
प श ख फ शा

॥देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥

आमिये देवास्थना । मध्ये ये रोचने दिवाः का
 षि ती षी चु
 द्वाक्रताङ्कादमार्कृता । काप्रल्नावाआहू
 की टि कि टि
 तीः । ओइळा ॥११ ॥
 खण् प शा
 ॥ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥

ऋचं सामयजा । महाइयाभ्याङ्कमाणीकृणवा
 तु षु कि टि
 ताइ । वीतेसद सिराजाताः । यज्ञान्दाइ
 त श की टि त टि
 वे । षूवाक्षताइळाभा । ओइळा ॥१२ ॥
 ता का का टा खण् प ष्ठा
 ॥ऋचं सामायाजामहाइ । याभ्यांकर्मा
 खी प्लीश चा थाच
 णीकाणवाताइणवताइ । वाइतेसद सी
 काय ट टि श कुच
 राजातोजाताः । यज्ञान्दाइवे षू
 काय ट टा काय टा
 वाक्षताइळाभा । ओइळा ॥१३ ॥
 का का टा खण् प शा

ऐन्द्रपाठः

प्रथम खण्डः

॥त्रैशोकम् ॥

विश्वोहाइ ।पार्क्तनाआभिभूतर न्नाराः ।

ता त श टि कि काच्चक च

साजूस्तातक्षुराइन्द्र न्जजनुश्वराजासोहाइ ।क्रत्वौहोइवारौहोइस्थेमन्यामू

चा वि कि का वि पाणश कु की टा ख

रीम् ।उतोहाइ ।उग्रामोजिष्ठन्तारा सम् ।ओइतरा स्वीनमोवा ।ओइजीवा ॥१ ॥

ण ता त श पि श खि ण खि शि शि श

॥शैखण्डिनेद्वे ॥

श्रक्तेहोश) ।दधाहो ।मिप्रथमायमान्यावा

ता त टा त टी काय ट

इन्यावाइ ।अहन्होइ ।यद्धाहो ।स्युन्नर्यविवे रापाआपाः ।उभेहोइ ।यत्वाहो ।रोदसीधावतामानूआनू ।भ्यसा

श टा श ता त श टि त टि चाय ट टा ता त श टा त टि किय ट टा त

द्वोइ ।तेशुहो ष्मात् ।पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः

त श काथच्चक टि चाय ट टा

द्री ।वाऔहोवा ।हाहाउवा ।ई ॥२ ॥

ट द ख शि क ति ख

श्रक्ताइ ।दधा मिप्रथमायमान्यावाइन्यावाइ ।अहन्यद्दा स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।उभाइ ।यत्वारोदसीधावतामानु

ता श थाच्च टी काय ट श टा श का थिच्च टि काय ट टा ता श थ टि किय ट

आनु ।भ्यसाक्तेशु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः ।द्रीवाए हियाहा ।होइला ॥३ ॥

टा ता थाच्चक टि चाय ट टा काख छाश पु शा

॥अत्रेविवक्तोद्दौ ॥

आयोवाआयायोवा ।श्राक्ताइ ।दाधा ।मिप्रथमायमान्यावाइन्यावाइ ।आयोवाआयायोवा ।

चाट चिट प शा खण टी काय टश टाश चाट चिट

आहन्याददा ।स्युन्नर्यविवे रापाआपाःआयोवाआयायोवा ।ऊभाइ यात्वा ।रोदसीधावतामानुआनूआयोवाआयायोवा ।भ्यासाक्ताइशू ।ष्मात्पृथिवीचीदा
प श ख ण टि चाय ट टा चाट चिट प शा खण टि किय ट टा चाट चिट प श ख ण क टि चा

द्रीवोद्रीवाःद्रीवाऔहोवा ।हाहाउवा ।द्रिवऔ

य ट टा टटख शि त ति चि

होह म् ॥४ ॥

ट तच्

ईयोवाईयायोवा ।श्रा

चाट चिट प

काइ ।दाधा ।मिप्रथमायमान्यावाइन्यावाइईयोवाईयायोवा ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।ईयोवाईयायोवा ।ऊभाइ या

शा खण टी काय टश टाश चाट चिट प शा खण टि चाय ट टा चाट चिट प शा ख

त्वारोदसीधावतामानुआनूईयोवाईयायोवा ।भ्यासाक्ताइशूष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीख)ओहोवा ।हाहाउवा ।द्रिवईयोह म् ॥५ ॥

ण टि किय ट टा चाट चिट प शा खण क टि चाय ट टा टट शि त ति चिट तच्

॥महासावेदसेषे ॥

आयाम् ।श्रक्ताइ ।दधा ।

त त प श ख ण

मिप्रथमायमान्यावाइ

टी काय ट श

न्यावाइ ।आयाम् ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाःआयाम् ।ऊभाइ यात्वारोदसीधावतामानूआनूआयाम् । ।भ्यासाक्ताइशुष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीख) औहो
टा श त त प श ख ण टि चाय ट टा त त प श ख ण टि किय ट टा त त प श ख ण क टि चाय ट टा टद

द्रिवोद्रीवाः

चाट ख

अयय्याः ।श्रक्ताइ ।दधा ।

ति चा शा थाच्

मिप्रथमायमान्यावाइ

टी काय ट श

न्यावाइ अयय्याः ।अहन्याददास्युन्नर्यवीवे रापाआपाःअयय्याः ।

टा श ति चा थि टि चाय ट टा ति

उभाइ यत्वारोदसी

चा श थाच् टि

धावतामानूअयय्याः ।भ्यसाक्तेशु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीख)

किय ट ति चा थाच्क टि चाय ट टा टद

औहोवा ।हाहाउवा ।द्रीवाई ॥७ ॥

शि त ति टा ख

॥शैरीषेद्वे ॥

औहोहोहाइ ।श्राक्ताइ ।दाधामिप्रथामा

ता त त श ख शा फा फी

यमन्यावे यमन्यावाइ ।अह व्याददास्युन्नर्य

खि श खि ण श णा फि फी

वीवेरा पोवीवेरा पा: ।उभाइयात्वारोदसीधावतामानूवतामानू ।भ्यसाक्ताइ

खि श खि ण णा फि फी खि श खि ण णा

शूष्मात्पृथीवीचीदाद्रीवोचिद्रद्राइवाः ।द्रीवा

फि फी खि श खि ण टट्ख

औहोवा ।हाहाउवा ।एद्रीवाईहा ॥८ ॥

शि क ति त काटख

श्रक्ताऔहोहोहाइ ।

टि त त त श

दधा मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ ।अहाौहोहोहाइ ।यददा स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।उभाऔहोहोहाइ ।

थाच् टी काय ट श टाश टि त त त श थिच् टि चाय ट ट टि त त त श

यत्वारोदसीधावतामानूआनूभ्यसाऔहोहोहा

थाच् टि किय ट य टि त त त

इ ।ताइशू ष्मात्पृथीवी

श थिच् क टि

चीदाद्रीवोद्रीवाः ।द्रीवाौहोवा ।हाहाउवा ।द्रीवए द्रीवाः ॥९ ॥

चाय ट ट टट्ख शि क ति चि टाख

॥इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥

समोहाइ ।आइतविश्वाओजासापतिमोइदिवाहाहाइ ।यआइकाईत् ।भूरातिथिर्जनानांहाहाइ ।सापूर्वायोनूतानमाजिगाइषान्हाहाइ ।

ता त श षु कि कि पि ष्ट ड श चा या ट च चा टि ख ष्ट ड श टी का चा टा खा ष्ट ड श

तंवार्कृतानीरानुवा

क या टच्क टा

वृतआएक्याउवा ।

चि ट का ता

बृधे ॥१० ॥

ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दिवयाहौहौहोवाई या ।यआईकाईत्भूरातीथिर्जनानांहौहौहोवाई या ।सापूर्वायोनूतानमाजिगा

षृ तु कि ट ट त टा त त या ट ट था टि क ट ट त टा त टि का चा चा

इषान्हौहौहौहोवाई या ।तंवार्कृतानीरा

का ट ट ट टा त क या टच्क

नुवावृताआयेक्या

टा चा च ट का

उवा ।महे ॥११ ॥

ता ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दाइवायाऔहौहो

षृ तु यि ट ट ट ट

वाओमोवा ।यआइकाई ।त्भूरातीथिर्जनानाऔहौहोवाओमोवा ।सापूर्वायोनूतानमाजिगाइषान्हौहौहोवाओमोवा ।तंवार्कृतानीरानुवावृत

चिश चा या ट च चा टि टा ट त चिश चा य ट का चा टा टि ट त चिश का य टच्क टा

आएक्याउवा ।धर्माणे ॥१२ ॥

चि ट का ता टा ख

॥वैरूपाणित्रीणि ॥

इमेतया ।न्द्रातेवयम्पुरुषृष्टता ।येत्वारभ्यचरामसिप्रभूवासाबु ।नाहित्वादन्योगिर्वणोगिरा
ती दू टा षी दू टा श सु ड

स्साधात् ।क्षोणीरिव प्रतितद्वर्य
टा क षि

नोवाचावचाउवोवा ।होइळा ॥१३ ॥
दू पा सु फु शा

इमेतया ।न्द्राते वयम्पुरुषृष्टतायाइत्वा ।राभ्या ।चारामसीप्रभूवासाबु ।नाही त्वादा न्योगिर्वणोगिरा स्साधात् ।क्षोणीराइत्वाप्रातीतद्वरीयानोवाचा ।ओइळा ॥१४ ॥
ती का कू य टच य टच कू टा श य टच य टच ची का चा य टच य टच का कि टिखण प झा

इमेताइन्द्रतेवयं)पुरुषृष्टतोवा ।येत्वाराभ्याचरामसीप्राभूवासाबु ।नाहित्वादा
पि सु फ्लिडश टी खी चा फा श टी
न्योगिर्वणोगीरा साधात् ।क्षोणीराइवा प्रातीतद्वर्यनोवाचाः ।होइळा ॥१५ ॥
खी चा फा टुच टी झी फु शा

॥बार्हदुकथञ्च ॥

चर्षणीधृतांहाबु ।माघवानामुकथायाम् ।इन्द्रज्ञीरोबृहतीरा भ्यानूषाता ।वावृधाना
तु त श कि टि त सु की टि त टी

म्पूरुहू तांसुवाक्ताइभीः ।आमा र्तीयाजरमाणान्दाइवे ।दाइवोहाइ ॥१६ ॥
टिच टिख णा टच का टी प शा ख झा शा

॥त्रासदस्यवेच ॥

अच्छावइन्द्रम्मतयस्वर्यूवाए ।सद्गीचीर्विश्वउशतीरनूषाता ।पारीष्वजन्तजनयोयथापातिं ।मर्यन्नाशू ।न्ध्यूर्मधवानमू औहोवा ।तया ई ॥१७ ॥
सु तू त सु कु टा सु कु टा टि त टी खा शि ताच ख

आच्छावइन्द्रम्मातयाः ।सूवार्यूवा साध्रीचीर्विश्वाऊ
प सु डा क टिप सु

शतीः ।आनूषतापारिष्वजन्ताजनयाः ।या
डा क टि प सु डा क

थापताए मार्यन्नशुन्द्युर्ममाघवा ।नामूतायाबु ।बा ॥१८ ॥
भीप सु डा क काच श टख

॥सौभरेद्वे ॥

अभित्याम्मेषम्पूरुङ् । तामृग्मायाम् । इन्द्राज्ञीभाईर्मदतावस्वोअर्णावामोहाहाइ । यस्यद्यावोनविचर न्तीमानूषामोहाहाइ ।
 खि प्लि ड श चा टा ता ता चू का पा ष्ट त श ची कीच॒श कि प्लि ष्ट त श

भुजेमंहिष्ठमभिविप्रमर्चतादुरातिना औहोवा । ऊपा ॥१९ ॥
 षू कू टा खा शि ख श

त्यंसूमेषम्माहयासूवर्वाइदाम् । शतांयस्यसूभुवस्साकामाइराताइ । अत्यन्नवाजंहावानस्यादांराथां । आइन्द्रं ववृ
 खा प्लि डा टि ता ता चि चि का याट श षू चा का च यट कि च का

त्यामवसाइसूवृ औहोवा । क्तीभीः ॥२० ॥
 दूख शि ख श

॥वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥

घृतवतीभुवनानामभाइश्रिया ।
 षू ती ति

उर्वापृथ्वीमधुदुघेसुपेशासाद्यावापृथिवीवरूणास्याधर्मणा । वाइष्कभीतायाजरे भूरिराईतसाउवा । इन्दुस्समुद्रमूर्वीयाविभाती ॥२१ ॥
 षु कू च षू की चि कीच कि टि कि ता का कु कि ख

घृतावाताइभुवनानामभाइश्रियाउर्वापृथ्वीमधुदुघेसुपेशाहोइ । द्यावापृथ्वीवरूणास्याधर्मणाहोइविष्काभाइते । आजरे
 णा फा सी षू षू दू च श षी की टि च श टि ता कि

भूरिराईतसाउवा । एइन्दुस्समुद्रमूर्वीयावीभाती ॥२२ ॥
 चि कि ता ता का कु कि ख

॥इन्द्रस्यचश्येनः ॥

उभेयदिन्द्ररोदसाइ । आपाप्राथाइषाआउवाई वा । माहान्तन्तवामहाइनाम् । सम्राऔहो । जञ्चक्रिषणाआउवाए । नामा । देवीजनत्रयाजीजानात् । भद्राऔहो । जानित्रयजा
 तू ता श टा का ता टि ख श टी टी पि श कि ता भी त ख क यू टा पि श टि ता
 आउवा । एजनादा ॥२३ ॥
 टि त का ख

॥वैरूपम् ॥

प्रमन्दाइनाइ । पितुर्मदार्चातावाचाः । याः कृओवा । षणागर्भनीराह नृजाइश्वानाअवस्थावाः । वृषाणं वाज्रादक्षा
 खि शि खी चा फा टाखण चि कि ड खि ण कि का खा
 इणम् । मारौ वाउवोवा ।
 णा का खि श
 त्वन्तं सख्याय उहुवाइ महाबु । बा ॥२४ ॥
 षु झि झि श श

द्वितीय खण्डः

॥यामम् ॥

स्वादोरित्थाविषूवतोमाधोःपिबन्तिगौर्याः ।

फू ता प शू

याइन्द्रेणासायावारी ।वृष्णामद् न्तीशोभा

की टि त चा काच्चक टा

था ।वस्वाइरानू ।स्वारा ज्यामिळाभा ।ओइला ॥१ ॥

त चा याट का टि खण् प शा

॥गृत्समदस्यमदौद्वै ॥

इत्थाहिसो ।माइम्मादाः ।ब्रह्माचाकारावर्दधानाम् ।शाविष्ठवज्ञिन्नोजासा ।पृथिव्यानिशशाआहीमर्च्चान्नानू ।स्वारौहोवा ।जीयमोइला ॥२ ॥

ती टि त की च टात कु टात कि कि का चाय टच्च चिकच्च क प्ला शा

इत्थाहिसोमइम्मदाः ।ब्रह्माचाकारावर्धानाम् ।शवाइष्ठावज्ञिन्नोजासावपृथिव्यानिशशा

की की की टि ख स्वीश खिण कि कि

आहीमर्च्चान्होइनोहोइस्वारा ज्यामिळाभा ओइला ॥३ ॥

क कि टि की टि खण् प शा

॥आभीशवेद्वे ॥

न्द्रोमदा ।यवावाद्वाइ ।शवसेवृ त्रहानृ भीः ।तमिन्महत्स्वाजा

ती खि शा की खिप्ल खू

इषू ।ऊतिमर्भेहवामाहाइसावा ।जाइषूप्रनोबावावाइषाद्वाइ ॥४ ॥

शा षी खि शी पु फ्ल शा

इन्द्रोमदायवावृधाइ ।शवसेवृ त्राहानृभीस्तामिन्माहात्साहाबुजाइषु ।ऊतिमर्भेहवा मा

फी कीश की काय प षु शु क दुच्चख

हाइसावा ।जाइषूप्रनोबावावाइषा ।द्वाइ ॥५ ॥

शी पु फ्ल ष्ल शा

॥आभीकेद्वे ॥

इन्द्रोमदायवावृधाइ ।शवसेवृत्राहानृभीराओहोओहोवाहा ।तामिन्महत्स्वा
फी कीश किच टा का श टिच्कट ख ड

जिषु आओहोओहोवाहा ।ऊतिमर्भे हवामाहा आओहोओहोवाहा
का श टिच्कट ख क कि टा का श टिच्कट ख
सावाजेषु प्रानो ।वाइषा ।द्वाइ ॥६ ॥

यीप श ख झा शा
इन्द्रोमदायवावृधेशवसेवृत्राहानृभीः ।तामिन्महत्सुआजिषुऊतीमार्भाइ ।हवामा
षु तू चायट का टि टि काखण श टा

हाइ ।सावाजेषु प्रानो ।वाइषा ।द्वाइ ॥७ ॥

चा श यीप श ख झा शा

॥बार्हगिराणित्रीणी ॥

इन्द्रो मदायवावृधेशवासाइवृ ।त्राहाओहोवा ओहोवानृभाइः ।तामिन्महत्स्वाजिषुतिमार्भाइ ।हावाओहोवा ओहोवामहाइ ।सावाजेषुप्रनाओहोवा ओहोबावाइषा ।द्वा
ताप् ता दूखणा टा तात् खा शी की दूत श टा तात् खा शी दू तात् खा झ लि

इन्द्रो मदायवावाद्वाइ ।शवसेवृत्राहानृभीः ।हाबुहौहोवा ।तामिन्महत्सुवाजिषुऊतिमर्भे हवामाहे ।हाबुहौ
खा झीड शा की कायप फित त कुट पाक कि कायप फि

होवा ।सावाजेषु प्रानोवाइषाद्वाइ ॥९ ॥

त त यीप श ख झा शा

ओहाइन्द्रो मदायवावाद्वाइ शवसेवृ त्राहानृभीः ।
फा खा झीड शा कीच कायप

आबुओहोवा ।तामिन्महत्सु
फित त कु

वाजिषु ।आबुओहोवा ।ऊतिमर्भाइहवौहोवामाहे ।सावाजेषुप्रानो ।वीषादौहोबा
ट पा फित त क कू था टा यप श पि झा
होइल्ला ॥१० ॥

झ शा

॥इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥

इन्द्रतुभ्यमिदद्रीवाए ।आनुक्तंवत्रि न्वीर्यै यद्वात्याम्भा ।याइनमृगा न्तावात्याम्भा ।यायावधी रच्चान्नानूस्वारा ज्यामिलाभा ।ओइळा ॥११ ॥
षी तीत कुच का कायट कुच कायट कीच कायट का टिखण प शा

॥कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥

प्राइहि आभिहिधृष्णुहाौहो ।नाता इवज्ञोनियंसताऔहो ।आइन्द्रो नृम्णंहितेशवाऔहोहानो वृत्रन्जयाअपाौहो ।आर्च्चान्नानूस्वारा ज्यामिलाभा ।ओइळा ॥१२ ॥
टिच्क कुट त टाच षि डुत टिच षी टित टाच षी टित टा टा का टिखण प शा

॥वैदन्वतम् ॥

यदुदीरातआजयाः ।धृष्णवेधी याताइधानम् ।युद्धामदच्युताहारी ।कंहनःकंवसा
फी शा का कीच का या ट क टुखण क क

बुदाधाः ।अस्मिन्द्रा
खाण ता ता

वासौदाधाः ।ओइळा ॥१३ ॥

टिखण प शा

॥यामेद्वे ॥

अक्षन्नामीमादन्तहीयावप्रियाधुष्टा ।आस्तोषतस्वभानवोविप्रान्नावीष्टायामतीयोजानू
ची क फ ता प शु का कू भि त की टि

वा ।इन्द्रा ताऔहोवा ।हारी ॥१४ ॥

त टाट्ख शि खश

उपोषुश्रुणुहीगिरए औहोवा ।माघवन्मातथाइवाकदा
षू ति खात्र क टि प्ला खा

नस्सु ।नार्कतावतःकरा इदर्था
ता का की चि

यासाई द्योजान्वाइन्द्राताऔहोवा ।हारी ॥१५ ॥
य पा खा ता टाख शि खश

॥त्रैतानित्रीणि ॥

चन्द्रमायाउवा प्सूआन्ताराउवा ।सुपर्णोधाउवा ।वातेदिविनवोहाइरा उवा ।ण्यानाइमायाउवा ।पादंविन्दाउवा न्ति
क कुच्चक कु कुच्च क षु किच्च का क कुच्च कुच्चक
विद्युतोविक्तम्मायाउवास्यारोदासा इ ।ओइळा ॥१६ ॥

कि कू काट खण् श प शा
चन्द्रमाया ।प्सूआन्तारा ।सुपर्णोर्धा वाताइदीविया ।नवो हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युतोहाइ ।विक्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओ
ती त पा श कीच्चक ट चा त टाच् का क कू पीण श दू कथ टि खण् श प
इळा ॥१७ ॥

शा
चन्द्रमायाप्सूअन्तरा ।सुपर्णोर्धा वाताइदाइवि ।नवो हीर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।विक्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओइळा ॥१८ ॥
खीश ष्ठि कीच्च यी टा टाच् का क पी कि टि दू कथ टि खण् श प शा
॥सौपर्णेद्वे ॥

चन्द्रमायप्सुआ ।न्तारासुपर्णोर्धा
तु कुच्च

वातेदाइवी ।नवोहोइ ।
टि ता टाच् श

हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।विक्तंहोइमायाहो स्यारोदासाओहोवा ।उऊपा ॥१९ ॥

का का शा कु टि दू कथ टि ख शि खाश

चन्द्रौहोमायप्सूअन्तराओवा ।सुपर्णोर्धावातेदाइवाएहोवाहो

इहुवोइ ।नावोहाइरण्यनाइमायाहोवाहोइहुवोइ ।
ति श षु टी काख ति श

पादंविन्दन्तिवाइद्युताहोवाहो
षु टी काख

इहुवोइ ।विक्तम्मेअस्यरोदासाएहोवाहोइहुवोवा ।उऊपा ॥२० ॥

ति श षु टि काख खित्र खाश

॥लौशम् ॥

प्रातिप्रथतमराथाम् ।वार्षणंवासूवाहानाम् ।स्तोतावामाश्चिनावार्षीः ।स्तोमाभीः
भूषातिप्राती ।मध्वाइमामा ।श्रूतां ।हाआवांहाइ ॥२१ ॥

का खाण भी त प श ख छा शा

तृतीय खण्डः

॥इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥

आतेअग्रइधीमाहाइ ।द्युमन्तन्दे वाआजरामा ।

प प्रूडश तीचकट च ता

यद्ध्यास्याताइ ।पानीयासी ।सामीदिद यताइद्याविया ।ईषंस्तोतृभ्याया ।भारो ।हाइ ॥१ ॥

मि त श काख ण की टा चा ता टि तप श ख प्ल शा

आतेअग्रइधीमाहाइद्युमन्तान्देवाआजर म् ।यद्धस्यातेपनीयसीसमिदिद्यताइ ।हिंहिन्द्यावी ।इषंस्तोतृभ्याया ।हिंहिंभारो ।हाइ ॥२ ॥

फु खा प्ली ख प्ली षु तू श ट खाण टि शप श प श ख प्ल शा

॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥

आबुओहोवा ।अग्निस्ववृत्तिभीः आबुओहोवा

फि त त षी किख फि त त

होतारन्त्वावृणीमहे आबुओहोवा ।शीरम्पावा

षी कीख फि त त क थाच्क

काशोचिषं विवोमादाइ आबुओहोवा ।यज्ञाइषुस्ती

की खिण श फि त त कु

र्णवर्हिषां आबुओहोवा ।विवक्षसे ॥३ ॥

कीख फि त त च खि

अग्निस्ववृत्तिभीः ।इहइहाहाइ ।होतारन्त्वावृणीमहे इहइहाहाइ ।शीरम्पावाकाशोचिषं इहइहाहा

का कु तीत श षी का का तीत श क थाच्क की तीत

इ ।विवोमादाइ ।इहइहाहाइ ।यज्ञाइषुस्तीर्णा

श खिण श तीत श षु

बर्हिषं इहइहाहाइ ।वाइवाओहोवा ।क्षासे ॥४ ॥

की तीत श ट खा शि ख श

॥सत्यश्रवसोवार्यश्वसाम ॥

महाइमहोनोअद्यबोधाया ।उषोराये दिवित्माती ।यथाचीन्नो ।आबोधायाः ।सत्याश्रावासिवाव्याइ ।सुजाते आ ।श्वासु ।
 खा षी हि ड श की चक टा त मि त का खण मि त टा खण् श मि त प श
 नार्क्तो ।हाइ ॥५ ॥
 ख पु शा
 ॥उषसश्वसाम ॥

भद्रन्नोअपिवातया ।मानोदक्षामूताक्रातूम् ।आथाते सख्येअन्धासावीवोमादाइरणागावो
 पि शु टा की खण च था का टि खिण श टा टाच्
 नायवसाइवाइवाऔहोवा ।क्षासे ॥६ ॥
 क टुट खा शि ख श
 ॥लौशञ्च ॥

कृत्वामहं अनुष्वाधाए ।भीमाआवा वृताइशावाः ।श्रीयाञ्छ्वाञ्पाकायोः ।नीशिप्रीहारीवान्दाधाइ ।हस्तायोर्वा ज्ञामोबायासां ।हाइ ॥७ ॥
 षी ती त चा थाच् का या ट ता ता का खण ची काय ट श मि त चक प ल ला शा
 ॥यामञ्च ॥

सघातंवृषणं रथाऔहोवा ।आधीतिष्ठा
 फा फी खाण फ श क चि
 तीगोवाइदाम् ।यःपात्रं हारियोजानम् ।पूर्णामिन्द्राचिकेताती ।योजानूवा ।इन्द्रा ता
 काय टा कि टि खण कु खण मि त टाट ख
 औहोवा ।हारि ॥८ ॥
 शि ख श
 ॥अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥

अग्निन्तम्मान्येयोवासुः ।अस्तंयव्यान्तीधेनावाः ।अस्तामर्वान्तायाशावाः ।अस्तान्नित्यासोवाजाइनाः ।इषंस्तोतृहाहो
 खी षी टी टा खण टी टा खण टी टा खण टी खा
 हाइ ।भ्यायाभारो ।हाइ ॥९ ॥
 ण श प श ख पु शा

॥गौरयश्वाङ्गिरसस्यसाम ॥

न त मं हो न दुरित मि य इ या हाइ । दा इ वा सो अष्टा मा कृत्या मि य इ या हाइ । सा जो ष सो
 षू तू त श की कु टि त श की
 य मर्या मा इ य इ या हाइ । मा इ त्रो ना या न्ति वा रूणः । आ ति द्वी पा ः ॥१० ॥

की टी त श की टि ख त्र थ टा ख

चतुर्थ खण्डः

॥वसिष्ठस्यसङ्कमौद्दीपौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥

परिप्रधवन्वा | इन्द्रायसोमास्वा

तु यू

दृहाइ मित्रायापू

पणश्चिक

ષણ્ભાહાઇ ગાયો ।

पाणशं

ହାହ ॥ ॥
ଶା

ତୁ ହାତ ଟାଶ

ओहाओहाइ | पूष्णा

ਟ ਤ ਟ ਤ ਸ਼ ਖਾ

आैहोवा भगाया

शिं ता ख

पराहाइ | प्रधान्व

त च श ख श
द द ग दो द ग पे ए ।

शन्दूराहावसामा ।

स्वाद होइ मित्राया | पष्णे होइ भगाया

ता च श खा श ता च श खा श

पूष्णेभगायपूष्णेहोइभगाया । एस्वर्वाते

શુટાખ

हाहाइपारी प्राधन्वाए

ਤ ਚੀ ਟਿ ਖ

हयाहाहाइ हाहाइ न्द्रायसामाए

प्लात त श त

ହୟାହାହାଇ । ହ
ପାତତଶ । ତ

ਹਾਡਸ਼ਵਾਡ ਸਿੰਤ੍ਰਾਯਾਪ ਹਿਯਾਹਾਹਾਡ | ਹਾਹਾਹਾਡ ਪਣੋ ਭਾਗਾਯਾਪ ਹਿਯਾਹਾਹਾ ਇ | ਓਡਲਾ ॥੪॥

कि थच्च काट ख प्लात त श त त का थच्च काट ख प्लात खण्ड श प शा

॥वाकानित्रीणि ॥

पर्यूषु प्रधन्वावा । जसाताया । ओइपारी ओइवृत्रा णीसक्षणीद्वाइषास्तारा । धीयाक्रुणायाना । ईरासाआइरासा इ । ओइळा ॥६ ॥

पर्यूषु । प्राधान्वावावाजसातायाइ । परिवृत्राणिसाक्षाणिद्विषास्तारा । धिय्याक्रुणायानाईहिं । रासो । हाइ ॥७ ॥

पर्येपारी । ऊषुप्रधन्वावावाजसातये

परिवृत्राणिसाक्षाणिद्वाइषास्तारा । धीयक्रुणया

नयाउवाओबारासो । हाइ ॥८ ॥

॥प्रजापतेर्धमविधर्माणिचत्वारि ॥

पवस्वसोमा ।माहान्सामूद्राः ।पीतादेवानां

तु चक कि

वाइश्वाऔहोवा ।

ट्र खा शि

भीधामा ॥९ ॥

टा ख

ओहोवा ओहोवा ओहोवा ओहोवा ।पवास्वसोममाहा

कु था ट ख शि ची चि

न्सामूद्राः ।पीतादेवानां

चि का टि

विश्वा भिधामा ओहोवा ओहोवा ओहोवा ओहोवा ।एधर्मा ॥१० ॥

काच्क ट ख कु था ट ख शि तट ख

ओहोवा ओहोवा ओहोवा ओहोवा पवस्वसोमामाहेदक्षायाआथोननिक्तोवा

कु था ट ख शि कु चि का चि ट

जीधनाया ।ओहोवा ओहोवा ओहोवा ओहोवा ।

कि ख कु था ट ख शि

एविधर्मा ॥११ ॥

त का ख

पवस्वसोमा ।माहेदक्षायाआथोननिक्तोवाजा

तु कथ टि कु खा

ओहोवा ।धनाया ॥१२ ॥

शि ता ख

॥भागञ्च ॥

इन्दुःपविष्टा ।चारूर्मादायाअपामुपास्थाइ ।

तु ट कि कि टा त श

कावा ओहोवा ।भगाया ॥१३ ॥

ट्र ख शि ता ट ख

॥वाजिनाञ्चसाम ॥

अन्वनू ।हाइत्वासूतंसोमामदामसिमदा ।मासाएमहाइसामा ।रीयाराज्येवाजं आभीपवमानपवमानाः ।प्रागा हासाऔहोवा ।होइला ॥१४ ॥
 ति कि कि चि कीच् का ट खीण चा टा टाच्क षु कि च टाच्क टा खफ़ फु शा
 ॥प्रजापतेर्हिंकनिकविकानित्रीणि ॥

कईव्यक्ताः ।नारस्सानाइला रूद्रस्यमर्याथाऔहोवा ।स्वश्वाः ॥१५ ॥
 ती ची टाच् दूदख शि त टख्

काई वियाक्ताः ।

णाफ़ खा फु

नारा स्सानाइला:रूद्रस्य

णाफ़ख फ्लि

मर्याथाऔहोवा ।

दूदख शि

सुवाश्वाः ॥१६ ॥

ता ख

काई वियाओवाक्तानाराः ।सनाओवा

था टा क ख शि टा क ख

इलारूद्रा ।स्यमाओवार्याथा ।सुवाओवा

शि टा क ख शि टा क ख

श्वाः ।होइला ॥ 17 ॥

फु फु शा

॥आश्वेद्धे ॥

अग्रेतमद्या । अश्वन्नस्तोमाइःकृतु न्नाभाद्राम् ।
 तु था कूचक टा
 हार्दिस्पृशामृद्धया माओहोवा । ताओहैः ॥१८ ॥
 टा क च टाट्ख शि टा ख
 आग्रे होइतमाद्या । अश्वन्नस्तोमाइःकृतु न्ना
 फाफ खिश था कूचक
 भाद्रां । हार्ददाओहै । स्पृशामृद्धया मा
 टा था च श चा टाट्ख
 ओहोवा । ए ताओहैः ॥१९ ॥
 शि तच्क ट ख
 ॥वाजिनाञ्चसाम ॥

आविर्मार्याः । आवाजंवाजिनोगमान्देवा । स्यसवीतुस्सावाइ । स्वर्गार्वान्ताः । जयता ॥२० ॥
 क पाण षि टुच डुत श टा खात्र क टाख
 ॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवस्वसोमा । द्युम्नी सूधाराः । माहीनामानूपूर्वीयो इळा ॥२१ ॥
 तु णाफ खाल्ल टि टि खाल्ल शा

पञ्चम स्वण्डः

॥इन्द्रस्यकोशानुकोशेद्वे ॥

इन्द्रा ।सुतेषुसोमेषुहोयेहूं होइक्रतुंपुनिषउकथ्यां ।वीदाइवार्दधास्या ।दक्षास्यामहंहिषाः ।ओइळा ॥१ ॥

ता कु टि सद् षी तु चा या टत पा श टा खाण् प शा

इन्द्राहोइहवे होइ ।सुतेषुसोमेषुकृतुंपुनीषउकथ्याम् ।वीदाइवार्दधास्या

ता की च श षु चू चा या टक

दक्षस्यामाहंही ।षाः ॥२ ॥

चि कि ख

॥कौत्सन्तृतीयम् ॥

इन्द्रसुतेषुसोमेषु ।क्रातूंपूनाइषाउकथ्यांवीदे

षु तात टा की चा का

वार्दधास्यादक्षस्या ।महंहाइषाः ।महंहिषाः ।ओइळा ॥३ ॥

टा क चि डु टा खाण् प शा

॥प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥

तामूआभिप्रगायता ।पुरुहूतंपूरुष्टूताम् ।इन्द्रा ज्ञाइर्भीस्ताविषामा ।वीवा

ण फ खी शा दू टा टाच् कि टि त

साताऔहोवा ।ओकाः ॥४ ॥

टि ख शि ख फ

तामूआभिप्रगायतेदाम् ।पुरुहूताम्पूरुष्टूताम् ।आइन्द्रज्ञीर्भिस्तविषमा वीवासाताआइन्द्रा ज्ञाइर्भीस्ताविषामा ।वाइवा औहोवा ।सतए ॥५ ॥

ण फ ची शि दू टा टीच् कुच् काय ट कि ख ताच् क टा त ट खा शि खि

॥दैवोदासेद्वे ॥

हाबुतमूअभी ।प्रगायताहाबु ।पुरुहू तम् ।पुरुष्टुतांहाविन्द्राज्ञाइर्भा
 तु का भिश स्विण का भि स्वि ताच्
 स्ताविषामाहाबु ।विवासाता ।दीवि ॥६ ॥

क पा फ ण श स्वि त्र ख श

तामू अभी होइप्रगा
 फा णाकहू स्वी

यताए ।पुरुहू ताम् ।पुरुष्टु ताम् ।पुरुष्टु तम् ।इन्द्रा
 छि भित भित टा खण

ज्ञीर्भा इस्तवाइषामा ।वीवासा ।विवा
 भि तच् श भी त भि त टा

साता ।आइन्द्रज्ञीर्भा इस्तविषमाविवावाहा
 ख ण की तच् टृ त त

सताउवोवा ।ऊ ॥७ ॥

टा खा श ख

॥हारिवर्णानिचत्वारि ॥

तन्तेमदङ्गणिमासी ।वृषाणंपृक्षुसा
टू चा टूच

साहाइम् ।ऊलोकाकृत्तुमद्राइवोहारी ।श्राया म् ।ओइळा ॥८ ॥
क च श सु टा ता ट खण् प शा

तन्तेमदङ्गणीमसीए ।वृषाऔहोणंप्रक्षुसासहीम् ।ऊलोऔहोककृत्तुमद्रिवाः ।
षी ती त कि ख यी शा कि ख गु

हारोबाश्रायां ।हाइ ॥९ ॥

कप प्ल ष्टा शा

तान्ते होइमदांगृणीमसीए ।वृषाहो

ण फप्ल खी पु टि

णंप्रक्षुसासाहिं ।ऊलोककृत्तुमद्रिवोहा
यी टा सु यी

री श्रीयामौहोबा ।होइळा ॥१० ॥

टच्क पा ष्टा प्ल शा

तन्देमदांगृणीमसाइ ।वार्षाणंप्रक्षुसासा

फी की श कु या

हींहोवाहाइ ।ऊलोकाकृहोवाहाइ ।

त टा त श टि ट ट ट श

त्तुमाद्रा इवा औहोवा ।हारिश्रीया म् ॥११ ॥

टिट खा शि च टिख्

॥त्रैतानिचत्वारि ॥

औहोयौहोवा । यत्सोममीन्द्रवीष्णावाइ औहोयौहोवा । यद्वाघत्रीतायासीयाइ औहोयौहोवा ।

च य ट ख श खी कि फ श च य ट ख श खी कि फ श च य ट ख श

यद्वामरूत्सुमन्दसाइ । औहोयौ
खी कि फ श च य ट

होवा । सामिन्दुभीः ॥१२ ॥

ख त्र टि ख

हायोहायत्सोममान्द्रा वाऔहोवा । षणावे ।

षु ता टट्ख शि ख श

यद्वाघत्रीतआसीये । यद्वामरूत्सुमाहोन्दसाइ ।

टा का चा का दू टि श

समाहोये । न्दुभिरो

य टा खि

इळा ॥१३ ॥

शा

यत्सोममिन्द्रविष्णावाइ । यद्वाघत्रीतआसायाइ ।

षु ता त श षी ची श

यद्वामरूत्सुमन्दासोहोइ । सामाऔहोवा ।

चू पा ण श टट्ख शि

एन्दुभीः ॥१४ ॥

त टाख

यत्सोममाइन्द्रवीष्णावाइ । । यद्वाघत्रीताआसे । यद्वामारूत् । सूमान्दासाइ । सामाऔहोवा । न्दुभिः ॥१५ ॥

फी कु श टा च चा का टि त टा ख ण श टट्ख शि ख छ

॥सराधसःप्राधस्यश्वाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥

एदू माधोर्मदाइन्तारम् । सिञ्चाध्वर्योअन्धसाधासा । एवाहिवीरास्तवताइवाताइ । सदावार्धः ॥१६ ॥

फा फा खा खा श क टू खण क षी टि खाण श खित्र

एदुमधौहोर्मदिन्तराम् । सिञ्चाहोअध्वर्योअन्धासाआइवाहिवीरास्तवताइ । सदा वृथाओहोबा ।

पु की भि टि भि यि टाच चिश टाचवृ टा खफू

होइला ॥१७ ॥

फु शा

एन्दुमिन्द्रा यसीञ्चता । पिबातसोम्यम्माधू प्राराधांसी । चोदयतामा

कि फा खा शा टा चा कि टि त यी प

ही । त्वानाओहोबा होइला ॥१८ ॥

श टि खफू फू शा

॥वैश्वमनसम् ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । साखा यस्तोम्या

तू त काच टा खणफू

नारमाकृष्टीयोर्विशा । आभियास्तयाइकाईत् । आओहोबा । ऊ ॥१९ ॥

षु चि दी टि ख शि ख

॥सौमित्राणित्रीणि ॥

इन्द्रायसा ।मागायतावाइप्रायाबृहाते बृहात् ।ब्रह्माकृते वीपाश्चाइताओहोवा ।पानस्यवे ॥२० ॥

ती कि चि टा का चा टीच्क टाट खा शि च टिख्

इन्द्रा यसामगायाता ।वाइप्रा याबृहता

खा फ्ली छ श किच टा खाणफ्लू

इबृहात् ।ब्रह्माकृते वीपाश्चिते ओइपा ना

श ख श थ टिच टी टिद्ख

ओहोवा ।स्यावे ॥२१ ॥

शि ख श

औहोओहोओहोवा ।इन्द्रा यासामगायाताविप्रायाबृहातेबृहात् ।ब्रह्माकृते वीपाश्चिते ।ओहोओहोओहोवा ।

क की ख त्र टाच्क टिक टि चाक का श थ टिची टि क की ख त्र

एपानस्यवे ॥२२ ॥

तच टिख्

॥त्रैककूभानित्रीणि ॥

याएकाइद्वीदयाताइ ।वासुमर्क्ताहाया

ख प्लु ख खीण श च टि त

दाशूषाइ ।आइशानोअप्राताहाइष्कृताः ।

का ख ण श कि टी खि ण

आइन्द्रो अज्ञा या ओहोवा ।ई न्द्राः ॥२३ ॥

कि टाट ख शि ख प्ल

यएकइदिहाहाइ ।वीदयताइवसुमार्क्ता यादा

तु त श षु टि तच चा

शूषाइ ।ईशानोअप्रातिष्कृताआउवा ।ई न्द्राः ।अज्ञा ओहोवा ।होइळा ॥२४ ॥

शि भित कि टि ख प्ल क टा ख प्ल प्ल शा

यएकइद्विदयाताइ ।वासुमर्क्तायादाहिंशूषाइ ।आइशानोअप्रताइ ।ष्कृताः ।आइन्द्रो अज्ञा या ओहोवा ।ई न्द्राः ॥२५ ॥

षी ति त श पु शात त श यी चिश त त कि टाट ख शि ख प्ल

॥ौक्षोरन्धराणित्रीणिओौक्षोनिधनानिवा ॥

सखाययाहाबु ।शिषामहेहाबु ।ब्रह्माइन्द्राहाबु ।यावज्ज्ञास्तुतऊषुहाइ ।वोनृतमाहा याधार्षणावाओौहोवा ।ऊपा ॥२६ ॥

ती त श खा शी खा शी टृत श टी तच्क टाद्ख शि ख श

सखाययाशिषामहेब्रह्मेन्द्रायवज्ञिणोवा ।आइतिवाहोवाहाइ ।स्तुषऊषुवोहोहाइ ।नार्क्तामाहोवाहायाधार्षणावा

चे तू त टित टात श चिप प्लाड श मात टात च टाद्ख

ओौहोवा ।ई ॥२७ ॥

शि ख

साखाययाशिषामाहाइ ब्रह्मेन्द्रायवज्ञिणो

फ णि किख श प्लू ट

हाइ ।स्तुषऊषुवोनार्क्तामायाधृहाहाइवोनार्क्तामायाधृहाहाइष्णावाओौहोओौ

ड श चि का किखप्लूत च का किखप्लूत च टि ता

होवाहा धृष्णावाओौहोओौहोवाहाहा

तात कथ टि ता तात त ख

ओौहोवा ।उऊपा ॥२८ ॥

शि ख श

षष्ठ खण्डः

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वैइन्द्रस्यवासांवर्के संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥

एन्द्रनाः । गधिप्राया । सात्राजिता । गोहायागिराइर्ववाइ । शताःपात्रूःपा र्ताओहोवा । दीवाः ॥१ ॥
 ति क टाख की टाखा ति श ति टाट्ख शि ख प्ल
 ॥दैवोदासानिचत्वारि ॥

यस्याओत्याच्छाअंबर म्मादाइ । दिवोओदासा
 ता प ता प प्लात त श ता क ता
 ओयर न्धायायान् । अयाओंससोओमइन्द्राताइ ।
 प प्लात त श ता क ता प प्ल ता त श
 सुताःओःपिबाओबा । ऊपा ॥३ ॥

यस्यात्यच्छांबरम्मादाइ । दीवोदासायरन्धायन्ना
 फी कीश षी
 यां सासोमइन्द्राताइ । सूताओहोवा ।
 कूचक ख तित श ट ख शि
 पीबा ॥४ ॥
 ख श

यस्यात्याच्छांबरम्मादाइ दीवो दासायर न्धयन्नयां सासोमइन्द्राताइ । सुताओःपा इबा औहोवा । ईति ॥५ ॥
 खी प्लीश टाचक षि कीचक ख तित श का टाट खा शि ख श
 यास्यात्याच्छद्वैइशंबराम्मदाए दीवोदासायरन्धय न्नयांसासोमइन्द्राताओहोवा । सूताःपिबो इला ॥६ ॥
 फ प्ला खु ष्लि षी ची मि ख खी शि ख प्ल खा शा
 ॥रेवञ्च ॥

हाबुगृणाइ । तदाइन्द्रो ताइ । शवाओवा
 ती श खीण श टा का
 उपामान्दे । वातातयाइयद्वंसाइवात्रमोजसाशाची । पाताओहोवाहा औहोवा । द्यूभीः ॥७ ॥
 खिण षु टि खा शू टा ट खि शि ख प्ल

॥आक्षरञ्ज ॥

गृणेतदा औहोइन्द्रते शवाः ।उपामान्देवातातायाइयद्वांसिवात्रमोजसाशाचीपा ।ताइ ॥८ ॥

खी खा चि णा चा था काट ख चि ता का चा चाफ खश

॥रेवञ्चैव ॥

गृणेतदौहोइन्द्रते शवाः ।उपामान्दे वातातायउपामान्दे वातातायाइ ।यद्वंसी

फु शि का चा टाच् का चीट थच् काट त श कि

वृत्रमोजसाउवा ।शाचीपाताइहोइळा ॥९ ॥

टि का ता खफुख खि शा

॥आक्षरञ्जैव ॥

याइन्द्रसो ।मापातामा: ।मादशशवाइष्ठचेतताइ ।याइनाहांसी ।नीयत्रिणान्तामीमा ।हाइ ॥१० ॥

ती टाखण शी कि चाश टि खण कीच कफ खश

॥यामम् ॥

तुचेतुनायतात्सूनाः ।द्राघीयआयूः ।जीवा

षी खिण का खाण चा

साआदित्यासास्सम्भसाः ।कृणोता ।ना ॥११ ॥

टि टा टी खि त्र

॥भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥

वेत्थाहिनिक्रितीनां ।वाग्ग्रहास्तापारी ब्रजामाहारा

षि ती की का कि का

हाशुन्ध्युःपारी पदा ।माइवा ॥१२ ॥

का कि टा ख त्रा

॥आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥

अपामीवामपा ।स्त्रीधामपसे

तू शु

घतादुर्मातीम् ।आदीत्यासो यूयोतनानाआउवा ।ओबांहासो ।

का टा त टा टाच्क षी कि प ष्ट ष्टा

हाइ ॥१३ ॥

ष्ट शा

॥वसिष्ठस्यचैराजे ॥

पीवा ।सोममिन्द्रमन्दतुत्वा ।

ता शु टि

यन्तेसुषावहर्याश्वाद्रीः ।

क कूट त

सोत)बाहुभीयाम् ।सूया ताओहोवा ।ए नार्वा ॥१४ ॥

ट टि त टाद्ख शि तच टाद्ख

हाबुपिबा ।सोमामिन्द्रमन्दतुत्वादतुत्वा ।य

ती शु कि चि क

न्तेसुषावहर्याश्वाद्रीश्वाद्रीः ।

यू टा टा

सोतुर्बाहुभ्यांसूयतास्सूयतोनार्वाौहोवा ।ई ॥१५ ॥

क की कि किट्टख शि ख

सप्तम स्वण्डः

॥इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥

आभ्रातृव्यो अनातुवाम् । आनापिराइन्द्रा जनुषा
 फी की कूचक टा
 सना दासी । यूधे दापित्वामिच्छसे । युधा ॥१ ॥
 खाणफूख श चाक कु ताच
 ॥शार्करेष्टे ॥

योनोहाबु । ईदामिदम्पूराहाबु । प्रावाप्रवस्ययाहाइ । नीनानीनायतमुवो
 तात श दूत श दूत श षी टी
 हाबु । स्तुषाइ सखाययाहाइ । न्द्रामूताया इ । शा) । ओइळा ॥२ ॥
 त श षी टी त श टि खण् प शा
 योना इदमिदाम्पूरा । योनइदमिदाम्पूरा ।
 णाफ खी शा यूप श
 प्रावस्ययानीनायतामूवास्तुषाइ । नीनायता
 क्ल खा कि फ श च खि
 मूवास्तूषाइ इ । साखाययाहाइन्द्रमूतायाइ ॥३ ॥
 कि फ श टि ट खी त्र श
 ॥बृहत्कम् ॥

आगन्ता । मा रीषण्या

ति तच्क टा
 ता । प्रस्थावानोमापा
 त का का चा
 स्थातासामान्यवाः । द्रढाशीद्या । मयोवा
 था च य टा भि त फि
 ष्णावो । हाइ ॥४ ॥
 झा शा

॥सौयवसानिचत्वारिपुनर्िङ्गवातृतीयम् ॥

आयाही । आयमिन्दवेश्वपाताइ । गोपाताउर्वरापाताइसोमाम् । सोमापा ताऔहोवा । पीबा ॥५ ॥

ति बी टि त श कि काय पा ति टि ख शि ख श

अयाहिया । यामाइन्दावे । आश्वपते गोपताउर्वराहाहपाताइ । सोमंहाइ । सोमपते हाइपाइबाए हियाहा । होइला ॥६ ॥

ती त पि श कि कि टि खिण श प णा श टीत प ष्ठि शि ष्ठ श

आयाह्यमिन्दावाइ ।

तू त श

अश्वापाताइगोपाता

चाय ट ची

उर्वरापाताइ । सोमंसोमाओपाताइपीबाओबा । ऊपा ऊपा ॥७ ॥

टि ख ण श कि का कीप ष्ठ ख श्छ ख ण

त्वयाहस्वीत् । यूजावयं प्रातीश्वासान्तंवृषाम ब्रूवीमाहाइसंस्थाइ । जानास्यगोबा । माताः ॥८ ॥

ती की या टा का का या पा ति श पी ष्ठ ख ष्ठ

॥मरुताञ्चसंवेशीयंकूभंवा ॥

गावश्चित्वासामन्यवाः । सजात्येनमरूतस्सबन्ध

तु ति षु

वाहोइ । रीहते काकुभो । मीथाौहोबा । होइला ॥९ ॥

टू च श कि पा श टि ख ष्ठ ष्ठ शा

॥इन्द्रस्याभरद्वे ॥

त्वन्नई ।न्द्राभारा ।ओजोनृम्णांशताक्रातो
ति टात चा था टीच्

वीचर्षाणाइ ।आवीरांपृहाइ ।ताना
क खाण श क भित श ट ख
औहोवा ।साहाम् ॥१० ॥
शि ख श

त्वन्नइन्द्रा ।आभारा ।ओजोनृम्णांशताक्रातो
ती टात चा था टी

वीचर्षाणाइ ।आवीरांपार्क्ताना साहामौ
खिण श क टात काच्क पा
होबा ।होइला ॥११ ॥
फु फु शा

॥ऐषिराणित्रीणि ॥

अथाहिया ।न्द्रागिर्वाणः ।उपत्वाकामाई मा
ती टित कि तच् काट

हाइ ।सासृग्माहाइ ।ऊदेवाग्मान्ताः ।
तश क टातश का टात

उदाभिरिल्लाहभीः ।
पा फु

होइला ॥१२ ॥
फु शा

अधाहीन्द्रगिर्वाणः ।उपत्वाकामाई माहाइसासृग्माहाइ ।ऊदेवाग्मान्ताओबादाभो ।हाइ ॥१३ ॥
तु त की या टाचाय टाश चय टाच्क प फु फु शा

अधाहीन्द्र गिर्वाणए ।उपत्वाकामाईमाहाइसासृग्माहाइ ।उदौहोइवाहाग्मान्ताओहोवा ।ऊद भिरे ॥१४ ॥
षी ति त चियट टि चा खाण श टात टात ट ख शि चा टाख्

॥प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥

साईदन्तस्तेवयोयाथा ।गोश्राइस्तेमधो मूर्मादिरोवाईवाक्षणः ।आभीत्वामाइन्द्रानोनूमाः ॥१६ ॥
प पु ड श क कि काच क पि ला ता ची कि फ ख
॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

वाया मुत्वामापूर्विया ।स्थुरन्नकश्चीत्भरा ताआवास्यावाः ।वज्रिंश्चित्रां ।हावामाहो ।हाइ ॥१७ ॥
णाक स्त्री शा क द्वृच का य पा ती प श प्व छा शा
वयमुत्वमपूर्व्यस्थूरन्नकश्चीत्भरन्तओवा ।हाहाअवास्यावाः ।हाहाइवज्रिंश्चित्राम् ।हा
षो तू त त चिप श त दू त
हाइहवामाहाउहुवाहाबु ।बा ॥१८ ॥
चीप पु श श

अष्टम खण्डः

॥वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥

विश्वतोहाबु ।दावन्विश्वतोनया ।हाओहा ।

ति त श कथ कि ता खा ण

आभरा भारा ।यन्त्‌वाशवीष्टामाइ ।माहा

कि ट त टा का चा श टा

औहोऔहोवा ।ऐहीऐही ॥ १ ॥

खी श ती च

विश्वतोदावन्विश्वतोनया ।भरा भारा ।यन्त्‌वाशवी

षु तु काट त टा का

ष्टामाइ ।माहाौहोबा ।होइळा ॥२ ॥

चा श टि खळ फळ शा

॥वासुमन्देद्वे ॥

एषाः ।ब्रह्माययाआउवा ।एत्वियाया ।आइन्द्रानामशूताआउवा ।एगृणाया ॥३ ॥

ता का ता टि त ता ख ट ता कि ति टि त ता ख

एषाएषाः ।ब्रह्मा ब्रह्मा यात्रत्वियाउवाआउवा ।आइन्द्रोआइन्द्रोनामशूता

ती टाच् टाच्क कू कि टि टिक कि

उवाआउवा ।गृणाऔहो

का कि टि ख

बा ।होइळा ॥४ ॥

फळ फळ शा

॥कावर्षणीत्रीणि ॥

एषाओवा ब्रह्माया

ती का ट

ऋत्वियाः आइन्द्रोहोइ ।

चि टि त श

नामा श्रूतो गृणाऔहोबाहोइला ॥५ ॥

त त प श टि ख फु झ शा

ओहोहोहा । ए

ट ख ख ण क

षब्रह्मायाऋत्वियाः ओहोहोहा । इ

पि श खि ट ख ख ण क

न्द्रोनामाश्रूतोगृणाइ

पि श खि श

ओहोहोहा । ए

ट ख ख ण त

स्वर्वते ॥६ ॥

टि ख

एषब्रह्मौहोयाऋत्वियाः ।

थ कु चि

इन्द्रोनामौहोश्रूतोगार्णआउवा । ऊपा ॥७ ॥

था की कि टि ख श

॥प्रजापतेःश्योकानुश्योकानित्रीणि ॥

हाबुस्वरता ।ब्रह्माणाओवा ।इन्द्रम्माहयान्तोर्कैः ।आवा धर्यान्नहयेह न्तावाऊ ।श्योकाः ॥८ ॥

तु दि का कि टाखण टाच चा की खात्र ख प्ल

हावभिस्वरता ।ब्रह्माणआइन्द्रा माहयान्तोर्कैः ।

तु दूचक टाखण

आवधार्यान्नहयेह न्तावाऊ ।श्योकायताः ॥९ ॥

चिट की पात्र तचक टाख

हाबुस्वरता ।स्वारातस्वाराता ।आनावस्तेरथमध्यायाताक्षूर्हाबुस्वरता ।

तु चा टित की कीचयप शु

स्वारातस्वारातात्वष्टा

चा टित का

वज्रम्पुरुहू ताद्युमान्तांहाबुस्वरता ।स्वारातस्वारा

का कि पी शु चा टि

ताऔहोवा ।शि) ।स्वाराता ॥१० ॥

ख चाटख

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

औहोइशम्पादम् ।माघंरायाओईषीणाइ ।

चीक फ कीप ति श

नाकाममत्रतोहिनोतिनस्पृशा ।द्रयिमोइला ॥११ ॥

शु कू खि शा

सादागावशुचयोविश्वाधायासास्सादान् ।दाइवा

ता कु टी खात्र टि

अरोबा ।पासाः ॥१२ ॥

पाप्ल ख प्ल

॥मरुताञ्चसाम् ॥

आयाही ।वनासासहा ।गावस्सच न्तावार्तानीम् ।यादू ।धमिरोइला ॥१३ ॥

ति टाच शा कीच य टा टा खि शा

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ओवाउप्रक्षेमधुमतिक्षयन्तओवा ।ओवाइपुष्ये
 चे ती त शु
मरइन्धीमहेताआइन्द्रा ।ओवायाउवाओवा हाउवा ।ऊपा ॥१४ ॥
 कू टा ता कु टाच्य टा खश

॥मारूतञ्चैव ॥

अर्चन्तिया ।कर्मरूतास्सूवार्काः ।आस्तोभाताइ ।श्रूतोयुवासआइन्द्रा उवा ।ऊपा ॥१५ ॥
 ती की टा त टा चाश क कु का ता खश

॥उद्धंशपुत्रञ्च ॥

प्रवाःआइन्द्रायवृत्रहान्तमा
 ता षी टु
या ।विप्रायगाथाङ्गायाता ।यज्ञूजोउवा ।उपषातो ।हाइ ॥१६ ॥
 त यू प श कि कि टि ख त्र श

नवम खण्डः

॥धुररश्म्यद्वे ॥

अचेती । अग्निश्चीकाइतीर्हाव्यावाण्णाौहोवा । सूमाद्राथाः ॥१ ॥

ति ती ताटत टद्ख शि टि ख

अचेतिया । ग्नाइश्चाइकाइतीर्होौहो । हव्यावा ण्णाौहोवा । ए सूमाद्राथाः ॥२ ॥

ती षि ती टि त टिद्ख शि तच् टि ख

॥प्रजापतेर्गूर्दः ॥

ओग्नाइ । त्वनोयाहिम्मान्तामाः । ऊतत्राता

त त श पा श खि झु

शिवोभूवाः । शिवोभुवावारोबाथायो । हाइ ॥३ ॥

क्लु खा पी ष्णा ष्णि शा

॥विश्वामित्रस्यचार्दः ॥

अग्नौहोइत्वौहोइ । न्नोआन्तामाआउवा ।

तू श त कि टि

ऊतत्राताउवोवा । शिवोभूवाः ॥४ ॥

ख श खीण टीख

॥प्रजापतेर्श्वैवगूर्दः ॥

अग्नेतूवान्नोअन्तामाः । ऊतत्राताशिवोभुवोवराबुहौहोबाथायो । हाइ ॥५ ॥

खी ष्णी षी की की खा ष्ण ष्णा शा

॥विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥

अग्नेहोइतूवान्नोअन्तामाः । ऊताहोवाौहोइत्राताशिवो॑ भूवाः ॥६ ॥

खु षु टा था टच्य टि ख्वाणफ्लु खु

॥प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥

भागाः । नाचित्रो अग्निर्महो नान्दाधा औहोवा ।

ता षि टी त टद् ख शि

तीरात्नाम् ॥७ ॥

टाख

भगोनचित्राः । अग्निर्महो नान्दाधा औहोवा । ए

तु टी त टद् ख शि तच्

तीरात्नाम् ॥८ ॥

टाख

॥प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥

विश्वस्या । प्रस्तोभापुरोवासान्यदिवे हानूना मा औहोवा । धानम् ॥९ ॥

ति कि टी ति कि टाद् ख शि खश

औहोइविश्वस्या । प्रस्तोभापुरौहोवाहाइ । वासा न्यादिवे हानूना मा

तु टि टी त श टाच्क का टिद् ख

औहोवा । धार्मा ॥११ ॥

शि खश

॥उषसश्वसाम ॥

उषाअपा । स्वासुष्टामाः । संवार्कतायतिवार्कतानीम् । सूजा औहोवा । एताता ॥११ ॥

ती क खाण टा क टि खण टद् ख शि तट ख

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

इमानूकम्भूवनासीषधाईमाउवा । ईहा । इन्द्राश्ववाइ उवाई हाचदे वाया

तु ताक टा का ता खश थ कु ताखश का टद् ख

औहोवा । वीशाः ॥१२ ॥

शि खफ्ल

॥भारद्वाजञ्च ॥

ऊर्जा । मित्रोवारूणः पिन्वात आइला । पिबारीमिष्टूणुहीन आइन्द्राउवा । ऊपा ॥१३ ॥

ता कू टि ता षू खू ता खश

॥इन्द्रस्यचरातिः ॥

विसूविसू । तायास्ताया

ती टा टा

यथापाथः । आइन्द्रा

का चा टि

त्वाद्या न्तुरोबातायो । हाइ ॥१४ ॥

टाच्चक पङ्ग ष्ठा शा

॥भारद्वाजञ्चैव ॥

अयावाजाम् । दाइवा हीतं । सने मा । मादेमा

ती किच्च चा खाश कि

इशाताहिम्माशशाताहा इमाौहोवा । सूवीराः ॥१५ ॥

चा टा क टाद् खा शि काटख

॥इन्द्रस्यचरैराजे ॥

इन्द्रो विश्वस्यराजतीहोइळा ॥१६ ॥

खा ष्ठी शाख शा

इन्द्रो होइवाइश्वास्यारा जतीहोवा । होइळा ॥१७ ॥

टाच्चय टा चा काच् ती ख शा

दशम खण्डः

॥प्रजापतेर्वाजसनी ॥

ओई त्रीकाद्रूकाइषु माहिषोयाव शीर न्तूवी

चाक फ टी चि काक फ

शूष्मा: । ओइत्रं पात् । सोमामपीबद्धीष्णूनासूतंयाथावाशं । ओइसाईम् । ममाद माहिक

क फ खि ण कु चाक फ चाक फ खि ण चि कि

मर्माकार्क्तावेमाहामूरूम् । ओइसाइन म् । सश्वादेवोदेवाम् । सत्यइन्दूस्सत्यामिन्द्राबु

चा क फ किफ खि ण टि काच टू क थ श

बा ॥१ ॥

ख

॥गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥

अयंसहोहाइ । स्मानावाः । दशाःकवीनाम्मति

तीत श खि ण की

जोतिर्वीधार्मा । ब्रह्मस्समाइचीरूषासस्सामा

की खिश टू का चि

इरायात् । अराओवापासस्सचेतसाः । स्वास

याट ता काख छि ता

रे मन्युमान्ताः । चितायाऔहोवा । गोः ॥२ ॥

कि टि त खि शि ख

अयंसहस्रमानावाः । दशाःकवीनाम्मतिजोतिर्वि

षु तात षी की

धार्मा । ब्रह्मस्समाइचीरूषासस्सामाइरायात् ।

टि त टू चा चि याट

ओवाअरे पासस्सचेतसस्वासरे मन्युमान्ताः ।

का टाक कि कु टि त

ओवाचितागोराौहोवा । वो ॥३ ॥

का का टट्ख खि ख

॥प्रयस्वच्छप्राजापत्यम् ॥

एन्द्रयाह्युपनः । परवाताः । नायमच्छावीदथा

तु टाखण की

नाइवासत्पाताइः । अस्ताराजेवासत्पा

कू खा ण श मित क खा

ताइः । हावामहेत्वाप्रयस्वन्ताः । सूताइषू आ

ण श षु ती टीकथ्

पुत्रासोनापीतरंवाजासातायाइ । मंहाइष्ठांवा । जासातायोहाइ ॥४ ॥

की कू खण श मित प श खफु शा

॥अक्षय्यञ्चरेवत् ॥

तमिन्द्रन्जोहवीमीमाधवानाम् । ऊग्रम् । सत्राहोइदधानामप्राताईष्कृतम् । श्रवांसाइभूरिम् । मंहिषोगीर्भिराचायाज्ञायाः । वावर्कृतारयेहोइनोविश्वासुपाथा । कृणोत्वाऔहोवा
षु तु खश षु टी खाण टाट खाश षु टिखण किट की खीश ताटख शि

॥सवितुश्वसाम ॥

अभित्यन्देवंसवितारमौहोऔहोवाहाइ । ओणायोः । काविक्रातूम् । औहोऔ
षु तूतश पाण पि ण क का

होवाहाइ । अर्चामीसात्यासावांरा । त्वाधामाभीप्रीयम्मातीम् । औहोऔहोवाहाबु । ऊर्ध्वा
पा शा खिश खिण पि ण पि ण क का पा शा

यास्या । आमातीर्भाः । आदीघूतात् । सावीमानी । औहोऔहोवाहाइ । हीराण्यापाणीरा
खिण खिण पि ण पि ण क का पा शा खिश

मीमी । तासुक्रातूः । औहोऔहोहाउवा । ए कृपास्वाः ॥६ ॥

खिण चिण का पा शि तच्कटख

॥वाक्तुरञ्ज ॥

तावत्यन्नार्यनृताबु ।आपाआइन्द्रा प्राथम
 प श ष्ठा डि श टुचक
 म्पूर्वीयं दीवीप्रवाच्यकृतम् ।योदेवास्या
 पि चाक फ चिक फ टीच
 स्याशावसाप्रारीणायासूरीणान्नापाः ।भूवो
 क पि चाक फ चाक फ
 विश्वामाभ्यदाइवमोजसा ।वीदे दूर्जशता
 टु पा चिक फ चाक फ
 ऋताबु ।विदाइदिषाबु ।बा ॥७ ॥
 खि ण श मु श श
 ॥ऐषञ्ज ॥

अस्तुश्रौषाट् ।पूरोअग्निधीयादधे होओ
 ति त षी की का
 होवा ।अनुत्यच्छधों दिव्यंवृणाहाइमाहाइ ।इन्द्रांवायूवृणीमाहाइ ।यद्वाक्राणाविवास्वाताइ ।नाभासन्दायानाव्यासाइ ।अधप्रनूनमुपयन्तीधीतायोहोऔहोवा ।दाइवं अच्छ
 त त कुचक टि खि ण श भित टा खण श टु खण श षी कू टा कात त टि टा
 ॥यामम्मरूतञ्जसाम ॥
 प्रावोमहेमतयोयन्तुविष्णावोहाइ ।मरूत्वताइगिरिजाहाहाए वयामारूत् ।प्राशाद्वायाप्रायाज्यावाइ ।सूखदायाइ ।तवासेभन्ददिष्टये धुनाइव्राता ।याशाऔहोवा ।वासे ॥९
 प षू ष्ठी ड शा ती टी त थ खि ण च य टा च य टा श का खण श का थ की भी त टद्ख शि ख श

॥भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वकंवातृतीयम् ॥

आया ।रुचाहारिण्यापुनानाः ।विश्वाद्वेषांसितरतीसायुग्वाभिः ।सूरोनासायू औहोवा ।ग्वाभिः ॥१० ॥

ता कु खाश षी पी कि पु का टाद्ख शि ख पु
आयारुचाहारी एया ।पुनानोविश्वाद्वाइषाम् ।साइतरत्यौहोवाहाइ ।सायूग्वाभीः ।सूरोनासयूग्वाभाइः ॥११ ॥

फा खीश का टी ता कु तात श टाख ण टा खी त्र श^१
अयारुचाहारीण्यापूनानोविश्वाद्वेषाम् ।साई तारा तीसायूग्वाभीः ।सूरोनासायूग्वाभिर्धारापृष्ठा ।

की थि प शू चा का काय टा का टाख शू
स्यारो चाताइ ।
टाच्क च श

पुनानोआरुषोहारिर्विश्वायद्रु ।पापरियासायाक्षाभीः ।सप्तासीये ।भाइराक्षाभोहाइ ॥१२ ॥

टी काख शू क कि यि ट मि त प शाख पु शा

॥पारूच्छेपेद्वे ॥

अग्निंहोता । र मन्ये

ती क था

दास्वन्तमोवा । वासो

क ता त का

स्मूनुम् । सहासाजातावेदासाम् । विप्रान्नजा

खण का था चय टा ती

ओवा । तावेदासम् । याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।

त त टाखण चीक मि

देवोदेवाओवा । चीयाकृपा । घृतोओवा ।

ती त त चाखण ता त त

स्याविभ्राष्टिमनुशुक्रशाओवा । चीषआजुहाना

टि तू त त दू

स्यसाओवा । पर्वाइषा औहोवा । ऊपा ॥१३ ॥

ता त त ट खा शि खश

अग्निंहोतारं मन्येदास्वन्तंवसोस्मूनुम् । सहासाजातावेदासाम् । विप्रन्नजातावेदासाम् । याऊर्ध्वयासूआध्वाराः । देवोदेवाचायाकृपा । घृतास्यविभ्राष्टीमानूशुक्रशो

कु था च शु का था चय टा ची चय टा ची भी का था चय टा ता चू का य

चिषाः । आजुहानास्यासापर्वाइषो । हाइ ॥१४ ॥

टा टि त प श ख ष्टा शा

॥बार्हस्पत्येद्वे अग्नेर्वाराक्षोद्धे ॥

अहा वो हा वो अहा वो हा वो हा वा: । अग्निष्टपाती प्रतिदहा त्यग्निं होतारम्मान्येदास्वन्तम् । वासोस्सूरुं सहसा जातावे दसम् । याऊर्ध्वया सूर्याध्वाराः । देवो देवाचीयाकृपा
 खी प्लु खी प्लु खी ण दुच कीख की खा चाक फ की की ख चाक फ चा खा चाक फ कख चाक फ
 शोचीषाः । आजुह्वान्वास्यासार्पिषाः ।
 चाक फ कीख चाक फ
 अहा वो हा वो अहा वो हा वो अहा वो हा वा: । अग्निष्टपाती प्रतीदहा आताइ । एविश्वं समत्रीणन्दहा । एविश्वं समत्रीणन्दहा । एविश्वं समत्रीणन्दहा ॥१५ ॥
 खी प्लु खी प्लु खी ण दुच कीख त्राश त का खू त का खू त का खू
 त्यग्नाइः प्रतिदहातीहाबुहोहाबु । अग्निं होता
 खाश फिप्लु खि शा की
 रम्मान्येदास्वन्तम् । वासोस्सूरुं सहसा जातावे दसम् । याऊर्ध्वया सूर्याध्वाराः । देवो देवाचीयाकृपा । घृतास्याबिभ्राष्टिमनुशू
 खा चाक फ की की ख चाक फ चा खा चाक फ कख चाक फ का कि खी
 क्राशोचीषाः । आजुह्वान्वास्यासार्पिषाः । त्यग्नाइः प्रतिदहातीहाबुहोहाउवा । एविश्वं समत्रीणन्दहा । एविश्वं समत्रीणन्दहा ।
 चाक फ कीख चाक फ खाश फिप्लु खि शि त का कूख त का कूख
 एविश्वं समत्रीणन्दहा ॥१६ ॥
 त का कूख

पवमानपाठः

प्रथम खण्डः

॥आजीकञ्च ॥

उच्चा॑ तेजातामान्धासा॑ ।
 ता॒ था॒ च य॒ दा॒
 दिविसत्भूम्याददाउग्रंशार्म्मा॑ ।माहा॑
 शु॒ का॒ टि॒ त॒ टट॒ख॒
 औहोवा॑ ।उप्शरा॒ वा॒ः ॥१ ॥
 शि॒ खा॒षु॒
 ॥आभीकञ्च ॥

उच्चाते॒जा॑ ।तामान्धासा॑ ।दिवाइसा॑
 पि॒ण॒ पि॒ण॒ पी॒
 त्भू॑ ।मियाददाउग्रंशार्म्मा॑ ।माहाइश्रा॑
 ण॒ चा॒ शा॒ पि॒ण॒ टी॒ट
 वा॑ औहोवा॑ ।वाइ॑ ॥२ ॥
 ख॒ शि॒ ख॒श॒
 ॥ऋषभरूपपवमानः ॥

हाहाउच्चाते॒जा॑ ।हाहाइतमान्धासा॑ ।
 तु॒ तत॒ टि॒ख॒ण॒
 दिविसत्भूमियादादे॑ ।उग्रंशार्म्मा॑ ।ओ॑
 यू॒प॒श॒ खि॒ण॒ च॒
 ओ॑महोबाश्रावोहाइ॑ ॥३ ॥
 ट॒ खा॒षु॒ ष्ठा॒ शा॒

॥आभीकञ्चैव ॥

उच्चातेजा तमौहोन्धासा ।दिविसत्भूमि

प शिष्ठु डी श

यादादे ।उग्रंशार्ममा ।महाउवाइश्रा

यू प श खि ण टा खी

वोहाइ ॥४ ॥

फ शा

॥बाब्रवेद्वे ॥

उच्चातेजा ।तामन्धासाओमोवा ।दिविसत्भू

ती टी कि कुच्

मियादादेओमोवा ।उग्रांशार्ममा ।

कायट कि चायट

ओमोवा ।माहाऔहोवा ।श्रवाई ॥५ ॥

कि टट्ख शि ताट्ख

उच्चातेजा ।तामन्धासा ।दिविसत्भूमीयादा

ती टि त कि टि

दाइ ।उग्रांहाइशर्ममोहाइ ।

त श टा त टि त श

महाहोइश्रा वाओहोवा ।ग्वाभीः ॥६ ॥

का टिट्ख शि ख फु

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

उच्चातेजातमा ।न्धासाओमोवा ।दिविसत्भू

तु य कि कु

मियादादेओमोवा ।उग्रं शकर्ममा

कायट कि चायट

ओमोवा ।महाइश्रा वाओहोवा ।उऊ

कि टीट्ख शि खा

पा ॥७ ॥

श

॥शैशवेद्वे ॥

उच्चातेजातमन्धासा ।दिविसत्भूम्याददाउग्रं
 षी ति त षु का
 शार्म्मा ।महाइश्रावाः ॥८ ॥
 पि ण स्त्री त्र
 उच्चातेजातमन्धासा ।दिविसत्भूम्यादादा
 षी ति त ड था
 उग्रंशार्म्मा ।महाहोवाऔहोइश्रवा
 टि त टा था टच्य टि
 होवा ।औहोइया होइयोवा ।ऊ ॥९ ॥
 था टच्य टाच्क खात्र ख
 ॥प्रजापतेदोहोदोहीयेद्वे ॥

उच्चाऔहो ।तेजातमा ।न्धासा
 खा ता टा खाणफ्लु ख श
 दिविसत्भूम्याददे आउग्रंशार्म्मा ।माही
 षु काथ टि त चा
 श्रावाऔहोवा ।होइला ॥१० ॥
 काट ख फ्ल फ्ल शा
 उच्चातेजातमन्धसादोहाइदोहाए ।
 षी तु ति त त
 दिविसत्भूम्याददे दोहाइदोहाए ।
 षु काट त टा त त
 उग्रंशार्म्मादोहाइदोहाए ।माहि
 टि त ट त टा त त
 श्रावाः ।ओइला ॥११ ॥
 टि खण् प शा

॥इन्द्राण्याश्वैवसाम ॥

उच्चातेजा तमान्धासा ।दीवाइसा
 णा णाफ् खा शा पी
 त्सु ।म्याददाओवाओवाउवउवा
 ण ट टाट तट त टी
 होइ ।उग्रंशार्म्माओवाओवा
 च श टि तट तट त
 उवउवाहोइ ।माहीश्रावो याऔहो
 टी च श चा टाट ख
 वा ।ययुरे ॥१२ ॥
 शि सि
 ॥आमहीयवञ्च ॥

उच्चाताइजातमन्धसा ।दीवाइसात्भूमि
 खि शू चा याट
 याददाइ ।उग्रंशर्म्मा ।माहा
 ट ता श चाक च कट
 इश्रवाउवा ।स्तौषे ॥१३ ॥
 कि खा त ख
 ॥आजीकञ्च ॥

स्वादाइष्टायामादाइष्टाया ।पावास्वसोमाधारा
 कु कु की टि
 या ।इन्द्रायापातावाइसूताः ।ओइळा ॥१४ ॥
 त की टीखण् प शा

॥सूरुपेद्वे ॥

स्वादिष्टयाइयामदिष्टाया । पा
 थ टि टा की टा च
 वास्वसोइयामधाराया । इन्द्रायपा
 टि टा की टा था टा
 इयाइया । तावाइसूताः । ओइला ॥ १५ ॥
 टा चा टीखण् प शा
 स्वादिष्टयौहोवाइयामदिष्टाया । पावस्वसौ
 थ कु का टी च
 होवाइयामधाराया । इन्द्रायपौहोवा
 कु की टा चा की
 इया । तावाइसूताः । ओइला ॥ १६ ॥
 चा टीखण् प शा
 ॥जमदग्नेशिल्पेद्वे ॥

ओइस्वादी । ष्टयामादिष्टायाउवो
 स्त्रि ण का था टा खा
 वा । पावास्वसो माधाराया ओई न्द्रा ।
 श कीच् का टा खा श
 यापा औहो । तवेसुताः ॥ १७ ॥
 ट ख वाशि तीच्
 उहुवाइस्वादी । ष्टयामादीष्टायाऔहो
 खु ण का या टा खा
 वा । पावास्वसो माधारया उहुवाइन्द्रायपा ।
 श की चा खा श्रृ
 तावाऔहोवासूताः ॥ १८ ॥
 ट ख शि ख प्ल

॥संहितश्च ॥

स्वादाइष्टायामदिष्टाया । पावास्वासो
 ता ति ती ता ख श
 मधारया । आइन्द्रा यापाहाबु । तवा
 ती क खा शी ष्ठा
 इसुताबु । वा ॥१९ ॥
 ष्ठि श श
 ॥वसिष्ठस्यशकूनः ॥

स्वादिष्टयामदिष्टयापवस्वसोमधारयाइन्द्रायपा ।
 षौ तू ता
 तावाऊतावाऊतवाऊवा औहोवा ।
 टा ट च क ट खी शि
 सूताः ॥२० ॥
 खफः

॥जमदग्नेश्वगम्भीरम् ॥

औहोहिंभाए हियाहाहाइ । स्वादाइष्टया
कु ता त त श कु

मादीओइमादी । औहोहिंभाए
ख श खि ण कु

हियाहाहाइ । षायापवास्वासो ।
ता त त श क किख श

ओस्वासोौहोहिंभाए हियाहाहाइ ।
खा ण कु ता त त श

माधारयाई न्द्रा । ओई न्द्राौहोहिंभाए
क किख श खा ण कु

हियाहाहाइ । यापातवाइसूता ।
ता त त श क कि खा श

ओइसूताः । औहोहिंभाए हियाहाहा
खि ण कु ता त ख

औहोवा । ई ॥२१ ॥
शि ख

॥संहितञ्चैव ॥

स्वादिष्टयामदाइष्टया । पावास्वासोम
तु ति टाट त

धाराया । आइन्द्रा॒यापातवा
टचश ट ताट टि

हाउवा । सूताः ॥२२ ॥
ति खण

॥सोमसामनीद्वे ॥

वृषापवा । स्वधाराया मारु
ती का टाचकट

त्वाताइचामत्सारः । वाइश्वादा धाओहोवा ।
दू त टीटख शि

नाओजासा ॥२३ ॥
टि ख

वृषाहाबु । पावास्वाधारा या ।
ता त श ख श खिण

मारुत्वाताइचामत्सारः । वाइ
ख प्ल ख श खी ण
श्वा दधाना ओओहोवा । जासा ॥२४ ॥

किचु काटदख शि ख श
॥आशुभार्गवंतृतीयम् ॥

वृषापवस्वधाराया । मारुत्वाताइचा
षु तात टी चा

मत्सारः । विश्वादाधानओजा
खा ण चाय ट ता प

सोहाइ ॥२५ ॥
प्ल शा

॥१६॥

आइवृषा ।पावाई हाौहोस्वाधारा
 ती टिच्यट थ टि
 या ।मारुत्वते हाइ चामात्सारा
 त टीत श चाय प
 हाइविश्वादधाहाबुनओजसाहाबु ।ओवा ओवाओ
 शौ णाफ़ख
 वा ।अस्मेरायाऊताश्रवाः ॥२६॥
 शि की टा खा
 वृषापावए हिया ।स्वधाराया औहो
 खु णा टा खाक
 वा ।मारुौहोवा ।त्वातेचामात्सा
 शा पाक था यी प
 राः ।औहोये औहोवा ।विश्वाद
 श टच्यट खात्र चा
 धा नाओजासा ॥२७॥
 काच्यक टा ख

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

वृषापावाहौहो औहो स्वाधाराया हौहो औहो ।

टी टि त टी टि त

मारुत्वाते हौहो औहो चामात्सारा हौहो औहो ।

टी टि त टी टि त

विश्वादाधा हौहो औहो । ना ओजासा हौहो औ

टी टि त टी टि

हो । ओइळा ॥२८ ॥

खण् प शा

वृषापावा औहो औहो वा । स्वाधाराया

टी खीश टी

औहो औहो वा । मारुत्वाता औहो औहो वा ।

खीश टी खीश

चामात्सारा औहो औहो वा । विश्वादाधा

टी खीश टी

औहो औहो वा । ना ओजासा औहो औहो वा ।

खीश टी चीझ

होइळा ॥२९ ॥

झ शा

॥यौक्ताश्वेद्वे ॥

औहोहोहाइवृषा ।पावस्वधाराया ।

ता त ती क दु

मारूत्वाताइ ।ओइचामाचा

च क ख ण श टि क

मत्साराः ।औहोहोहाइविश्वादधा

खा ण ता त ति टा

नाओजासाऔहोवा ।ओइज्वरा ॥३० ॥

ख श खा शि खी

वृषाबुहोहोहाइ ।पावस्वधाराया ।मारू

ती त त श क दु टा

त्वाताइ ।चमा ओचामत्साराः ।

ख ण श ताच का खा ण

विश्वाबुहोहोहाइ ।दधानाओ

ती त त श टा ख श

जासाऔहोवा ।ओइज्जूवा ॥३१ ॥

ट ख शि स्विश

॥भासञ्च ॥

यस्ताइ ।मादोवाराउवोवाणीया

ता श टी खा श ख

स्ताइनाउवोवा ।पावास्वाआउवोवा ।

शी खा श टी खा श

न्धासादाइवा ।वाइराघशाउवोवा ।सा

ख शी दु खा श ख

हा ॥३२ ॥

श

॥सोमसामच ॥

यस्तेमदा: ।वराइणीयास्ताइनापावास्वा
 ती ता ति टु
 आन्धसा ।दाइवावाइरा हाबु ।
 ता ता की खा शा
 घशांसहा ।होइळा ॥३३ ॥
 ड्ला शा फ्ल शा
 ॥प्रजापतेश्वसहोरयिष्ठीयम् ॥

यस्ताओइमादा: ।वराइणायाउवो
 ता खिण टु खा
 वाहाउवोवाहाइ ।ताइनापावास्वा
 श खिशत श की का
 आन्धासाउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टि खाश खिशत श
 दाइवावाइराउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टु खाश खिशत श
 घाशाऔहोवा ।सहोरयिष्ठाः ॥३४ ॥
 टद्ख शि ताच टाख
 ॥मादिलम् ॥

यस्तेमादोवाइया ।राइणायाः ।ताइ
 खीश फ्ल यि ट
 नापावास्वाऔहोवाहान्धासा ।दाइ
 कि का टाक था टा
 वावाइरा औहोवा ।घशांसहा ॥३५ ॥
 चिट खा शि तीच्

॥सोमसामचैव ॥

यस्ताइमादोवरेणीयाः ।ताइनापावास्वा
पी शु कीच

आन्धासा ।दाइवावाइराघाशो
कायट टि टिकप

बांसाहो ।हाइ ॥३६ ॥
शु शा शा

॥प्रजपतेश्वैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥

यस्तेमदोवरेणीयाए ।तेनापव स्वान्धसा
तूत क षि

दे वावीराहाइ ।घाशाउवासा
की पिणश का का

हाउवा ।उऊपा. ॥३७ ॥
का का खाश

॥वैष्टम्भेद्वे ॥

तिस्रोवाचाः ।उदाउदाआउवाए रातेगावोमिमा ।तीधाइतिधाआउवाए ।नावोहरिरेतिकनाइकनाआउवा ।क्रादात् ॥३९ ॥
ती चा ता भीख शु का ति भी ख शु चा ति ट ख श

तिस्रोवाचाः ।उदाइराते ।गावोमिमान्तिधाइनावाः ।हारिरेत्योहाइ ।कानाऔहोवा ।
ती पीश यू पाश खीणश टटख शि

क्रादात् ॥ ३९ ॥
ख श

॥पाष्ठौहेद्वे ॥

तिस्रोवाचोहाउदीराताइ गावोमिमाहान्तीधे नवोहर राइतोहाइ ।कानाइक्रादाऔहोवा ।अस्माभ्यङ्गातुविक्तमाम् ॥ ४० ॥
था श्लाच का चाश था श्लाच का का शा पि णश टीटख शि कि त खी

तिस्रोवाचाउदीरतोवाहाइ ।गावोमिमान्तीधे नावोहरिरेति ।कानाऔहोवा ।क्रादात् ॥ ४१ ॥
षी तुतश ती काख शु टटख शि ख श

॥१४॥

तिस्रोवाचा उदीरताइ ।गावोमिमा न्तीधाइनावाहोवाहाइ हाराइराइतीहोवाहाइ ।

ण णाफ ख शि कीच का याट टात श चा या टा टात श

कानाइक्रादाौहोवा ।दीशाः ॥ ४२ ॥

टीट्ख श ख प्ला

॥पाष्ठौहञ्चैव ॥

तिस्रोवाचाउदीरताइ ।गावोमिम न्तीधेनवोहरिराइती ।कानौ हूवाएहोवा ।क्रादा

फी कीश क कि षी टि ता टाच्च काट का टट्ख

औहोवा ।हाओवाओवा ॥ ४३ ॥

शि त टा टाख

॥इषोवृधीयञ्च ॥

इन्द्रायेन्दाबु ।मारूत्वताइपावस्वमाधूमक्तमाः ।आर्कास्यायो नीमासादाौहोवा ।

ती श का का डु ची थ टिच्च टिट्ख शि

इषोवृधे ॥ ४४ ॥

टीच्च

॥इन्द्रसाम ॥

आइन्द्रा याइन्दोमारूत्वाताइ ।पावा स्वामा ।धूमक्तमाः ।आर्कास्यायो ।नीमासादाः ॥ ४५ ॥

ख शाप्लख ण कि ख श ख शाप्लख ण कि ख ख शाप्लख ण कि ख

॥वैश्वदेवेच ॥

इन्द्रा येन्दोहोौहोवा ।मारूत्वतेहोौहोवा ।पावास्वमा ।होौहोवा ।धूमक्तमाहोौहोवा ।आर्कास्यायोहोौहोवा ।निमासदाहोौहोवा ।ओइळा ॥ ४६ ॥

का का क त त क क त त च टि का त त च टि का त त थ टि का त त का टा का त खण् प शा

इन्द्रायेन्दोएमरू ।त्वाताइपवास्वमधूमक्तमा ।हूवाएहोवा ।आर्कास्यायोहूवाएहोवा ।

तु ता षा कु टा तच्च कटत टि तच्च कटत

नीमासादाः ।ओइळा ॥ ४७ ॥

टि खण् प शा

॥इन्द्रसामचैव ॥

इन्द्रायेन्दोमरुत्वतोहाइ ।पवास्वामधुमक्तमाओहाओहा ।आर्कास्यायोनाइमाओहो
 शी तु त श कि कु ट ख ख ण था टा ट ख
 वा ।उप्सादाः ॥ ४८ ॥
 शि खा फु
 ॥आग्नेयानित्रीणि ॥

इन्द्रायेन्दोहाबु ।मारुत्वतेहाबु ।पावास्वमाहाबु ।धूमाक्तमाहाबु ।आर्कास्य
 ती त श टीत श कीत श टीत श

योहाबु ।निमाहोबासादोहाइ ॥ ४९ ॥
 टीत श टा ख फु फ्ला शा

इन्द्रायेन्दोवाओवा ।मारुत्वताउवाआउवा ।पावास्वमाउवाआउवा ।धूमाक्तमाउवाआउवा ।अर्काहाबुस्ययोहाबु ।नीमाउवाहोबासादो ।हाइ ॥ ५० ॥
 ती ता त का कि का की कि का की खि श्रु कीप फु फ्ला शा

इन्द्रायेन्दोमरुत्वाताइ ।पवास्वमधूमक्ता
 शी ति त श कीश च य

माअर्कस्ययोनिमाहाबु ।सादो ।हाइ ॥ ५१ ॥
 प श्रु फ्ला शा

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसा ।व्यंशुर्माआउवा ।दायाप्सुदाक्षाः ।गिराआउवाएष्टाः ।ख)श्येनोनायो ।निमा
 ता क ता टि ख शी ता भी काट त ता
 आउवासादात् ॥ ५२ ॥

टि ख श

असावियाशुर्मदा याप्सुदक्षोगाइरिष्टाः ।श्याइनोनायो ।नीमोबासादात् ।हाइ ॥ ५३ ॥
 ती टिच्क षि की यि टाच कप फु फ्ला शा

असाव्याउवोवा ।शुर्मदाया ।उवोवा ।आप्साउवोवा ।
 फा खिश क टि खा श टा खा श

दक्षोगिराइष्टाउवोवा ।श्येनोनयोनिमासा ।दात् ॥ ५४ ॥
 दू खा श क दू ख

असाव्यौवाउवोवा ।शुर्मदायौवाउवोवाआप्सुदक्षौवाउवोवा ।गीराइष्टौवाउवोवा ।श्येनोनयौवाउवोवा ।नीमासादौवाउवोबाहोइळा ॥ ५५ ॥
 फा खीश क कि खिश फा खु श की खिश फा खु श की खिप फु फ्ला शा

॥च्यावनानिचत्वारि ॥

असाव्युहुवाहाइ ।अंशुर्मदायाप्सुदक्षोगिरिष्टाउहुवाहोइ ।श्याइनोनायोऔहोवा ।नीमासादात् ॥ ५६ ॥

तु त श क ष दू च श क ता ट ख शि टि च

असाव्यंशुरौहोवाहाइ ।मदा याप्सुदक्षोगिरिष्टः ।श्याइनोनायोनाइमाौहोवा ।
षी ति त श टाच् षी कि यि टा ट खा शि
उप्सादात् ॥ ५७ ॥

इहाओवाइहाअसाव्यंशुर्मदायेहा ।आप्सुदक्षोगिरिष्टः ।ईहा ।श्येनोनयोनिमाखाणफङ्गु) ।ईहा ।आसदा त् ।ईहा ॥ ५८ ॥

ता पा षु शु कूखणफङ्गु खश क टि खश ट खाणफङ्गु खश

असाव्यंशुर्मदायाहाबु ।आप्सुदाक्षः ।गिराइष्टोहाइ ।श्याइनोनायो ।नाइमाहा इ ।सादात् ।हाइ ॥ ५९ ॥

खा झा खा शि खिण पीण श भीत टि खण् श प झ शा

॥प्राजापत्येद्वे ॥

पवास्वादौहोऔहोवाहाइ ।क्षासा धानाऔहो
फि फा फात त श थाच्क ट ता

औहोवाहाइ ।देवे
तात त श कथ

भ्यःपाइतये हारा ।औहो
कुच्चक ट ता

औहोवाहाइ ।मारूत्भ्योवा ।औहोऔहोवाहाइश
तात त श चिट ता तात त

यावाौहोवा ।मादाः ॥ ६० ॥

टद्ख शि ख झ
पवस्वदक्षसाधनओवा ।देवेभ्यःपीतयाहोइहराइ ।मारूत्भ्योवाऊयवोबामादो ।
षु ती त क दु टी श विट य झा झि
हाइ ॥ ६१ ॥

शा

॥वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥

पारी ।स्वानोगीरिष्ठाः ।पवाइत्रे सोमोअक्षारात् ।मदाइषू साई या ।र्वाधोबाआसो ।हाइ ॥ ६२ ॥
 ता तु टा खाक थ टि की टात कप प्ल ष्टा शा

पर्येपारी ।स्वानोगीरिष्ठाः ।पवाइत्रे
 ती तु टा खा

सोमोअक्षारात् ।मदाइषूसाहा ।र्वाधाऔहोवा ।एआसी ॥ ६३ ॥
 कथ टि दु त टट्ख शि त टाख

पारी स्वानोगाइरिष्ठाः ।पावित्रेसोमो
 फा फाख शि चाक का

अक्षारात् ।पावित्रेसोमोअक्षारातत् ।ओइमदौवाओवाषुवा ।सार्वाधायसाइमादाऔहोवा ।ए षुसार्वाधायासी ॥ ६४ ॥
 कि कि टा खा ण कीख ख शि थ दूख शि तच्च का टि ख

औहोइहाहा हाहोयौहोवा ।पराइस्वानोगीरा इष्ठाः ।पवाइत्रे सो ।मोअक्षा
 ट चिक्च काट खश खी श खा णा खी श खि

रात् ।मदाइषूखी)साश)र्वाधायासी ।औहोइहाहा हाहोयौहोवा ।एऊपा ॥ ६५ ॥
 ण खिण ट चिक्च काट खत्र त टाख

॥रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥

पर्येस्वानाः ।गाइरिष्ठाःइया हाहाउवाहोइ ।पावित्रेसोमोअक्षारात् ।इया हाहाउवाहोइ ।मदाइषू सा ।हाहाउवाहोर्वाधोबाआसो ।हाइ ॥ ६६ ॥
 ती ट चि टाच्च था टाच श कि टा चि टाच्च था टाच श टा काच था टाट कप ष्टि शा

पयौहोवाहाइस्वानाः ।गाइरिष्ठा
 षू ता ट चि

इया ओहा हाइ ।हाहाओवाओवा ।पावित्रे
 टाच्च शप्ल त श था का का कि

सोमोअक्षारात् ।ओहाशप्ल)हाइ ।हाहाओवाओवा ।मदाइषू सा ।ओहा हाइ ।हाहाओवाओवा ।र्वाधोबाआसो ।हाइ ॥ ६७ ॥
 टा चि ख त श था का का टा काच ख शप्ल श था का का कप ष्टि शा

॥ौर्णायवेदे ॥

परिप्रियादिवःकावीःवायांसिनस्योहितास्वानैर्याती ।आयाउवाइया ।ईया ।कावीःक्रातो याओहोवा ।ई ॥ ६८ ॥

षी ती षु कि टात का शी टत चा टाट्ख शि ख

परिप्रियादिवःकवाइः ।वया हाउवांसिनस्योवार्हीताः ।स्वानैर्याती ।हुवा

फी शा का श टाच्क कि कीच क टात का

होवाहोवाहुवाईया ।कावीःक्रातो याओहोवा ।

का का टाट्त चा टाट्ख शि

ईया म् ॥ ६९ ॥

तट्ख

द्वितीय खण्डः

॥सौभरेद्वे ॥

प्रसोमासा: | मदच्यूताओहोवा | त)इश्रवासाइनाः | ओइमघोनाम् | सूतावा इदा औहोवा | थेअक्रमूः ॥ १ ॥

खिण च य त टि ख ण डु टि खा शि खी

प्रसोमासा: | वाइपाश्चीताआ
ती की श च

पोनायान्ताऊर्मयोवानानिमा | ओओहो | हिषाई वाइलाभा | ओइला ॥२ ॥

य ट य की च य ट का त चि टि खण् प शा

॥इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥

पवस्वेन्दोवृषासुताः | कृधीनोयशसोजनाए वाइश्वायापा | द्वाइषा औहोवा | जाहि ॥३ ॥

फी शा का षु पि शु ट खा शि खश

वृषाहिया | ती)सिभानूना | द्युमन्तत्वाहवामाहाइपावा | मानासुवोओबा | श)द शम् ॥ ४ ॥

मित यू पा ति टीप खश

वृषाहियासिभानुना | द्युमन्तन्तवाहवामहे | की)होवा औहोवा | पावमानासुवदशंहोवा औहोवा | हूवोइला ॥ ५ ॥

फी की टी काट का टि च टी काट का खा ल्ला

॥बग्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥

इन्दूरौहोवाहाइपावी | ष्ठचाईतनोहाइ | हाहोएहोवा | प्रीयाःकवीनाम्मतिरोहाइ हाहोएहोवा | सृजादशांहाइ | हाहोएहोवा | राथा औहोवा | ईवा ॥ ५ ॥

खा श्रु ट खिण श क टाट त की पीण शक टाट त ट खा ण श क टाट त ट ख शि खश

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकवाइ हिंहिन्नाम्मातीः | सृजदाश्वाम् | हिंहिंरथाऔहोवा | ईवा ॥ ६ ॥

षु तु शट खिण पि श ट त ट ख शि खश

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकविनाम्मतिंसृजादशां | ओवाओवारा थाऔहोवा | ईवा ॥ ८ ॥

षो तु त का काट ख शि खश

॥ब्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥

असृक्षताप्रावाजीनाः । गव्यासोमासोआश्वया । शुक्रासोवीरया शावओइला ॥ ९ ॥

खी श ष्ठि टा टा त चि टा टा काच्क पा शा

असृक्षताप्रावाजीनाः । गव्यासोमासोआश्वयाहोइ । शुक्रासोवाहोइ । रायाशाटाट्)वाऔहोवा । ग्वाभीः ॥ १० ॥

तु ति षु टि च श ता टा च श क ख शि ख श

असृक्षतप्रवाजिनएगव्यासोमा । सोआश्वाया । शुक्रासोवी । रायोबाशावो । हाइ ॥ ११ ॥

षी छु शी त पा श टा ख ण कप ष्ठ ष्ठा शा

॥शार्मदे द्वे ॥

पावास्वादे । वयावाया

ती ताट ख

औहोवा । यूषागाइन्द्रज्ञच्छा । तुताइतुताऔहोवा । मादाः । वायूं होआरोहधाहाधाऔहोवा । मूर्माणा ॥ १२ ॥

शि ख शु ता टा ख शि ख ष्ठ टाच्यट त ताट ख शि ख श

पवस्वदेवाएहिएहीया । आयुषागैहीएहीया । इन्द्रज्ञच्छन्तुतेमदाए । हीएहीया । वायूमारो ओहाधोबाम्राणोहाइ ॥ १३ ॥

फु खी श टी याट त षी द्व टाट त की का प ष्ठ ष्ठा शा

॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

पावा । मानोअजीजानात् । दीवाश्चित्रान्यतान्यतूम् । ज्योतीर्वै श्वानाराऔहोवा । बृहात् ॥ १४ ॥

ता की ख ण चा चा शी कि टा ख शि ख श

पवमानाः । अजाइजानात् । दीवाश्चित्रांहाहाइ । नात न्यातूम् । ज्योतीर्वाइश्वा । नरोबाबृहात् । हाइ ॥ १५ ॥

ती पी श चा टा त त श का ख ण ख श ख ण ष्ठा ष्ठि शा

॥मरूताम्पकीळाख्यःसङ्कीळावानिक्रिळावा ॥

पारी । स्वानासइन्दवोमदायाबर्हणागिरा मधोअर्षाम् । तीधोबारायो । हाइ ॥ १६ ॥

ता षु चि टि खा खा ता कप फ्ल शा शा

पर्येपारी । स्वानासइन्दवाउवाहाउवाहोवाइया । मदायबर्हणागिराउ

ती षु टा टिकथ चा षु

वाहाउवाहोवाइया । माधोअर्षन्तिधारयाउवाहाउवाहोवाइयो याऔहोवा । ऊपा ॥ १७ ॥

टी टिकथ चा षु टु टिकथ टाट्ख शि खश

पारी स्वाना साइन्दवाः । मदायाबर्हणागीरामधोआर्षान् । ऊर्मिरिवाईया । तिधा रा

फा णाफ्ख शि टाच चिक टी टत टी टत काच्क

याऔहोबाहोइला ॥ १८ ॥

टा खफ फ्ल शा

॥औशनम् ॥

परिप्रासीष्यादत्कावीः । सिन्धोरूर्म्मावाधीश्रीताः । कारूर्म्बाइप्राऔहोवा । पूरुस्पृहा म् ॥ १९ ॥

ती चि ट यू टा टिद खा शि ता टाख

तृतीय खण्डः

॥यामानित्रीणि ॥

इहा इहा ।उपोषुजातमासूरामिहा ।इहा इहा
 टाचकश टूचकच शा टाचकश

गोभिर्भज्ञम्परा इष्टृतामिहा ।इहाटाचू)इहा ।इन्दुन्देवाअया सीषूःइहा ॥ १ ॥
 दूच का च शा कश टूचक च कश

आउपोषुजातमासुरासुपा ।गोभाइर्हो इ ।भज्ञम्पराइष्टृतासुपा ।इन्दुं होइदेवाअयासिषुरा आउवा ।उऊपा ॥ २ ॥
 प दूचकच शा टा काचूश टी चि शा टाचक इ ति टि खाश

उपोष्वौहोइजाताम् ।आसूरा
 षु ता टात

मौहोवाइगोभिर्भागम् ।ओइपारीष्टृताम् ।इन्दून्देवा औहोवा ।अयासिषूः ॥ ३ ॥
 टात चा खाण यी टा टा खा शि खी

॥अङ्क्तेवैररूपस्यसाम ॥

पुनानोया ।क्रामीदाभीः ।विश्वामार्दधोवीचर्षणाइः ।शुम्भान्तावी ।प्रान्धाऔहोवा ।
 ती खिण टाख श स्थिण श टाखण टटख शि

तीभीः ॥ ४ ॥
 ख प्ल
 ॥औशनेच ॥

आविशन्कालाशंसुताः ।वाइश्वाअर्षन्नाभाइश्रायाओहाओवाओहा ।इन्दूरा इन्दूरा औहोवायधीयते ॥ ५ ॥
 तु ति कि कथक टी ट ट टाखण टिट खा शि खी

आवीशङ्कालशं सुतोवाइश्वा ।अर्ष न्नाभाइश्रायाओहोओहोवा ।ओहोओहो इन्दू
 फा फा फाष्ट खि णा थाचक टी खीश ट तिचू का

राइन्दूरा ।याधीया ताओहोवा ।ऊपा ॥ ६ ॥
 य टा टिट ख शि ख श

॥सोमसामच ॥

असर्जिरा ।थियोयाथा ।पावित्रे चासुवोस्सूताः ।काष्मन्नवाजी ।नियाक्रामाइदौहोवा ।होइला ॥ ७ ॥

ती पि शि चि टि खण क टात चाक पि ष्ण ष्ण शा

॥काष्णेच ॥

प्रयद्धाबु ।गावो नाभूर्णायास्त्वेषा ।अयासोअक्रामुम्नान्ताःकार्षणाम् ।आपात्वचमौहोहाऔहोवा ।उऊपा ॥ ८ ॥

ति श थाच काय प ता कु चा टा त कु टद्ख शि खा श

प्रयत्गावोनभूर्णायाः ।त्वाइषाअयासोअक्रमूम्नातोहाइ ।कार्षणाऔहोवा ।आपत्वा ।चाम् ॥ ९ ॥

कि ख शी चि काट किप णाश टद्ख शि थ टा ख

॥भारद्वाजज्ञ ॥

अपम्नहोइपावा ।साइमार्धाः ।ऋतूवित्सोमामात्साराः ।नुदस्वादाऔहोवा

पु ता च या ट कीच काय ट टिद्ख शि

वयु न्जना म् ॥ १० ॥

का टाख

॥वैश्वामित्रज्ञ ॥

एआयापवा ।स्वधाराया हाउवा ऊपा ।यायासूर्यमरोचाया हाउवा ऊपा ।हिन्वानोमानुषाइर्हो ।यापयाआउवा ।उऊपा ॥ ११ ॥

तु का टाच्य टाच्खश कि कि टाच्य टाच्खश टू काच क ता टि खा श

॥इन्द्रस्यवात्रम्भम् ॥

सहोइपवस्वायायावीथाइ न्द्रवृत्रायाह न्तावाइ ।ओवाओवा ।वब्रीवांसांमाहीरापाऔहोवा ।होइला ॥ १२ ॥

ता शी टा क थ टि काख ण श टा खण टि त काक टा खष्ण ष्ण शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

अयावीती | परिस्ववायस्ताइन्दोमादाइषुवाअवाहान्ना | वातोबानावो | हाइ ॥ १३ ॥

ती कु की टि मित तप ष्ठ ष्ण शा

अयावीताऔहोवा | औहो औहोवाऔहोवा | परिस्ववायस्तइन्दो औहोवाऔहो औहोवाऔहोवा | मदे षुवाअवाहान्ना औहोवा | औहो औहोवाऔहोवा |

कि था टा थाच्क टट्ख शि का का कीच्क टा थाच्क टट्ख शि टाच्क का का काच्क टा थाच्क टट्ख शि

वतीर्नवा ॥ १४ ॥

टीख्

आयावीता इपरिस्ववा | यास्ताइन्दोमादाइषुवा | अवाहान्ना | वतीर्ननावाऔहोवा | होइळा ॥ १५ ॥

णा णाफ खा शि चा थाच् का याट भित का क टा खष्ठ ष्ठ शा

॥भारद्वाजञ्चैव ॥

परिद्युक्षाम् | ओइसनद्रायीम् | ओइभरद्वाजाम् | ओइनोअन्धसास्वानोअर्षा | वावोबान्नायो | हाइ ॥ १६ ॥

ती दू पू खा ता कप ष्ठ ष्ण शा

चतुर्थ खण्डः

॥वार्षाहरम् ॥

अचिक्रदादाची

ती काच्

क्रादादचिक्रदादे । वृषाहराइ

क ख पु तीश

वार्षा हाराइवृषाहराए । महान्मित्रोमाहान्मित्रोमहान्मित्राए । नदर्शतानाद शर्ता

काच् क ख पु ती काक खा पु ती काक ख

नदर्शताए । संसूर्याइ संसूर्याइ संसूर्याए । णदिद्युताइ णादी द्यूताइणादा

पु ती श काच् क ख पु ती श काच् क ख शि

द्युताबू बा ॥ १ ॥

झी श

॥वार्षानित्रीणि ॥

आतेदक्षाम् । मयोभूवाम् । वन्हिमद्यावृणीमाहाइ । पान्तामाईया । पूरूस्पृहाऔहोवा । उऊपा ॥ २ ॥

ती भित दू ख ण श का टात टिंख शि खा श

आतेदाक्षांमायोभू वम् । वन्हिमद्यावृणिमहोहाइ । पान्तामाईया । पूरू रू औहोवा ।

खि श खिण फू खा शा टा त टत टट्ख शि

स्पृहम् ॥ ३ ॥

ख श

आतेदक्षम्योभुवांहाइ । वन्हिमद्यावृणीमहोहाइ । (पान्तामाट)पूरूका)स्पृहामीळाभा । ओइळा ॥ ५ ॥

फू खा शा फू खा शा या टी खण् प शा

॥वैरूपेचदेवानांवाञ्छसायिनी ॥

अध्वर्योआ । द्रिभाइस्सूताम् । सोमं पावी । त्राआनाया । पुनाहीन्द्रा औहोवा । यापातावे ॥ ५ ॥

पि ण भी त काखण या टा या खा शि टिख

अध्वर्योऔहोअद्रीभीः । सूतमौहोवाइ । सोमं पावी । ओइत्रायानाया । पुनाहा इन्द्रा औहोवा । यापातावे ॥ ६ ॥

षि तु च टात त श काखण यी टा टिंख खा शि । एतच्क टा ख

॥तरन्तस्यचैददश्वेस्साम ॥

तरत्समान्दीधावाताइ धारासूता ।स्यान्धासाऔहोवा ।तारत्समन्दीधावती ॥ ७ ॥
 ती त या ट श टाखण टाद ख शि कु खी

॥सोमसामच ॥

आपवस्वा ।साहस्रिणांहुवाइहुवाहोइ ।रयिंसोमासुवीर्यांहुवाइहुवाहोइ ।अस्मैश्रवांसिधारायाहुवाइहुवाहोयाऔहोवा ।ऊपा ॥ ८ ॥
 ती च टि टा टि च श का का टि टा टि च श था की टा टा टि टद ख शि ख श

॥सूर्यसामच ॥

आनुप्रत्नासआयावाः ।पादन्नवीयोअक्रमूः ।रूचेजनान्तासू ।हिम्माए ।रीयम् ॥ ९ ॥
 षी ति त षी ची पु श मि खश

॥दार्ढ्यच्युतानित्रीणि ॥

आर्षाइहा ।सोमाद्युमाक्तामाइहा ।आभाइहा ।द्रोणानिरो रूवादिहा ।सीदानिहा ।योनौवना इ ।षूवाइहा ॥ १० ॥
 चा शा टी चा शा चा शा चा टीच्क च शा क च शा टीच श चा शा

आर्षाहाबु ।सोमद्युमक्तमोअभिद्रोणा ।निरोऔहो ।रूवात्सीदाउवायोनौवानेहिम्माए ।षूवा ॥ ११ ॥
 कात श षू टि त मि त टा ती पि श मि खश

अर्षासोमाद्युमाक्तमोअर्षासोमा ।द्युमक्तमोअभिद्रोणाहाहाइ ।नीरोरूवत्साइदन्योनौहाहाइ ।वानाइषु वा ।ओइला ॥ १२ ॥
 फू खा शी की किट त त श चा कि टीत त श टीखण् प शा

॥इन्द्रस्यचृष्टकम् ॥

वृषासोमा ।द्यूमं आसाइ ।वृषादाइवोहाइ ।वार्षात्राताःवृषाधर्माइया ।णाइद द्रिषाइलाभा ।ओइला ॥ १३ ॥
 ती चाय ट श डु त श काखण कीटत कि टी खण् प शा

॥ऐषञ्च ॥

इषेपवा ।स्वधारयौहोवाहा औहोवा ।मृज्यमानोमनीषीभीः ।इन्दोरूचाभिगाऔहोवाहा औहोवा ही ॥ १४ ॥
 ती की खि शि की टीख चा क फ शि खि शि ।उपईकिख

॥श्यावाश्च ॥

मन्द्रयासो | माधारयावृषपावा | स्वादाइवायूः | अव्यावा राऔहोवा | भिरस्मयूः ॥ १५ ॥
 ती षि टि तच् क टि त टि ख शि तीच्

॥सोमसामच ॥

आया सोमसूकृत्यया | माहान्सन्नाभ्यवार्दधाथाः | मान्दानाईद्वृषायासा | इ ॥ १६ ॥
 णाफ्ख शु दू खण य ट य ट खित्र श

॥आग्नेयच ॥

आबुहौहोवाहाअयाविचा | र्षणाइर्हा
 ख शु शी टी

इताः | आबुहौहोवाहाइपवमानाः | साच्चाइताताइ | आबुहौहोवाहा
 खा ख शु शु टी ख श ख शु

इहिन्वानया | पियौहौहोवाहोबाबृहात् | हाइ ॥ १७ ॥
 शु टा खिङ्ग ल्ला शा

॥आयास्येच ॥

प्रणइन्दोऐहीऐहीया | माहेतुनऐहीऐहीया | ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीऐटू)ऐहीऐहीया | आभाइदा इवं औहोवा | आयास्याः ॥ १८ ॥
 फी खीश दू टत क षि खीश टीट खा शि टा ख

प्रणइन्दोइयाईया | माहेतुनइयाईया | ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीयाईया | आभाइदाइवं
 फी खा ख श दू टत क षि टी टत टी खा

औहोवा | ए आया | स्याः ॥ १९ ॥
 शि तच्क ट ख
 ॥भारद्वाजच ॥

होई याहोई याईयाहाइ | अपन्नान्पाहोई याहोई याईयाहाइ | वाताइमा दूधाऔहोवा | अपसोमोअराविण्णाःहोई याहोई याईयाहाइ | गच्छन्नाइन्द्रा होई याहोई याईयाहाइ
 खा ल्ला खा शु टि ख खा ल्ला खा शु टीट ख शि कि टि खा खा ल्ला खा शु टि खा खा ल्ला खा र
 २० ॥

पञ्चम खण्डः

॥आयास्यच्च ॥

पुनानस्सो माधाओहोवा ।राया ।आपोवसानोअर्षस्यारात्नाधाः ।योनाइमार्क्तास्यासाओहोवा ।दासी ।उत्सो
 ती टद्ध शि खश तीकथ टीत टी तट्ट ख शि खश
 देवोहाइरा ओहोवा ।ण्याया ॥ १ ॥

भित ट खा शि ख श

॥वसिष्ठस्यचापदासे ॥

पुनानस्सोमधारया ।आपोवसानोअर्षस्योहाओहाइ ।अरात्नाधायोनिमृतस्यासीदस्योहाओहाइ ।उत्सोदाइवाओहाओहाइ ।हिरण्याया ।ओइला ॥२ ॥
 षु तृ कीकथ ट तट तश का कि चीथ य तट तश चाय टाट तट तश टि खण् प शा
 पुनानस्सोमधारया ।की)आपोवासानोअर्षसी ।अरात्नाधायोनीमार्क्तास्यासीदसी ।उत्सोदाइवो हीरण्याया ।ओइला ॥४ ॥
 फी ट य टात चि य टाथ टात चि य टि चक ट खण् प शा

॥माण्डवच्च ॥

पुनानस्सोमधारयापोवसोवा ।नोअर्ष
 षु तूत कि

स्यारात्नाधाउवाओहाइ ।योनिमृतास्यसीदस्युत्सोदेवाउवाओहात)इ ।हीरण्याया ।ओइला ॥ ४ ॥
 का कीट तश च चीथ टी किट श टि खण् प शा

॥उद्भवच्च ॥

पुनानस्सोमधाहोरया ।आपोवसानायाहोर्षासी ।आरत्नधायोनिमृतास्यासाहोइदासी ।उत्सोहोइदाइवो हीरोबा
 षी ति ता की टि टा षु कि टि टि टाच्य य ता कप छ
 ण्यायो हाइ ॥ ५ ॥

छा शा

॥माण्डवच्चैव ॥

इयाईया ।पूनानस्सोमधारा या ।आपोवसानोअर्षासी ।आरत्नधायोनिमृतास्यासिदासी ।उत्सोदेवोहा इरा ओहोवा ।
 टाट टी खिण की टि ट षु कि टि टि क था टाट खा शि
 ण्याया ॥ ६ ॥

त टख

॥प्रजापतेश्वसदोविशीयम् ॥

पुनानस्सोमधारया ओहा ओहा । एओहो औहोवा । आपोवसानो अर्षस्योहा ओहा एओहो औहोवा । आरा त्वाधायो
 षू तू य टातत कीकथ टातटत टाटत का कि
 निमृतास्यासीदस्योहा ओहा एओहो औहोवा । उत्सोदाइवा ओहा ओहा एओहो औहोवा । हीरण्याया ओहोवा । सदोवीशः ॥ ७ ॥
 ची थ टातटत टाटत चाय टितटत टाटत टिद्ख शि ताटख
 ॥जमग्नेस्सवासिनी द्वे ॥

ओहोवा ओओहोवा ओओहो वाओवा ओवा
 ट य टाट य टाट कच्चक काटद्ख

ओहोवा । पुनानस्सोमधारया । आपोवसानो अर्षस्यारात्वाधायो निमृतस्यासीदस्युत्सोदेवाः ओहोवा ओओहोवा ओओहो वाओवा ओवा ओहोवा । एहिरण्या ॥
 शि की की कीकथ टि कि का चाथ टीच ट य टाट य टाट कच्चक काटद्ख शि त का टाख
 ८ ॥

ओहोवा ओवा ओहोवा । पुनानस्सोमधारया पोवसानो अर्षस्यारा
 तच्चक काटद्ख शि की की कीकथ कि
 त्वाधायो निमृतास्यसीदसी । ओहोवा ओवा ओवा ओहोवा । उत्सोदे वोहिरण्या
 कि का चि खा तच्चक काटद्ख शि कि कु
 इल्लाभा । ओइल्ला ॥ ९ ॥
 ट खण् प शा

॥आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥

आयिपुना । नास्सोमधारया अपोवासा ओनो अर्षसी । आरात्वाधा ओयो निमृतस्यासीदसी । उत्सोदाइवा ओइ । हीरण्याया । ओइल्ला ॥ १० ॥
 ती कि कु का चि की कु चि कुचश टि खण् प शा

पुनानस्सोमधाहाबुहोवा । रायापोवसानया । र्षासी । अरा ओहोवात्वाधायो निमृतस्यसा इ । दासी । उत्सो ओहोवा । दाइवोहिरा । ण्याया ॥ ११ ॥
 षी तु त पा टि खाणफङ् खश पाक था कि टि खाणफङ् खश पाक था टि खाणफङ् खश
 ॥कण्वरथन्तरम् ॥

पुनानस्सोमधारया आपोवसानो अर्षासी । आरत्वाधायो निमृतस्यसीदसा ऐही । उत्सोदाइवोहिरा आउवा । एण्याया ॥ १२ ॥
 षु ति कु पाश षू तू ता टि ता ता टि त ता ख

॥ आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सोमधारयाएौहोवा ।आपेवसानया र्षासी ।आरत्नधायोनीमृतास्यासाओौहो ।दासी ।उत्सोौहोदाइवो
 पु तु खात्र का टा खाणफूत टख् पू की पाश त टख् पि श चि
 हिरा ।ण्याया ॥ १३ ॥
 खाणफूत टख्
 ॥रौरवम् ॥

पुनानस्सोमाधारया । आपोवसानोअर्ष
 तु पाण
 स्यारत्नधायोनिमृतास्यसाइदसा
 षौ दूति
 ओहाउवा । उत्सोदेवोहिराहा ओहाउवा
 पा शा दूत पा शा
 ॥यौधाजयञ्च ॥

पूनानासोमाधारा या । आपोवसानया । र्षसी । आरा त्वाधायोनिमृतास्य
 च य प श प्लु खाण का का ट खाणफ्लु ख श का कि टि
 सा इ । दासी । उत्सोदाइवोहिरा । ण्याया ॥ १५ ॥
 खाणफ्लु श ख श टा टि खाणफ्लु ख श
 ॥ वसिष्ठस्यचप्लुवम् ॥

हाउवाहाउवाहाहाउवाहाइ । पूनानास्सोमधारा या । आपेवासानोआर्षासी ।
 ति तित खिपुतश स्विश स्विण स्विश स्विण
 आराल्नाधायोनाइमार्कृता । स्यासिदासी । उत्सोदाइवोहाइराण्याया । हाउवाहाउवा ।
 स्विश स्वीश स्विण स्विश स्वीण ति ति
 हाहउवोवाहाऔहोवा । एआतिविश्वानीदूरीतातरे मा ॥ १६ ॥
 त स्वीपुख शितकाकाकि किख

॥अच्छिद्रञ्च ॥

परितोषी । अताआउवा । सूतम् । सोमोयऊक्तामं हावीः । सोमोयऊक्तमांआउवा । हावीः । दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तरा । दधन्वायाः । नर्यो आप्सुआआउवा । न्तारा । सूष
ती ता टि खश टा चा चा चा ती ता खश का टीच् ची ती टाच्च ता टि खश च
द्राइभीः ॥ १७ ॥

ख प्ला

॥रयिष्ठञ्च ॥

परितोषी । अतासूतमाहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवासोमोयऊक्तामं हावीः । सोमोयऊक्तमांहावीरौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवा । दध न्वायोनर्यो अप्सन्तरा । दधन्वय
ती भि टात टात टात टख्प्ल ति टा चा चा चा ती भि टात टात टात टख्प्ल ति का टीच् चा चा त
॥भारद्वाजेद्वे ॥

औहोइ परितोषी । अता सूतमौ । होऔहो वाऔहोवा । सोमोयऊक्तामं हाविरौहोऔहो वाऔहोवा । दध न्वायोनर्यो
षि ती ताच् टि तिच्क क खश टा चा का टी तिच्क क खश का टीच्
अप्सन्तरा औहोऔहो वाऔहोवा । सूषावसोमामा
कि टा तिच्क क खश चा ची
द्रिभिरौहोऔहो वाऔहोवाउहुवाहाबु । बा ॥ १९ ॥

टि तिच्क क प झीश श

पर्येपरी । तोषिञ्चता सूतमाउवाहाबुहाबुहोवा । सोमोयऊक्तामं हाविराउवाहाबुहाबुहोवा । दध न्वायोनर्यो
ती क टिच् प्लु ति कि टा चा चा फु ति कि का टीच्
अप्सन्तराउवाहाबुहाबुहोवा । सूषावासो । हाबुहाबुहोवा ।
कि टि ति कि टित ति कि

मामद्राइभिरूहुवाहाबु । बा ॥ २० ॥

च प्लु झु शा श

॥आभिशब्दे ॥

परितोषिञ्चतासुतंए |सोमोयाउक्तामंहाविर्दधाहाइ |न्वायोनर्योअप्सुआन्तारा सूषाहाइ |वासोमामोबाद्राइभो |हाइ ॥२१ ॥

पू ति चाक की खाफ़ तश दू किखफ़ तश का पाफ़ ष्टि शा
परितोषिञ्चतासुतंए |सोमोयाउक्तामंहा

विर्दधाहाहाइ |न्वायोनर्योअप्सुआन्तारा सूषाहाहाइ |वासोमामोबाद्राइभो |हाइ ॥२२ ॥

खाफ़ त त श दू किखफ़ त त श का पा फ़ ष्टि शा
॥अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥

परितोषिञ्चतासुतंइहाती) |सोमोयउक्तामंहावीरहा |दध

पू षि टी ति का

न्वायोनर्योअप्सन्ताराईहा |सुषावासोइहा |मामद्राइभाऔहोवा |ईहा ॥ २३ ॥

षि टि ति टि ति टिद खा शि खश

इहापरीतोषिञ्चतासुतंइहा |सोमोयउक्तमं

पू तू षि

हावीरहाउवा |ऊपा |दध न्वायोनर्योअप्सन्ताराईहाउवा |ऊपा |सूषावासोइहाउवा |ऊपा |मामद्राइभीरहाउवा |उऊपा ॥ २४ ॥

टी कि शा खश का षि टि कि शा खश टि कि शा खश च टा कि शा खश

॥माण्डवेद्वे ॥

परितोषिञ्चतासुताम् |सोमोयाउक्तामं हावाइदधाउवोवा |ऊपा |न्वायोनर्योअप्सन्तारा |सूषावासो |मामाद्रिभिरिल्लाभा |ओइल्ला ॥ २५ ॥

पू ता कक कीच का टि खाश खश षि टि त टि त का टी खण् प शा

परितोषिञ्चतासुतंओवा |सोमोयऊक्तामं हाविर्दधान्वायोहाहाइ |नर्यो अप्सव न्तारा

पू ति त टिच चा चीय टततश टाच् चा चा

सूषावासोहाहाइ |मामाद्रिभीरिल्लाभा |ओइल्ला ॥ २६ ॥

चाय टततश का टी खण् प शा

॥वैनसोमकृतवेदे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् । सोमोयउक्तमांहावीः । दध न्वायोनर्योअप्सान्तारा । सूषावासो । मामोबाद्राइभो । हाइ ॥ २७ ॥

तू त दू ट ट क दू ट ट टि त क प ष ष ि शा

पारीतोषाइञ्चतासुतामैहि । ऐहीऐहिहोवाउवाईया । सोमो यऊक्तमांहावीरैही । ऐहीऐहिहोवाउवाईया । दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तारा
टी भु य टाच थि टाटत टाच क भी य टाच थि टाटत क टीच भी

ऐहि । ऐहीऐहिहोवाउवाईया । सूषावसोमामद्रीभीरैहीऐही । ऐहीऐहिहोवाउवाईया । ओइला ॥ २८ ॥

य टाच थि टाटत टीक भि य टाच थि टाटखण् प ष्णा

॥प्रजापतेर्गूर्दौद्धौ गौतमस्यवाप्रतोद्धौ ॥

ऊपाऊपाओऊपाऊपा । परीतोषिञ्चतासुतमूपा । ऊपाऊपाओऊपाऊपा ।

चाच फ ताप चाक फ षू ची च फ ताप चाक फ

सोमोयउक्तमंहविरूपाऊपाओऊपाऊपा । दधन्वायोनर्योअप्स्वन्तराऊपा । ऊपाऊपाओऊपाऊपा । सूषावसोममद्रिभिरूपाऊपा । ऊपाओउपऊपा । ऊपा ॥

षू चीच फ ताप चाक फ षू चू च फ ताप चाक फ षू चीक फ ताप खित्र खश

२९ ॥

हाबुहाबुहाउवा । पारितोषिञ्चता

षी ति कूच

सूतामुपा हाबुहाबुहाउवा । सोमोयउक्तमं हाविरूपा हाबुहाबुहाउवा । दधन्वायोनर्योअप्स्व न्ताराउपा हाबुहाबुहाउवा । सूषावसोमामद्री भिरूपा ॥ ३० ॥

क टिख षी ति कूचक टिख षी ति षू काचक टिख षी ति कूकच टिख

॥मरूताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥

हाबुहाबुहाउवा । पारितोषिञ्चता

षी ति कू

सूतामिहाउपा हाबुहाबुहाउवा । सोमोयउक्तमंहविरिहाउपा हाबुहाबुहाउवा । दधायोनर्योअप्स्वन्तराइहाउपा हाबुहाबुहाउवासुषावसोममामद्रीभिरिहाउपा ॥

चा टीख षी ति कू चा टीख षी ति षू चा टीख षी ति कू का टीख

३१ ॥

हाबुहाबुहाउवा । पारितोषिञ्चता

षी ति कि टिच

सूतं श्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा । सोमोयाउक्तमं हाविश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा । दधन्वायोनर्योअप्स्व न्ताराश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा । सूषावासोममामद्रीभिश्र

का टाच टीख षी ति कि किचक टिच टीख षी ति कू टाचक टिच टीख षी ति कि टिचक

३२ ॥

॥महारैरवञ्च ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दध न्वायोनर्यो अप्स्व न्तारा सूषावसो ।हाबुहाबुहाउवा ।
 षी ति कूचक किच का का की टीच चा चा टीख षी ति

ए मामाद्राइभीः ॥ ३३ ॥
 तच्च टि खा

॥महायौधाजयञ्च ॥

हाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।पारितोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दध न्वायोनर्यो अप्सन्तारा ।सूषावसोममाहाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।द्राइभीः । ॥
 खिश खिशश्छत प फु ति कूचक किच का का की टी ची ची खा खिश खिशश्छत प फु ति त टाख
 ३४ ॥

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसो ।मास्वानोअद्राइभा
 खण क था टी

उवोवा ।तिरोवाराणि ।अव्ययाजानानापाउवोवा ।रिचामुवोर्विशाद्वरीस्सादाउवोवाश ।
 खाश टीच टि टा टा खाश टीच टि टा खा
 वानाउवोवा ।षुदाद्विषाइ ।होइला ॥ ३५ ॥
 टा खाश झीश प शा

हावासोमस्वा ।नोअद्राइभिस्तीरोवारा ।णियाआउवा ।ब्याया ।जनोनापूरीचामू वोः ।विशाआउवा ।र्द्धारिस्सादावाने ।षुदाआउवा ।ध्रिषे ॥ ३६ ॥
 तु खिशा खिण ता टि खश खिश खिण ता टि खश खिण ता टि खश

आसोमस्वानोअद्रिभाइः ।तीरोवाराणियाब्यया ।जनोनपूरिचामू वोर्विशाद्वरीरीः ।सदा वानाइषुदध्रिषो ।इला ॥ ३७ ॥
 तु तिश षी यिट षी यिट कायट टाच टी खिष्ठ शा

आसोमस्वानोअद्रिभिस्तिरोवारा णीयब्यया ।जनोनपुरिचम्वोर्विशाद्वरीरौ ।हूवाएहोवा ।सादावने षूदौ हूवाएहोवा
 षु फु खा झी षी कु टिच टि चा की टाच टि चा ।द्विषाओ(टि
 होवा ।होइला ॥ ३८ ॥
 खफ फु शा

॥आग्रेयञ्च ॥

प्रसोमदा इवावीत याइ ।
ती खीण श

सिन्धुर्नपाइप्ययाआउवा ।र्णसा ।अंशोःपाया ।सामदाइरोनजाआउवा ।ग्रवीराच्छाकोशम् ।मधाआउवा ।शूतम् ॥ ३९ ॥
क कि ति टि ख श स्विण क की ता टि ख श स्विण ता टि च श
॥सोमसामच ॥

प्रसोमदेववीतयोहाइ ।सिन्धुर्नपिप्ये आ
फू खा शा फू

र्णसोहाइ ।आंशाउवोवा ।पायाउवोवा ।सामदिरोनजाग्रवीहाइ ।आच्छाउवोवा ।कोशाउवोवा ।
खा शा टा खा श टा खा श फ णि फा खाण श टा खा श टा खा श
मधूशूता ।होइळा ॥ ४० ॥
झी फु शा
॥द्विहिङ्कारञ्चवामदेव्यम् ॥

प्रासोमादेववीतयाइ ।साइन्धुर्नपिप्य
पि शू

अर्णसाअंशोःपय सामदिरोनजौहोहिम्मा ।ग्रवीराच्छाकोशंमधौहो
षौ कूत टा टत कूत
हिम्मा ।शूतामौहोवा ।होइळा ॥ ४१ ॥
टा पि झा फु शा

॥अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥

प्रसोमदेववीतयेसिन्धून्नपा औहोवा । प्येर्णासा हाउवा । ऊपा । अंशोःपया औहोवाहाइ । सामदिरो नजागृ विर्हाउवा ।

षु कु खाण फ़ु क टिच्य टा खश श्रु क कि कि या टा

ऊपा । अच्छाकोशं औहोवाहाइ ।

खश श्रु

मधूशूताम् । ऊ ॥ ४२ ॥

खि त्र ख

प्रसोमदाइवावीतयाइ । सिन्धून्नपाइप्येर्णासाइहा । अंशोःपाया । हाहोहाइ

तु ति श चूथ टा ता टा खश खाण श

सामदिरो नजागृवीरिहा । आच्छाकोशाम् । हाहोहाइ । मधूशूताम् । हे ॥ ४३ ॥

क कि टा ती टा खश खाण श खि त्र ख

॥सोमसामानिषट् ॥

हाबुसोमा: | उष्वाणस्सोतृभीः | आधिष्णुभीरावाइनाम् | आश्वाऔहो | येवहरितायाताइधाराया | मन्द्रायायाहाओवा | तीधाराया ॥ ४४ ॥

ती थाच यिट कीचय टा टाट त शू यि टा किख शि टिख

सोमउष्वाणस्सोतृभाइः | आधीष्णुभीरावीनामाश्वयेवा | हारितायातिधाराया | मन्द्रायायायाताइधा | रायाऔहोबा | होइल्ला ॥ ४५ ॥

खी श्वी श कीक था पिण यूपश खिश खणा टिखङ्ग षु शा

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी | ष्णुभिराआउवा | वीनाम् | आश्वायेवहरितायातिधाआउवा |

षु ती ता ति टि खश टत कू ता टि

राया | मान्द्रायायातिधा | आउवा | राया ॥ ४६ ॥

खश टत का ता टि खश

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी ।

षु ती ता

ष्णुभिरवीनामाश्वये वाहरितायाताइधारयामन्द्रायौवा | तिधा | रायाऔहोबा | होइल्ला ॥ ४७ ॥

की की कु कु षु खश टि खङ्ग षु शा

सोमउष्वाणस्सोतृभाइःरधिष्णुभिरवीनाम् ।

बै तू

आधिष्णुभिरवीनामाश्वयेवाहरीतायाताइधा | रयाआउवा | मान्द्रा | यायातीधा | रायाऔहो

षु कू पी शा ता टि खश खिण णाच क

वा | होइल्ला ॥ ४८ ॥

फ षु शा

सोमउष्वाणस्सोतृभिरौहोआधिष्णुभीरवीनाम् | आश्वयेवाहरिताया तीधारायौवाउवोवा | मान्द्रायायातीधाहिं | रायोहाइ ॥ ४९ ॥

षु चा टातप षु क की थिच्क कि छिश क पीश च खङ्ग शा

॥विष्णोररणीद्वे ॥

तवाहंसोमरा राणारणा | सच्यइन्दोदिवा इ | दिवाइदिवे | पूरुणिब्रोनिचरन्तिमामावाअवा | पारीधींरतितंइहा इहा औहोवा | ऊउपा ॥ ५० ॥

ती टाच चा शा दूचश चा शि षु टी चा शा कू टाट खा शि खा श

तवातवा | आहंसोमरारणसरव्याइन्दो | दिवाऔहोदाइवे पूरुणिब्रोनिचरन्तिमामावा | पराऔहो | धाइंरतीतोबा |

ती पी दूत भित टि षु यीप श भित कीप षु

आइहो | हाइ ॥ ५१ ॥

छिश शा

॥आङ्गिरसानित्रीणि ॥

तवाहंसोमारारणा ।सख्याइ न्दोदीवेदाइवे ।पुरूषिब्रोनिचरन्तिमामावाहाइपरिधाइंरा ।तीतोबाआइहो ।हाइ ॥ ५२ ॥

तु ति खिण षू चिप श्रु तपङ्ग ष्टि शा

तवाहंसोमरौहोरणा ।साख्याइन्दोदिवा इ ।दीवे ।पूरूषाइबाब्रोनिचरान्तिमा ।मावा ।पारीधाइंरातिं आइहि ॥ ५३ ॥

तू ता च टि खाणफङ्ग श खश टा टि टी खाणफङ्ग खश टा टि खाणफङ्ग ख शा

तवाहंसोमराणसाख्याइन्दोदिवेदाइवे ।पूरूषिब्रोनिचर न्तिमामावा ।पाराइधाइंरातीतं आइहा इ ।ओइळा ॥ ५४ ॥

षी फु ख गु की टि ता षू का टि त टी ता टट खाण श प शा

॥औक्षणोरन्धाणित्रीणि ॥

मृज्यमानाः ।सुहस्तियासामूद्राइवा ।चमिन्वसाइ ।रायींपाइशाम् ।गम्बहुलाम् ।

ती ती टाख शा ती श टाख शा ती

पूरूस्पृहम् ।पावमानाओहो ।भीयोबार्षासोहाइ ॥ ५५ ॥

टाख ण चि पा श कपङ्ग ष्टा शा

मृज्यमानाः ।सूहस्ताया ।समुद्रेवाचामिन्वासाइरयाइंपिशांगम्बहुलम्॒ पूरूस्पृहाम् ।

ती चि ट चा था या पा खि ति की चय टा

पावामा नाओहोवा ।भ्यर्षासी ॥ ५६ ॥

टिख शि टाख

मृज्यमानाः ।सूहस्तियासामूद्राइवाचमीन्वासाइ ।राइं पाइशांगम्बहुलं ।पूरू

ती च चिय टच्य टा का चाश य टच्य टा क चि

स्पृहाम् ।पावा मानाभायाओहोवा ।र्षासी ॥ ५७ ॥

ची य टच्य टट ख शि खश

॥ौक्षणोनिधनानित्रीणि ॥

मृज्याए । मानस्सुहस्तियाओहो । सामुद्रेवाचमिन्वसाओहो । रायिंपिशांगंबहुलम् । पूरुस्पृहाओहो । पावमाना । भीयोबा
त त शूट त कू भि त की कि भु त टि त कप फु
ष्ठा शा
ष्ठा सोहाइ ॥ ५८ ॥

मृज्यमानस्सुहस्तेयावाहाइ । सामुद्राइ वाचमिन्वासी । रायाइंपिशांगंबहुलम् । पूरु
षी तू त श षी टि ख ण खा ति कि या
स्पृहा । पावमाना । भीयोबाषासो । हाइ ॥ ५९ ॥

मृज्यमानास्सुहस्तिया । समुद्रेवाचमाइन्वासी । रायिंपिशांगम्बहुलम् । पूरुस्पृहाओहो । पावमाना । भीयोबाषासो
फी शा का दा दा टि की की भु त टि त कप फु ष्ठा
हाइ ॥ ६० ॥
शा

॥वाजजिच्छा ॥

मृज्यमानस्सुहा । स्तियासमू होद्रेवाहोचामिन्वासाइ । रया होइंपीशाहोगं बहुलांपू रूस्पृहाम् । पवा होमानाहोभी । अर्षासाआउवा । वाजीजीगीवा ॥ ६१ ॥
तू त य टच्य ट था चिश टच्य टि थ की चि टच्य ट थ कि टि कि टच्य
॥द्वन्द्वासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥

मृज्यमानस्सुहस्त्यासमुद्रेवोवा । चामिन्वसीरायिंपिशाहाहाहांगंबहुलंपूरुस्पृह म् । पावमानाहाहाइ । भ्यर्षासाइ । ओइळा ॥ ६२ ॥
षु तु त की टि टत त की कीच का टात त श टाखण श प शा

॥वैश्वदेवेच ॥

हाहाअभीसोमा साआयावाः । हाहाइपवन्तेमादीयाम्मादांहाहाइसमुद्रस्याधिविष्टपे
त कि थाच् काय ट त चू काय ट त षू ची

मा नाइषाइणाः हाहाइमत्सारासो मादा
कच्चक या टा त की थाच् का
च्यूताः । हाहा इ ।

य ट त खण् श

ओइळा ॥ ६३ ॥

प शा

आभिसोमासआयवाः । पवन्तेमद्यम्मदामा औहोआ औहो ।

कि ख कि कि टू त टा त

सामुद्रस्याधिविष्टपे मणीषिणा औहोआ औहो । मात्सारासोमदच्युताऔहोआ औहो ।
की की भु त टा त थ कि भु त टा खण्

ओइळा ॥ ६४ ॥

प शा

॥इन्द्रसामच ॥

अभिसोमा । सयाआउवा । यावाः पवभाइमा । दीयाआउवामादंसामूद्रास्या । धिविष्टपे मना ।

ती ता टि ख शू ता टि ख शू की का

आउवाए । षीणोमात्सारासाः । मदा आउवा । च्यूताः ॥ ६५ ॥

टि भ ख शू ता टि ख प्ल

॥वैश्वदेवञ्चैव ॥

अभिसोमासआहोयवाः । पवन्तेमद्यम्मदं पवन्तेमदियां होइमादाम् । सामुद्रस्याधिविष्टपेमनी षिणोमना होषाइणाः । मात्सारासोमदच्युतोमदा होच्यूताः । ओइळा ॥

शु ता ता कि षी टूच्य टा त की श कुच् का टाच्य ट ता थ श कु श टाच्य ट खण् प शा

६६ ॥

॥इन्द्रसामानित्रीणि ॥

औहोवा अभिसोमास आयव औहोवा ।

षृ तु त

पवान्तेमावा । द्यम्मदंसमूद्रस्यावा । धीविष्टपेमनी षिणा औहोइमत्सारासोवा । मदाच्यूताः ॥ ६७ ॥

टा खा त्र क टी खा त्र च कुच क टच्य टि खा त्र ता टाख्

अभिसोमास आयवाः । पवान्तेमावा । द्यम्मदंसमूद्रस्यावा । धीविष्टपेमनीषीणोमत्सारासोवा । मदाच्यूताः ॥ ६८ ॥

षु ता त टा खा त्र क टी खा त्र कि कु टा खा त्र ता टाख्

अभिसोमास आयवाः । पव न्ताइमादियम्मादम् । सामुद्रस्याधीविष्टपाइमनाइषाइणाः । मात्सारा सोमा दा औहोवा । च्यूताः ॥ ६९ ॥

षु ता त का दुख ण कि षु टा खा ण कि टाद्ख शि ख प्ल

॥स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥

अभाइसोमा औहोस आयवाः । पवान्तेमा औहो द्यम्मद म् । समूद्रस्या औहो धीविष्टपाइ । ओइमा ना औहोवाषीणाः । ऊपा ऊपा । मात्सारा सोमा दा औहोवा । च्यूताः ॥

टा खि खा फा का टा खा खाक का टा खा खा फा काश टिद्ख शि ख प्ल ख शप्ल ख ण कि टाद्ख शि ख प्ल

७० ॥

॥सोमसामच ॥

पुनानसोमजाजागृविरव्याः । वारैःपारीप्रीयाः । त्वंविप्रो अभवोगाइरास्तमाः माध्वा यज्ञाणम्माइमा औहोवा । क्षाणाः ॥ ७१ ॥

षू ती यी टा षू पि ता काच्च का टद्ख शि ख प्ल

॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवमान असृक्षतपवाइ त्रामतिधारयामरुत्वन्तोमत्सराइन्द्रीया हायामाइधाम् । अभाइप्रा या औहोवा । सीचा ॥ ७२ ॥

षी तू श षे दुतच टि ता टीद्ख शि ख श

॥सोमसामनीद्वे ॥

पवस्ववाजसाइहा । तामाः । आभिविशा नीनवार्यास्त्वंसामू औहोवा । द्राः प्रथामेवीधर्मन्दाइवाइभ्यास्सो औहोवा । ममत्सराः ॥ ७३ ॥

षू ता ख प्ल कीचक टीद्ख शि किच यि दुद्ख शि तीच

इन्द्रायापा । वाताइमादाः । सोमोमरुत्वताइसूताः । साहस्रधारो अत्यन्वयमार्षाती । तमा

ती य टि दू टि षु दु य य

इमार्जा न्तीयायावाः । ओइळा ॥ ७४ ॥

टिच्चक टा खण प प्ल

॥स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥

इन्द्रायपा । वते मदास्सोमोमारू त्वातेहोइसूताः । साहस्राधारोअत्यन्यमार्षाता
 ती का चा था टाचक टा टि षु दू

उवोवा । ऊपा । तामीहोइमार्जा न्तियायावाः । ओइळा ॥ ७५ ॥
 खाश खश टि टिचक टाखण प शा
 ॥सोमसामचैव ॥

इन्द्रायापावाताइमादाःसोमोमरुत्वताइसूताः । साहस्राधारोअत्यन्यमार्षाती । तमा
 खी षु दू खण कीश टी खण

औहोइमार्जाम् । तायाऔहोवा । यावाः ॥ ७६ ॥
 कि खिण टद्ख शि खङ

षष्ठ खण्डः

॥३४॥

ओई प्रातू इहा ओद्रवापारीकोशान्निषीदा । ओई नृभीरहा ओपुनानोआभीवाजमार्ष ।

चा फा त क्र स्वि श चा फा का की कि खा श

ओआश्वाइहा ओनत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ । ओआच्छाइहा ओब हर्द्दिरा शनाभाइन्नाया । न्ताइ ॥१ ॥

चा फा त टी कि खा शा चा फा ता का कि पि स्वि त्र श

हा ओहाउहुवा ओहा । प्रातुद्रवापारीकोशान्निषीदा । नृभिः पुनानोआभीवाजमार्ष ।

का फ स्वि ण षी कि स्वि श टु कि खा श

अश्वन्नत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ हा ओहाउहुवा ओहा अच्छाब हर्द्दिरा शनाभाइन्नाया ।

टु कि खा शा का फ स्वि ण कि कि पि स्वि

न्ताइ ॥२ ॥

त्र श

प्रातू । द्रावापरिकोशान्निषीदा । नृभिः पुनानोआभीवाजमार्ष । अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।

ता षु टि थ टु कि खा ण षी टू त श

अच्छाब हर्द्दिरा शनाभाइन्नाया । न्ताइ ॥३ ॥

कि कि पि स्वि त्र श

॥प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥

प्रत्वेप्रतु । द्रावाद्रवापारीकोशान्नीषीदा । नृभिरे नृभीः पूनापुनानो
 का ता षी कि खि श ति ता दु
 आभीवाजमार्षा । अश्वमे अश्वा'म् । नत्वानत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ ।
 कि खा श ति ता दु कि खा शा
 अच्छये अच्छा । बर्हाब र्हाइरा शनाभाभाइन्नाया । न्ताइ ॥ ४ ॥
 ति ता कि कि पि खि त्र श
 प्रतूद्रा । वापरिकोशान्नीषीदा । साइदा । बुहो औहोवा । नृभिः पुनानो
 ति षी दूत कि काच्क का षु
 अभीवाजमार्षा आर्षाबुहो औहोवा । अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।
 दुत का काच्क का षु दुत श
 यन्ताबुहो औहोवा । अच्छाब र्हाइरा शनाभिन्नाया ए हियाहाउवा ।
 का काच्क का कि कि टि काख ष्ठि शा
 न्ताइ ॥ ५ ॥
 ख श

॥प्रजापतेर्वजसनिनीद्वै वाजजितौद्वै वाराहणिवा ॥

प्रकाव्यामूरशनेवाब्रूवाणाः । देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ती । माहित्राता शशुच्छीबान्धूःपावाकाः ।
 क टाच् भी टात टी टीच् टात टीच् भी टात
 पादावाराहोअभियाइतिरा औहोवा । भान् न् ॥ ६ ॥

प्रकाव्यामूरशनेवाब्रूवाणाः । देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ति । माहित्राताशशुचिबान्धूःपावाकाः ।
 टिच् भी टि टी टीच् टि टी भी टि
 पादावाराहोभियाऔहोवा । तीरे भान् ॥ ७ ॥

प्रकाव्यामुशनेवाब्रूवाणोदेवो । देवानान्जनिमावीवाक्तिमाही । वृतशशुचीबन्धूःपवाकाःपादा । वराहोअन्येतिराहाउवा । भान् । ॥ ८ ॥
 चू शा का खश चि चाक कि खश थू कि खश चि का टा ति ख
 हाबुहाबूहू । प्राकव्यामूरशनेवाब्रू

ति चा कि की
 वाणाः । देवोदेवानान्जनीमाविवाक्ति ।
 खाष्ट क टी कि खाश

माहित्राताशशुचिबान्धूःपावाकाःहाबुहाबूहू । पादावराहोअभियाइतिरा इ । भान् ॥ ९ ॥

की की खाष्ट ति चा चक टि पि स्विश त्र

॥अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयःदेवानांवा सामसुरसे द्वे ॥

होये होवाहोइ । तिसोवाचार्इरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा ।

टा टा त त श टु का खि प्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतर्तींब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खा श का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क क टु कि खा प्ल का कि काच्क च श

सोमथ्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १० ॥

क कु पि खा त्र

होइयाहोइ । तिसोवाचार्इरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा ।

टि च श टु का खि प्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतर्तींब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खा श का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क क टु कि खा प्ल का कि काच्क च श

सोमथ्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ ११ ॥

क कु पि खा त्र

हाहोइयाहोइ । तिसोवाचार्इरायातिप्रवान्हीः । ओहा होहाओहा ।

क टि कच्श टु का खि प्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतर्तींब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खा श का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क क टु कि खा प्ल का कि काच्क च श

सोमथ्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १२ ॥

क कु पि खा त्र

॥वेणोर्विशालेद्वे ॥

होइयाई होइयाओहोइया ।तिस्रोवाचार्इरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।
की टी किच् दु का खिष्ठ णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगो
दू कि खाश का कि काच्कचश क दु
पातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

कि खाष्ठ का कि काच्कचश

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १३ ॥

क कु पि खा त्र

होइहाई होइहाओहोइहा ।तिस्रोवाचार्इरायातिप्रवान्हीः ।

की टी किच् दु का खिष्ठ

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ्ख शि दू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामा

का कि काच्कचश क दु कि खा

नाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १४ ॥

ष्ठ का कि काच्कचश क कु पि खा त्र

॥गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥

इहोईहाइहोइहा ।होवा होइहा ।तिस्रोवाचार्इरायातिप्रवान्हीः ।
 चा फा ती काच् फण डु का खिप्ल
 ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ्ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।
 का कि काच्कचश क डु कि खाप्ल
 इहाहोइईहाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १५ ॥
 का कि काच्कचश क कु पि खा त्र
 इहाउवाइहाइहा ।तिस्रोवाचार्इरायातिप्रवान्हीः ।
 टी ख डिइ डु का खिप्ल
 ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ्ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।
 का कि काच्कचश क डु कि खाप्ल
 इहाहोइईहाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १६ ॥
 का कि काच्कचश क कु पि खा त्र

॥अगस्तयस्ययमिकेद्वे ॥

इहाउवाइहाउवाइहार्वाई हाई हा । ॥तिस्रोवाचाईरायातिप्रवाखि)न्हीः ।

का ता टी का त्र ख प्लड टु का प्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

णाफ्ख शि टू कि खाश का कि काच्चक च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्चक च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥१७ ॥

क कु पि खा त्र

ई हाहाईहा ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

ख प्लड टु का खिप्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

टू कि खाश का कि काच्चक च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्चक च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १८ ॥

क कु पि खा त्र

॥मरुताङ्गालकाक्रन्तौ ॥

ओौहोओौहोवाहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः । ओहो होहोओहो ।

का ख फात तच् दु का खि प्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् । आहोइआहोहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच्कचश

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः । इहोहोई हाहा हाहोइ ।

क दु कि खाप्ल का कि काच्कचश

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १९ ॥

क डु पि खा त्र

ओौहो ओौहोओौहोओौहोवाहोहा इ । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।

टिच्क ख फा फात तत्त्वश दु का खि प्ल

ओहो होहोओहो । ऋतस्यधाइतींब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ्ख शि दू कि खाश

आहोइआहोहा हाहोण्ड । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।

का कि काच्कचश क दु कि खाप्ल

इहोहोई हाहा हाहोइ । सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ २० ॥

का कि काच्कचश क डु पि खा त्र

॥वासिष्ठानिष्ट् ॥

अस्याौहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः । देवोौहोवा
 खा क था टि कि खाप्ल खा क था
 देवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । सुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।
 टि कि खाश खा क था टि कि खाश
 मिताऔहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २१ ॥
 खा क था भि कि खाश पि खा त्र
 उहुवायस्याौहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः । उहुवादेवोौहोवादेवाइभी
 खु क था टि कि खाप्ल खु क था टि
 स्सामापृ क्तरा सम् । उहुवासुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।
 कि खाश खु क था टि कि खाश
 उहुवामिताऔहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २२ ॥
 खु क था भि कि खाश पि खा त्र
 हाउहुवायस्याौहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । हाउहुवादेवोौ
 खु क था टि कि खाप्ल खूक
 होवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । हाउहुवासुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये
 था टि कि खाश खूक था टि कि
 तिरे भन् । हाउहुवामिताऔहोवा । वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २३ ॥
 खा श खूक था भि कि खाश पि खा त्र
 हायौहोवायस्याौहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । हायौहोवाइदेवोखा)
 खूक था टि कि खाप्ल षु
 औहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । हायौहोवाइसुताऔहोवा ।
 क था टि कि खाश षु खा क था
 पवाइत्रांपारीये तिरे भन् । हायौहोवाइमिताऔहोवा ।
 टि कि खाश षु खा क था
 वसाद्वापाशुम न्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २४ ॥
 भि कि खाश पि खा त्र
 हाहायौहोवायस्याौहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः ।
 षु खा क था टि कि खाप्ल
 हाहायौहोवाइदेवोखा)ौहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।
 षु खूक था टि कि खाश
 हाहायौहोवाइदेवोखा)ौहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।

॥आश्च ॥

होहोअक्रान्सामुद्राः । प्रथामे विधर्ममान् । होहोइ जनय न्प्राजाभुवनस्यगोपाः ।

टी च चा चि शि कि कि का कुच

होहोइवृषा पावित्रे आधिसानोअव्याइ । होहोइ बृहत्सोमोवावृ

दुच टिच्च भि चा श कि दुक

धेस्वानोअद्रायौहोवाहाउवा । ए स्वानोअद्रीः ॥ २७ ॥

था टि ट ता ति तच्क टिख्

॥सोमसामनीद्वे ॥

कानी । क्रन्तीक्रन्तीहरी रासृज्यमानासाइद न् । वानावाना

ता या टा काथ टि खा णा टा टा

स्यजठरे पूनानोनृ भीः । यातायाताः कृणु तेनिर्निजांगामाताः ।

की टा खाण टा टा का था टा खाण

मातिम्मातिन्जन यतास्वाधाऔहोवा । भीः ॥ २८ ॥

या टा का टि ख शि ख

कनिक्रन्तीहाहोइहरिरासृज्यमानाः । हाहोइसीदन्वनस्यजठरे पूनानाः ।

फूत फु खाष्ट त षु कि टा त

हाहोइनृभिर्यतः कृणुते निर्निजाङ्गा । हाहोअतोमता

त षु कि टि ट त

इजनयतास्वाधाऔहोवा । भीः ॥ २९ ॥

षु दुख शि ख

॥ऐषच्च ॥

एषाएषाः । स्यताओइमधूमंइन्द्रसोमोवृषावृषाए । वृष्णाओः परिपवित्रेअक्षास्सहासाहाए । स्फदाओशतदाभूरिदावाशश्छच्छादे । तमाओंबर्हिरावाज्येहियाहाउवास्थात् ॥

ती ता प षु तू त ता प षु तू त ता प षु तू त ता प षु द्वि शाख

३० ॥

॥माधुच्छन्दसम् ॥

हाओहाइहाओपावस्वसोमामाधूमं ऋतावा । आपोवसानोआधीसानोअव्याइ । आवद्रोणानीघार्त्तव न्तीरो हा । हाओहा । इहाओमदिन्तमोमात्सरयाइन्द्रापा । नाः ॥

खा ण ता च क टी कि खा श दु कि ख शि दु कि खा श खा ण ता च क टी पि खि त्र

३१ ॥

॥सोमसामानिचत्वारि ॥

सोमः पवते जनिता माताइनाम् । जनितादीवोजनीता पृथाइव्याः । जनिताग्रेर्जनितासूरीयायास्या । जनिते न्द्रास्याजनितोतावाइ । षणोः ॥ ३२ ॥

चु किचु का टा ति चा किचु का टा षी की टात कि टा पि खाश त्र

सोमः पवते जनिताए औहोवा । माताइनाम् । जनितादीवोजनीताप्रथिव्याः । जनाइताग्रेः । जनितासूरीयास्या । जनिते न्द्रास्यजनितोतविष्णोः ॥ ३३ ॥

षु ती खात्र पश्चत्र कि का कि चि टा खाण खी खात्र कि कु टिख्

हाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजन ज्ञनद्वाबुजन

षो

द्वाबुजनद्वाबु । होइजनद्वोइजनद्वोइजनात् । सोमः पवाते जानीतो
तो श षू चू क टी कि

मतीनाम् । जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या । हाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजन ज्ञनद्वाबुजनद्वाबु । होइजनद्वोइजनद्वोइजनात् । जनिते
खाश कि टि कि खाष्ठ कि कि किखश षो तो श षू चू कि

न्द्रास्याजानीतोतावाइ । षणोः ॥ ३४ ॥

टा पि खाश त्र

जनद्वाबुजनद्वाबुजनद्वाबु । जनदाबु

षौ

जनदाबु । जनद्वोइजनद्वोइजनद्वोइ । सोमः पवाते जानीतामतीनाम् । जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या । जनद्वाबुजनद्वाबुजनद्वाबु । जनदाबुजनदा
तो श षू चू शक टी कि खाश कि टि कि खाष्ठ कि कि किखश षौ

३५ ॥

॥मरुतांत्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥

ओहाओहाओहाइयाओहाए । आभित्रिप्राष्टांवार्षाणं वयोधाम् । अङ्गोषीणामावावाशन्तवाणीः । वानावसानोवारूणोनसीन्धूः । ओहाओहाओहाइयाओहाए । वीरत्वधादयतेवा

क टा क टा टा ट त त दु कि खाश च कि कि खाष्ठ दु कि खाष्ठ क टा क टा ट त त की पी

३६ ॥

सप्तम खण्डः

॥कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥

होवाउहुवाहोवा । प्रासेनानाइशशूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेना । भाद्रान्कृणवन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः ।

ख श खिण कि टि खु श कि डु खिश कि की खि प्ल

आसोमोवास्तरारभसानिदाक्ताइ । होवाउहुवाहोवाहाबु । वा ॥१ ॥

कि टा कि खात्र श ख श खी प्ला श श

औहोओवा । प्रासेनानाइशशूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेना । भाद्रान्कृणवन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः औहोओवा । आसोमोवास्तरारभसा

फात त कि टी खु श कि डु खिश कि की खि प्ल फात त कि टा पि

निदाक्ताइ ॥२ ॥

खात्र श

ओहोओवा । प्रासेनानाइशशूरोअग्राइरथानाम् । गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेनाभाद्रान्कृणवन्निन्द्राहावान्साखीओहोओ

फात त क था टी खु श क था डु खिश क था टी खि फात

वा । आसोमोवास्तरारभसानिदा । क्ताइ ॥३ ॥

त क था टा पि खाणफ्ल ख श

॥१८४॥

हाबुहोहाइ प्रतेधारामाधूमा

ति शा भु चक

ताइरसृग्रान् । हाबुहोहाइवारं यत्पूतोआतीयाइषीयाव्याम । हाबुहो
दु ति षी चु दु ति

हाइ पवमानपावसे धामगोनाम् ।

शा चु का टी

हाबुहोहाइ जनयन्सूर्यामापाइन्वोअर्काइः । हाबुहोहाबु । बा ॥ ४ ॥

ति शा चु क दु खिष्ठ श श

प्रागायताभ्यार्च्चामदे वान् । सोमंहिनोतामाहाते धनाया । स्वादुःपवातामातीवारमा

टी का खाश क टी कि खाश क टी कि खा

व्यम् । आसीदतू कालशान्दाइवायाइ । न्दूः ॥ ५ ॥

श क कि पी खिश त्र

हाबुहोहाइ प्रहिन्वानोजनितारो द

ति शा षी खी

सीयोः । हाबुहोहाइ रथोनवाजंसनिषान्नयासीत् । हाबुहोहाइ

खाष्ठ ति शा षु खि खाश ति शा

इन्द्रज्ञच्छन्नायुधासांशिशानाः । हाबुहोहाइ विश्वावसुहस्तयोरादधानाः । दधानाबु । बा ॥ ६ ॥

षी खी खाष्ठ ति शा षी खी खाष्ठ खाष्ठ श श

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

ताक्षादीहोइमनासावेनतोवाक् । ज्येष्ठास्याधाहोर्ममद्युक्षोरनीकाइ । आदीमा

फा फाफ णि फीफ फा फाफ ण फीफ श फा

यान्होइवरामावावशानाः । जूष्टं पार्तीहोइङ्कलशेगावइन्दाबु । बा ॥ ७ ॥

फाफ णि फीफ फा फाफ मु शी श

तक्षादाओइमनासावेनतोवाक् । ज्येष्ठास्याधाओर्ममद्युक्षोरनीकाइ । आदाइमाया

कीप णि फीत कीप ण फीत श क की

ओन्वरामावावशानाः । जुष्टम्पाताओइङ्कलशेगावइन्दाबु । बा ॥ ८ ॥

प णि फीत कीप मु शी श

॥दाशसप्त्यानिषट् ॥

साकाम् ।उक्षोमर्जयन्तस्वासाराः ।दाशाधीरस्यधीतयोधानूत्रीः ।हरीपर्यद्रवज्जास्सूर्यास्या ।द्रोणा ब्रानक्षेअत्येनवाहाउवा ।
 ता षा कु ट त टा कू ट त टा कु ट त टा ट्वक् दू ति
 जी ॥ ९ ॥

साकमुक्षाए ।एएमर्जयन्तस्वासारोदशधीराए ।एएस्यधीतयोधनुत्रिहरिःपर्याए ।एए
 ती त तप षु तू त तप षी तू त तप
 द्रवज्जास्सूर्यस्यद्रोणन्नाए ।एएक्षेअत्येनवाहाउवा ।जी ॥ १० ॥

इन्दूर्वाजी पावतेगोन्योधा इन्द्राइस्सोमाः ।सहइन्वन्मदाया हन्ताइराक्षाः ।बाधते परियरातिं वाराइपाःकृ ।ण्वान्वृजनास्यारा
 था टाच् कूचक टि त षी किच्क टित षि कुचक ती थ टि पा
 जौवाउवोवा ।होइला ॥ ११ ॥

षु षु षा

इन्दूर्वाजीपवतौहोओहोवाहाइगोन्योधौवाउवोवा ।इन्द्रे स्सोमस्साहाइन्वन्मदायौवाउवोवा न्तीरक्षोबाधते परियरातौवाउवोवा ।वरिवःकृण्वन्वृजनास्यारा,जौवाउवो
 षु तू त ष कि खिश का की कु खिश ।हक् दूच् कु खिश की टी पा षी
 १२ ॥

इन्दूर्वाजीपवतेगोन्योधाः ।इन्द्रेस्सोमस्सहइन्वन्मदाया ।हन्तिरक्षोबाधतेपर्यरातिम् ।वरिवःकृण्वन्वृजनस्यराजाराजाओहोवा ।एस्यारा ।जा ॥ १३ ॥

षी तु त षी तू श षु तू श षु तु खि शि त य ख
 इन्दुरौहोवाहाई या ।वाजाउवा
 षु तात ती

हाउवा ।पवातेगोन्योधाउवाहाउवा ।इन्द्राइसोमास्सहइन्वन् ।उवाहाउवा ।मादाओहोवा ।याहन्ताइ ।रक्षोबाधाताइपाउवाहाउवा ।रीया रा ओहोवा ।तीम् ।
 ति का था का ता ति क की की ता ति टद्ख षि खक्च श थि की ता ति टाट्ख षि ख

वाराइवःकृण्वन्वृजानाउवाहाउवा ।स्याराओहोवा ।जा ॥ १४ ॥

चा कि की ता ति टद्ख षि ख

॥कश्यपस्यचशोभनम् ॥

अधीयदा ।ती)स्माइन्वाजिनी वाशुभाः ।स्पार्धन्ते धीयास्सूराईनविशाः ।आपोपृणानःपवताइकवी
 टि काच् चि क थाच् कि ख षी षु दू
 या न्व्राजन्नपाशुवार्धनायामान्मा ॥ १५ ॥

कथ दु पि खात्र

॥आत्रम् ॥

महत्तसोमोमहिषाश्चाकारा ।अपांयत्गर्भोवृणी तादाईवान् ।आदधादिन्द्रे पवमानाओजोअजनायत्सूर्येज्योतिरिन्दा
षु चि टि ता चि काच् का टा ति का चि का टक कि का टक टाक
उवा ।एअजनायत्सूर्येज्योतिरिन्दूः ॥ १६ ॥
ता त कि कि खी

॥अपांसाम ॥

अपामीवेदूर्मयस्तौहोओहोवाहाइ ।तुराणाहा हाहाइ ।प्रामनीषाईरतेसोमामाच्छाहाइ ।नामस्यन्ताइरुपचायन्तीसञ्चाहाहाआचविशन्तुशातीरुशन्तांहाहाओहोवा ।वाहाः
षु तु त श स्विशपूत त श चि पा णि फ फाष्ट त श षु टि का फत त त क चूक फत त ख शि त टख
१७ ॥

॥शौष्ठाणित्रीणि ॥

औहोहाअयोहाइ ।पावापवस्वैना
तु त श कु

वासूनी ।औहोइहाईया ।मांश्वत्वइन्दोसरसीप्रधान्वान्वा ।औहोइहाईया ।
टात ट च काटत कथ षी कि टात ट च काटत

बृद्धश्चिद्यस्यवातो
षु का

नाजूतीम् ।औहोइहाईया ।पुरुमेधश्चित्कक्षेनारा
टात ट च काटत षा कु टा

न्धात् ।औहोइहाईया औहोवा ।एदीदिही ॥ १८ ॥
त ट च काटट्ख शि त तिच्

अयोहाइपवोहाइ ।पावस्वैनावासूनी ।
ता तीत श ती टात

इहोइहाईया ।मांश्वत्वइन्दोसरसीप्रधान्वाइहोइहाईया ।बृद्धश्चिद्यस्यवातोनजूतीम् ।इहोइहाईया ।पुरुमेधश्चित्कक्षेनारान्धात् ।इहोइहाईया औहोवा ।एदीदिया ॥
का काटत षु कि टात का काटत षु का टात का काटत षि कु टात का काटट्ख शि त टिख
१९ ॥

हाउवोवाहाउवोवाहाओवाहाउवा ।आयापावापवस्वैनावसूनीहो इहियाईहोइहा ।मांश्वर्विन्दोसरसिप्रधन्वाइहोइहियाईहोइहा ।बृद्धश्चिद्यस्यवातोनजूतिमिहो इहियाईहो
खिश स्विश त प श ति चा चा कि कि काच् क टा टा टाख कथ की कु चा टि टा खा चा चा कि कुच टि टा

॥वासिष्ठम् ॥

असाओहो ।जीवाकारथ्याइयाथा ।जाबु ।धियाओहो ।मानोता प्राधमामानीषा ।दशाओहो ।स्वासारो धिसानोआ ।व्याइ ।मृजाओहोन्तिवान्हंसादनाइषूवच्छाबु ।बा
भि त क टा पी श ख श भि त टिच्क पि श ख भि त टिच्क पि श ख श भि त टिच्क पी शि ख
२१ ॥

अष्टम खण्डः

॥नकूलस्यवामदेवस्यप्रेखौद्वौ ॥

पुरोजिती | वोअन्धासाः | सूतायमादयाआउवाए | त्वावे | आपश्वानं श्वथाआउवाए | इष्टाना | साखायोदीर्घजाआउवा | हीयम् ॥ १ ॥

पुरोजिती | वोआन्धासाः | सूता यामाऊहोवाऊ | दायाइत्वावे | आपश्वानाऊहोवाऊ |
ती त पा श काचकटट थाट त पि श च थाटट थाट

श्वथाइष्टाना | साखायोदा | ऊहोवाऊ | र्घाजाऔहोवा | एहीया म् ॥ २ ॥

त पि श च थाट ट थाट टट्ख शि त टाख

॥महाकार्त्तवेशञ्च ॥

पुरोहा | हाबुजाइती | वोआऔहोअन्धासाः | सूताऔहोयामाहाओवा | दाइत्वावाऊपा | आपश्वानं श्वथाइष्टाना | साखाऔहोयोदाहाओवा | र्घाजिह्व्यमूपा ॥ ३ ॥

ति खि ण त का खि ण चाक ख शु च किक ख यू पा श चाक ख शु क टिख

॥और्ध्वसद्ग्रनन्म ॥

पुरोजितीवोअन्धसउवाहाइ | सूतायमादइत्वउवाहोआपश्वानं श्वथिष्टनउवाहोइ | साखायोदाइर्घाजिह्वायाम् | सूवृक्तिभी नृमादनंभरे | षुवा ॥ ४ ॥

षु तु त श षु दू च षी दू च श च थ कि खात्र कीचक दु ताच

॥श्यावाशञ्च ॥

पुरोजितीवोअन्धासए हिया | सूतायमादाइत्वाएहिया | आपश्वानं श्वथीष्टाना | एहाएहिया | सखायोदाइर्घाजीह्वायाम् | हाइ ॥ ५ ॥

चाय प षु खी णा कु टि टि कि पा श त त कट टि का पी श ख षु शा

॥आन्धीगवञ्च ॥

पुरोजितीवयाओन्धासाः | सूतायमादाया | हिमा त्ववे आपश्वानं श्वथिष्टना | साखाउवा | योदीर्घजी | हीयाौहोबा |

षी तु त पु श टाद टाच की ती पा श ट टात क टा ख षु

होइला ॥ ६ ॥

षु शा

॥क्रौञ्चानितीणि ॥

अयं पूषाहोइरायिर्भगः । सोमः पुना
का कु चि ती

नो अर्षताइ । पातिर्विश्वौ होस्याभूमनाः । व्यख्यद्रोदासी । ऊभाइ ॥ ७ ॥
टा ख त्र श का की च शा ति टा ख त्र श

अयं पूषा अयं पूषा । रायिर्भगास्सोमाः पूनानो अर्षताइ । पातिर्वाइश्वा ओस्याभूमनाः । ओइव्यख्याद्रोदासी ऊभाइ लाभा । ओइला ॥ ८ ॥
षी तू क चि था टा कथ चाश चि टा यि टा टी त का टी खण् प शा

आयं पूषा होइरायिर्भगाए । सोमः पुनानया र्षाति । पातिर्विश्वस्यभूमनाः । व्यख्याद्रो दासी ऊभा । ओइला ॥ ९ ॥
चाक फू खी छि त टि खाणफू ख श चि दुख टा त टि खण् प शा

॥ गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥

आहा आवा । रीयातायधृष्णवे धनू ओवा । इष्टन्व न्तीपौस्यम् । शुक्राओवा । वियन्त्यसुरायनिर्निजे । विपांओवा । अग्रे महीयुवा: ॥ १० ॥
था प ण का क टी का प ण का च् कि ता प ण दु चा टा ता प ण चा टा टा ख्

हाहा आहर्यातायाधृ हाहा औहोवाष्णावे । हाहाइधानुष्टान्वन्तीपौः हाहा औहोवा । सीयम् ।
त त की ख शद्वत ख शि ख श त त कु ख शद्वत ख शि ख श

हाहाइशुक्रावियन्तायसुरायानी हाहा औहोवार्ननीजे । हाहाइवीपामाग्राइमाही हाहा औहोवा ।
त त कु टी ख शद्वत ख शि ख श त त कि टा ख शद्वत ख शि

यूवा: ॥ ११ ॥
ख प्ल

आहर्यतायधृष्णवाया । धानूष्टान्वातीपापुंसायां । शुक्रावियन्तायसुरायानीर्ननाइजाइ । वीपामाग्राइ । ओइमाही । यूवो । हाइ ॥ १२ ॥
षु तु चाय ट का या ट की की का ख णा श चाय ट श पि श ख प्ल शा

आहरीयातायाधृ ष्णावे धनूष्टन्वान् । तिपापुंस्यं शुक्रावियन्तायसुरायनाउवार्ननीजे ।
फ णा छा फा खा शी ता थ की की शी ख श

वाइवांहाआग्रेहाइ । माहीयूवा: । ओइला
टि त टा त श चाट खण् प शा

॥आकृपारम् ॥

परित्यंहर्यतंहरिंका) | पारित्यंौहोर्यतंहराइम् | बभ्रंपुनन्तिवारेथच्)

चू प श्ली डीश कू

णावाअभ्रंपुनौहौन्तीवारे णा | योदेवान्विश्वंइत्पारीयो

पा प श्ली षु चा कप

देवान्वौहोइश्वंइत्पराइ | मदेनसहगच्छातीमादेनसौहोहगच्छातो | हाइ ॥ १४ ॥

श्ली डुश षि ची कप श्ली श्ली शा

॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

सुतासोमाधूमक्तमाः | सोमाइ न्द्रायमाएन्दिनाया | पवाइ | त्रवान्तयाएक्षर न्ना | दाइवान्गच्छान्तुवाएमदाया ॥ १५ ॥

ती ता ता कि त तात ताख चाश ता तात काख चि ता तात ताख

सुतासोमधुमक्तमाः | सोमाइन्द्रा | यमा | न्दीनाः | पावित्रवान्तोअक्षरन्देवान् | गच्छान्तुवोमादाः | ओइळा ॥ १६ ॥

षी ती टा टा खाणफङ् खङ् टी तू चा टि खण् प शा

॥सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥

सुतासोमाधूमक्तमाः | सोमाइन्द्रायमन्दीनाः | पावाउवोवा | त्रवन्तोअक्षरन्देवान् | गच्छान्तुवोमादाः | ओइळा ॥ १७ ॥

खा श्ली क कु का टा खाश षु ता चा टि खण् प शा

सुतासोमधूमक्तमस्सोमाइन्द्रा | यमन्दीनाःपावी त्रावान्तोअक्षरन्दाइवान्गच्छाउवा | तूवाः | मदाऔहोबाहोइळा ॥ १८ ॥

षू तू यु टच्य ट कु की शा खङ् टि खङ् फङ् शा

सुतासोमधुमक्तमस्सोमाहाबु | इन्द्रायायामान्दिनाः | इन्द्राहोयमान्दाइनाः | पावित्रवान्तोअक्षरारान् | त्रवाहोन्तोअक्षारान् | देवान्गच्छन्तुवोमादाः | देवान्होइगच्छोहाइ ।

षी तू तश थाच्य टा था टि ख ण कीट मि ता टा खाण ची क य टा था खी ण श

तू वाऔहोवा | मदाया ॥ १९ ॥

टट्ख शि ता टट्ख

सुतासोमधुमक्तमाए | सोमाइन्द्रा यामान्दिनादाइनाः | पावित्रवान्तोअक्षरान्क्षारा ।

षि तु त चीक य टा टि कीट टि टा

देवान्गच्छन्तुवोमादामादाः | देवान्होइगच्छोहाइ | तू वाऔहोवा | मादाई ॥ २० ॥

ची क य टा टा था षी ण श टट्ख शि ता टट्ख

॥त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥

सुतासोमाहाधु मक्तामाः । सोमाइन्द्राहायमान्दाइनाः । पावित्रवाहान्तोअक्षारान्देवान्गच्छाहान्तुवोहोबामादोहाइ ॥ २१ ॥

टी चा टि टी चि टि टीकथ टि टी त प्लाप प्ल शा शा

सुतासोमा हाहाधू मक्तामाः । सोमाइन्द्रा हाहायम न्दाइनाः । पावीत्रावा हाहा

णा च कफ्त चा पि फा फाप्त चि पि णा फाप्त त

न्तोअक्षरा । न्देवान्गच्छाहाहान्तूवोहोबामादो । हाइ ॥ २२ ॥

थ पि फा फाप्त त त प्लाख प्ल प्ल शा शा

॥क्रौञ्चेद्वेशार्मदेवा ॥

हाबुसोमाः । पव न्दाइन्दावा ।

ती काट मि

उवाहाउवा । अस्माभ्यज्ञातुविक्तामाउवाहाउवा । मित्रास्वानाआरेपासाउवाहाउवा । स्वाधियास्सूवार्वाइदो

ता ति का था भी ता ति का था ट मि ता ति फ ताप शख प्ला

हाइ ॥ २३ ॥

शा

सोमाःपवन्तर्ई न्दवाः । अस्माभ्यज्ञातुविक्तामाः ।

फा खी शा की कि ख

माइत्राउवोवा । स्वानाअरे पसाः । स्वाधियाःसूवर्वा

टि खाश क कि टाख तच चा टि

इदाः । ओइला ॥ २४ ॥

खाण् प शा

॥सोमसामानि त्रीणि ॥

अभिनोवा ।जासाौहोवा ।तामम् ।रयिमार्षशातस्पृहामिन्दोसहस्रभार्णसाम् ।तुविद्युम्नंविभाहोए ।सहमोइला ॥ २५ ॥

ती टद्ख शि खश टि का कि दू टि दू टा खि शा

अभिनोवा ।जासातमं रायीर्मर्षाउवाओहाइ ।

ती की चा का काट तश

शतस्पृहामिन्दोसाहाउवाओहाइ ।स्वर्णसन्तुवाइद्यु म्नाओहोवा ।विभासाहाम् ॥ २६ ॥

चि टिच्क टि ट तश बी टीट्ख शि ताट ख

अभीहोइनोवाजासाहोतामम् ।रयिंहोर्षशाताहोस्पृहम् ।इन्दोहोइसहस्रभार्णसाम् ।तुवाहोइद्यु म्नंविभाहोसाहाम् ॥ २७ ॥

टा कि शि खाश टाकच खाश खाश टाचश खिश खाश य कि खुत्र

॥क्रौञ्चञ्चैव उद्धद्वा ॥

आभिनोवाओजसातमाम् ।रयिमर्षाओशतास्पृहाम् ।इन्दोसहाओस्वर्णसाम् ।

कीप छा ता कीप छा ता क किप छा ता

तूवाइद्युम्नाओंविभासहा ।बु ।बा ॥ २८ ॥

कुप छी श श

॥सोमसामचैव ॥

अभिनोवौहोजसातमाम् ।रयिमर्षौहोशतस्पृहाम् ।इन्दोसहौहोस्वर्णसाम् ।तुविद्युम्नौहोविभासहाम् ।सहन्तुविद्युम्नंविभाहाउवा ।साहामे ॥ २९ ॥

तु ती तु ती कु ती कु ती षु छि शा चाट्ख

॥प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥

आभी ।ओइनवन्तायाद्वहाः ।ओइप्रियमिन्द्रस्यकामामायाम् ।ओइवत्सन्नपूर्वआयूनी ।ओइजातंरिहन्तिमोवा ।ताराः ॥ ३० ॥

खण षा युट षी यु ट षु यीट षी पी छ खफ

आभीनवन्तयाद्वहाः ।प्रीयामिन्द्रास्याकामायाम् ।

फा खी शा ता ता का खण

वत्सन्नपूर्वआयूनी ।जातं होइरिहाहो न्तीमाताराः ।ओइला ॥ ३१ ॥

ती का खण का कीकथ टि खण प शा

अभिनवन्तअद्रुहःओहाइ प्रियमिन्द्रस्यकामियमोहाइवत्सन्नपूर्वायुन्यौहोवाहाइ ।जातंरिहाउवा ।न्तीमा ।ताराओहोबाहोइला ॥ ३२ ॥

षु ती शा षु ति तू तु तश की शा ख श टि खफ फ शा

॥ौशनवैरूपम् ॥

प्रासुन्वानायआन्धासाः ।मार्को

पि शु

था)नवाष्टद्वाचाः ।आपश्वानमराधासाम् ।हातामाघनभ्रज्ञावाः ॥ ३३ ॥

टा स्विण पि तीत टि स्वीत्र

नवम खण्डः

॥कावम् ॥

आभीप्रीयाणीपावाताइ । चानोहितोनामानीयाहोअधीये । षुवर्धताए आसूरी या । स्याबृहाताः । बृहन्नधाए रथांवाइश्वाम् । चामारूहात् । विचाआउवा । क्षाणाः ॥
 १ ॥

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥

एआभीप्रीयाओणीपावाताए । चनोहीताए नामानीया । ओहोअधीयाए । षुवर्धताए । आसूरीयाओस्यबृहाताए । बृहा
 त चाकफत चिता चिता चाकफत चिता चिता चाकफत चिता चा
 न्नधी । एराथांवीष्वा । ओञ्चमारूहादे ।
 कफत चाकफत चिता
 विचक्षणाःहोइला ॥ २ ॥

षु पु शा

अभ्यौहोवाहाइप्रियाणी । पावाता
 षु ति कि

इचानो । हितोनामानियहोअधियाइ षुवार्धताइ ।

खाण टि की ति श चा चाश

आसूरियास्यबृहातोबृह न्नाधाइ । रथांवाइष्वाञ्चामरूहाद्विचाआउवा । क्षाणाः ॥ ३ ॥

ट कि ची चाकचश कु कि ता टि तटख

॥वाजिजितौद्वौ ॥

आभिप्रयाणि पावताइ होइहोवाहोए । चनोहिताहाइहोवाहाइ । नामानियाहो आधियाइ होइहोवाहोए षुवर्धताहाइहोवाइ ।

क कीच शी की पा शै था किच शी की पा शे

आसूरियास्यबृहतोहोइहोवाहोए बृहन्नधीहाइहोवाहाइ । राथं विष्वाञ्चा मारुहाद्वोइ

था चि शि की पा शै का किच कि

होवाहोए । विचक्षणःहाइहोवा

टी पा षी फ्ली

हाउवा । वाजीजीगीवा ॥ ४ ॥

शि क क तच

आभिप्रयाणीपवताइचानोहिता । होवाहोइ । नामानियाहोअधियाइषूवर्द्धताइहोवाहोइ होइहोवाहोए । आसूरियास्याबृहतो

क की कु शि काच श था कि कु कुच श की पा था कि

बृहन्नधीहोइहोवाहोए । राथं विष्वाञ्चामरुहाद्वीचक्षणाहोवाहो वाऔहोवा । वाजीजीगीवाविश्वाधनानी ॥ ५ ॥

की शि की पा का कि की की टाट्ख शि क कि कि टाख

॥कावञ्चैव ॥

अभ्योवा । प्रीयाणिपवताइचनोहाइताः । नामानियहोअधियाइषूवर्द्धताइ । आसूर्यस्यबृहतोबृहन्नधी । राथांवाइष्वाञ्चमा

ता त षि कु टि षु कु टि श षी कु टा खि शा ता

रुहाद्वाइचाक्षा । णाः ॥ ६ ॥

ट टि ख त्र

॥सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्भन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥

अचोदासोनो धानुवान्तूइन्दवाः | प्रस्वानासोबृहद्वाइवेषूहरयाः | वीचीदाश्नाना इषयोआरातयाः | अर्योनास्सान्तूसानाइषान्तूनोधीया बु बा ॥ ७ ॥

का टा कथ्च टा त चि था टा चि टा त चि चिट कथ टि त चि था टा चा टि त किच्चश टख
आचोदासोनोधन्वान्तुविन्दवाः | प्रस्वानासोबृहद्वेवा इषूहरयाः | वाइचीदश्नाना

का खु शी का चूख शु तु कच
इषयोआरातयाः | आर्योनस्सन्तुसनीषन्तूनो

स्वि शी का वि की फ

धीयाबु बा ॥ ८ ॥

प्लाश श

हाबुहोहाअचोदासोनोनुवान्तुइन्दवाःहाबुहोहाइप्रस्वानास्सोबृहादे वाइषु हरयाः | हाबुहोहाइविचिदश्नानाइषयोआरातयाः | हाबुहोहाअर्योनस्सन्तूसानिषान्तुनो

ति की था खाश चि ति की थाच्क काख शा खि ति चूक खिक खि ति चि काच्क च खा
धियाबु बा ॥ ९ ॥

शु ख

॥आङ्गीरसानित्रीणि ॥

अचोहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहद्दे
ता त श षि कु टा षी कि

वाइष्णु हरयाः ।विचो
कि टि खा

हाइ दशोहाइ ।नाइषयोअरोहाइ ।तायाअर्योहाइ नस्सोहान्तुसानीषाम् ।
शा खा शा खूण श का खा शा खा श खिण

तुनाउवा ।धीयाः ॥ १० ॥
टा ता खफ़

अचौहोअवा ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वनासोबृहद्देवाइषुहारायाः ।वाइचीदाश्नाइषायो ।होअरातायाः ।होआर्यो
ति त षि का ट षी कु टि टि ख श खिश खीण त टा
नास्सान्तुसानीषा ।होन्तुनोधायाः ॥ ११ ॥
ख श खिण खीत्र

अचौहोवाहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहद्देवाइष्णुहारायाः ।वा
ती त श षि कु टा षी क्रु टि ट

इचीदाश्नाइषयोअरातायाः ।आर्योनास्सान्तूसनीषान्तुनोधा ।याः ॥ १२ ॥
ता ट ख ण फुत ट त ट ख ण कि खि त्र

॥औशनम् ॥

एषप्रकोशे माधूमं अचाइक्रादात् ।इन्द्रास्यवाज्ञोवापूषांवपुष्टामाः ।
क टीचक टा खीण टुचक टा खिण

अभाइमृतास्यांसूदूधाघृताश्शूताः ।वाश्राअर्षान्तीपायसाच्छाइना ।वाः ॥ १३ ॥
टूचक टा खिण क टीक टा खीत्र

॥प्रवत्भार्गवम् ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्टताम् । सखा
 त चि फा टी चि का
 सर्व्युन्नप्रमिनाताइसङ्गिराम् । मर्याइवायुवा । तिभाइस्सामर्षताइ । सोमःकलाशेशतया
 का भु ची था का शा भी चिश थ की
 मानापाथाबु । बा ॥ १४ ॥
 भी चाच श टख
 ॥विरूपस्यचतन्त्रे ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्टताम् । सखा
 त चि था टी पि चा
 सार्व्युन्नप्रमिनातिसङ्गाइरम् । मर्याइवा
 कफ चाकफ खि शा था का
 युवातिभाइस्सामर्षताएसोमाःकालाशेशतयामनापाथा ॥ १५ ॥
 शा भी पी चाकफ चाकफ खित्र

प्रोअयासीत् । इन्दुरिन्द्रास्यानिष्टत । सखासार्व्युन्नप्रमिनातीसङ्गीरम् । मर्याइवायुवातिभाएसा । मर्षताइ । सोमाःकालाशेशतयामनापा । था ॥ १६ ॥
 खिण पीश काफ चाकफ पुश काफ चाकफ पुश काफ श चाकफ टी खि त्र

॥भार्गवञ्चैव ॥

प्रोअयासीदिन्दूरिन्द्रास्यनिष्टतांष्टताम्
 षू तु खा
 सखाओसर्व्युन्नप्रमिना
 ता पण् षू
 तिसङ्गिरांगिरा म् । मर्याओ
 ती खा ता पण्
 इवयुवतिभिस्समर्षताइषताइ । सोमाओकलशेशतयामनापा ।
 षू ती खिश ता पण् षू खि
 था ॥ १७ ॥
 त्र

॥यामम् ॥

ओवाइया । प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रा
था चा षू पा

स्यानीष्टताम् । साखासर्वुर्नन्प्रमिनातीसङ्गीर म् । मर्यईव युवति
चा फा षु पि चाक फ षी
भाएसाम र्षताइ । ओवाइया । सोमःकलाशेशतयामनापा । था ॥ १८ ॥
पु चाक फ श था चा यु टि खि त्र
॥दार्शशीष्टे ॥

धर्त्तादाइवा अवाए । पवते कृक)त्वियोरा साअवाए । दक्षोदा
कि खा डि चि किख डि कि

इवा अवाए । नामनुमा दियोनृ भाइ अवाए । हाराइस्सार्जाअवाए । नोअत्यो नासाक्षाभाअवाए । वृथापाजाअवाए । सिक्षुषाइनादाइषू वाअवाए । होइला ॥
खा डि च किच किख श डि की ख डि किच किख डि किख डि ती का किख हि प्ल शा
१९ ॥

धर्त्ताबुहोहोहाइ । दीवःपवताइकृ औहोहोहाइ । त्वियोरासोदक्षोदाइवा औहोहोहा
तीत त श चु थाट त त त श चा चा चाथ टि त त त

इ । नामानुमादीयोनृभाइर्हरा
श की की चि

इस्सार्जाऔहोहोहाइ । नोअत्योनासक्षाभाइवृथा
चा थ ट त त त श कि की चि

पाजाऔहोहोहाइ । सिक्षुषाऔहोहोहाइ । नदीषू वा औहोहोहाऔहोवा । ए नादीषूवा ॥२० ॥
थ टा त त त श चाथ टा त त त श कि कट त त ख शि तच का टाख्

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

वृषामातीना म्पावताए । वीचक्षाणाए । सोमोअन्हा
का टाकथू टित चिकख था टा

म्प्राताराइताए । उषसान्दीवा
चा टित ची क

ए । प्राणासाइन्धूनां । कालाशंए । अचिक्रादादे । इन्द्रास्याहार्द्यवाइशान्ए । मनीषीभीरे । ओइळा ॥ २१ ॥

ख था टिकथू टित चिकख था ट टी त चिकखण् प शा

वृषामताईनाम्पवतेवीचक्षाणाः । सोमोअन्हाम्पतरीतोषासान्दाइवाः । प्राणासाइन्धनाङ्कलशं । आचिक्रादात् । आइन्द्रास्याहार्द्यविशन्मानीषाइभा इः । ओइळा ॥
टा टा कु टित टा टा की टि ता टा टि की टित टि टा कि टि खाण् श प शा

२२ ॥

वृषामतीनांपवताइवाइचा
कु कि या पा

क्षाणाः । सोमोअन्हाम्पतरीतोषासान्दिवाः । प्राणसिन्धू नाङ्कलशं अचाइकृदात् । आइन्द्रास्याहार्द्यविशन्मानाइषीभाबु । बा ॥ २३ ॥
ता का का कि या प का क किचक टि पा ति की कीय प शाण श ख

॥यामानित्रीणि ॥

असाविसोमो आरूषोवृषाहराइः । राजेवदास्मोआभीगाचीकृदात् । पुनानोवारा मातिधाए षीयाव्ययाम् । श्येनोनयोनी छृतवान्तमासदात् । होइळा ॥ २४ ॥
का किचक पा शा ता श था किचक पा प्ल का का किचक पि प्ला ता था किचक पा प्ली प्ल शा

आसावीसोमोआरूषाः । वार्षाहराए । राजेवादास्मोआभीगा । आचिक्रदात् । पुनानोवारामातीये । षीअव्ययांश्येनोनायोनीज्ञा
खिश खिण क भी खिश खिण क टि खिश खिण क टि खिश

कृतावां । तमासादाऔहोवा । देदीवी ॥ २५ ॥

खिण ता टद्ख शि त टाख्

असाविसोमोअरूषोवृषाहराइः । राजेवदस्मोअभिगाअचिक्रदा । पुनानोवारमत्यष्यव्ययाम् । शेयनोनयोनिं छृतवान्तमा । सादाऔहोवा । एदीवी ॥ २६ ॥
पु तू श षू तू षु तु षू ति ता टद्ख शि त टाख्

॥मरूतान्धेनुनीद्वे ॥

प्रादे । वामच्छामधुम न्ताआइ न्दावाः । आसिष्या
ता कूचक टकथ टा च खा

दन्तागावआ नाधा इनावाः । बर्हिषादाः । वाचानावान्ताऊ धाभाइः पारिस्थूतम् । उखियानिर्णजन्धाइराए धाइरा औहोवाधाइरा इ ॥ २७ ॥

कथ टिच्क टच्र चि खिण चा टीच्क कि खाण षू टी खि शित टाखश
त्राइरस्मैसप्तधेनवोदुदौहोहाइराइ । सत्यामाशीरम्परमेव्योमानी । चत्वार्यन्याभुवनानिनिर्णइजाइ । चारुणाइचाक्रेअद्रुताइ । रावार्द्धाता ॥ २८ ॥

प उ षु षुड शि उ की टा षी कु टि श खि णा क टि श टा खत्र

॥वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥

इन्द्रायसोमसुषुताः । पारीखावा । आपामीवाभवतुरक्षासासाहा । माताइरसस्यमत्सतद्वयावीनाः । न्द्रावाइणस्वन्तइह
की खी चाक फ कि खु चाक फ का षी खि चाक फ चाश षु
सन्त्वाइन्दा । वाः ॥ २९ ॥

खू त्र

इन्द्रायसोमसुषुतः पर्यौहोइखावा ।
षु तू त

आपामीवाभवतुरक्षासासाहा । मातेरसस्यमत्सतद्वयावीनाः द्रा
षी यूपश षु युपश ख

वीणास्वा । न्ताई हसाहोन्तुवाइन्दा । वाः ॥ ३० ॥

पुखण का टा ट खी त्र

॥अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥

अञ्जताइव्यञ्जताइसमञ्जताइ । क्रतुं रिहान्तीमध्वाभ्यञ्जताइ । सिन्धोरुच्छासे पतया
क का षु टी श का कि कि टा श थ कि कि

न्तामुक्षाणाम् । हिरण्यपावाः । पशुमप्सूगृणाताबु । वा ॥ ३१ ॥

टी का कि की चिश टख

अञ्जाहोतयाहोइव्यञ्जते सामञ्जताइ । क्रतुं होइ । रिहाहोन्तिमध्वाभीय ज्ञताइ । सिन्धोर्होउच्छवाहोसे पतयान्तामूक्षाणाम् । हिराहोण्यपाहोवाः । पशुमप्सूगृणाता । इ ॥

ता च ता कि चा चाक फ श ता च श ता ट खि चाक फ श ता च ता का खि चाक फ ता च ता का खू त्र श

३२ ॥

हावञ्जा । ताइव्यञ्जते समञ्जताए हियाएहियाहाबुक्रातुम् । राइह न्तिमध्वाभ्यञ्जताए हियाएहियाहाबुसाइन्धोः । ऊच्छ्वासे पतयन्तमुक्षाणामेहियाएहियाहाबुहाइरा । ण्यापावाः
ति प श णि चि टा टा ट खा षी प णा चु टा टा ट खा षु प णा चु टा टा ट खा षु प णा
३३ ॥

॥आदित्यस्यार्कपुष्टे देवानांवा ॥

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते । हुवे हुवे होवाहाहाइश । प्राभुर्गात्रा णीपर्यै षीविश्वताहुवे हुवे होवाहाहाइ । अतस्तनूर्न्तदामोअश्वुते हुवे हुवे होवा
 की कि कु या या यातत टीचक या ची या या यातत श कु कि की या या
 हाहाइ । श्रतासइद्धह न्तस्सन्तदाशता । हुवे हुवे होवाहाहाऔहोवा । अर्कोदेवानां
 तत श का की कु या या यात ख शि टि या
 परामे व्योमान् ॥ ३४ ॥

चिट ख

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते । हूवा औहोवा । प्राभुर्गात्राणीपर्यै षीविश्वतो हूवा औहोवा ।

की कि कीच काट या की कि कीच काट या
 अतस्तनूर्न्तदामोअश्वुते

कु कि कीच

हूवा औहोवा । श्रतासइद्धह न्तस्सन्तदाशता । हूवा औहोवा औहोवा । अर्कस्यदेवाः परामे व्योमान् ॥ ३५ ॥

काट या कु टि ट ख शि कि कीच चिट ख

दशम स्वण्डः

॥वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥

इन्द्रमच्छा । सूतार्इमाउवोवा । वृषाणय्यन्तुहारयाउवोवा । श्रृष्टाइ । जातासइ
 ती टी खाश का था टच्क टा खाश चाश
 न्दावाः । सूवर्वाइदाः । ओइळा ॥ १ ॥

इन्द्रमच्छा । सूतार्इमाइतार्इ माइ । वृषाणय्यन्तुहारयाहारायाः । श्रुष्टे जातासाइन्दवाआइन्दवाः । सुवरा औहोवाविदोवीदाः ॥ २ ॥
 ती टी टित श का थाचक टाकटत का थाट टि ती टिख शि ताट ख
 ॥वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥

इन्द्रमिन्दरा । आच्छासूताइमेआइमे । वृषानय्यन्तुहारयारायाः । श्रुष्टे जातासाइन्दवादावाःसुवरा औहोवा । विदोवीदाः ॥ ४ ॥
 ती चक या टा टि का था का टा टा का थाट टि टा किख शि ताट ख

इन्द्रमच्छसुताइमेवृषणय्यन्तुहाहो
 षु फूत
 रयायाः । श्रुष्टाउवाजाता
 ता ख का का का

उवासइन्दवास्सूवा हो । विदोइळा ॥ ४ ॥
 का चीक फूत खा शा
 ॥पौष्कलम् ॥

इन्द्रमाच्छास्सूतार्इ माइ । वृषाणय्यन्तुहारायाः । श्रृष्टाइ जातासइ न्दावाः ।
 क पा प्ला खाण श चा कीखण चाश टीख त्र
 सुवार्विदाः ॥ ५ ॥
 ता टाख

॥ऐषिराणिपञ्च ॥

प्रध न्वासौ । होओहोवा । मजाग्रवीःइन्द्रायेन्दौ । होओहोवा । परीस्तावाद्युम न्तांशौ । होओहोवा । ष्ममाभारासुव विंदौहोओहोवा । ऊपा ॥ ६ ॥

का शा का चण का टा था शा का खण चा टा का शा का खण का टा का की खत्र खश

प्रध न्वासौहोवाहोमजाग्रवीः । इन्द्रायेन्दौहोवाहोइपरीस्तावा । द्युम न्तांशौहोवाहोष्ममा

का की कि टा था की की टा का की कि

भारा । सुव विंदौहोवाहोवाओहोवा । ऊपा ॥ ७ ॥

य का किट्टख शि खश

औहोओहोइ प्रध न्वासो । औहोओहोमजाग्रवीः औहोओहोइ । इन्द्रायाइन्दोओहोओहोइपरीस्तावाऔहोओहोइ । द्युम न्तांशू औहोओहोष्ममाभारा औहोओहोइसूवा

क चिश का टा क कु टा क चिश था टिच्क कु टा क चिश का टाच्क कु टा क चि कात

र्वाइदा औहोवा । ऊपा ॥ ८ ॥

तट खा शि खश

हुवाइहुवाहोइ । प्रध न्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दोपारीस्तावा । द्युम न्तांशू

य टि शा का टा का था टि चा टा का टा

ष्ममाभारा । हुवाइहुवा

का टा टा टि

होइ सूवार्वाइदा

शाक त ट खा

औहोवा । ऊपा ॥ ९ ॥

शि खश

प्राधन्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दो । ओइपाराइस्तावा । द्युमान्तांशू । ओष्ममाभारा । सूवार्वीदाम् ॥ १० ॥

पि शु टाख ण टि पि श टाख ण टि खत्र ताट ख

॥शौक्तानिपञ्च ॥

सखायाया नीषीदतपुनाना

का टाच् दु

या प्रागायता ।शिशुन्नायाज्ञै पाराइभू षाताश्राया इ ।ओइळा ॥ ११ ॥

तच् चा शा टि त कथ् टीच्क टा खण्श प शा

सखायाया ।नीषीदाता ।पुनानायप्रगायताशिशुन्नायाज्ञैःपरी भूषा ताओहोवा ।श्रिये ॥ १२ ॥

ती खिण टा खण टट्ख शि ख श दु का टाट्ख शि ताच्

सखाययानीषीदाता ।पुनानायप्रगायताशिशुन्नायाज्ञैःपरा

षी टि त का षे टी

इभूषातानाया इ ।ओइळा ॥ १३ ॥

टि त ट खण्श प शा

ओहाइसखाययानीषीदाता ।पुनानौहोइपुनानौहोए ।याप्रायाप्रा ।गायतौहोइ गा

त पू ति त का कु पि शी क शीक

यतौहोए शाइशूंशाइशूम् ।नायज्ञौहोइ नायज्ञौहोए ।पारीपारा औहोवा ।ए भूषतश्रिये ॥ १४ ॥

पी शू तीश पु ता खा शि तच् तुच्

सखाययाउवोवा ।नीषाइदाताउवोवा ।पुनानायप्रगायताशाइशाउवोवा ।नायज्ञैःपारिभूषाताउवोवा ।श्रिये ॥ १५ ॥

फा खीश दु खाश का की ता टि खाश दु टा खीश ताच्

॥कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥

तांवा स्सखा ।योमदाया ।पुनानामभीगाया ता ।शाइशून्नाहव्यैस्वदयान्तगूर्क्तभा इ ।ओइळा ॥ १६ ॥

ख शपूख ण क टात कु टाट की का टि खीण्श प शा

ओइतंवस्सखा ।योमदायाउवोवापूनानमभिगाउवोवा

तू क भि खाश का टी खाश

यताउवोवाशिशुन्नाहव्यैस्वदयाउवोवा

शा खाश कि का टि खाश

न्तगाउवोवा ।र्क्तीभीः ॥ १७ ॥

शा खाश खपू

तंवस्सखायोमदाया ।पुनानमभिगायाताशाइशू न्नाहव्यैस्वदयान्तागूर्क्ताइभो ।हाइ ॥ १८ ॥

षी ति त का टी चा टिच्क खश ति प श ख प्ला शा

॥वैश्वदेवद्वे ॥

प्राणाशाइशू र्म्महा इनाम् । हिन्वान्नार्कता ।

ता ख शाष्ट्र खा णा टा ख ण

स्यादाइधीतिम् । वाइश्वापरिप्रियाभुवादधद्विता । ओइळा ॥ १९ ॥

त पि श कि की टा खीण प शा

प्राणाप्राणा । शाइशूशशाइशूर्म्महा आउवाए नाम् । हिन्वान्नार्कतास्यदाआउवाए धीतिम् । विश्वापरिप्रियाआउवा । भूवात् । अधौहौहुवाइद्वा इता औहोवा । उउपा ॥

ती टि टि ता भीख कि ता भीख श का ती टि खश टा ट टीट खा शि खा श

२० ॥

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

प्राणाशिशूः । महाइनमौहोवा । हिन्वन्नृतस्यदीधितिं । वाइश्वाउवापाराउवा । प्रियाभुवदधाउवा । एद्विता ॥ २१ ॥

ती टा खीत्र क शि कि कि का का टा की ता त ताच

प्राणाहोइयाहोइ । शाइशू र्म्महाइनामाबुहो औहोवा । हिन्वन्नृतस्यदीधिताइमाबुहो औहोवा । विश्वावारा । बुहो औहोवा । प्रीयाभू वा औहोवा । आधाद्विता ॥ २२ ॥

खि शि टिच टीच काक का क षी टु काक का टी काक का टिटख शि च तिच

॥मरुताम्प्रेष्ठःवसिष्ठस्यवा ॥

प्राणाहोइशाइशूर्हाहोइ । माहीनांहोवा

फा ष्ट्र खि शष्ट्र ता श क टा का

होए हिन्वान्नहहोयार्कता हाहोइ । स्यादीधिता

पा ष्ट्र खी शष्ट्र ता श चा का

इंहोवाहोए । वीश्वाहोइपारी हाहोइ । प्रीयाभुवाद्वोवाहोए । आधाद्वाइतो । हाइ ॥ २३ ॥

कि पा फा ष्ट्र खि शष्ट्र ति श चा टाक क पा प श ख ष्ट्र शा

॥आग्रेयञ्च ॥

पावास्वदाइवावीतायाइ । इन्दोधाराभीरोजासा ।

टी खीण श टी खिण

आकलशम्माधूमान्सो । मानए मानाःसदाए । होइळा ॥ २४ ॥

क्रूख ण चि पा ष्ट्र ष्ट्र शा

॥सोमसामच ॥

पवस्वदा इवावीतयाइन्दोधाराभिरोजसाए ।आकाहालाशाम्माधुहोमान्सो
 तीच् षु का क ख सु ट त य यात टाच्
 मानोबा ।स्वादोहाइ ॥ २५ ॥

क प षु ष्णा शा

॥सुज्ञानेद्वे ॥

सोमःपुना ।नऊर्मिणाव्यंवारांविधावताइ ।अग्रेवाचाःपावमानाओहोवा ।कनीकृददेऊपा ॥ २६ ॥

ती का चाथ टा का चाश था टाच् क टाट् ख शि का तिट् ख

सोमःपूना ।नऊर्मिणा

ती का का

उवाओवाओहोवा ।अव्यंवारांविधावत्यग्राउवा
 काट् ख शि दू ति का

ओवाओहोवा ।वाचःपवमानःकनाउवाओवा
 ट् ख शि कष चू काट् ख

ओहोवा ।क्रादात् ॥ २७ ॥

शि ख श

॥द्यौतेद्वे ॥

सोमःपुनानऊ ।र्मिणाव्यंवारांवीधावाती ।अग्रेवाचाः ।पावमानाः ।कानीक्रादात् ॥ २८ ॥

तू कु टि त ची ची काफ् ख

सोमःपुनानऊर्मिणाएही ।अव्यंवारां विधावताएही ।अग्रेवाचःपवमानाएही ।कानीक्रददेहियाहाहोइला ॥ २९ ॥

षी खु ष्णा कीच् का खा ष्णा षी खी ष्णा ता षु ष्ण शा

॥आतीषातीयेद्वे ॥

सोमः पुनानऊर्मीणा । अव्यंवारं वीधावत्यग्राओइवाचाः । पवाओमानाः । कनाइक्रा । दात् ॥ ३० ॥
 षि खिण कीच का टि खिण य खाण खीणफङ् ख

सोमाः पूना ओनऊर्मिणाए । अव्यंवारं विधावाती । अग्रेवा चाः पावमानाः । काना
 चा कफङ् खि झि यूपश खिणफङ् तच्च क टा त टद्ख

औहोवा । क्रददे ॥ ३१ ॥
 शि खि

॥ सोमसामानिचत्वारि ॥

प्रापुनानायवेधसाइ । होइहोइ सोमायावाचाउच्याताइ । भृतिन्नभरामातिभाइजूजोषाता इ । ओइला ॥ ३२ ॥
 पि शु षि डु भि श कु कि टी खण् श प शा

प्रपुनानौहोयवेधसाइ । सो
 फु कीश क

माऔहोयवचउच्यताइ । भृता
 का ख श्रु

औहोइन्नभरामातिभा
 कि ख झि डि

इः । जुजोआउवा । षाते ॥ ३३ ॥
 श ता टि खश

गोमन्नो होइन्दोअश्वादे । सूतः सुदक्षधकनीवाः । शुचिन्नवा र्णामधिगोऔहो । षुधारायाऔहोबा । होइला ॥ ३४ ॥
 फिं खि झि श यू श खीणफङ् खी ता काक टा खङ् फङ् शा

हावास्मा । भ्यान्तवा । वासुवाइदम् । अभाइवाणीरनाउवोवा । षाता । गोभिष्ठे वर्णा माभिवासयामसि । होइला ॥ ३५ ॥
 ति ख श खि णा टा खाश खीश खश चि थाच् टि शी ख झा

॥सोमस्ययशांसित्रीणि ॥

पवतेहारीयातोहरिरौ ।होयौहोवा ।आतिह्रां सीरंहीया औहोयौहोवा ।अभ्यर्षस्तोतृभ्योवा औहोयौहोवा ।रा वा औहोवा ।यशो याशाः ॥ ३६ ॥

ती चाट किच यटखश टीचक किचश यटखश कू काचयटखश टटख शि ताचकटख
पवापवतेहा ।रीयातोहरिरौ होयौहोओहो ।आतिह्रां ।सीरंह्या औहोयौहोओहो ।अभ्यर्षस्तोतृभ्योवा औहोयौहोओहो ।रा वा औहोवा ।यशो याशाः ॥ ३७ ॥

खा शी चाट किचयट खि टीच क काशयट खि का की कायट खि टटख शि ताचटख
पवतेहर्यतेहरीरातीह्रां सीरंह्या ।अभ्यर्षास्तोतृभ्योवा ।इरा रा औहोवा ।याशाः ॥ ३८ ॥

फू ताप छिडि पि झाता टटख शि खफु
॥औशनंवासिष्ठंवा ॥

परीकोशंमधुशूतं ।सोमःपुनानोर्षतीहोए ।अभिवा णीर्क्षीणामूससानाउवोवा ।षाता ॥ ३९ ॥

खि शु की दू खिणफफुत च था टि खाश खश

एकादश खण्डः

॥वासिष्ठेद्वे ॥

पावस्वामधुमक्तामाउवोवा ।ईन्द्रा ।यसोमाक्रातूविक्तामामादाओइमाहाउवोवा ।द्युक्षातमोमादाः ॥ १ ॥

ता दू खा श ख श कि क क मि टा टी खा श चा ता टा

पवस्वमाए ।धुमाक्तमाइ न्द्रायसोओओहोवामाक्रातूवीत्ताओओहोतमोमादाःमहाइद्युक्षाओहोवा ।तमोमादाः ॥ ३ ॥

तु का कि ति का तत टीत का ख खा ता टीर्ख शि ता ट ख

॥सभानित्रीणि ॥

पवस्वमधुमाइहा ।क्तामाइन्द्रायसोमःकृतुवीक्तमोमादाइहा ।महाइद्युक्षाइहा ।तामोमादाः ।ओइला ॥३ ॥

षू ता षु कु टि ति टी ति टि खण् प शा

पावस्वमधुमक्तामाः ।आइन्द्रायसोमाक्रातुवाइत्तामोमादाःमाहिद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ४ ॥

ख सु ड श दू क पी श त त पु श ख फ शा

पावस्वमधुमक्तामाः ।इन्द्रायसोमाक्रातुवाइक्तामोमादाः ।महाइद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ५ ॥

पि छा खा ण टुच्क पी श त त पु श ख फ शा

॥ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥

अभाइद्युम्बृहाद्याशाः ।

की ख कि फ

इलास्पतेदिदीहिदे वा ।देवायूम् ।वीकोशम्मद्यमां ।

की खी श का फ कि कि

यूवा ॥ ६ ॥

ख त्र

अभ्येद्युम्ब्राम् ।बृहाद्याशाः ।इलास्पताइदिदीहाइदे वादाइवायुम् ।विकौवाउवोवा ।शर्ममाद्यमांआउवा ।यूवा ॥ ७ ॥

ती चाय ट षी कि ख शा खी श खु ण का ता टि ख श

अभिद्युम्बृहदिहा ।याशाइलास्पतेदिदीहिदे

षी ती षु की

वादेवायूम् ।विकौहोवाहाइ ।शर्ममा द्यमांयूवाइलाभा ।ओइला ॥ ८ ॥

टि त ती त श टाच् का का खिण् प शा

अभिद्युम्बृहद्यशाः ।ईलास्पताइदिदीहिदाइवादेवयूम् ।वीकोशम्मद्यमांहोयूवाएहियाहा ।होइला ॥ ९ ॥

तु ति क कृ की चि टूच्य प षी श फ शा

॥शौक्तानित्रीणि ॥

आसोतापा ।राइषा औहोवा ।आता ।अश्वन्नस्तोममसूरं रजस्तुरमोएवना
ती ट खा शि खश था का की कि भि ता

ओए प्रक्षाओहोवा ।उदाप्रूताम् ॥ 10 ॥

टा खा शि ता टख

आसोतापा ।रिषिञ्चता ।ऊहोवाऊ ।

ती का टा टकथट

अश्वन्नस्तोममसुराऊहोवाऊ ।राजस्तुराऊहोवाऊ ।
था का टीटकथट च टिटकथट

वानप्राक्षाऊहोवाऊ ।उदाप्रूताओहोवा ।

चिट टकथट ता टख शि

उऊपा ॥ ११ ॥

खाश

आसोतापा ।रिषाइञ्चताअश्वन्नस्तोममासूरम् ।रजस्तूरंवनोहाबु ।प्राक्षामूदाहिम्माए ।प्रूतम् ॥ १२ ॥

टि त दु कू खश खि शु पि शि भि खश

॥वाचस्सामानित्रीणि ॥

आसोतापा ।रीषिञ्चताआधाओहोवा ।नस्तोममसूरम् ।रजस्तुरं होइवनाओहोवा ।प्रक्षामूदाप्रूतम् ॥ १३ ॥

ती ती टा खाश का की षी टी खाश का ता टख

आसोओहोतापाराइषीआता ।आश्वन्नस्तोममासूरम् ।रजस्तूरंवनोहाबु ।प्राक्षामूदाआउवा ।प्रूतम् ॥ १४ ॥

खा ता यु टा कू खश खि शु का ता टि खश

आसोतापा होरिषीञ्चताए ।आश्वन्नस्तो

णा च फङ्ग खि छ्लि चा थाच्

मामासूरम् ।राजस्तूरं वानाप्राक्षां ।ऊदां

चय टा कीच य टा प श

प्रूतां ।हाइ ॥ १५ ॥

खफ शा

॥कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥

एताम् ।उत्यम्मदाश्वूतम् ।साहास्त्रधारंवृषार्षभांटी)दीवोदूहम् ।विश्वाहोइहोइवासू ।
 ता टी खण की टा खण टा डु त
 नाइबा औहोवा ।भ्रातम् ॥ १६ ॥

ट खा शि खश

एतमूत्यम् ।मदाआउवाच्यूतम् ।साहास्त्रधारंवृषाभन्दिवोदूहांवाइश्वावसू ।
 ती ता टिखश की कि टिकख शु

निबाआउवाए ।भ्रातम् ॥ १७ ॥
 का भी खश

एतमुत्यमेमदा ।च्यूतांसहस्रधारंवृषाभ न्दीवोदूहाम् ।वाइश्वावासु नीबोबाभ्रातां ।हाइ ॥ १८ ॥
 कु ता पू की टित टि टाच्चकप फ्ल शा

एतमुत्यमोहाइ मदच्युतमोहाइ ।साहास्त्रधारंवृषार्षभम् ।दीवोदूहमोहाइ ।विश्वाहोइवासू ।नाइबा
 कु षा तु तश स्विश स्विण खुणश टा टित ट खा

औहोवा ।भ्रातम् ॥ १९ ॥
 शि खश

एतामुत्यम्मदाच्युतम् ।साहास्त्रधारंवृषाभन्दीवो
 फा खी शा की टी टाच

दूहमोइ ।विश्वावसूनिबा हो इभ्रातमाआउवा ।
 चिश टूच्चकच का ता टि

उऊपा ॥ २० ॥
 खा श

एतामुत्यम्मदाच्युतम् ।साहास्त्रधारंवृषाभन्दिवो
 खा फ्ली शा टी चि टि

ओवा ।दूहाम् ।विश्वावसूनिबाआए ।भ्रातामेहियाहा ।होइला ॥ २१ ॥
 का पश दू टा प फ्लीश फ्ल शा

॥दीर्घद्वे ॥

सासू । न्वेयोवासूनाम् । योरायामाने तायाइळा

ता का टात टा चिथ टि

नाम् । सोमाः । यास्सूक्षीताआइनां । हाइ ॥ २२ ॥

त ट त का पा फ्लि शा

ससुहाबु । न्वेयोवासूनंहाबु । योरायामाने तायाइळानंहाबु । सोमोयास्सू

ति श दु त श चा चिथ टी त श टी

हाबु । क्षितीनामौहोबा । होइळा ॥ २३ ॥

त श का पा फ्लि फ्ल शा

॥सोमसामानित्रिणि ॥

सस्वेसासू । न्वेयोवासाआउवा । नांयोरायामाने तायाइळानांसोमौवाउवोवा । यास्सूक्षिताआउवाए । नाम् ॥ २४ ॥

ती का ता टि ख टा चिथ टी खुण का ता भि ख

ससून्वेयाएवासू । नायोरायामाने तायाइळानाम् । सोमाः । यास्सूक्षिता इ । नाम् ॥ २५ ॥

शु ता क याप काथ टि ख ता का खाणफ्लू श ख

सासून्वेयोवसूनाम् । योरायामाने तायाइळानाम् । सोमोयस्सूक्षितीनाम् । सोमाः ॥ २६ ॥

पि शी क यप काथ पि त्र टा कीख ट ख

॥शैतेष्याणिचत्वारि ॥

त्वंहियाम् । गदाइव्यपवमानजनि

ति शी चू

मा निद्यु माक्तामाः । आमार्क्तात्वायाघोबाषाया । न्हाइ ॥ २७ ॥

कच काट टा टा कप फ्ल फ्ल शा

त्वंहियाम् । गदाइव्यपवमानहोवाहाइ । जनिमानीद्युमार्क्तामाः । आमार्क्तात्वाओहोवा । यघोषाया न् ॥ २८ ॥

ति शी किक टात श टि ख पा त त टि ख शि का टाख

त्वंह्यंगदा । इव्यपवमानजनिमानिद्युमाक्तामाः । आमार्क्तात्वायाघोबाषाया । न्हाइ ॥ २९ ॥

ती षु कि टि त टि तच कप फ्ल फ्ल शा

त्वंहायांगादाइव्याम् । पावमाना जनिमा नायेद्युमाक्तामाः । आमार्क्तात्वा । याघोबाषाया । न्हाइ ॥ ३० ॥

स्वि फ्लि टि कथ टिच्कप पा त त भि तच कप फ्ल फ्ल शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

एषस्यधारयासूताः । अव्यावाराइभाइः पवतेमदिन्तामाः । क्रीलान्नूर्म्माइः । आपा
क यु टा थाच्क षी कु चा टि त श प श
माइवो हाइ ॥३१ ॥

एषास्यधारयासुताः । अव्याहोइवारेभिः पवतेमदीन्तामाः । क्रीलान्होऊर्म्मीः । अपामीवाऔहोबा । होइला ॥ ३२ ॥

क प शु भिश मि यु टा राच्य ट त चाक टा खङ्ग फ शा
एषस्यधारयासुताः । अव्यावाराइभिः पवाताइमदीन्तमाः । क्रीलान्नूर्म्मीरपाउवाओबामाइवो । हाइ ॥ ३३ ॥

फी की थाच्क कुप शि का षी कीप फङ्ग शि शा

॥गायत्रपार्श्वं ॥

एषाः । स्यधारयाआउवासूताः । अव्यावारे भिः पवते मादिन्तामाः ।
ता का ता टि खङ्ग षी कीच्क टा ख

क्रीलान्नूर्म्मीरपाहिंबा । माइपा ॥ ३४ ॥

यि ट ताप श टिख

॥सन्तनिच ॥

एषाहाबु । स्यधारयाआउवा । सूताः अव्यावारे भिः पवते मादिन्तामाः । क्रीलान्हाबु ।
ता त श का ता टि खङ्ग षी कीच्क भि ता त श

ऊर्म्मीरवाआउवा । मीवा । याउस्त्रियाअपियाआ
का ता टि ख श षी कि च

न्तारश्मानी । निर्गाहाबु । आक्रन्तदोआउवाजासाआभिवृजन्तन्तीषे
खी ता त श का ता टि ख श षी की

गव्यमश्चिया म् । वर्म्मीहाबु । वाधृष्णवाआउवा । रुजा ॥ ३५ ॥

टुख ता त श का ता टि ख श